Bihar Naman GS

An Institute for UPSC & BPSC

पहला अंक | दिसंबर 2023

बिहार नमन

70वीं BPSC

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं पर केन्द्रित मासिक पत्रिका

- मासिक करेंट अफेयर्स (राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय व बिहार विशेष)
- प्रारंभिक परीक्षा नोट्स
- मुख्य परीक्षा शॉर्ट्स नोट्स
- मुख्य परीक्षा विशेष लेख
- निबंध लेख
- वस्तुनिष्ठ करेंट अफेयर्स अभ्यास प्रश्न
- 67 वीं BPSC टॉपर्स टॉक

आगामी अंक में-

- विशेष आलेख: चौथा कृषि रोड मैप
- निबंध: बनला के सब सार होला आ बिगड़ला के कोई पाहुनो ना होखें.

Bihar Naman Publishing House

Follow Us:-

बिहार नमन 70वीं BPSC

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं पर केन्द्रित मासिक पत्रिका

पहलाः अंक

दिसंबरः 2023

संपादकः अनिशा शेखर सिंह

आवरण व सज्जाः बिहार नमन ग्राफिक्स

टाइपसेटः मनोज कुमार एवं मो. आमिर अहमद (नई दिल्ली)

संपादकीय कार्यालय

बिहार नमन जीएस

तीसरा तल, ए. के. पाण्डेय भवन,

रोड न.- 2 (नियर दिनकर गोलंबर),

राजेंद्र नगर, पटना-800016

ई-मेलः biharnaman@gmail.com

वेवसाइटः www.biharnaman.in

मो.- 8368040065

नोटः बिहार नमन जीएस की पूर्व अनुमति के बिना इस पत्रिका की सामग्री किसी भी रूप में पुर्नप्रकाशित या फोटो कॉपी या पीडीएफ विक्रय नही किया जा सकता। 'बिहार नमन 70 वीं BPSC' पत्रिका से संबंधित सभी विधिक मामलों का निस्तारण केवल पटना (बिहार) में ही किया जाएगा।

स्वामित्व

संतोष कश्यप

निदेशक, बिहार नमन ग्रुप

कॉपीराइटः बिहार नमन पब्लिशिंग हाउस

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

संपादकीय

प्यारें विद्यार्थियों

बिहार नमन परिवार में आपका स्वागत हैं।

68वीं BPSC मुख्य परीक्षा और *69वीं BPSC प्रारंभिक परीक्षा* के प्रश्नों को देखने के बाद आपने यह महसूस किया होगा कि अब केवल रट लेने मात्र से परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकते। 70वीं BPSC के लिए अब आप सभी विद्यार्थियों को नए स्ट्रेटजी के साथ तैयारी करनी होगी। इसके लिए आपको BPSC पाठ्यक्रम के सभी टॉपिक्स पर गहरे ज्ञान और विश्लेषणात्मक समझ की आवश्यकता होगी। 'बिहार नमन 70वीं BPSC मासिक पत्रिका' की शुरुआत इसी उद्देश्य से किया जा रहा है ताकि 70वीं BPSC परीक्षा के सभी चरणों (प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, निबंध व साक्षात्कार) के लिए आपको अच्छे से तैयार किया जा सके। यह पत्रिका प्रारंभिक परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय तथा बिहार विशेष करेंट अफेयर्स (दैनिक समाचार पत्रों, सरकारी रिपोर्टों व सरकारी विभागों/ मंत्रालयों से प्राप्त नवीनतम सूचनाओं पर आधारित), वस्तुनिष्ठ अभ्यास प्रश्न, उच्च गुणवत्ता के शॉर्ट्स व दीर्घ नोट्स (प्रारंभिक व मुख्य परीक्षा के लिए), मुख्य परीक्षा सामान्य अध्ययन के पेपर 1 और 2 के सभी खण्डों के लिए प्रमुख / विशेष आलेख (जो विषय विशेषज्ञों तथा BPSC में चयनित पदाधिकारीयों द्वारा लिखे गए हैं), निबंध लेख तथा सामान्य अध्ययन मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्नों से सुसज्जित है। साथ ही इसमें 67वीं BPSC टॉपर्स टॉक भी दिया गया हैं जो आपके लिए विशेष मार्गदर्शन का काम करेगा। एक ही पत्रिका में इतना सारा ज्ञान मिलना निश्चित ही आपकी सफलता सुनिश्चित करेगा। यदि आप सच में 70वीं BPSC के लिए एक गंभीर प्रतिभागी हैं और आप इस परीक्षा को उत्तीर्ण करना चाहते हैं तो निश्चित ही आपको यह पत्रिका निरंतर रूप से पढ़ना चाहिए। यह पत्रिका प्रारंभिक परीक्षा से साक्षात्कार तक के लिए बहुत उपयोगी हैं।

पटना

दिसंबर 2023

संपादक

अनिशा शेखर सिंह

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC, Patna

इस पत्रिका से सम्बंधित आपके सुझाव व शिकायत biharnaman@gmail.com पर ई-मेल करें या 8368040065 पर व्हाट्सअप करें।

अनुक्रमणिका

प्रीलिम्स विशेषांक **4-42**
(द्वाराः अनिशा शेखर सिंह, संपादक)

- राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स **4-16**
- अंतर्राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स **16-20**
- बिहार करेंट अफेयर्स **21-30**
- विश्व की पवनें **31-34**
- करेंट अफेयर्स वस्तुनिष्ठ अभ्यास प्रश्न (5 अक्टूबर 2023 से 22 नवम्बर 2023 तक) **35-42**

मुख्य परीक्षा (सामान्य अध्ययन) विशेषांक **43-93**

पेपर- 1........

- शॉट्र्स कन्टेन्ट (पेपर- 1 के लिए) **43-46**
  (द्वाराः बिहार नमन जीएस रिसर्च टीम)

खंडः I

- विशेष आलेख : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस **47-56**
  (लेखनः श्री तरुण रंजन, अंचल अधिकारी, बिहार सरकार)

खंडः II

- प्रमुख आलेख : भारत-नेपाल संबंधः अतीत से वर्तमान **58-66**
  (लेखनः फिरोज आलम, Dy SP सिवान सदर, बिहार सरकार)

खंडः III

- DI : पाई चार्ट के प्रश्न और उसके हल **67-69**
  (द्वाराः श्री राजेश कुमार, सिविल सेवा साक्षात्कार में शामिल)

पेपर- 2........

- शॉट्र्स कन्टेन्ट (पेपर- 2 के लिए) **70-74**
  (द्वाराः बिहार नमन जीएस रिसर्च टीम)

खंडः I

- प्रमुख आलेख : बिहार के राज्यपाल के कार्य एवं शक्तियां और प्रतिनिधि के रूप में भूमिका **75-82**
  (लेखनः श्री अनूप कुमार सिन्हा, लोक प्रशासन)

खंडः II

- विशेष आलेख : बिहार का आर्थिक पिछड़ापन और आर्थिक विकास हेतु बिहार में उपलब्ध संसाधन **83-88**
  (लेखनः संतोष कश्यप, निदेशक, बिहार नमन ग्रुप)

खंडः III

- विशेष आलेख : जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बिहार के बढ़ते कदम **89-93**
  (लेखनः श्री दयानंद कुमार, Dy SP, बिहार सरकार)

निबंध : युवा, बिहार नहीं हैं, बल्कि बिहार युवा हैं। **94-97**
(लेखन : संतोष कश्यप, निदेशक, बिहार नमन ग्रुप)

67वीं BPSC टॉपर्स टॉकः सुश्री रानी कुमारी, प्रोबेशन ऑफिसर, रैंक- 273, 67वीं BPSC **99-100**

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

प्रीलिम्स विशेषांक

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

- **बिहार 'हर घर नल का जल'** पहुँचाने की शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाले राज्यों की सूची में **9वें** स्थान हासिल किया हैं। यहाँ की उपलब्धि **96.41** है।
  - शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाले राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों की सूची में **अंडमान-निकोबार, दमन-दीव, हरियाणा तेलंगाना, पुडड्चेरी, गुजरात, पंजाब** एवं **हिमालय प्रदेश** है।
  - पश्चिम बंगाल सबसे निचले स्थान पर है। यहां यह आंकड़ा 38.92% है।
  - यह बिहार की अपनी योजना है। राज्य सरकार द्वारा इस योजना के तहत केन्द्र से मिलने वाली राशि को लौटा दिया गया था।
  - पंचायती राज, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और नगर विकास के नियंत्रण में शुरू हुई यह योजना अब **लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग** (बिहार सरकार) के अधीन है।
- **IIT मंडी** (हिमाचल प्रदेश) द्वारा सोलर थर्मल इलेक्ट्रिक हाइब्रिड कुकिंग ओवन (स्टेको) विकसित किया गया है। इससे सौर, बिजली या हाइब्रिड मोड में खाना पकाया जा सकता है।

- भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा **मेरा युवा भारत (माई भारत)** संगठन का शुभारंभ 31 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर किया गया।
- राज्यों और केन्द्रशासित क्षेत्रों से मिले आंकड़ों के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार 2022 में कुल 4,61,312 दुर्घटनाएं दर्ज की गई है।
  - इसमें 1,68,491 लोगों की जान गई तथा 4,43,366 लोग घायल हुए।
  - 2021 के मुकाबले दुर्घटनाओं में 11.9% मौतों में 9.4% और घायलों की संख्या में 15.3% की वृद्धि हुई।
  - हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा के उपाय न अपनाने के कारण 66,744 लोगों की जान गई है जो कुल मौतों का 40% है।
  - प्रत्येक 1 घंटे में लगभग 53 हादसे हो रहे हैं और इसमें 19 लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।
  - तेज रफ्तार अभी भी 71% से अधिक हादसों की मुख्य वजह है।
- केन्द्र सरकार द्वारा घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ा कर 9800 रूपये प्रति टन कर दिया है। यह दर 1 नवंबर 2023 से प्रभावी हो गया हैं । अभी तक कच्चे तेल के उत्पादन पर 9050 रूपये प्रति टन की दर से अप्रत्याशित लाभ कर था।
  - हवाई ईधन पर लगनेवाला अप्रत्याशित लाभ कर को एक रूपया से घटाकर शून्य कर दिया है।
- केन्द्र सरकार का **राजकोषीय घाटा** चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पूरी वर्ष के लक्ष्य का **39.3%** पर पहुंच गया है। CGA (लेखा महानियंत्रक) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि सितंबर 2023 के अंत में राजकोषीय घाटा 7.02 लाख करोड़ रूपये रहा।
  - ***राजकोषीय घाटा व्यय और राजस्व के बीच का अंतर है।***
  - बजट में सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 5.9% तक लाने का लक्ष्य रखा है।
- ISA (अंतर्राष्ट्रीय सौर एलायंस) के 6ठें सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में हुआ।
  - ISA असेंबली के अध्यक्ष तथा बिजली मंत्री आर. के. सिंह ने कहा कि दुनिया में 73.3 करोड़ लोग बिजली की सुविधा से वंचित हैं।
  - दुनिया के 80% आबादी उन देशों में रहती है जो बिजली के लिए जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भर है।
  - नवीनीकरण ऊर्जा को बढ़ाने के लिए ISA दुनियाभर में सोलर परियोजनाओं की स्थापना के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (VGF) को परियोजना राशि के 10% से बढ़कर 35% तक करने का फैसला किया है।
  - दुनिया के 55 विकासशील देशों में 95000 मेगावाट क्षमता की सोलर परियोजना की स्थापना में ISA मदद कर रहा है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

➢ **बैलोन डी'ओर पुरस्कार फुटबॉल-2023**

- सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर- लियोनेल मेसी (आठवीं बार)। इन्होंने कायलिथन एमबापे एवं हॉलैंड को पीछे छोड़ा है।

- सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर- एईटाना बोनमाती (स्पेन)
- विश्व का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (यासीन ट्रॉफी)- एमिलियानो मार्टिनेज (अर्जेंटीना)
- मानवता के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान (साक्रेट्स पुरस्कार)- विनिसियस जूनियर (ब्राजील)
- बैलोन डी'ओर पुरस्कार 1956 से समाचार पत्रिका फ्रांस फुटबॉल की ओर से सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर को दिया जाता है।

➢ **अबूधाबी** में **IIT दिल्ली का कैंपस** खोलने की योजना हैं। वहां 'केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' का एक कार्यलय खोला जाएगा। वर्तमान में यूएई में केंद्रीय विद्यालय सहित सीबीएसई से संबद्ध लगभग 100 स्कूल संचालित हो रहे हैं।

➢ **इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 (आईएमसी)** का आयोजन नई दिल्ली में किया गया।

थीम: ग्लोबल डिजिटल इनोवेशन

➢ यूनेस्को ने **'ग्वालियर'** को क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में सिटी आफ म्यूजिक का दर्जा दिया है।

- ग्वालियर के अलावा **वाराणसी** व **चेन्नई** को भी ***सिटी ऑफ म्यूजिक*** का खिताब मिला है।
- ग्वालियर का संबंध तानसेन से है।

लाभ

- विश्व पटल पर शहर की प्रसिद्ध होगी।
- यहाँ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।
- यह शहर अंतरराष्ट्रीय स्तर के संगीत आयोजनों में भाग ले सकेगा।

➢ केंद्र सरकार विकसित देशों के तर्ज पर यातायात मॉडल तैयार कर रही है। इस व्यवस्था के संचालन के लिए नोएडा स्थित भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय की सहायता से **सेंटर फॉर एडवांस ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम (CATTS)** स्थापित किया जा रहा है।

- पहले चरण में मेरठ और नागपुर में कार्य शुरू हो चुका है जो 2024 तक पूरा किया जाना है।

➢ भारत के अनुभवी तैराक वीरधवल खाडे ने राष्ट्रीय खेलों में 50 मीटर में फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद घरेलू टूर्नामेंट से संन्यास ले लिया।

➢ क्रिकेट विश्व कप 2023 में श्रीलंका को 302 रनों से हराकर भारतीय क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी।

- यह भारत का विश्व कप इतिहास में दूसरी तथा वनडे इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी जीत है।

विश्व कप में रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत के आंकड़े-

रन	जीता	हारा	स्थान	वर्ष
1. 309	ऑस्ट्रेलिया	नीदरलैंड	दिल्ली	2023
2. 302	भारत	श्रीलंका	मुंबई	2023
3. 275	ऑस्ट्रेलिया	अफगानिस्तान	पर्थ	2015

वनडे में रनों के अंतर में सबसे बड़ी जीत के आंकड़े-

रन	जीता	हारा	स्थान	वर्ष
1. 317	भारत	श्रीलंका	तिरुवंतपुरम	2023
2. 309	ऑस्ट्रेलिया	नीदरलैंड	दिल्ली	2023
3. 302	भारत	श्रीलंका	मुंबई	2023

➢ डाक विभाग की विभिन्न सेवाओं पर अब 18% जीएसटी वसूला जाएगा।

➢ केंद्र सरकार की सड़क दुर्घटनाओं पर रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में ग्रामीण इलाकों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में जान गवाने वाले लोगों की संख्या शहरी क्षेत्र की तुलना में अधिक है।

- शहरी क्षेत्र में 54230 लोगों (32%) तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 114261 लोगों (68%) की जान गई है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कारण

1. ट्रामा सेंटर और मेडिकल सुविधाओं की अपर्याप्त संख्या।
2. सड़क सुरक्षा नियमों का पालन न करना।
3. सुरक्षित ड्राइविंग को लेकर जागरूकता का अभाव।

➢ HCL टेक्नॉलाजीज के शिव नादर वर्ष 2023 में भी भारत के सबसे बड़ा दानदाता बने। उनका योगदान 76% बढ़कर 2042 करोड़ रहा है।
- यह सूची ***'हरून इंडिया'*** द्वारा जारी किया गया है।
- विप्रो के अजीम प्रेमजी का दान 26.7% बढ़कर 1774 करोड़ रुपए रहा और वह दूसरे स्थान पर रहे।
- मुकेश अंबानी द्वारा 376 करोड़ रुपए का दान दिया गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 8% कम है।
- रोहिणी नीलेकणी महिला में सर्वाधिक दान करने वाली बनी हैं।
- निखिल कामत सबसे कम उम्र के दानदाता बने। कामत बंधुओं ने 110 करोड़ रुपए दान किए।
- कामत बंधुओं ने शेयर बाजार में कारोबार की सुविधा देने वाली कंपनी 'जेरोधा' का स्थापना किया है।

➢ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2 नवंबर 2023 को भारत मंडपम में वर्ल्ड फूड इंडिया के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया गया।

➢ वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-सितंबर में वस्तुओं के कुल निर्यात में पिछले वर्ष के समान अवधि की तुलना में 8.77% की गिरावट देखी गई, परंतु फार्मा के निर्यात में 5% की बढ़ोतरी देखी गई है।
- अप्रैल-सितंबर में 13.3 अब डॉलर का फॉर्म निर्यात किया गया।

कारण

- एक्टिव फार्मास्यूटीकल्स इंग्रेडिएंट्स (API) के घरेलू निर्माण के प्रोत्साहन के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) स्कीम शुरू होने के बाद फार्मा के आयात कम होते जा रहे है।

➢ मोहम्मद शमी विश्वकप में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट (45) लेने वाले खिलाड़ी बने है। दूसरे स्थान पर जहीर खान (44) हैं।
- शमी 7 बार या उससे ज्यादा विकेट वनडे विश्वकप में लेने वाले इकलौते गेंदबाज हैं।
- शमी ने 3 बार वनडे विश्वकप में 5 विकेट लिए हैं। वह इस मामले में स्टार्क के बराबर पहुंच गए।

➢ आंध्र प्रदेश की कैबिनेट ने नवम्बर 2023 को जाति जनगणना कराने के लिए मंजूरी दे दी है।

➢ त्रिपुरा सरकार ने पुलिस भर्ती में 33% महिला आरक्षण का प्रावधान किया हैं।

➢ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में पिछले 9 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए का एफडीआई प्राप्त हुआ है। इस दौरान प्रसंस्कृत खाद्य के निर्यात में 150% की वृद्धि हुई है।

➢ वर्ल्ड फूड इंडिया सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य भारत को दुनिया की खाद्य टोकरी के रूप में प्रदर्शित करना है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा *बाजरा* को *सुपरफूड बकेट* बताया गया है।

➢ गुजरात के **सुनील जुलिया जिन्ना भाई** ने 37वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की 3000 मीटर स्टिपलचेंज स्पर्धा में रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। इन्होंने 8:37.15 सेकंड में दौड़ पूरी कर रिकॉर्ड बनाया।

➢ राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) प्रशिक्षण केंद्र, मानेसर (हरियाणा) में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में **बिहार पुलिस को दूसरा स्थान** मिला प्राप्त हुआ हैं।
- NSG प्रशिक्षण केंद्र में 7वीं नेशनल ज्वाइंट काउंटर IED एक्सरसाइज (विस्फोटक कवच) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- इस प्रतियोगिता में बिहार पुलिस की तरफ से आतंकवाद निरोधक दस्ता (ATS) की बम डिफ्यूट (BD) एवं अपरा अनुसंधान विभाग (CID) के श्वान दस्ता की संयुक्त टीम ने भाग लिया।
- इसमें आंध्र प्रदेश का पहला तथा पश्चिम बंगाल का तीसरा स्थान रहा।

➢ प्रधानमंत्री मोदी ने **छत्तीसगढ़ के दुर्ग** में घोषणा किया कि अगले 5 साल तक लगभग 80 करोड़ गरीबों को राशन मुफ्त में दिया जाएगा (2028 तक)।
- यह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKY) के तहत दिया जाएगा जो 30 जून 2020 को शुरू हुआ था।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- इसके तहत गरीब नागरिकों को 5 किलो गेहूं या चावल मुफ्त दिया जाता है।

- इस योजना के क्रियान्वयन से केंद्र सरकार पर सालाना लगभग 2 लाख करोड़ का बोझ पड़ने का अनुमान है।
- इसके तहत अब अब तक कुल 7 चरण में 1118 लाख टन खाद्यान्न का आवंटन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को किया गया है।

➢ इससे प्रमुख एस. सोमनाथ ने अपनी आत्मकथा में पूर्व इसरो प्रमुख **के. सिवन** के बारे में कुछ कथित आलोचनात्मक टिप्पणियों पर विवाद होने के कारण अपनी पुस्तक के प्रकाशन को रोक दिया हैं।

- **आत्मकथा:** ***निलावु कुदिचा सिम्हंगल (मलयालम) (अंग्रेजी अनुवाद: लायंस दैट ड्रंक द मूनलाइट)***
- इसमें चंद्रयान-2 मिशन की असफलता का वर्णन है।

➢ भारत का सतही तापमान 2100 ई तक 5.2% बढ़ जाएगा।

➢ **महादेव ऐप:** यह ऑनलाइन सट्टा लगाने वाली ऐप है जिसे केंद्र सरकार (आईटी विभाग) ने ब्लॉक कर दिया है। इसके साथ 21 अन्य ऐप को भी ब्लॉक कर दिया हैं। यह ऐप क्रिकेट, बैडमिंटन से लेकर कई प्रकार के खेल के साथ देश में होने वाली चुनाव से संबंधित सट्टेबाजी में लिफ्त पाया गया है।

- राज्य सरकारों द्वारा किसी भी संदिग्ध ऐप को आईटी धारा की **धारा 69ए** के तहत ब्लॉक किया जा सकता है।

➢ रक्षा मंत्री द्वारा सशक्त बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु सैनिकों के लिए उनके समकक्ष अधिकारियों के बराबर मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक ग्रहण अवकाश देने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

- हर बच्चे के लिए पूरे वेतन के साथ 180 दिन का मातृत्व अवकाश मिलता है। यह नियम अधिकतम 2 बच्चों पर लागू होता है।
- महिला अधिकारियों को संपूर्ण सेवा काल में 360 दिन का शिशु देखभाल अवकाश मिलता है। इसके लिए बच्चों की आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए।
- 1 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने की वैध तिथि के बाद 180 दिनों की दत्तक ग्रहण छुट्टी दी जाती है।

➢ 6 नवंबर से केंद्र सरकार द्वारा खुले बाजार की तुलना में **'भारत आटा'** (गेहूं का आटा) के नाम से सस्ता दाम पर आटा बेचा जाएगा। इसका दर **27.50** रुपए प्रति किलोग्राम है। इसकी शुरुवात कर्तव्य पथ, नई दिल्ली से की गयी।

- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 15 नवम्बर 2023 को 'भारत आटा' बेचने की शुरुआत कर दी गयी है।
- इसकी बिक्री केंद्रीय भंडारों, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी वितरण संघ (नेफेड), राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता फेडरेशन (NCCF), मदर डेयरी के आउटलेट व अन्य सहकारी एजेंसियों के जरिए की जाएगी।

➢ चालू वित्त वर्ष के पहले 7 माह (अप्रैल-अक्टूबर 2023) के दौरान देश में बिजली की खपत में 9.4% की वृद्धि हुई है।

- आर्थिक गतिविधियों और मौसम में सुधार बिजली खपत वृद्धि का प्रमुख कारण रहा है।
- इस अवधि में पूरे देश में 984.39 अरब यूनिट बिजली की खपत रही है

➢ रांची के **'मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम'** में भारतीय महिला हाकी टीम ने 5 नवंबर 2023 को जापान को 4-0 से अंतर में हराकर 'एशियन चैंपियन ट्रॉफी' जीता। यह ट्रॉफी भारत को दूसरी बार मिला है।

- भारत की दीप ग्रेस एक्वा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।
- झारखंड की संगीता कुमारी को 'राइजिंग स्टार' का खिताब दिया गया।
- चीन की टीम को कांस्य पदक मिला है।

➢ भारत की **'आर वैशाली'** ने मंगोलिया के बातखुयाग मुंगुतुल के साथ अंतिम राउंड में ड्रॉ खेलकर **'फिडे ग्रैंड स्विच शतरंज'** में महिलाओं का खिताब जीत लिया है।

➢ हिमाचल प्रदेश के पूर्व आईएफएस अधिकारी **विनोद कुमार तिवारी** को केंद्रीय सूचना आयोग में **सूचना आयुक्त** बनाया गया हैं। ये उत्तर प्रदेश (अयोध्या) के रहने वाले हैं।

➢ दूसरे देशों से आने वाले कुछ निश्चित उत्पादों पर प्रतिबंध प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) स्कीम और आवश्यक गुणवत्ता

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

मानको जैसे- सरकारी प्रयासों की मदद से गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात में कमी आई है।

- इसमें स्मार्ट टी.वी, टायर, वॉलपेपर और एसी गैस कंप्रेसर जैसी गैर-जरूरी वस्तुएं शामिल की जाती है।
- वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में टायर का आयात 74% घटकर 7.4 करोड़ डॉलर रहा जो 2019-20 में 27.6 करोड डालर था।
- 2023 में अप्रैल-अगस्त के दौरान वॉलपेपर का अगस्त 7.1 घटकर डॉलर रहा जो पिछले वर्ष समान अवधि में 4.4 करोड़ था।
- वॉलपेपर के आयात में कमी लाने के लिए सरकार ने पेपर इंपोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम (PIMS) लागू किया था।
- जुलाई-अगस्त के दौरान फुटवियर आयात 54% घटकर 7.5 करोड़ डॉलर रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 16.3 करोड डॉलर था।
- घटिया फुटवियर के आयात को कम करने के लिए जुलाई, 2023 में भारत में गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया गया था।
- केंद्र सरकार ने व्हाइट गुड्स (AC उपकरण और LED लाइट्स) के लिए 6238 करोड रुपए की PLI स्कीम को मंजूरी दी है।

➢ कंपोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स जिसे 2018 में नीति आयोग द्वारा शुरू किया गया था, को अब बंद कर दिया गया है क्योंकि भूमिगत जल उपलब्धता का डाटा त्रुटिपूर्ण है।

➢ भारत के *कृषि उत्पादन का निर्यात*: **समुद्री उत्पाद > गैर-बासमती चावल > बासमती चावल > मसाला > भैंस का मांस > चीनी > कॉटन**

➢ भारत के *कृषि उत्पादन का आयात*: **खाद्य तेल > दाल > ताजे फल > काजू > मसाला > कॉटन > प्राकृतिक खाद**

➢ **हीरालाल सामरिया** भारत के नए मुख्य सूचना आयुक्त बनाए गए है। ये पहले दलित CIC है जिनका संबंध राजस्थान से है।

➢ ब्रोकरेज फॉर्म ***मार्गन स्टेनली*** के रिपोर्ट के अनुसार भारत की सांकेतिक जीडीपी 2027 तक 5 लाख करोड डॉलर तक पहुंच जाएगी जिसके कारण भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।

- इस रिपोर्ट में कहा गया है कि **भारत का विकास दर 2024 में 6.4%** और **2025 में 6.5%** की दर से बढ़ेगी।
- 2010 में वैश्विक विकास में भारत का योगदान 10% था जो बढ़कर 2022 में 15% हो गया। 2023-28 के बीच यह 17% हो जाएगा।
- भारत की सांकेतिक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2025 तक बढ़कर 12.4% तक पहुंच जाएगी और चीन अमेरिका व यूरो क्षेत्र से बेहतर प्रदर्शन करेगी।

➢ साख निर्धारित करने वाली एजेंसी 'फिच रेटिंग्स' ने भारत के मध्यम अवधि के आर्थिक वृद्धि अनुमान को 0.70% बढ़ाकर 6.2% कर दिया है।

- 10 उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए मध्यम अवधि में संभावित वृद्धि दर 4% रहने का अनुमान लगाया है।
- चीन के विकास अनुमान को 0.7% घटकर 4.6% किया गया।

➢ पंजाब ने बड़ौदा को हराकर पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 टूर्नामेंट का खिताब जीता है।

➢ देश में पहली बार टाटा मोटर्स के द्वारा नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास ग्रीन हाइड्रोजन से बस चलाई गई।

➢ केंद्र सरकार द्वारा 169 शहरों में 10 हजार ई-बसें चलाने के लिए पीएम-ई बस सेवा योजना लॉन्च की गई है।

➢ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा गाजियाबाद स्थित **हिंडन एयरपोर्ट** पर **C-295** सैन्य परिवहन विमान वायु सैना को सौपा गया। यह विमान HS-748 एवरो विमान का स्थान लेगा।

- C-295 एक सामरिक परिवहन विमान है जिसमें ऑटोरिवर्स की क्षमता है जो 12 मीटर चौड़े यानी संकीर्ण रनवे पर 180 डिग्री मुड़ने में सक्षम है।
- यह विमान मात्र 320 मीटर ट्रैक पर टेकऑफ कर सकता है।
- इसकी लैंडिंग के लिए सिर्फ 670 मीटर रनवे पर्याप्त हैं।

➢ देश में पहली बार हुई मोटोजीपी को मूनी BR46 रेसिंग टीम के राइटर मार्को बेजेकी ने जीता। ये इटली के निवासी हैं।

➢ अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता सम्मेलन के मौके पर गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्व अटार्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल को विधि रत्न से सम्मानित किया।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- प्रसिद्ध लेखिका और इन्फोसिस के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति की पत्नी **सुधा मूर्ति** को कनाडा इंडिया फाउंडेशन द्वारा **ग्लोबल इंडियन अवार्ड** दिया गया।
  - यह अवार्ड पाने वाली वह पहली भारतीय महिला है।
  - इस पुरस्कार राशि (50000 डॉलर) को सुधा मूर्ति द्वारा फील्ड इंस्टिट्यूट (टोरंटो विश्वविद्यालय) को दान कर दिया गया।
- भारत ने 5-जी सेवाओं की शुरुआत कर मोबाइल डाउनलोड स्पीड में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है। कंपनी 'ऊकला' के अनुसार भारत स्पीडटेस्ट ग्लोबल इंडेक्स में 72 पायदान चढकर 47वें स्थान पर रहा है।
- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने भारतीय वायुसेवा को पहला एलसीए तेजस टू सीटर विमान सौंप दिया है।
- कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 2 गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने गत चैंपियन जापान को हराकर 9 साल बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है।
- अभिनेता व निर्देशक **चितरंजन त्रिपाठी** को **राष्ट्रीय राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD)** का निदेशक बनाया गया। 5 वर्षों के बाद NSD को पूर्णकालिक निदेशक मिला है। NSD की स्थापना 1959 में संगीत नाटक अकादमी द्वारा किया गया था और 1975 में इसे स्वायत्तता मिली। NSD का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- *जीएसटी काउंसिल ने मोटे अनाजों के मिश्रित आटे को कर के दायरे में शामिल किया है।* अब इसपर 5% की दर से कर लगेगा। यह कर मिलेट्स के 70% से ज्यादा मिश्रण और सिर्फ पैकेटबंद आटे पर ही लगाया जाएगा। जीएसटी काउंसिल ने मोलासेस (शीरा) पर जीएसटी की दर को 28% से घटकर 5% कर दिया है। जीएसटी काउंसिल ने एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (गन्ने, शीरा, चावल, जौ या दूसरे अनाजों से बनने वाले अल्कोहल) पर जीएसटी लगाने का अधिकार राज्यों को दिया है।
- भारत के **सात्विकसाईराज रेकी रेड्डी** और **चिराग शेट्टी** की जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के चोई सोलेग्यु और किम वोन्हो को हराकर 41 वर्ष बाद एशियाई खेलों की बैडमिंटन पुरुष डबल्स स्पर्धा में **स्वर्ण** पदक जीता है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक व चिराग की पहली भारतीय जोड़ी है।
- वायु सेना की 91वें वर्षगांठ पर (8 अक्टूबर 2023) 72 वर्ष बाद वायु सेना का झंडा बदला गया है। वर्तमान में भारतीय वायु सेना अध्यक्ष बी. आर. चौधरी है।
- हांगझाऊ में आयोजित 19वें एशियाई खेल के समापन समारोह में पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश भारतीय ध्वजवाहक बने। समापन समारोह का आयोजन बिग लोटस स्टेडियम में किया गया। 20वें एशियाई खेल (2026) का आयोजन नागोया (जापान) में होगा।
  - भारत **107** पदकों (28 स्वर्ण, 38 रजत, 41 कांस्य) के साथ चौथे स्थान पर रहा।
- इजरायल से भारतीयों को लाने के लिए **'ऑपरेशन अजय'** शुरू किया गया। इजराइल में भारतीय राजदूत संजीव सिंगला है।
- आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड पर 5.39 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना 'अपना ग्राहक जानो' (KYC) और कुछ अन्य नियमों का पालन नहीं करने पर लगाया गया है।
- भारत के 100 सबसे अमीरों की फोर्ब्स 2023 सूची में रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन मुकेश अंबानी 92 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले स्थान पर है। दुसरे स्थान पर गौतम अडानी तथा तीसरे स्थान पर शिव नाडर है।
- **वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2023** (GHI) में भारत को **111**वें स्थान पर रखा गया है। सूचकांक में भारत के स्थान को लेकर केंद्र सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'भूख' का त्रुटिपूर्ण माप बताया है।
- **केरल सरकार** ने **2024** तक राज्य को **ठोस अपशिष्ट मुक्त** बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दो अध्यादेशों केरल (नगर पालिका) संशोधन 2020-23 और केरल पंचायत राज (संशोधन) अध्यादेश 2023 को मंजूरी दे दी है।
- भारतीय शतरंज टीम गाजा की स्थिति को देखते हुए और प्रतिभागियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 14 से 23 अक्टूबर 2023 तक मिस्र के शर्म अल शेख में होने वाली कैडेट शतरंज चौंपियनशिप से हट गई है।
- सेमीकंडक्टर के बाद भारत अब रोबोटिक्स का बड़ा निर्माता बनना चाहता है और इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने रोबोटिक्स के लिए राष्ट्रीय रणनीति का मसौदा जारी किया है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- भारत में रोबोटिक इनोवेशन यूनिट की स्थापना की जाएगी जो भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन स्वतंत्र एजेंसी के रूप में काम करेगी।

➢ नई दिल्ली के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री मोदी ने 500 आकांक्षी ब्लॉकों के लिए संकल्प सप्ताह व आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम पोर्टल का शुभारंभ किया।

- ये 500 आकांक्षी ब्लॉक देश के 239 जिलों में है।
- इन आकांक्षी ब्लॉक में सबसे अधिक 68 ब्लॉक उत्तर प्रदेश के हैं। दूसरे नंबर पर बिहार (61 ब्लॉक के साथ) हैं। 3 से 9 अक्टूबर 2023 तक संकल्प सप्ताह मनाया गया।

➢ भारतीय टेनिस खिलाड़ी **लिएंडर पेस अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम** के लिए नामित होने वाले **एशिया के पहले पुरुष खिलाड़ी** बन गये हैं।

- लिएंडर पेस के अलावा कारा ब्लैक, एना इवानोविक, कार्लोस मोया, डेनियल नेस्टर और फलाविया पेनेटा को नामित किया गया है। चीन की खिलाड़ी ली ना 2019 में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में नामित होने वाली एशिया की पहली खिलाड़ी बनी थी।

➢ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री **मनसुख मांडविया** ने कोहिमा में नागालैंड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च का उद्घाटन किया। यह नागालैंड का पहला मेडिकल कॉलेज है। इसमें शोध भी होगा।

- **मुख्यमंत्री:** नेफियू रियो,
- **राज्यपाल:** रविंद्र नारायण रवि
- **पड़ोसी:** मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश
- **स्थापना:** 1 दिसंबर 1963 को 16वें राज्य के रूप में।

➢ राष्ट्रीय स्तर पर नवगठित 120 नगर निकायों में आजीविका समूह का गठन किया जाएगा। पहले से मौजूद 141 नगर निकायों में अब तक 34 हजार आजीविका समूहों का गठन किया गया है।

कुल नगर निकाय= 120 + 141 = 261

➢ 82% से **अधिक एफडीआई** चार राज्यों- ***महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात व दिल्ली*** में आता है। *सर्वाधिक एफडीआई मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका से आता हैं। बिहार में मात्र 0.10% ही कुल एफडीआई का आता है।*

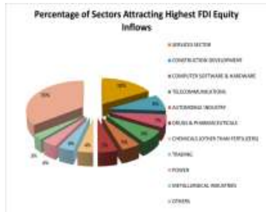

- सर्वाधिक एफडीआई-

1. सेवा क्षेत्र 2. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर।

- वर्ष 2019 में अक्टूबर से 2023 के जून तक बिहार में 214.50 करोड रुपए ही एफडीआई के रूप में आया है जबकि झारखंड में 2665.70 करोड़ तथा बंगाल में 1481.50 करोड़ तथा उत्तर प्रदेश में 1384.27 करोड़ रूपये एफडीआई आया है।

➢ हाल ही में **छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट** ने कहा है कि **बिना अनुमति फोन पर बातचीत रिकॉर्ड करना निजता के अधिकार का उल्लंघन है।**

- **निजता का अधिकार:** अनुच्छेद-21 के अंतर्गत मौलिक अधिकार है। इसे 2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्यता दी गई है।
- इसे 1948 के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा अधिनियम के अनुच्छेद-12 के तहत एक बुनियादी मानव अधिकार के रूप में मान्यता दी गई थी।

➢ केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्कूलों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए PMKVY का चौथा चरण लागू किया है।

PMKVY: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 2015 में शुरू।

- **उद्देश्य:** 2020 तक एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण देना।
- **लाभ:** आर्थिक वृद्धि बढ़ेगा।

➢ नवीकरणीय ऊर्जा इंडिया एक्सपो-2023 में इस क्षेत्र में 2755 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

16वें संस्करण का आयोजन ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में किया गया। इसके साथ **'द बैटरी शो इंडिया'** का पहला संस्करण का भी आयोजन किया गया।

- नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भारत तीसरे स्थान पर हैं जबकि पहले स्थान पर अमेरिका और दूसरे स्थान पर चीन हैं।
- 31.12.2022 तक 167.75 गीगा वॉट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन हुआ था।
- *मध्य प्रदेश का सांची भारत का पहला सौर शहर बना है।*
- *मोढेरा, गुजरात भारत का पहला पूर्ण सौर गांव है।*

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त पद्म विभूषण एमएस गिल का निधन हो गया।
  - नियुक्ति- राष्ट्रपति द्वारा
  - हटाना- सांसद द्वारा
  - कार्यकाल- 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु
- स्कूल से लेकर कॉलेज तक आधार कार्ड के अलावा **अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमी अकाउंट रजिस्ट्री)** नामक आईडी होगा। यह भी **12 अंकों** का होगा। इसके लिए अभिभावकों से सहमति लेना आवश्यक हैं। सहमति देने वाले अभिभावक इसे किसी भी समय वापस ले सकते हैं। सहमति के बाद इसे केंद्रीय यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट एंड इनफॉरमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस पोर्टल पर अपलोड करना स्कूल की जिम्मेदारी होगी।
- **अरिंदम बागची** को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में **भारत का स्थाई प्रतिनिधि** नियुक्त किया गया हैं। ये इंद्रमणि पांडे का स्थान लेंगे। वर्तमान में बागची विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हैं।

- आर्थिक अपराध इकाई (EOU) के अन्वेषण से यह पता चला है कि साइबर अपराधी क्रिप्टो करेंसी (डिजिटल मुद्रा) के जरिए इंटरनेट मीडिया पर लोगों को ब्लैकमेल कर फिरौती मांग रहे हैं। इसके अलावा गांजा, चरस की तस्करी में भी क्रिप्टो करेंसी का उपयोग किया जा रहा है। डार्क नेट के माध्यम से मादक द्रव्यों की खरीदारी की जा रही है। इन समस्याओं से निपटने के लिए EOU मुख्यालय के लैब में क्रिप्टो करेंसी यूनिट स्थापित किया जाएगा। साथ ही डार्क नेट लैब भी स्थापित किया जाएगा।
  - **डिजिटल करेंसी:** यह नोट और सिक्कों का इलेक्ट्रॉनिक रूप है। इसका मूल्य उतना ही होता है जितना की भौतिक करेंसी की होती है।
  - आरबीआई द्वारा इसकी शुरुआत 1 नंबर 2022 को किया गया।
  - यह ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर आधारित है।
  - **ब्लॉकचेन तकनीकी:** यह जानकारी रिकॉर्ड करने की एक प्रणाली है जो सिस्टम को बदलने, हैक करने या धोखा देने के लिए बेहद मुश्किल या असंभव बना देता है। यह लेनदेन का एक आवश्यक डिजिटल खाताबही है।
- **2035** तक ***भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना की जाएगी*** तथा ***2040 तक चंद्रमा पर मानव भेजा जाएगा।*** वर्तमान में इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ हैं।
- **ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया सम्मेलन** (GMIS) का मुंबई में आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा किया गया। यह इसका तीसरा संस्करण है। इस मौके पर उन्होंने **'अमृत काल विजन 2047'** का भी अनावरण किया जो भारतीय समुद्री क्षेत्र के लिए नीली अर्थव्यवस्था की मूल योजना (ब्लूप्रिंट) है।
- इग्नाइटिंग कलेक्टिव गुडनेस मन की बात @100 इसमें प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल किए गए प्रेरणादायक प्रसंगों का संकलन किया गया है।
- 2023 के दौरान भारत में स्टील की मांग में 8.6% की वृद्धि रह सकता है जबकि वैश्विक स्तर पर इसकी मांग 1.8% की दर से बढ़ेगी।
- एशियाई खेल में 87.54 मीटर के थ्रो के साथ जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीतने वाले 'किशोर जेना' को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सम्मानित किया तथा 1.5 करोड़ रुपए का चेक पुरस्कार के रूप में दिया।
  - नीरज चोपड़ा: स्वर्ण 88.88 मीटर
  - एशियन गेम्स 2022 का आयोजन: हांगझोऊ, चीन
  - 23 सितंबर ने 8 अक्टूबर 2023 तक आयोजन।
  - भारत एथलीट में सर्वाधिक 29 (6G, 14S & 9B) पदक जीता।
  - इसमें तीन शुभंकर है जिसे सामूहिक रूप से **मेमोरीज ऑफ जियांगन** नाम दिया गया।
  - एशियाई खेलों में पहली बार (शुभंकर हाथी) 1982 में नई दिल्ली में पेश किया गया था।
  - पहले एशियाई खेल का आयोजन 1951 में नई दिल्ली में किया गया था।
- भारत के सबसे कम आयु वाले फार्मूला-2 रेसर ली केशव है।
- केंद्र सरकार द्वारा स्वच्छता अभियान 3 के तहत सरकारी दफ्तरों की सफाई का बीड़ा उठाया गया। दफ्तरों में लंबे समय से पड़े कबाड़ को बेचकर सरकार ने 117 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक जोड़ों को बच्चा गोद लेने का अधिकार नहीं दिया है।
- राष्ट्रीय फिल्म फेयर पुरस्कार (69वां)-2021 के लिए-

  दादा साहब फाल्के पुरस्कार- वहीदा रहमान (8वीं महिला) को दिया गया हैं। इस पुरस्कार को वहीदा रहमान ने 'प्रिय फिल्म जगत' को समर्पित किया। यह पुरस्कार पाने वाली पहली अभिनेत्री देविका रानी थी।
  - सर्वश्रेष्ठ अभिनेता: अल्लू अर्जुन (फिल्म- द राइज)
  - सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री: आलिया भट्ट (गंगूबाई काठियावाड़) और कृति सेनन (मिनी)
  - सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता: पंकज त्रिपाठी फिल्म (मिनी)
  - सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री: पल्लवी जोशी (द कश्मीर फाइल्स)
  - नर्गिस दत्त पुरस्कार: द कश्मीर फाइल्स (निर्देशक विवेक अग्निहोत्री)
  - सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म: रॉकेट्री द नांबी इफेक्ट (आर माधवन द्वारा इसरो के पूर्व एयरोस्पेस इंजीनियर नंबी नारायण के जीवन पर आधारित)।
  - सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका: श्रेया घोषाल (इराविन निजल के लिए)
  - सर्वश्रेष्ठ निर्देशक: निखिल महाजन (फिल्म गोदावरी-मराठी)
  - RRR फिल्म ने पांच पुरस्कार जीते।
- भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री **रघुवर दास** को **ओडिशा का राज्यपाल** बनाया गया। वह गणेशी लाल की जगह लेंगे। **इंद्र सेना रेड्डी नल्लू** को **त्रिपुरा का राज्यपाल** बनाया गया है।
- एक्स (X) के नए यूजर्स को प्लेटफार्म पर पोस्ट करने के लिए प्रतिवर्ष एक डॉलर का भुगतान करना होगा। अन्य यूजर्स पोस्ट को मुफ्त में पढ़ सकते हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से AI को लेकर बनाई गई एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार 38% कर्मचारी इस बात को लेकर आशंकित है कि AI से उनकी नौकरी प्रभावित हो सकती है और 13% का मानना यह है कि AI उनकी नौकरी खत्म कर देगा। इस रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर AI का बाजार 120 अरब डॉलर का है जो हर साल 20% की दर से बढ़ रहा है। वर्ष 2030 तक AI का वैश्विक बाजार 1.5 लाख करोड़ का हो जाएगा। भारत का AI का बाजार सालाना 20.2% की दर से बढ़ रहा है और वर्ष 2025 तक यह 7.8 अरब डॉलर का हो जाएगा। AI का बाजार हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर व सर्विस सभी सेक्टर में बढ़ेगा।
- **मैथिली साहित्यकार 'गोविंद झा'** का निधन 18 अक्टूबर 2023 को हो गया। इन्होंने लगभग 56 पुस्तकों का लेखन किया है जिसमें उपन्यास, कथा संग्रह, नाटक, कविता संग्रह, भाषा ग्रंथ, आलोचनात्मक निबंध संग्रह, जीवनी, विनिबंध कोश ग्रंथ, संपादित ग्रंथ आदि शामिल है।
- गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 150 रुपए बढ़ाकर 2275 रूपये प्रति क्विंटल किया गया हैं। इसके अलावा पांच अन्य फसलों- चना, जौ, मंसूर, रेपसीड सरसों के बीज और कुसुम का MSP मूल्य बढ़ा में भी बढ़ोतरी की गयी हैं।
  - **MSP:** सरकार द्वारा किसानों के हितों की रक्षा के लिए सुनिश्चित की गई फसल की वह न्यूनतम दर है जिससे नीचे सरकारी एजेंसियों द्वारा अनाज नहीं खरीदा जाएगा। यह कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा जारी किया जाता है।
- **पिछले 10 वर्षों में बिहार का भूजल 25% तथा उत्तर प्रदेश का 35% घटा है।** सर्वाधिक तमिलनाडु का 59% कम हुआ हैं। पूरे देश की जलाशय स्तर यानी फुल रिजर्वियर लेवल 29 सितंबर 2023 को 73% रहा जो पिछले वर्ष 89% रहा था। दक्षिण भारतीय राज्यों में स्थिति सर्वाधिक खराब है।
- इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) ने पुरुषों के लिए इंजेक्शन से ली जाने वाली दुनिया की पहली गर्भनिरोधक दवा का क्लीनिकल परीक्षण पूरा कर लिया गया है। यह इंजेक्शन लगवाने पर लगभग 13 साल तक प्रभावी रहेगा।
- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरविंद बागची ने बताया कि भारत फिलीस्तीन को पहले से ही मानवीय आधार पर मदद करता रहा है। वर्ष 2022 और 2030 के दौरान फिलीस्तीन को 2.95 करोड़ डॉलर की मदद दिया गया है। यह मदद संयुक्त राष्ट्र के जरिए दी जाती है। 2023-24 और 2024-25 में फिलीस्तीन को भारत के द्वारा 50 लाख डॉलर की अतिरिक्त मदद दी जाएगी।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- भारतीय ग्रैंडमास्टर **कार्तिकेयन मुरली** ने कतर मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में विश्व नंबर एक कार्लसन को हराया हैं। वे कार्लसन को क्लासिकल शतरंज में हराने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले पी. हरिकृष्ण तथा विश्वनाथन आनंद ने कार्लसन को हराया था।
- प्रधानमंत्री द्वारा देश की पहली रैपिडेक्स का गाजियाबाद स्थित साहिबाबाद रैपिडेक्स स्टेशन से 20 अक्टूबर 2023 को उद्घाटन किया गया। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम की ट्रेनों को 'नमो भारत' नाम दिया गया है।
    - स्पीड- 160 किमी/प्रति मिनट घंटा
- साइबर क्राइम पर नकेल कसने के लिए सीबीआई ने 19 अक्टूबर को देशव्यापी अभियान **'ऑपरेशन चक्र-2'** चलाया है।
- केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राज्य मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार देश में वर्तमान में 1 लाख 32 हजार 499 किलोमीटर नेशनल हाईवे हैं।
    - ***बिहार में मात्र 5358 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं जो कुल नेशनल हाईवे का 4.04% (आकड़ें 22 नवम्बर 2023 तक अद्यतन) है।***
    - *2005 में बिहार में 5.4% नेशनल हाईवे थी जो अब कम हो गया है क्योंकि कुछ नेशनल हाईवे को बिहार में कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है।*
    - 1 लाख की आबादी पर नेशनल हाईवे का राष्ट्रीय औसत 11किलोमीटर तो बिहार का 5.2 किलोमीटर है।
    - सर्वाधिक राष्ट्रीय औसत अरुणाचल प्रदेश में 183.5 किलोमीटर है। दूसरे स्थान पर मिजोरम 130.4 किलोमीटर तथा तीसरे स्थान पर अंडमान निकोबार 187 किलोमीटर के साथ हैं।
    - क्षेत्रफल की दृष्टि से राष्ट्रीय मार्ग के मामले में बिहार की भागीदारी 56.2 किलोमीटर है। सबसे अधिक दमन व दीव की 196.4 किलोमीटर है।
- चुनावी ड्यूटी के दौरान मृत्यु या अस्थाई दिव्यांगता पर चुनावकर्मियों में सुरक्षाकर्मियों को 7.5 से लेकर 30 लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी।
    - उग्रवादी, हथियारबंद हमला, हिंसक गतिविधि व कोरोना से मृत्यु पर 30 लाख रूपये दिये जायेंगे।
    - इन कारणों के अतिरिक्त मृत्यु होने पर 15 लाख दिए जाएंगे।
- एसबीआई द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1951 से लेकर मार्च 2014 तक बैंकों ने 142 लाख रुपए का कारोबार अच्छा लेनदेन व जमा लेने के मद में किया है।
    - मार्च 2014 से मार्च 2023 तक बैंकों ने ऋण देने और जमा लेने के मद में 187 लाख करोड रुपए का कारोबार किया जो पिछले 63 सालों के मुकाबले 1.3 गुना अधिक था।
    - वर्ष 2022 से लेकर इस साल सितंबर तक बैंकों में होने वाली जमा में 13.2% की बढ़ोतरी हुई जबकि बैंकों के लोन में 20% तक की बढ़ोतरी हुई है।
    - बैंकिंग क्षेत्र के विकास से यह पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ोतरी की ओर है।
- वित्त मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2023 तक भारत पर कुल 624.7 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है। पिछले वर्ष की तुलना में विदेशी कर्ज में 0.9% की वृद्धि हुई है।
    - कुल डीजीपी के मुकाबले विदेशी कर्ज का स्तर मार्च 2022 में 20% था जो मार्च 2023 में घटकर 18.9% पर आ गया है।
- सुप्रीम कोर्ट ने सीवर सफाई के दौरान मौत पर स्वजन को 30 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। सीवर की सफाई के दौरान स्थायी दिव्यांगता का शिकार होने पर न्यूनतम 20 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। अस्थायी अपंगता की स्थिति में 10 लाख रुपए तक का भुगतान किया जाएगा।
- **मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड** ने तय समय से 4 माह पहले 20 अक्टूबर 2023 को **'इंफाल'** नामक ब्रह्मोस से लैस विध्वंसक युद्धपोत भारतीय नौसेना को सौंपा। 15वीं क्लास गाइडेड मिसाइल विध्वंसक श्रेणी का यह तीसरा खुफिया युद्धपोत है। यह पहला नौसैनिक युद्धपोत है जिसे महिला अफसरों और नाविकों के रहने के लिहाज से बनाया गया है।
- इटली की प्रधानमंत्री जियोजिया मेलोनी अपने पत्रकार पार्टनर एड्रिया जियाम्ब्रुनो से अलग हो गई।
- **केरल हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उदय प्रताप सिंह का निधन पटना स्थित आवास पर हो गया।**

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- इसरो द्वारा 21 अक्टूबर 2023 को गगनयान के टेस्ट व्हीकल डेवलपमेंट फ्लाइट-1 की सफल उड़ान के बाद क्रू माड्यूल बंगाल की खाड़ी में सुरक्षित उतरा। यह आपात स्थिति या अभियान के बाद क्रू सदस्यों को सुरक्षित लाने की प्रक्रिया में मिली सफलता बेहद महत्वपूर्ण हैं।
- गगनयान अभियान में अंतरिक्ष में पृथ्वी की 400 किमी. पर स्थित तीन दिन के लिए तीन यात्रियों को भेजा जायेगा। फिर उनकी सुरक्षित वापसी भी कराई जाएगी।
  - अमेरिका, चीन व रूस के बाद अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला भारत चौथा देश बन जाएगा।
  - क्रू माड्यूल को 10 पैराशूट के माध्यम से उतारा गया था। पैराशूट में नायलॉन और केवलर (1-4 फेनिलीन डाईएमीन) का इस्तेमाल किया गया। ये 100 फीसदी स्वदेशी निर्माण है।
- आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में लगातार बढ़ोतरी का सकारात्मक असर देश के अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (MPC) के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में जीडीपी के मुकाबले घरेलू बचत दर का अनुपात 4% था जो चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2023) में 7% हो गया है।
- प्रधानमंत्री मोदी सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए 6 माह का लक्ष्य रखा है। सरकार लाभार्थियों तक पहुंचाने और योजनाओं से उन्हें जोड़ने के लिए देश की सभी 2.70 लाख पंचायतों में व्यापक अभियान 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' शुरू करेगी।
- अमेरिका चालू वित्तीय वर्ष के पहली छमाही में 59.67 अरब डॉलर के कारोबार के साथ भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बना है।
  - भारत द्वारा निर्यात 38.58 अरब डॉलर है।
  - भारत द्वारा आयात 21.39 अरब डॉलर है।
  - 2022-23 में भारत-अमेरिका का कारोबार 128.55 अरब डालर रहा था।
  - चीन 58.11 अरब डॉलर (-3.56%) के साथ दूसरे स्थान पर है।
- **आरबीआई** रिपोर्ट के अनुसार सितंबर माह में बेरोजगारी दर-
  - **शहरी बेरोजगारी दर: 8.9%**
  - **ग्रामीण बेरोजगारी दर: 6.2%**
  - **राष्ट्रीय बेरोजगारी दर: 7.1%**
  - घरेलू मांग में लगातार मजबूती के कारण पिछले 10 माह से रोजगार का परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स 50 से ऊपर रहा जो रोजगार में सकारात्मक बढ़ोतरी को दिखाता है।
- जून में मनरेगा के तहत 3 करोड़ अधिक लोगों ने काम मांगा जो सितंबर में 1.75 करोड़ रह गया। यह दिखाता है कि देश में बेरोजगारी की संख्या कम हो रही है जिनके कारण मनरेगा के तहत काम मांगने वालों की संख्या में कमी देखी जा रही है।
- भारत के अंडर-15 बैडमिंटन खिलाड़ी (बोर्निल आकाश चांगमाई) ने चीन के चेंगदू में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में जुआन को हराकर स्वर्ण पदक जीता।
- **सलमान रुश्दी** को **जर्मन बुक ट्रेड का शांति पुरस्कार** दिया गया।
- भारतीय खेत मजदूर यूनियन (BKMU) का 15वां राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 2 से 5 नवंबर 2023 तक पटना के गेट पब्लिक लाइब्रेरी में किया गया।
- केंद्र सरकार रबी सीजन में किसानों को फास्फेट एवं पोटाशयुक्त (P&K) उर्वरक पर 22303 करोड़ रुपए की सब्सिडी देगी।
  - रबी सीजन: 10 अक्टूबर से 31 मार्च तक।
  - डीएपी पर 4500 रुपए प्रति टन सब्सिडी जारी रहेगी।
  - डीएपी 1350 रुपए प्रति बोरी की पुरानी दरों पर मिलेगी।
  - एनकेपी नाइट्रोजन, पोटाश और फास्फोरस 1470 रुपए प्रति बोरी मिलेगी।
- खो-खो एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव नीरज कुमार पप्पू गोवा में आयोजित 37वें नेशनल गेम्स में तकनीकी पदाधिकारी के रूप में हिस्सा लेंगे।
- भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एवं स्पिनर **बिशन सिंह बेदी** का निधन हो गया।
- प्रधानमंत्री द्वारा 7वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 का उद्घाटन किया जाएगा। इसमें 31 देश भाग लेंगे। इसका आयोजन दूरसंचार विभाग एवं सेल्युलर ऑपरेटर्स के एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एक स्टार्टअप कार्यक्रम 'एस्पायर' का शुरूआत किया जाएगा। इसके तहत युवा निवेशकों के बीच उद्यमिता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- प्रधानमंत्री द्वारा **गोवा** में **37वें कांग्रेस खेल** का उद्घाटन 26 अक्टूबर 2023 को किया गया। इसका आयोजन मडगांव के **'**पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम**'** में होगा। इसमें 43 स्पर्धाओं में 10000 एथलीट भाग लेंगे। गोल्फ का आयोजन दिल्ली गोल्फ कोर्स में किया जाएगा।
- भारत के **अनंतजीत सिंह नरूका**, **गूरजोज खांगुरू** तथा **अंगदवीर सिंह बाजवा** ने दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आयोजित **एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप** में पुरुषों के **स्कीट टीम वर्ग** में **स्वर्ण** पदक जीता।
- मुंबई के पूर्व कप्तान **अमोल मजूमदार** को **भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच** बनाया गया। इन्होंने रमेश पवार का स्थान लिया है।
- विश्व में पैरालंपिक में सुमित अंतिल ने 73.29 मीटर भाला फेंककर एफ-64 स्पर्धा में अपने ही विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया है।
- **अंकुर धाम** पैरा एशियाई खेलों में एक ही संस्करण में दो **स्वर्ण** पदक जीतने वाले **पहले भारतीय** बन गए हैं। उन्होंने पुरुषों की टी-11 1500 मीटर तथा टी-11 50 मीटर दौड़ में पदक जीता है।
- पूर्व राष्ट्रपति **रामनाथ कोविंद** की अध्यक्षता में गठित **'एक राष्ट्र - एक चुनाव समिति'** से कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने इस्तीफा दे दिया हैं।
- **भारत** द्वारा वाहनों के प्रशिक्षण में इस्तेमाल होने वाले **विशिष्ट ईंधन रिफरेंस पेट्रोल** और **डीजल** का उत्पादन शुरू किया गया। इसका उत्पादन इंडियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा किया जा रहा है। भारत इस इंधन की मांग की पूर्ति करने के लिए आयात पर निर्भर था।
- उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा **'डार्क पैटर्न बस्तर हैकाथॉन'** का आयोजन नई दिल्ली में 26 अक्टूबर 2023 से 15 मार्च 2024 तक किया जाएगा। इस हैकथॉन में ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर डार्क पोर्टल की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन का तलाश किया जाएगा।
- **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** ने **पंचायत में गुड्डा-गुड्डी बोर्ड** लगाने का निर्देश दिया है। ***इस पर जन्म लेने वाले लड़कियों व लड़कों की संख्या दर्ज की जाएगी।*** इस प्रयास से ***'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'*** अभियान की सफलता का दर का पता चलेगा तथा लैंगिक समानता के प्रयासों की वास्तविक स्थिति का भी पता चल सकेगा।
- 37वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के समय भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और गोवा की एथलीट कान्या इदा कोश्ल्हा ने प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय खेलों का मशाल सौंपा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री कों राज्य की संस्कृति एवं पहचान का प्रतीक ***'कुनबी शाल'*** सौंपकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 26 अक्टूबर से 9 नवंबर 2023 तक किया गया।
- चीफ जस्टिस **धनंजय यशवंत चंद्रचूड** (50वें CJI) को ***हार्वर्ड ला स्कूल के सेंटर ऑन द लीगल प्रोफेशन*** ने ***अवॉर्ड फॉर ग्लोबल लीडरशिप से सम्मानित किया है।***
- इंडिया मोबाइल कांग्रेस में नोकिया व एरिक्सन ने 6जी सेंसर टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया है। इस सेंसर के माध्यम से रास्ते में आने वाली रूकावट का पता पहले लग सकेगा जैसे- जंगली जानवर आदि।
  - एरिक्सन द्वारा 6जी सेंसर वाली टी-शर्ट को प्रदर्शित किया गया। इस सेंसर के माध्यम से विभिन्न प्रकार के डाटा को कैप्चर करता है। इसके माध्यम से अस्पतालों में एक साथ कई मरीजों की निगरानी की जा सकती है।
  - एरिक्सन द्वारा ऐसे डिवाइस को भी विकसित किया गया है जिससे चालक को पहले ही ट्रैफिक की सूचना मिल जायेगी।
  - एयरटेल ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैट्री मैनेजमेंट डिवाइस विकसित किया गया है जिसकी मदद से बैट्री से होने वाली नुकसान से भी बचा जा सकेगा और बैट्री की लाइफ भी बढ़ेगा।
- रिलायंस जियो ने सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए जियो स्पेस फाइबर नामक टैक्नोलॉजी विकसित की है जो उन दुर्गम इलाकों को जोड़ेगी जहां फाइबर केवल से इंटरनेट पहुंचना मुमकिन नहीं है।
  - जियो फाइबर से दूरदराज के लिए SES कंपनी की उपग्रहों का इस्तेमाल किया जायेगा।
  - **SES कंपनी:** यह लक्जमबर्ग आधारित उपग्रह दूरसंचार नेटवर्क प्रदाता कंपनी है जो दुनियाभर में सरकारों व संस्थानों, मोबाइल व फिक्सड नेटवर्क आपरेटरों, इदंटरनेट सेवा प्रदाताओं को वीडियो और डेटा कनेक्टिविटी की आपूर्ति करता है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- भारत दुनिया में 5जी नेटवर्क प्रदान करने के मामले में तीसरे स्थान पर है।

➢ रीतिका हुड्डा 76 किग्रा. स्पर्धा में अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाली दूसरी भारतीय और देश की पहली महिला पहलवान बन गई हैं ।
- आयोजन: बेलग्रेड, सर्बिया
- 2010 में मास्को में सुशील कुमार द्वारा पहला स्वर्ण जीता गया।

➢ चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली कछयांग का निधन हो गया।

➢ चंद्रयान-3 का लैंडर विक्रम (रोवर- प्रज्ञान) द्वारा चांद की सतह पर 2.06 टन से ज्यादा मिट्टी को उड़ाकर 108 वर्ग मीटर क्षेत्र में इजेक्टा हेलो बनाया गया। इस घटना को देखने के लिए चंद्रयान-2 आर्बिटर में लगे हार्ड-रिजाल्यूशन कैमरे की मदद ली गई थी।

➢ पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 111 पदक (29G, 31S, 51B) जीता। यह किसी भी बड़े अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।
- भारत 5वें स्थान तथा चीन 521 पदक के साथ पहले स्थान पर रहा।
- दूसरा: ईरान (131 पदक)
- तीसरा: जापान (150 पदक)
- चौथा: दक्षिण कोरिया (103 पदक)

➢ कश्मीर की **हुमैरा मुश्ताक** ब्रिटिश एंडयोरेंस चैम्पियनशिप में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला बनी।

➢ केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (CPRI) शिमला ने आलू की बैंगनी रंग की नई किस्म तैयार की है। यह एंटीआक्सीडेंट से भरा हुआ है जो रोग प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाता है। इस किस्म को केन्द्रीय कृषि अनुसंधान परिषद और केन्द्रीय कृषि मंत्रालय से स्वीकृति मिल गई है। इससे पहले CPRI ने **कुफरी नीलकंठ** किस्म तैयार की थी जिसका छिलका बैंगनी रंग का था।

➢ **ज्योति याराजी** ने 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.22 सेकेंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया।

➢ सेना के हल्के लड़ाकू हेलीकाप्टर प्रचंड द्वारा पहली बार सफलतापूर्वक 700 एमएम रॉकेट असम के लिकाबली फायरिंग रेंज से दागे गए।

➢ सिंगुर में नैनो कार विनिर्माण संयंत्र में किए गए निवेश के नुकसान के कारण बंगाल की सरकार को टाटा मोटर्स को 766 करोड़ रूपये देना होगा। साथ ही 1 सितम्बर 2016 से वास्तविक वसूली तक इस राशि पर प्रतिवर्ष 11% की दर से ब्याज भी देना होगा। ऐसे में यह रकम ब्याज सहित लगभग 1700 करोड़ रूपये होगी।

➢ **सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिफेट)** के वैज्ञानिकों ने पराली से पैकिंग सामग्री तैयार की है। इससे पराली का औद्योगिक उपयोग बढ़ेगा व किसान जलाने के बजाय इसे बेचकर आय अर्जित कर सकेंगे। पैकिंग सामग्री पर्यावरण के अनुकूल व

अग्निरोधी होने के साथ ही पानी से भी अप्रभावित रहती है। यह पैकिंग सामग्री पराली व मशरूम से प्राप्त विशेष फंगस (माइसेलियम) के मिश्रण से तैयार किया गया है। इससे पाटीशन बोर्ड, फाल्स सिलिंग की सामग्री तथा शीट भी बनाया जायेगा। इसका निस्तारण आसान है। प्रयोग के बाद मिट्टी में मिलकर खाद बन जायेगा। यह तापमान को भी संतुलित रखता है।

अंतर्राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

➢ श्रीलंका के बाद अब थाईलैंड ने भारतीय पर्यटकों को 6 माह के लिए बिना वीजा प्रवेश की अनुमति दी है।

➢ **विश्व हिंदू कांग्रेस** 2023 का आयोजन 24 नवंबर से 26 नवंबर 2023 तक **बैंकॉक** में किया गया।

➢ भारतवंशी **नंदनी दास** ने ब्रिटिश अकेडमी बुक प्राइज जीता हैं। यह पुस्तक उनकी पुस्तक **(कोटिंग इंडिया इंग्लैंड, मुगल इंडिया एंड द ओरिजिन ऑफ एम्पायर)** के लिए दिया गया है। वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंग्रेजी की प्रोफेसर हैं।

➢ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ **साइमा वाजिद** को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक नामित किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना 7 अप्रैल 1948, मुख्यालय- जिनेवा, अध्यक्ष- टैड्रोस ऐडरेनॉम ग़ैबरेयेसस।

➢ भारत व बांग्लादेश के मध्य तीन परियोजनाओं की शुरुआत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दोनों देशों के प्रधानमंत्री द्वारा किया गया।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

1. अगरतला (त्रिपुरा) और आखाऊड़ा (बांग्लादेश) सीमापार रेल-लिंक, लंबाई 12.24 किमी.
    - यह बांग्लादेश व भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बीच शुरू होने वाली पहली ट्रेन है।
    - यह परियोजना भारत सरकार द्वारा 392.52 करोड रुपए की आर्थिक सहायता से शुरू की गई है।
2. खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन (6.5 किमी)
3. मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट के यूनिट-2 (बांग्लादेश के रामपाल में)
    - पिछले 9 वर्षों में बांग्लादेश को भारत ने 10 अरब डॉलर की सहायता दी है। इस अवधि में दोनों के मध्य व्यापार तीन गुना बढ़ा है।

➢ भूटान के नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक 3 नवम्बर 3 2023 को 8 दिवसीय भारत के दौरे पर आए। पहले दौर में असम पहुँचें वहाँ 3 दिनों तक उन्होंने निवास किया।

➢ भारत और अमेरिका के बीच 2+2 वार्ता 10 नवंबर 2023 को नई दिल्ली में संपन्न हुआ।
- '2+2 वार्ता'- जब दो देशों के बीच एक साथ ही दो-दो मंत्रिस्तरीय वार्ताओं का आयोजन किया जाता है तो उसे 2+2 डायलॉग मॉडल कहा जाता है।
- भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान तथा रूस के साथ ऐसी वार्ताएं करता है।
- इसमें रक्षामंत्री व विदेशमंत्री दूसरे देशों के अपने समकक्षों से वार्ता करते हैं।
- अमेरिका व भारत के बीच 2+2 वार्ता में सुरक्षा, रक्षा और रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की जाती है।
- भारत व ब्रिटेन ने 17 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली में पहली 2+2 वार्ता की।
- भारत में ब्रिटेन द्वारा इस वार्ता में **10 वर्षों का रोडमैप** में अपनाया गया जिसका उद्देश्य व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा जलवायु परिवर्तन में लोगों से लोगों के बीच संपर्क का विस्तार करना है।

➢ नेपाल क्रिकेट टीम 10 साल बाद टी-20 विश्वकप में खेलेगी। नेपाल के साथ ओमान भी 2024 के लिए वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्वकप का हिस्सा होगा।

➢ ब्रिटेन में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) शिखर सम्मेलन में दुनिया के पहले AI सुरक्षा संस्थान का निर्माण किया गया।
- AI सुरक्षा संस्थान जी-7 देश के भीतर पहले टास्क फोर्स बन गया है।
- **जी-7 समूहः** स्थापना 1975 में
- **सदस्यः** कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान है।

➢ **विश्व मौसम विज्ञान संगठन** (WMO) की ओर से वार्षिक **'स्टेट ऑफ क्लाइमेट सर्विसेज रिपोर्ट'** जारी किया गया है।
- इसमें कहा गया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण दुनियाभर में मृत्युदर वर्तमान की तुलना में 30 गुना अधिक हो सकती है।
- वर्ष 2000 से 2019 के बीच गर्मी के कारण हर साल दुनियाभर में 4.89 लाख लोगों की जान गई है। इसमें एशिया में सबसे ज्यादा 45% तथा यूरोप में 36% लोगों की मौतें हुई है।
- यूरोपीय देशों में 2022 में हीट वेव के कारण 60 हजार मौतें हुई है।
- हीटवेव से वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण से हर साल 70 लाख लोग की मृत्यु हो रही है।
- 2023 तक प्रतिवर्ष 560 आपदाएं आने की आशंका जताई गई है।

➢ ब्रिटिश मेडिकल जनरल (BMJ) में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार 2050 तक जूनोटिक संक्रमण के मामलों में 4 गुना और इससे होने वाली मौतों की संख्या 12 गुना बढ़ेगी।
- **कारणः** जलवायु परिवर्तन व भूमि उपयोग में बदलाव के साथ जनसंख्या घनत्व का बढ़ना।
- **जूनोटिक संक्रमणः** जानवरों से इंसान में होने वाली संक्रमण को जूनोटिक संक्रमण कहा जाता है।
- शोधकर्ताओं ने वायरस के 4 समूह पर ध्यान केंद्रित किया है। यह है-

1. फिलोवायरसः इबोला व मारवर्ग वायरस
2. सोर्स कोरोना वायरस-1
3. निपाह वायरस
4. माचुपो वायरस

- जूनोटिक संक्रमण से सर्वाधिक मौत अफ्रीका में हुआ हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- नासा के **जूनो मिशन** के दौरान जोवियन इंफ्रारेड ऑरोरल मैचर द्वारा गिनीमीड के नजदीक उड़ान के दौरान पता चला है कि यहां पर खनिज व कार्बनिक यौगिकों के भंडार हैं। गिनीमीड बृहस्पति का सबसे बड़ा चंद्रमा है।
- **मैकिन्से हेल्थ इंस्टीट्यूट** की ओर से 30 देशों के 30 हजार लोगों पर सर्वेक्षण किया गया। इसमें बताया गया कि–
  - तुर्किये के बाद भारत के कर्मचारी अपनी नौकरियों से सबसे अधिक खुश हैं।
  - जापान तकनीक और विकास के मामले में भले ही आगे हो पर यहां के कर्मचारी अपनी नौकरियों से खुश नहीं हैं और रैंकिंग में सबसे आखिरी में आते हैं।
  - इस सूची में तुर्किये 78% अंकों के साथ पहले जबकि भारत 76% अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।
  - वैश्विक औसत 57% है।
- **2027** तक **ट्रोजन क्षुद्रग्रहों** तक पहुंचने का कार्यक्रम है।
  - नासा के अंतरिक्ष यान **लूसी** ने एक मिनी मून यानी छोटे चांद के टुकड़े की खोज की है जो **डिकिनेश क्षुद्रग्रह** की परिक्रमा कर रहा है।
  - डिकिनेश और इसका चंद्रमा पृथ्वी से लगभग 300 मिलियन मील (48 करोड़ किलोमीटर) दूर है।
- **XAI** (एक्स AI) नया AI स्टार्टअप है। इसके मालिक **एलन मस्क** है।
- **नोवाक जोकोविच** ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर 7वीं बार पेरिस मास्टर्स चैंपियन खिताब पर कब्जा किया है।
- रूस ने परमाणु चालित पनडुब्बी इम्पीरेटर अलेक्जेंडर-3 ने न्यूक्लियर हथियार ले जाने में सक्षम **'बुलवा वैलिस्टिक'** मिसाइल का परीक्षण किया।
- **विदित गुजराती** ने पुरुष वर्ग की फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। इन्होंने सर्बिया के एलेक्जेंडर प्रेडके को हराकर यह टूर्नामेंट जीता हैं।
- श्रीलंकाई ऑलराउंडर **एंजेलो मैथ्यूज** *टाइम आउट* होने वाले **विश्व के पहले बल्लेबाज** बन गए हैं। अंपायर मराइस इरासस ने इन्हें टाइम आउट करार दिया हैं।
  - **टाइम आउट क्या है?**– यदि कोई प्लेयर किसी भी प्रकार से आउट होता है तो उसके स्थान पर दूसरे प्लेयर को तीन मिनट के अंदर अपना पहला गेंद खेल लेना होता है नहीं तो यह टाइम आउट हो जाएगा। आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए यह समय घटकर 2 मिनट कर दिया गया है।
- अमेरिका के संसदीय इतिहास में पहली बार सिख प्रार्थना गुरुवाणी से संसद की शुरुआत की गई। न्यू जर्सी के पाइन हिल गुरुद्वारा के ग्रंथी ज्ञानी जसविंदर सिंह ने गुरुवाणी से प्रतिनिधि सभा की शुरुआत की।
- **मालदीव** में चीन समर्थक **मोहम्मद मुइज** को नया **राष्ट्रपति** चुना गया है।
- जिंबाम्बे में एक विमान दुर्घटना में भारतीय उद्योगपति हरपाल रंधावा, उनके बेटे सहित 6 लोगों की मौत हो गई।
- 6 देशों **मोरक्को, स्पेन, पुर्तगाल, उरुग्वे, अर्जेंटीना** और **पराग्वे** को **2030 फीफा विश्व** कप की मेजबानी सौंपी गई है। यह घोषणा टूर्नामेंट के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में किया गया है। फीफा के इस निर्णय के कारण पहली बार विश्व कप की मेजबानी का अधिकार **तीन महाद्वीप** के 6 देशों को सौंपा गया है।
- भारतवंशी छात्रा **उमा सोफिया श्रीवास्तव** को मिस टीन USA 2023 का खिताब दिया गया।
- **JNU** ने **तंजानिया के राष्ट्रपति समिया सुलुहू हसन** को **डॉक्टरेट की मानद उपाधि** से सम्मानित किया है। हसन JNU से डॉक्टरेट की मानद उपाधि पाने वाली पहली महिला बन गई है।
- **इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक** ने **क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास** ले लिया है।
- वर्ष 2028 में लॉस एंजेलिस में आयोजित होने वाली ओलंपिक में टी-20 क्रिकेट, बेसबॉल, सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वाश को शामिल किया गया है।
- **लखनऊ** के **इकाना स्टेडियम** में आयोजित **आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्वकप** के तहत दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया दसवां मैच **कचरा मुक्त मैच** बन गया।
- अमेरिका ने घोषणा की है कि वह ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा कर रहे लोगों समेत कुछ गैर-अप्रवासी श्रेणियों को 5 वर्षों के लिए रोजगार प्राधिकरण कार्ड जारी करेगा।
- **न्यूजीलैंड** के अगले **प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन** होंगे। पेशें से वे एक कारोबारी है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

- भारत व श्रीलंका के बीच 40 साल बाद नौका सेवा बहाल की गई है। इस हाई स्पीड क्राफ्ट जहाज का नाम **चेरियापानी** है। यह तमिलनाडु के **नागपत्तनम** और श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में **जपना** के पास **कांकेसंथुराई** के बीच चलेगा।
  - **उद्देश्य:** दोनों देशों के मध्य प्राचीन समुद्र संपर्क को पुनर्जीवित करना।
  - द्विपक्षीय संबद्ध को बढ़ावा मिलेगा।
- मुंबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के 141वें सत्र में मौजूद अध्यक्ष थॉमस बाक से सदस्यों द्वारा 2025 में कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी पद पर बने रहने का आग्रह किया गया।
  - जर्मनी के पूर्व ओलंपियन बाक IOC के 9वें अध्यक्ष 2013 में 125वें सत्र के दौरान हयूनस आयर्स में बनाए गए।
- 14वें सत्र में **क्रिकेट** को 2028 में **लॉस एंजिलिस** में होने वाली **ओलंपिक** में शामिल किया गया। यह टी-20 फॉर्मेट में होगा। इसमें पांच खेलों को भी शामिल किया गया- **क्वाश, बेसबाल- साफ्टबाल, लैक्रोस, फ्लैग, क्रिकेट**। क्रिकेट को 128 वर्षों के बाद ओलंपिक में शामिल किया गया है। इसके पहले 1900 पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। इसमें केवल दो टीमें- फ्रांस तथा ब्रिटेन ने भाग लिया था इसलिए सीधे फाइनल हुआ था। 2024 में ओलंपिक का आयोजन पेरिस (फ्रांस) में किया जाएगा।
- **नोबेल शांति पुरस्कार** विजेता **फिनलैंड के पूर्व राष्ट्रपति मार्टी अहतिसारी** का **निधन** हो गया। 2008 में उन्हें यह पुरस्कार दिया गया था।
- 141वें सत्र में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के 8 नए सदस्यों के शामिल होने से कुल सदस्यों की संख्या 107 हो गई है। चुने गए सदस्यों में 4 महिलाएं हैं जिससे IOC में महिलाओं का 41.4% हो गई।
- ईरान के इस्लामी हिजाब नियमों का पालन न करने के आरोप में पुलिस हिरासत में मृत पाई गई ईरान के कुर्दीस्तान प्रांत स्क्रेज की ईरानी महिला **'महसा अमीनी'** को यूरोपीय यूनियन के शीर्ष **मानवाधिकार पुरस्कार** 13 दिसंबर 2023 को दिया जाएगा।

- **नालंदा खुला विश्वविद्यालय** के नवनिर्मित भवन के प्रेक्षाग्रह में 4 से 6 नंबर 2023 तक **अंतर्राष्ट्रीय गणित कान्फ्रेंस** का आयोजन किया जाएगा।
- इजरायली हमले में **गाजा के जेहरा शहर** में 900 वर्ष पुराना **ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियन चर्च** मिसाइल हमला में नष्ट हो गया।
- अरब सागर में एक चक्रवात **'तेज'** बन रहा है जिसका ज्यादा असर ओमान पर होगा। इस वर्ष यह अरब सागर में बनने वाला दूसरा चक्रवात है। भारत ने इसका नाम 'तेज' दिया है। इस सागर में पहला बिपरजॉय नामक तूफान जून 2023 में आया था। इसका नामकरण बांग्लादेश द्वारा किया गया था। इसका बंगाली भाषा में अर्थ होता है विपत्ति।
- ऑस्ट्रेलिया की कायली मैककेन बैकस्ट्रोक की तीनों स्पर्धा में विश्व रिकार्ड बनाने वाली दुनिया की पहली महिला बनी। उन्होंने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 26.86 सेकेंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।
- इंग्लैंड के फुटबॉलर 'बाबी चार्लटन' का निधन हो गया। इनके नाम यूनाइटेड (249 गोल) और इंग्लैंड (49 गोल) के लिए सर्वाधिक गोल दागने का रिकॉर्ड था जो 40 वर्षों तक अटूट रहा था जब तक फुटबॉलर रूनी द्वारा इनका रिकॉर्ड ना तोड़ा गया।
- **इंद्रमणि पांडे** को **बिम्सटेक** का **नया महासचिव** बनाया गया।
  - **बिम्सटेक:** वे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनामिक कोऑपरेशन (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीक और आर्थिक सहयोग पहल)

  - **सदस्य 7:** भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका म्यांमार व थाईलैंड।
  - **स्थापना:** 6 जून 1997 को बैंकॉक घोषणा के माध्यम से।
  - **सचिवालय:** ढाका
- भारत ने C-17 विमान से गाजा के लिए 6.5 टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री भेजी है। विमान हिंडन हवाई अड्डे से उड़ान भरी तथा मिस्र के अल-अरिश हवाई अड्डा पर पहुंचा।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- **चौथा एशियाई पैरा खेलः झांगझु**
  - भारतीय टीम (313 सदस्य) का अगुवाई अवनी लेखरा तथा सुमित अंतिल द्वारा।
  - भारत 22 खेलों में से 17 में भाग लेगा।
  - भारत पहली बार रोइंग केनोइंग, लान बाल, ताइक्वाडो और ब्लाइंड फुटबॉल में भाग लेगा।
- अमेरिका में दो भारतवंशी वैज्ञानिकों अशोक गाडगिल तथा सुब्रा सुरेश को विज्ञान के क्षेत्र के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है।
- ऑस्ट्रेलिया ने नीदरलैंड को 309 रन से हराकर रिकॉर्ड बनाया। यह विश्व कप की सबसे बड़ी जीत है।
- हमास-इजराइल विवाद में मुस्लिम देश बंटे हुए नजर आ रहे हैं। अभी तक सिर्फ दर्जन भर मुस्लिम देश खुलकर सामने आए हैं जबकि लगभग 50 मुस्लिम देश हैं जिनमें 22 अरब लीग के सदस्य हैं।
  - अरब और ईरान के बीच मतभेद होना भी है। ये तीनों देश मुस्लिम देशों का नेतृत्व करना चाहते हैं।
  - *ईरान, जॉर्डन, लेबनान, और मिस्र ये चार देश ही सबसे ज्यादा इजरायल के खिलाफ हैं।*
- अमेरिका के स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के सेवानिवृत प्रोफेसर **एमेरिटस** और भारतवंशी विज्ञानी **आरोग्यस्वामी पालराज** को उनकी खोज MIMO मोबाइल वायरलेस के लिए **फैराडे पदक** से सम्मानित किया गया।
  - **MIMO:** मल्टीपल इनपुट मल्टीपल आउटपुट वायरलेस 4G और 5G मोबाइल के साथ-साथ वाई-फाई नेटवर्क में मदद करने वाली प्रौद्योगिकी है।
- चीन ने चिक्वान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से **'शेनझोउ-17'** मानवयुक्त अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इससे 3 अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन मिशन पर लगभग 6 माह के लिए भेजा गया।
- **जी-7** देश के **वित्तमंत्रियों की बैठक** का आयोजन 27 अक्टूबर 2023 को **ओसाका** (जापान) में किया गया। इसमें भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शामिल हुए थे।
- कतर के एक स्थानीय कोर्ट ने अगस्त 2022 में गिरफ्तार भारतीय नौसेना के **8** पूर्व कर्मियों को मौत की सजा सुनाई है। इनपर जासूसी का आरोप लगाया गया है। ये लोग कतर सेना से जुड़ी कंपनी **'अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी'** में काम कर रहे थे। ये अधिकारी हैं-

1. कैप्टन नवजोत सिंह गिल
2. कप्तान वीरेंद्र कुमार वर्मा
3. कैप्टन सौरभ वशिष्ठ
4. कमांडर अमित नागपाल
5. कमांडर प्रर्णेदु तिवारी
6. कमांडर सुगनाकर पकाला
7. कमांडर संजीव गुप्ता
8. सेलर रागेश

  - कमांडर पूर्णेदु तिवारी को वर्ष 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया था। उनको यह पुरस्कार विदेश में भारत की छवि बढ़ाने के लिए दिया गया है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा में इजरायल-हमास संघर्ष पर तुरंत विराम लगाने से संबंधित प्रस्ताव पास किया गया परंतु भारत इससे दूरी बनाए हुए हैं।
  - जार्डन द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में 121 देशों व विपक्ष में 44 देशों में मत दिया।
- आस्ट्रेलिया के सिडनी में सिटी ऑफ पैरामाटा काउंसिल ने भारतीय मूल (बिहार) के पार्षद **समीर पांडे** को पैरामाटा शहर का लार्ड मेयर चुना है।
- यूएन के उच्चायुक्त फिलियों ग्रांडी के अनुसार सूडान और कांगों गणराज्य (अफ्रीका) में संघर्ष, म्यांमार में सैन्य शासन और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण सितंबर तक 3.98 करोड़ लोग विस्थापित हुए है।
  - आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या 5.7 करोड़ है।
- **यूएस इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम** द्वारा **नीता अंबानी** को **ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड** से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान शिक्षा, कला, खेल व स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए कार्य के बदले दिया जाता है।
- **जी अनुपम चक्रवती** एवं **नानी टागिया** को **पटना हाईकोर्ट का न्यायाधीश** बनाया गया जो क्रमशः तेलंगाना एवं गुवाहाटी हाईकोर्ट से पटना आये हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

बिहार स्पेशल करेंट अफेयर्स

- मुंबई के जगन्नाथपुरी में (बिहार भवन) का निर्माण किया जा रहा हैं।
- सिंचाई हेतु बिजली कनेक्शन के लिए केन्द्र सरकार की ओर से दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (DDUGJY) एवं राज्य सरकार की ओर से मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना संचालित है।
- **मुख्यमंत्री नीतीश कुमार** द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को **नालंदा जिले के बेन प्रखंड के अरावन** में पटेल एग्री इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 30 एकड़ में स्थापित **एथेनॉल प्लांट** का उद्घाटन किया गया। इस संयंत्र की कुल क्षमता 500 किलो लीटर है।
- अमेरिका के सिलिकॉन वैली स्थित AI कंपनी **टाइगर एनालिटिक्स** ने पटना में कार्यालय खोला है। यह बिहार में कार्यालय खोलने वाली पहली आईटी कंपनी है। यह कंपनी भारत के चेन्नई में भी अपना कार्यालय संचालित कर रही हैं। बिहार सरकार के द्वारा पटना में इसके कार्यालय के लिए जमीन उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य आईटी कंपनियों को भी बिहार सरकार जमीन उपलब्ध करा रही है। साथ ही औद्योगिक प्रोत्साहन नीति के तहत जितनी भी प्रकार की सुविधा मिलती हैं, वह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराया जा रहा है।
- बिहार सरकार द्वारा राज्य को बालश्रम मुक्त करने के लिए पंचायत स्तर पर बाल श्रमिकों का अध्ययन करने का निर्णय लिया गया है। इसमें ग्राम मुखिया का सहयोग लिया जाएगा। राज्य में बालश्रम मुक्त करने के लिए श्रम संसाधन विभाग के द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है।
- मिथिला के विद्वान और बहुभाषाविद प्रोफेसर (डॉक्टर) **देवकाना झा** का निधन हो गया। यह मधुबनी के बेनीपट्टी स्थित चतरा गांव के रहने वाले थे।
  - प्राध्यापक के रूप में बिहार, मगध तथा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में इन्होंने अपनी सेवाएं दी है।
  - मैथिली अकादमी पटना के वे सन् 1987 से 89 तक निदेशक सह-सचिव रहे।
  - इनकी प्रमुख कृतियां- संस्कृत सुलभ सोपान, रंग भारती (नाटक), महाकवि कालिदास एवं भवभूति (अंग्रेजी), लेखांजलि तथा ललितांजलि (मैथिली), हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न मैथिली लिटरेचर आदि है।
- 37वें नेशनल गेम्स में बिहार के बेगूसराय की श्रेया रानी ने ताइक्वांडो में रजत पदक जीता। नेशनल गेम्स के ताइक्वाडों स्पर्धा में बिहार ने 24 वर्ष बाद पदक जीता। 37वें नेशनल गेम्स में बिहार को कुल 7 पदक मिले हैं जबकि 36वें नेशनल गेम्स में बिहार को मात्र 2 पदक मिला थे।
- **सेपकटाकरा/सेपकटाक्रा** के सेमीफाइनल में हारने के कारण बिहार पुरुष टीम को कांस्य पदक मिला। इनके अलावा भोजपुर के **शशिभूषण सिंह** तथा **महिला रग्बी टीम** (बिहार) ने रजत पदक जीता था।
- बिहार में जनवरी से अगस्त 2023 के बीच 5958 बच्चे लापता हुए हैं। इनमें 5117 लड़कियां और 841 लड़के हैं। गायब होने वाली लड़कियां कुल लापता बच्चों का 85% है।
  - पुलिस द्वारा 383 लड़कों और 2416 लड़कियों को बरामद किया गया है।
  - अभी भी 3145 बच्चे लापता हैं।
  - हर माह 15 और 16 तारीख को गुमशुदा बच्चों के अभिभावकों से मिलकर पुलिस भौतिक सत्यापन करेगी।
- **सोन नहर प्रणाली** के अंतर्गत 10.20 किलोमीटर लंबी पूर्वी लिंक नहर के पुनरुत्थान और लाइनिंग हेतु राज्य मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दी।
  - प्रत्यक्ष रूप से, इस योजना से 1539 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।
  - अप्रत्यक्ष रूप से 164102 हेक्टेयर क्षेत्र को लाभ होगा।
  - वर्ष 1873-74 में सोन नदी पर डिहरी के पास एनीकट के साथ पटना मुख्य नहर और पश्चिमी मुख्य नहर का निर्माण किया गया था।
  - इससे **औरंगाबाद, पटना, गया, अरवल** को लाभ प्राप्त होता हैं।
- मुजफ्फरपुर की **ईशा मिश्रा** व गोपालगंज के **आशीष कुमार** ने **वुशू** में **कांस्य पदक** जीता हैं।
- बालक वर्ग की ताइक्वांडो स्पर्धा में पटना के प्रकाश कुमार ने कांस्य पदक जीता हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- भोजपुर के **मोनू कुमार यादव** ने ढाका में आयोजित द्वितीय साउथ एशियन सेंबो चौंपियनशिप में रजत पदक जीता हैं। मोनू ने 79 किलोग्राम भार वर्ग में बांग्लादेश के पहलवान से हार कर रजत पदक जीता हैं।
- भारत के प्रथम लोकपाल पटना हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे (स्वर्गीय अजय कुमार त्रिपाठी) की याद में पटना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- परिवार न्यायालय पटना के प्रधान न्यायाधीश **अखिलेश कुमार झा** को बिहार विधानपरिषद के सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।
- बिहार पुलिस मुख्यालय के अनुसार राज्य के 850 पुलिस थानों में बने महिला हेल्पडेस्क पर हर दिन औसत 257 शिकायतें आ रही है। मार्च से अगस्त 2023 तक 6 माह में 47116 शिकायतें की गई है। इनमें सबसे अधिक शिकायतें गया कि महिलाओं ने दर्ज कराई है। बेतिया दूसरे तथा मुजफ्फरपुर तीसरे स्थान पर रहे हैं। सबसे कम 12 शिकायतें सुपौल जिला में आई है।
- ***जम्मू-कश्मीर भारत का पहला पुलिस बल है जो आतंकवाद के केस का सामना कर रहे अपराधी को जमानत मिलने के बाद उनके एड़ी में जीपीएस ट्रैकर लगा रहा है जिससे उनकी मॉनिटरिंग किया जा सके।***

  इस प्रकार की सुविधा केवल निम्न देशों द्वारा प्रदान की जाती है- ***अमेरिका, ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड।***
- बिहार में सबसे ज्यादा पराली रोहतास, कैमूर और बक्सर में जलाया जाता है। इन जिलों में कटनी के समय कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग ज्यादा होता है जिनके कारण फसल अवशेष खेत में ही रह जाते हैं जिसे किसान जल देते हैं।

  पिछले 4 वर्षों के आंकड़ों को देखें तो राज्य के 20 जिलों में पराली जलाने की 7356 घटनाएं सामने आई हैं।

  सरकार इस समस्या के समाधान के लिए चीनी मिलों, थर्मल पावर प्लांट, एथेनॉल प्लांट में पराली के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए रणनीति बनाई है।
- **खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए बिहार को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार मिला है।** प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना (PMFME) में बेहतर प्रदर्शन के लिए बिहार को यह पुरस्कार मिला है।
- बिहार में सूक्ष्म एवं लघु उद्योग में वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच 76 हजार 437 करोड़ का निवेश हुआ है। साथ ही 38057 करोड़ की लंबित परियोजनाओं को पुनर्जीवित किया गया है।
  - यह आंकड़ा एमएसएमई एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसलिंग और कन्फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक फूड प्रोड्यूसर्स एंड मार्केटिंग एजेंसी द्वारा संयुक्त रूप से किए गए एक अध्ययन में आया है।
  - बिहार लगभग 40 लाख एमएसएमई क्रियाशील है जो देश में छठवें स्थान पर है।
  - भारत के कुल 6.33 करोड़ एमएसएमई में लगभग 5% बिहार में है।
  - एमएसएमई कुल उद्योग का लगभग 95% हिस्सा धारित करता है और 4700 से अधिक मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन करता है।
- ढाका में आयोजित **साउथ एशियन सैंबो प्रतियोगिता** में भारतीय टीम में शामिल **बिहार** के खिलाड़ियों ने कुल **25 पदक** जीता है। इसमें **6 स्वर्ण, 10 रजत और 9 कांस्य** हैं। औरंगाबाद के निखिल कुमार ने सैंबों व कोबेट में 2 स्वर्ण तथा 1 रजत पदक जीता है।
- **बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद** और **कानपुर आईआईटी** मिलकर राज्य के 534 प्रखंडों में 538 स्थानों पर सेंसर वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन लगाया है। इससे संबंधित आंकड़े कानपुर आईआईटी के पास एकत्रित होगा जहां शोध किया जाएगा।
- बिहार के सरकारी विद्यालयों में पहली से पांचवी कक्षा के बच्चों के लिए पढ़ाई का एक नया अभियान ***'पढ़ता बिहार बढ़ता बिहार'*** के नाम से शुरू किया गया है। 13 अक्टूबर 2023 से इसके तहत गतिविधियां शुरू कर दीगयी है।
- बिहार सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 2023 से न्यूनतम मजदूरी दर 2% बढ़ाया गया है। प्रत्येक दिन के मजदूरी में 7 रूपये से लेकर 11 रुपए बढ़ाया गया है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- बिहार कृषि विभाग ने **चौथा कृषि रोडमैप** के तहत **कीटनाशक के छिड़काव पर 75% अनुदान** का प्रावधान किया है।
- ***सरजमीन सेवा एवं उपादान वितरण योजना*** के तहत प्रति पेड़ कीटनाशक समेत छिड़काव पर 76 से 96 रूपये की लागत अनुमानित है। राज्य सरकार द्वारा 57 से 72 रुपए बतौर अनुदान दिया जाएगा। शेष 25% का भुगतान किसानों को करना होगा। फसल के मामले में अधिकतम 2 हेक्टेयर एवं टाल क्षेत्र के मिलों में अधिकतम 5 हेक्टेयर के लिए अनुदान का प्रावधान किया गया है।
  - आम, लीची एवं अमरूद के मंजर व फलों के लिए दो-दो बार कीटनाशक के छिड़काव पर अनुदान मिलेगा।
  - दलहन व तिलहन की फसल पर भी कीटनाशक के छिड़काव के लिए सरकार मदद करेगी।
- अमेरिका के रिसर्च संस्था नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक्स रिसर्च (NBER) के अनुसार विश्व के 20 सबसे खराब यातायात वाले शहरों में बिहार के 2 समेत भारत के 8 शहर शामिल हैं। इस रिसर्च में बिहार के दो शहरों आरा (7वें) व बिहार शरीफ (11वें) को शामिल किया गया है।
  - दुनिया का सबसे तेज यातायात वाला शहर अमेरिकी राज्य मिशीगन का फ्लिंट और सबसे धीमा यातायात वाला शहर बांग्लादेश की राजधानी ढाका है।
  - यह अध्ययन 152 देश के 1200 शहरों पर किया गया है।
  - इसमें भारत के अन्य शहर भिवंडी, कोलकाता, मुंबई, आइजोल, बेंगलुरु और शिलांग शामिल है।
- **जीविका द्वारा राज्य में पहला मखाना उद्योग सहरसा में खोला गया हैं।**
- **बिहार की जाति आधारित गणना, 2022: विशेष तथ्य**
  - 2001 की जनगणना के अनुसार राज्य में 83.2 हिंदू थे जो 2022 में घटकर 81.99% (-1.2%) हो गया।
  - मुस्लिम आबादी 2001 में 16.5 प्रतिशत था जो 1.2% बढ़कर 17.70% हो गया हैं।
  - 2001 की तुलना में कुल प्रतिशत में बौद्ध एवं मुस्लिम को छोड़कर सभी धर्मावलंबियों की भागीदारी घटी है।
  - अप्रत्याशित तौर पर बौद्ध धर्मावलंबियों की संख्या लगभग 5 गुना बढ़ गया है।
  - पिछले 21 वर्ष में हिंदुओं की संख्या 55.17%, मुसलमानों की संख्या 68.70% तथा ईसाइयों की संख्या 41.59% बढ़ी है।
  - इन वर्षों में जैन 15.68% तथा सिक्ख 29% कम हो गए है।
  - 2011 की जनगणना में ट्रांसजेंडरों की संख्या 40 हजार से अधिक थी, जो जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट 2022 में मात्र 825 ही बताया गया है।
  - अनुसूचित जाति की आबादी पिछले 21 वर्ष में 96.87% तथा अनुसूचित जनजाति की आबादी 190.01% बढ़ी है।
- बिहार की मेजबानी में 67वें राष्ट्रीय स्कूल गेम्स की शुरुआत 26 नवंबर 2023 से पटना में होगा।
  - स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के 12वीं तक के सरकारी और निजी विद्यालयों के खिलाड़ी शामिल होंगे।
- राज्यपाल राजेंद्र **विश्वनाथ अर्लेकर** के द्वारा पूर्व सांसद **आर. के. सिन्हा** की दो पुस्तक **'कोरोना का प्रलयकाल'** एवं **'विश्व पटल पर अपना देश'** का विमोचन किया गया।
- **उत्तर कोयल जलाशय परियोजना** के निर्माण पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने अतिरिक्त लागत राशि की स्वीकृति दे दी है। यह बिहार तथा झारखंड की संयुक्त सिंचाई परियोजना है। झारखंड के लातेहार जिला के कूटकू गांव के पास इस परियोजना के लिए उत्तरी कोयल नदी पर एक बांध और बांध के नीचे 96 किलोमीटर बैराज का निर्माण हो रहा है।
  - दाहिनी मुख्य नहर और बाई मुख्य नहर भी इस परियोजना में शामिल है।
  - इससे चार जिलों- **गया, औरंगाबाद, पलामू, गढ़वा** को लाभ मिलेगा।
- पटना हाईकोर्ट ने जस्टिस **विपुल एम. पंचोली** की अध्यक्षता में **विधिक सेवा समिति** का पुनर्गठन किया है। इस आठ सदस्य समिति में आचार्य किशोर कुणाल समेत तीन गैर-पदेन सदस्य होंगे। इसमें महाधिवक्ता सहित तीन पदेन सदस्य होंगे। अन्य पदेन सदस्यों में पटना हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सिंह तथा पटना हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सिंह शामिल हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- अन्य गैर-पदेन सदस्य में समाज सेवी सुधा वर्गीज और सेवानिवृत्त जिला जज ओम प्रकाश हैं। इनका कार्यालय दो वर्षों का होगा।
- इस समिति का उद्देश्य *सभी गरीब व असहाय व्यक्तियों को न्यायिक सहायता पहुंचाना* है।

➢ पटना में 7-8 अक्टूबर 2023 को पहली बार ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर का आयोजन ज्ञान भवन के सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में किया गया। इसमें 10 भारतीय राज्यों से 125 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

➢ बिहार सरकार द्वारा प्रतिवर्ष जून माह में केले के टिश्यू कल्चर पौधे किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।
- केले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए हर वर्ष केले की खेत की मिट्टी की जांच होगी। 2024 में 60 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में इसकी खेती की जाएगी।
- केला उत्पादन में बिहार का योगदान देश में 6% है।
- बिहार के 12 जिलों- वैशाली, सारण, समस्तीपुर, कटिहार, मधेपुरा, खगड़िया, पूर्णिया, भागलपुर, गोपालगंज, किशनगंज, पश्चिम चंपारण व पूर्वी चंपारण में केले की खेती होती है।

➢ बिहार का **'मर्चा धान'** जीआई-टैग पाने वाला राज्य का छठा कृषि उत्पाद है। यह पश्चिमी चंपारण में उपजाए जाने वाला चावल की एक किस्म है।

➢ **दुबई** में **इंडियन पीपल्स फोरम** के बिहार काउंसिल चैप्टर के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम जश्न-ए-बिहार में केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे ने शिरकत की।

➢ बिहार के उद्योग मंत्री समीर महसेठ ने कहा है कि अगले 10 वर्षों में बिहार देश के 10 सर्वाधिक औद्योगिक विकास वाला प्रदेश में शामिल हो जाएगा।
- उद्यमियों को लीज पर दी जाने वाली जमीन के लीज दर को 80% तक काम किया गया है।
- बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बिहार इंवेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया तथा दिसंबर 2023 में पटना में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा।

➢ केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा भागलपुर की सेविका **ललिता कुमारी** व खगड़िया की आशा कार्यकर्ता **कल्पना कुमारी** को अति गंभीर कुपोषित बच्चों के प्रबंधन एवं रेफरल सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया।

➢ बेंगलुरु में आयोजित ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप के **100 मीटर हर्डल** में भागलपुर की **सपना कुमारी** ने रजत पदक जीता हैं।

➢ बिहार पुलिस द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018 से अगस्त 2023 तक कुल 2574 लोगों को मानव तस्करों से मुक्त कराया गया है। इसमें 1824 पुरुष जबकि 750 महिलाएं हैं।
- **निष्कर्ष:** ***महिलाओं से अधिक पुरुष मानव तस्करी के शिकार हैं।***

➢ पाक्सो एक्ट के तहत मामले के निष्पादन में भी तेजी आई है। अगस्त 2023 तक 1283 कांड दर्ज हुआ जिसमें 1132 में आरोप-पत्र यानी चार्जशीट दायर किया गया। 490 मामलों में मुआवजा देने के लिए प्रस्ताव भी भेजा गया।
- **पास्को एक्ट:** बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए इस अधिनियम को 14 नवंबर 2012 को लागू किया गया था।
- इसके तहत बच्चों के यौन शोषण के मामले में मृत्युदंड तक दिया जा सकता है जैसे- आसाराम बापू (2018 में उम्र कैद)

➢ राष्ट्रीय सूचना केंद्र (NIC) की तर्ज पर बिहार शिक्षा विभाग खुद अपनी एजेंसी का गठन करेगा।
- शिक्षा विभाग द्वारा डेटा तथा फाइलों को सुरक्षित रखने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है जिसके लिए सॉफ्टवेयर निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- इस प्रकार शिक्षा विभाग NIC से हटकर अपना पोर्टल गठित करने वाला बिहार का पहला विभाग बनेगा।
- **NIC:** राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र का भारत सरकार द्वारा 1976 में गठन किया गया था।

➢ **बिहार जैव ईंधन नीति को मंजूरी देने वाला पहला राज्य** है। **इसका लक्ष्य है जैव ईंधन में बिहार को नंबर एक बनाना**।
- जैव ईंधन के लिए 33 प्रस्ताव मिला है जिसमें 17 को मंजूरी दी गई है और इसमें से 5 ने काम करना शुरू कर दिया है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- बिहार सरकार के रोजगार पोर्टल पर 15 लाख 29 हजार लोगों ने विभिन्न रोजगार के लिए पंजीकृत कराया है जिनकी उम्र 35 वर्ष से कम है।
  - **निष्कर्ष:** सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास के कारण यहां के लोग दूसरे राज्यों में जाना कम किया हैं।
- **बिहार मद्यनिषेध अधिनियम, 2016 समाचारों में रहा है, क्योंकि-**
  - अप्रैल 2022 में संशोधन कर धारा-37 के तहत पहली बार शराब पीते पकड़े गए शराबियों को दो से पांच हजार रूपये जुर्माना लेकर छोड़ने का प्रावधान किया गया हैं।
  - इसके तहत लगभग सवा तीन लाख लोग पकड़े गए जिनसे 70 करोड़ रुपए की वसूली की गयी हैं।
  - दर्ज कांडों में 10 लाख से अधिक लोगों को अभियुक्त बनाया गया है जिसमें 3.28 लाख लोग पहली बार शराब पीने के आरोप में पकड़े गए थे। जुर्माना का प्रावधान होने से सजा दर 99% रहा।
- विद्यालयों के तर्ज पर अब विश्वविद्यालयों में नामांकन के बाद गायब रहने वाले विद्यार्थियों के नाम काटे जाएंगे।
  - तीन दिनों तक बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने वाले छात्र-छात्राओं को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। यदि स्पष्टीकरण असंतोषजनक होगा तो उनके नाम काट दिए जाएंगे साथ ही इन छात्रों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द किया जाएगा।
- **ऑपरेशन मुस्कान** का संबंध बिहार पुलिस द्वारा खोये मोबाइल को वापस करने से हैं।
- सरकार द्वारा प्रोन्नति के लिए सूची बनाते समय विभाग और दागी पदाधिकारी, कर्मचारियों की संख्या का विवरण इस प्रकार हैं-
  1. शिक्षा विभाग-935 (सर्वाधिक भ्रष्ट कर्मचारी वाला विभाग)
  2. पंचायती राज-330
  3. सामान्य प्रशासन विभाग-245
- बिहार बाल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष **प्रो. नवल किशोर यादव** को **भारतीय बाल बैडमिंटन महासंघ का अध्यक्ष** बनाया गया। बिहार बाल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर को महासंघ का अध्यक्ष बनाया गया।
- **मनेर** की रहने वाली **शिप्रा सिंह** ने फिलीपींस में **मिसेज यूनिवर्स-2023** में **मिसेज यूनिवर्स क्रिएटिविटी** का क्राउन जीता।
- बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जापान के ओसाका में आयोजित होने वाले पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन में बिहार का प्रतिनिधित्व किया। यह सम्मेलन 26 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया था।
- UAE के रियाद में 20 व 21 अक्टूबर 2023 को आयोजित हुए विश्व काबेट गेम्स (सैबो) में बिहार के कैमूर के भोरिक यादव शामिल हुए। कुश्ती से मिलते-जुलते इस खेल में पूरे एशिया से एकमात्र भोरिक यादव का चयन 88 किलोग्राम के अपर वर्ग के लिए हुआ।
- 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में मैथिली भाषा में **'समानांतर'** को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला।
  - निर्देशक: नीरज कुमार मिश्रा
  - अनिरति फिल्मस की यह पहली फीचर फिल्म है।
- पटना विश्वविद्यालय के कुलपति **डॉ. गिरीश कुमार चौधरी** को **बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग** का अध्यक्ष बनाया गया है। इनका कार्यकाल 3 वर्षों का होगा। इन्होंने विधान परिषद का सदस्य मनोनीत किए गए डॉक्टर राजवर्धन आजाद का स्थान लिया है।
- बिहार पुलिस के सिपाही से लेकर आईपीएस रैंक तक के अधिकारियों को पुलिस सैलरी पैकेज के तहत विशेष आर्थिक सुविधा दी जाएगी। इसके तहत वेतन के अनुसार 5 से 20 लख रुपए तक का विशेष दुर्घटना बीमा कवर दिया जाएगा।
  - इसके अलावा एटीएम कार्ड पर भी अतिरिक्त व्यक्तिगत दुर्घटना और हवाई बीमा कवर है।
  - इसके लिए बिहार पुलिस और भारतीय स्टेट बैंक के बीच समझौता हुआ हैं।
- इजराइल के कृषि विज्ञानी जिसे **'एग्रीकल्चर अटैची'** कहा जाता है। बिहार के कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पहले एक हेक्टेयर में आम से 100 पौधे ही लगाये जाते थे परंतु इन वैज्ञानिकों के सहयोग से वर्तमान में एक हेक्टेयर में आम के 1600 पौधे लगाए जा रहे हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- ये एग्री अटैची नालंदा के **चंडी** स्थित **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** में सब्जियों की ग्राफ्टिंग की तकनीक बता रहे हैं तथा टमाटर के साथ बैंगन की ग्राफ्टिंग पौधे बांटे जा रहे हैं।
- **कलम / ग्राफ्टिंग तकनीक:** यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें दो अलग-अलग पौधों के कटे हुए तनों को जोड़कर एक नया पौधा बनाया जाता है। नए पौधे में दोनों पौधों के गुण व विशेषताएं होती है।

➢ बिहार सरकार द्वारा मंगलमुखियों (थर्ड जेंडर) के लिए सभी प्रमंडल मुख्यालय में आवास का निर्माण किया जाएगा। इनके लिए आवास सह-छात्रावास का निर्माण कम से कम 2 एकड़ में किया जाएगा। एक आवास में 50 कमरे होंगे। भवन दो मंजिला होगा।

➢ उद्योगपति, लेखक व सामाजिक कार्यकर्ता **आर. के. सिन्हा** तथा अभिनेता, पटकथा लेखक व फिल्म निर्देशक **चंद्र प्रकाश द्विवेदी** को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (मोतिहारी) के प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा डायरेक्ट की मानद उपाधि दी गई।

➢ नए नियम के अनुसार के बिहार राज्य फसल सहायता योजना के तहत 20% तक फसल क्षति पर 7500 प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा।

- 20% से अधिक फसल क्षति पर 10000 रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा।
- इसका लाभ रैयत, गैर-रैयत एवं आंशिक रूप से रैयत एवं गैर-रैयत दोनों श्रेणी के किसानों के लिए दिया जाएगा।

फसल लाभ:

- **धान व मक्का:** राज्य के सभी 38 जिलों में।
- **सोयाबीन:** बेगुसराय, खगड़िया व समस्तीपुर जिलों में।
- **टमाटर:** समस्तीपुर, गया, वैशाली, पटना व भोजपुर जिला में।
- **आलू:** पूर्णिया, पूर्वी चंपारण, बांका, कटिहार, गया, भागलपुर, सुपौल, भोजपुर, पश्चिमी चंपारण, मधुबनी, पटना, व सिवान जिलों में।

➢ **'पटना कलम'** कला को दोबारा परिवर्तन करने के लिए पटना आर्ट कॉलेज तथा इंटेक पटना चैप्टर की ओर से 'पटना कलम' के पुन: प्रचलन विषय पर संगोष्ठी की गई। इसमें बताया गया कि इस कला को पुनर्जीवित करने में लिथोग्राफी तकनीक उपयोगी होगा।

- **लिथोग्राफी तकनीक:** मुद्रण की एक प्रक्रिया है जो किसी मौजूदा छवि का उच्च गुणवत्ता वाला प्रिंट बनाने के लिए ग्रीस तथा पानी का उपयोग करता है।

➢ फसल अवशेष प्रबंधन के लिए चौथे कृषि रोड मैप के तहत कृषि यंत्रों पर 75 से 80% तक का अनुदान कृषि विभाग द्वारा दिया जाएगा।

- यह फसल अवशेष नहीं जलाने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा।
- फसल अवशेष को जलाने से मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु, केंचुआ आदि मर जाते हैं तथा नाइट्रोजन की कमी हो जाती है।
- एक टन फसल अवशेष को जलाने से लगभग 1460 किलो कार्बन तथा 2 किलो सल्फर डाइऑक्साइड गैस निकलकर वातावरण को प्रदूषित करता है।

➢ जल संसाधन विभाग द्वारा वर्ष 2017 से 2022 के बीच बाढ़रोधी एवं बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों पर कुल 8561.62 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

➢ **चौथे कृषि रोडमैप** में किसाने की आय बढ़ाने के लिए कृषि उत्पाद के लिए बाजार को विकसित किया जाएगा। पहले चरण में राज्य की **54 बाजार समितियों** का नवीनीकरण किया जाएगा।

- बिहार में कृषि उपज के लिए थोक बाजार यानी मंडी प्रणाली को वर्ष 2006 में समाप्त कर दिया गया था।

- वर्तमान में कृषि उत्पादों का बिक्री बाजार समितियों द्वारा किया जाता है।
- इस रोडमैप के तहत ग्रामीण हाटों में सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। कृषि पर स्थायी समिति की वर्ष 2019 रिपोर्ट के अनुसार राज्य के लगभग 1794 ग्रामीण हाट हैं। इसमें से 325 एपीएमसी के अधीन थे।
- इनके विकास के लिए चौथे कृषि रोडमैप में 30 करोड़ उपलब्ध कराया गया है।
- **बिहान ऐप** पर राज्य की बाजार समितियों से संबंधित जानकारी सांझा की जा रही है। अब एगमार्ग नेट पोर्टल को बिहान ऐप के साथ जोड़ दिया गया हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- बाजार समितियों के संचालन के लिए उन्हें **ई-नाम** प्लेटफार्म से जोड़ा जाएगा। इसके लिए बिहार कृषि मूल्य संवर्धन प्रणाली (बावास) का गठन किया गया है।

➢ **सात निश्चय-2** के तहत हर खेत तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य-2 वर्ष निर्धारित किया गया है। इसके लिए निम्न कार्य किये जायेंगे-

- 1127 परियोजनाओं के माध्यम से 1 लाख 30 हजार हेक्टेयर असिंचित क्षेत्रों के खेतों तक पानी पहुंचाया जायेगा।
- असिंचित क्षेत्रों में 149 फील्ड चैनलों का निर्माण होगा।
- 117 पुरानी नहरों का जीर्णोद्धार किया जायेगा तथा 16 नहरों का विस्तार किया जायेगा।
- 845 वीयर, चेकडैम बनाये जा रहे हैं।
- इन परियोजनाओं पर 700 करोड़ रूपये खर्च किए जायेंगे।
- सर्वाधिक खर्च नहरों के जीर्णोद्धार पर किया जायेगा।

➢ बिहार के 261 नगर निकायों के उपमुख्य पार्षदों को योजना के चयन व अनुमोदन या वित्तीय लेन-देन से जुड़े नए अधिकारी नहीं मिलेंगे। इनको बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 के प्रावधानों के अंतर्गत पहले से दिए गए अधिकार ही मान्य होंगे। पहले उपमुख्य पार्षदों का चयन पार्षदों के जारिये होता था लेकिन इस बार इनका चुनाव जनता के द्वारा किया गया।

➢ पटना को 68वीं राष्ट्रीय जूनियर बाल बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी गई। इसका आयोजन जनवरी 2024 में होगा।

➢ बिहार में दलहन के रकबा बढ़ाने के साथ ही बीज उत्पादन एवं कीट प्रबंधन करने के लिए कृषि विभाग रबी मौसम से ही **दलहन मिशन कार्यक्रम** के तहत किसानों को प्रेरित करेगा।

- दलहन की परंपरागत क्षेत्र के साथ नये क्षेत्र में मंसूर एवं चना की फसल लगाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- इस योजना में केंद्र की 60% तथा राज्य की 40% हिस्सेदारी है।
- 10 वर्ष से कम आयु वाले बीज किसानों के बीच वितरित किया जाएगा। इस पर 80% तक अनुदान दिया जाएगा।
- मसूर, चना, मूंग व अरहर के फसल को बढ़ावा देने के लिए यह योजना विशेष रूप से केन्द्रित हैं ।

➢ अमेरिका के प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में पटना आईआईटी की प्राध्यापक **डॉ. ऋचा चौधरी** तथा **डॉ.अपर्णा साहा** शामिल है।

- डॉ. ऋचा चौधरी ने लगातार तीसरे बार इस सूची में स्थान बनाया है। वे अभी हरित मानव संसाधन प्रबंधन एवं महिला उद्यमी पर शोध कर रही हैं।
- डॉ. अपर्णा भारतीय भाषाओं को सरल बनाने के उपाय पर शोध कर रही हैं।

➢ शेखपुरा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश **राजकुमार** को बिहार **विधानसभा के सचिव** पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर पदस्थापित किया गया है।

➢ मुंगेर के शैलेश कुमार झांगझु में आयोजित पैरा एशियाई गेम्स में टी-63 कैटेगरी में 1.83 मीटर ऊंची छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

➢ वित्तीय वर्ष 2023-24 की दूसरी और तीसरी तिमाही में सामान्य भविष्य निधि एवं अंशदायी भविष्य निधि पर बिहार सरकार 7.1% ब्याज देगी।

➢ बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा जापान में 'जाटा ट्रैवेल शो' में इंक्रेडिबल इंडिया और बिहार पवेलियन की संयुक्त रूप से शुरुवात किया गया।

➢ बिहार में **बौद्ध सर्किट** को दो प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित करने किए योजना हैं-

1. गंगा नदी के दक्षिण में बोधगया, राजगीर और नालंदा।
2. गंगा नदी के उत्तर में वैशाली, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण।

➢ बिहार की जेलों में कैदी द्वारा डिजाइनर कपड़े, चादर, गमछा, साबुन, लैपटॉप बैग, सरसों तेल और मसाले आदि बनाए जाएंगे। यह उत्पाद **'मुक्ति ब्रान्ड'** के नाम से बाजार में बेचा जाएगा। इसका 8 केंद्रीय सहित 10 जिलों में उत्पादन किया जाएगा।

लाभ:

1. कैदी सकारात्मक कार्य से तो जुड़ेंगे ही उनके कार्य कुशलता और आय बढ़ेगी।
2. जेल से छूटने के बाद वे कुशल श्रमिक के रूप में स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित होंगे।

- शुरुवात: शहीद खुदीराम केंद्रीय कारागार मुजफ्फरपुर से

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- **बिहार बायोफ्यूल्स उत्पादन प्रोत्साहन नीति, 2023**
  - संयत्र व मशीनरी लागत का 15% अधिकतम 5 करोड़ का अनुदान बिहार सरकार द्वारा दिया जाएगा।
  - **उद्देश्य:** राज्य में ग्रीन फिल्ड न्यू 100% स्टैन्डअलोन एथेनॉल एवं कंप्रेस्ड बायोगैस बायो सीएनजी उत्पादन इकाइयों का सर्वांगिक विकास करना।
- **बिहार निवेश प्रोत्साहन नीति, 2016**
  - स्टाम्प शुल्क/पंजीकरण शुल्क की 100% प्रतिपूर्ति
  - भूमि सम्परिवर्तन शुल्क की 100% प्रतिपूर्ति
  - बैंकों से लिए गए कर्ज पर 10% की ब्याज प्रतिपूर्ति (अधिकतम 20 करोड़ रुपए)।
  - 5 वर्ष अवधि के लिए कैप्टिव पावर सहित विद्युत शुल्क की 100% प्रतिपूर्ति।
- फसल अवशेष जलाने वाले किसानों से इस वर्ष भी धान की खरीद नहीं की जायेगी। साथ ही वैसे किसानों को DBT (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लिए मिलने वाले अनुदान से भी वंचित किया जाएगा।
- कौमुदी महोत्सव का आयोजन पटना सिटी स्थित गांधी सरोवर परिसर में 28 अक्टूबर 2023 को कला संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा किया गया।
- पैरा एशियाई गेम्स में वैशाली के प्रमोद भगत ने पुरूष एकल SL3 बैंडमिंटन स्पर्धा में स्वर्ण जीता। यह इस प्रतियोगिता में इनका तीसरा पदक है। वे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ओडिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। पैरा बैंडमिंटन एकल में इनका वैश्विक रैंक-2 है।
- **राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना** के तहत बिहार में फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जायेगा।
  - 500 हेक्टेयर में गेंदा की खेती तथा 13 जिलों के 70 हेक्टेयर में ग्लेडियोलस की खेती की जायेगी। इसके लिए राज्य सरकार 70% अनुदान देगी।
  - पिछले वर्ष लगभग 300 हेक्टेयर में गेंदा की खेती की गई थी।
- भागलपुर की **तृषा झा** को अमेरिका में **द प्रेसिडेंट लाइफटाइम अचीवमेंट** अवार्ड दिया गया।
  - यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाली संस्था टीच हर टुडे (THT) की स्थापना में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।
  - यह संस्थान अफ्रीका व दक्षिण पूर्व एशिया के मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को साइंस टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मेथमेटिक्स (STEM) और फाइनेंशियल एजुकेशन प्रदान करता है।
- **कार्डिकान 2023** का आयोजन **पटना** में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। इसमें बताया गया कि रसोई गैस और एयर कंडिशनर भी युवाओं में हृदय रोग का बड़ा कारण है। इससे निकलने वाली PM 2.5 और कुछ हानिकारक गैसें हृदय की धमनियों में रूकावट (ब्लॉकेज) पैदा करती है।
- बिहार सरकार ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत रबी की खेती में ड्रोन से **38 हजार एकड़** में कीटनाशक छिड़काव का लक्ष्य रखा है।
  - कृषि विभाग के DBT पोर्टल पर निबंधित किसान इस योजना का लाभ ले सकते हैं।
  - पहले चरण में हर जिले में एक-एक हजार एकड़ में ड्रोन से कीटनाशक के छिड़काव की योजना है।
  - सरकार प्रति एकड़ 250 रूपये अनुदान देगी। एक किसान को अधिकतम 10 एकड़ तक का अनुदान दिया जाएगा।
  - किसान तिलहन, दलहन के साथ आलू, मक्का व गेहूँ पर कीटनाशक का छिड़काव करवा सकते हैं।
  - कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि कीट, खरपतवार, जीवाणु के कारण प्रतिवर्ष 35% फसल की बर्बादी होती है।

लाभ:

1. समय की बचत: लगभग 8-10 मिनट में एक एकड़ खेत में कीटनाशक के छिड़काव किया जा सकता है।
2. लागत में कमी।
3. किसानों के स्वास्थ्य पर खराब प्रभाव नहीं पड़ेगा।
4. पानी की बचत होगी।

- बिहार की **20वीं पशु गणना रिपोर्ट** के आधार पर अब अनुमंडल राजकीय एवं प्रांतीय पशु अस्पतालों में तैनात चिकित्सकों को पशुओं का उपचार सुनिश्चित करना होगा।
  - प्रतिवर्ष न्यूनतम 12 हजार पशुओं का उपचार करना होगा। जो वर्तमान में यह लक्ष्य मात्र 1800 था।
  - बिहार विकास मिशन व तकनीकी विशेषज्ञ समिति की समीक्षा रिपोर्ट व अनुशंसा के आधार पर मानक तय किया गया है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- बिहार में विभिन्न श्रेणी के 1329 पशु चिकित्सालय है। इसमें अनुमंडल स्तरीय 39 पशु अस्पताल है।

➢ बिहार शिक्षा विभाग ने जिलों, प्रखंडों एवं पंचायत मुख्यालयों में ही शिक्षकों के रहने के लिए निजी मकान लीज पर लेने का निर्णय किया है।

➢ शिक्षा विभाग प्रत्येक वर्ष शिक्षकों के वेतन पर लगभग 33 हजार करोड़ रूपये खर्च करता है। इसकी लगभग 8% राशि यानी 2500 करोड़ रूपये शिक्षकों को आवास भत्ता के लिए भुगतान करता है। अब भत्ता के बजाय उन्हें रहने के लिए घर या फ्लैट दिए जायेंगे। शिक्षा विभाग द्वारा 5 लाख शिक्षकों के आवासन की व्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है।

उद्देश्य:

1. सरकार का उद्देश्य है की शिक्षक नियत समय पर विद्यालय पहुंच सकें।
2. विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ेगी। अनुपस्थिति के कारण नामांकन रद्द करने की संख्या में कमी होगी।
3. पढ़ाई के अलावा खेल व अन्य गतिविधियां संचालित करने में आसानी होगी तथा विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ेगी।
4. प्रखंड व पंचायतों में भी सरकार को दीर्घकाल के लिए किराये पर भवन देकर लोग अतिरिक्त कमाई कर सकेंगे।

➢ **राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण** (NMA) ने पटना के **कुम्हरार** स्थित मौर्यकालीन राजप्रसाद के संरक्षण एवं विकास करने के लिए विरासत उपनियमों का मसौदा जारी किया है।

- ASI ने जल जमाव व रिवास से इस धरोहर को बचाने के लिए 2004 में मिट्टी व रेत भर दिया था।

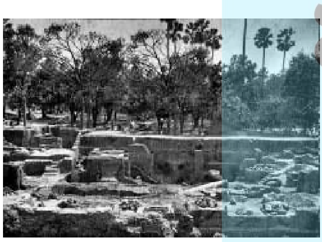

- यहाँ स्थित 80 स्तंभों वाले सभा कक्षा को निकट भविष्य में लोग देख सकेंगे।
- इस मसौदा में 80 स्तंभों वाले सभाकक्ष के अतिरिक्त यहां मिले **'आरोग्य बिहार'** के अवशेष का विशेष उल्लेख है। कुम्हरार उत्खनन के अवशेष 600 ईसा पूर्व के है। सर्वप्रथम इसकी खोज **डीबी स्पूनर** ने की थी। *आरोग्य बिहार एक प्रकार का मौर्य कालीन प्रारंभिक अस्पताल था जिसमें भारतीय चिकित्सक धनवंतरि द्वारा लोगों का नि:शुल्क इलाज किया जाता था।*

➢ बिहार में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने क लिए ब्रेडा के स्थान पर **जेनरेसन कंपनी** को इनसे जुड़े निर्माण कार्यों का नोडल क्रियान्वयन एजेंसी नामित किया गया है।

- सभी प्रकार के जल निकायों में एक मेगावाट से ऊपर के फ्लोटिंग सौर ऊर्जा प्लांटों और बिहार में उपयुक्त/बंजर भूमि पर एक मेगावाट से ऊपर के ग्राउंड माउंटेड सौर प्लांटों की स्थापना की जिम्मेवारी बिहार स्टेट पावर जेनरेंशन कंपनी की होगी।
- एक मेगावाट से ऊपर बायोमास और खोई बिजली प्लांटों की स्थापना के लिए भी जेनरेशन कंपनी को ही अधिकृत किया गया है।
- लखीसराय के कवरा में 200 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना की जिम्मेवादी बिहार पावर जेनरेशन कंपनी ही संभाल रही है।
- ब्रेडा: बिहार रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी

➢ बिहार को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए जीविका दीदी का सहयोग लिया जा रहा हैं।

- बाल मजदूरी के चंगुल से बच्चे-बच्चियों को मुक्त कराने में सरकार के साथ-साथ जीविका दीदीयों, पंचायती राज संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों की भी सहायता ली जायेगी।

➢ **पंचायती राज विभाग के कार्यो के निष्पादन में कैमूर जिले ने नंबर एक स्थान प्राप्त किया है**। वहीं सहरसा जिले का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है।

- विभिन्न कार्यो के लिए निर्धारित 100 अंक में 66 अंक कैमूर का रहा। भोजपुर (64.87 अंक) तथा कटिहार (64.71 अंक) दूसरे व तीसरे स्थान पर रहा है। भोजपुर के कोईलवर प्रखंड को प्रथम स्थान मिला है।

➢ **मुजफ्फरपुर** के बेला औद्योगिक क्षेत्र में उत्तर बिहार का **सबसे बड़ा कौशल प्रशिक्षण केन्द्र** खोला गया हैं।

- यह केन्द्र बिहार सहित अन्य राज्यों के युवाओं को रोजगार के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर उन्हें निपुणता प्रमाण-पत्र जारी करेगा।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- यह केन्द्र का कौशल प्रशिक्षण विकास योजना के तहत खोला गया हैं। इस योजना की शुरूआत 2015 में किया गया था।
- इसकी मॉनिटरिंग केन्द्र सरकार की कौशल और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

➢ गोवा में आयोजित 37वें नेशनल गेम में भोजपुर के शशि भूषण ने पुरूषों की 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता।

यह बिहार का दूसरा पदक है। इसके पहले राज्य की महिला रग्बी टीम ने रजत पदक जीता किया था।

➢ एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य के 2361 सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में शौचालय की सुविधा नहीं है। इसमें से ज्यादातर प्राथमिक विद्यालय भवनहीन है। जिन 69 हजार 502 प्रारंभिक विद्यालयों में 1 से लेकर 5 यूनिट तक शौचालय बने हैं उनमें से 1 लाख 35 हजार शौचालय साफ-सफाई के अभाव में इस्तेमाल लायक नहीं है। सभी 9 हजार 360 माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में केवल 1 से 5 यूनिट तक शौचालय बने हैं। उनमें से 13 हजार शौचालय भी साफ-सफाई के अभाव में इस्तेमाल लायक नहीं है। प्रारंभिक विद्यालय में एक शौचालय की साफ-सफाई पर 50 रूपये तथा माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय में शौचालय के साफ सफाई व्यवस्था पर 100 रूपये तक दिया जाता है। शौचालयों के साफ-सफाई में रख-रखाव की जिम्मेदारी जिला अधिकारियों की होती है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

विश्व की पवनें

(द्वारा: अनिशा शेखर सिंह, संपादक)

पृथ्वी के धरातल पर विभिन्न स्थानों पर वायुमंडलीय दाब एक समान नहीं होता है जिसके कारण पृथ्वी पर कहीं पर अधिक वायुमंडलीय दाब का क्षेत्र बन जाता है तथा कहीं पर निम्न वायुमंडलीय दाब का क्षेत्र उत्पन्न हो जाता है। इसी कारण से वायुमंडल की हवा, अधिक दाब से निम्न दाब की ओर प्रवाहित होती है और इन्ही क्षितिज रूप से गतिशील हवाओं को **पवन** कहते हैं। अगर यह गतिशील हवाएं धरातल से अंतरिक्ष की ओर प्रवाहित होने लगे अर्थात ऊर्ध्वाधर दिशा में प्रवाहित होने लगे तो इन्हें **वायु धारा** अर्थात **एयर करंट** कहा जाता है।

पवनों का वर्गीकरण

पवनों को तीन भागों में बांटा गया है-

1. *प्रचलित अथवा स्थाई पवन* 2. *मौसमी अथवा सामयिक पवन* 3. *स्थानीय पवन*

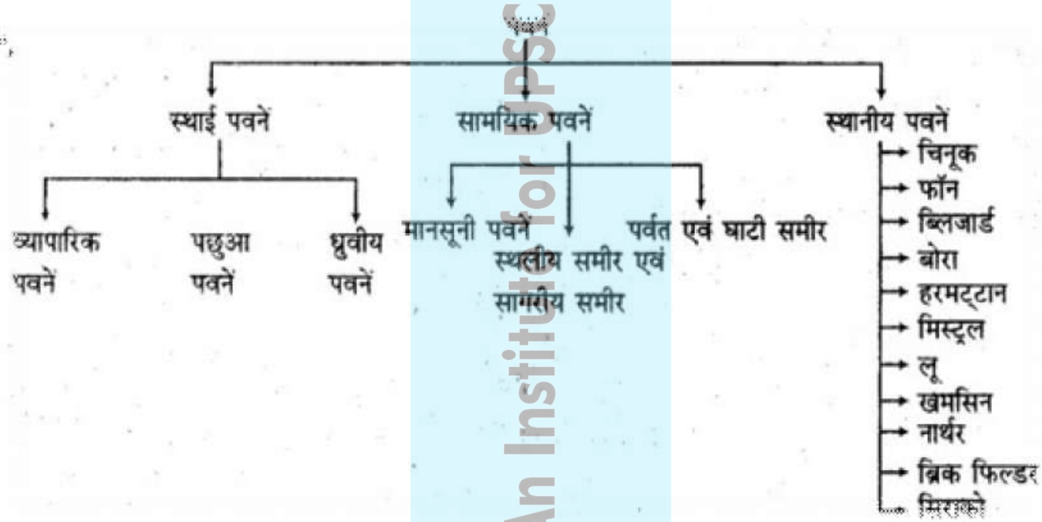

प्रचलित पवन तीन प्रकार की होती है-

1. व्यापारिक पवन
2. पछुआ पवन
3. ध्रुवीय पवन

मौसमी अथवा सामयिक पवन तीन प्रकार की होती है-

1. स्थल समीर
2. जल समीर
3. मानसूनी पवन

स्थानीय पवन दो प्रकार की होती है-

1. गर्म स्थानीय पवन
2. शीत स्थानीय पवन

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

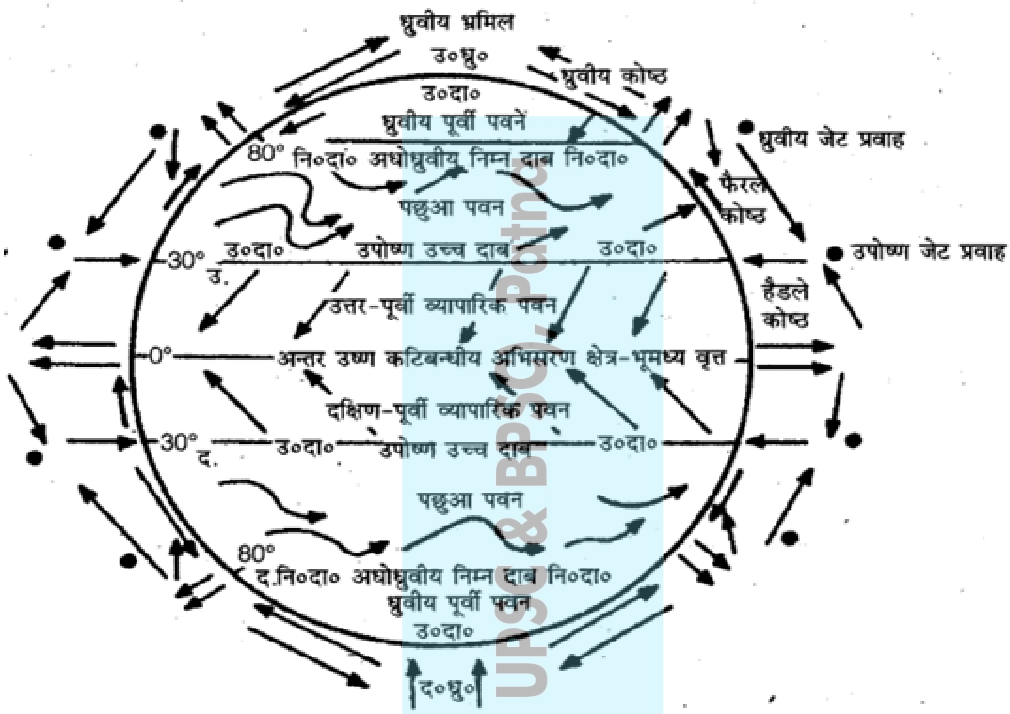

चित्र 10.3 : वायुमण्डल का सामान्य परिसंचरण

अब बात करते हैं कि प्रचलित पवनें क्या होती है? तथा इसके कौन-कौन से प्रकार है?

प्रचलित पवन उन पवनों को कहा जाता है जो पृथ्वी के बहुत बड़ें भूभाग पर प्रवाहित होती है तथा जिनकी दिशा वर्षभर एक समान रहती है। इन्हें **स्थाई पवन** के नाम से भी जाना जाता है। अक्सर यह स्थाई पवने एक वायु भार वाले कटिबंध से दूसरे वायु भार वाले कटिबंध की और नियमित रूप से चलती है।

प्रचलित पवनों या स्थाई पवनों के निम्नलिखित तीन प्रकार होते हैं-

1. **व्यापारिक पवनेः** यह पवनें दोनों गालार्ध के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से विषुवत रेखा की ओर प्रवाहित होती है तथा फेरल के नियम के अनुसार इनकी दिशा परिवर्तित होने से यह पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर प्रवाहित होती है। प्रचलित पवनों का प्रवाह का क्षेत्र 30 डिग्री उत्तरी अखांश से 30 डिग्री दक्षिणी अखांश के मध्य होता है तथा दोनों गोलार्धो) की व्यापारिक हवा, विषुवत रेखा पर आकर की मिलती है। व्यापारिक को सनातनी पवन तथा सन्मार्गी पवन के नाम से भी जाना जाता है।
2. **पछुआ पवनेंः** यह पवन दोनों गोलार्धों में 30 डिग्री अक्षांशों से 60 डिग्री अक्षांश के मध्य पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर चलती है। पछुआ पवनें उत्तरी गोलार्ध की अपेक्षा दक्षिणी गोलार्ध में अधिक प्रबलता से प्रवाहित होती है क्योंकि दक्षिणी गोलार्ध में जल क्षेत्र अधिक है तथा स्थली अवरोध कम है। पछुआ पवनों को दक्षिणी गोलार्ध में ***40 डिग्री दक्षिणी अक्षांश पर गरजता चालीसा, 50 डिग्री दक्षिणी अक्षांश पर प्रचंड पचासा*** एवं ***60 डिग्री दक्षिणी अक्षांश पर चीखता साठा*** के नाम से पुकारते हैं । यह सारे नाम स्थानीय नागरिकों के द्वारा प्रदान किए गए हैं। पछुआ पवन जब 40 डिग्री उत्तरी अक्षांश के आसपास प्रवाहित होती है तो यहां पर उच्च वायुदाब का क्षेत्र होने से नावों के संचालन में काफी कठिनाई आती है। इन अक्षांशों को ***अश्व अक्षांश*** के नाम से भी जाना जाता है।
3. **ध्रुवीय पवनः** ध्रुवीय पवन दोनों को गालार्धो में 60 डिग्री से 90 डिग्री अक्षांश के मध्य प्रवाहित होती है। इन पवनों की दिशा पूर्व से पश्चिम की ओर होती है। इन्हें ध्रुवीय पुरवा पवन भी कहते हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

मौसमी पवन मौसमी पवन उन पवनों को कहा जाता है जिनकी उत्पत्ति एवं दिशा विभिन्न मौसम के अनुसार परिवर्तित होती रहती है। मौसमी पवन निम्नलिखित तीन प्रकार की होती है-

1. **स्थल समीर:** ऐसी रात्रिकालीन अपतटीय पवन जो स्थल से जल की ओर चलती है स्थलीय समीर कहलाती है। ध्यातव्य है कि स्थल जल की अपेक्षा तीव्रता से गर्म और ठंडा होता है, अत: सूर्यास्त के पश्चात् ताप विकिरण के द्वारा धरातल शीतल होने लगता है तथा स्थल पर अधिक वायुदाब तथा जल पर न्यून वायुदाब का क्षेत्र निर्मित हो जाता है।
2. **जल समीर:** समुद्रतटीय क्षेत्रों में दिन के समय जल से थल की ओर चलने वाली स्थानीय पवनों को जल समीर कहते हैं। दिन के समय जल पर अधिक व थल पर न्यून दाब स्थापित होने से ये हवाएं केवल दिन में चलती हैं। इन हवाओं से थल भाग का तापमान गिरकर कुछ वर्षा भी हो जाती है।
3. **मानसूनी पवन:** मानसून पवन एक मौसमी पवन पैटर्न है जो भूमि क्षेत्रों और महासागरों के बीच ताप क्षमता की असमानता के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है।

स्थानीय पवन वे पवने जो धरातल के किसी स्थान विशेष में प्रवाहित होती है, अर्थात जिनका क्षेत्र सीमित होता है उन्हें स्थानीय पवन कहा जाता है। वास्तव में यह मौसमी हवाएं होती हैं जो किसी मौसम विशेष में ही बहती हैं। उदाहरण के लिए अमेरिका एवं कनाडा में प्रवाहित होने वाली चिनूक गर्म हवा। यह पवन पुन: दो प्रकार की होती है-

1. *उष्ण या गर्म स्थानीय पवन*
2. *शीत या ठंडी स्थानीय पवन*

गर्म स्थानीय हवा

1. **सिराक्को** - यह सहारा रेगिस्तान में प्रवाहित होती है जिसमें बालू, मिट्टी की मात्रा अधिक होती है। जब यह पवन भूमध्य सागर को पार कर इटली पहुंचती है तब इसके द्वारा होने वाली वर्षा लाल रंग (बालू के कणों पर सौर विकिरण पड़ने से लाल रंग की तरंग लंबाई के प्रकीर्णित होने से) की होती है, जिसे रक्त वर्षा कहते हैं। इस पवन को स्पेन में लेवेच के नाम से जानते हैं। सहारा में प्रवाहित होने वाली इस गर्म एवं शुष्क वायु को अन्य नामों से भी जानते हैं जैसे-
   - खमसिन - मिस्र में
   - गिब्ली - लीबिया में
   - चिली - ट्यूनीशिया में
2. **फान** - यह हवा आल्प्स पर्वत के ढाल के सहारे नीचे उतरती है तो गर्म हो जाती है। यह स्विट्जरलैंड या एड्रियाटिक सागर के उत्तर में प्रवाहित होती है।
3. **हरमट्टन** - यह गर्म एवं शुष्क हवा है तो सहारा रेगिस्तान के पश्चिमी भाग (पश्चिम अफ्रीका) में बहती है। गिनी खाड़ी तटीय क्षेत्र में इसके पहुंचने से मौसम सुहावना हो जाता है जिसके कारण इसे 'डॉक्टर विंड' कहते हैं।
4. **चिनूक** - यह अमेरिका तथा कनाडा में रॉकी पर्वत के पूर्वी ढाल के सहारे नीचे उतरती है जिससे यह गर्म हो जाती है और वहां जमी बर्फ पिघल जाती है।
5. **संताअना** - यह यूएसए के कैलिफोर्निया क्षेत्र में प्रवाहित होती है।
6. **ब्रिक फील्डर**- दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में प्रवाहित होने वाली गर्म स्थानीय पवन है।
7. **जोंडा** - अर्जेंटीना में प्रवाहित होती है।
8. **बर्ग** - यह दक्षिण अफ्रीका में आंतरिक पठारी भागों से तट की ओर प्रवाहित होने वाली गर्म एवं शुष्क पवन है।
9. **ब्लैक रोलर**- यह उत्तरी अमेरिका के मैदानी भागो में चलने वाली हवा है जो धूल भरी एवं गर्म होती है।
10. **नॉर्वेस्टर** - यह न्यूजीलैंड में प्रवाहित होती है।
11. **शामल** - यह इराक या मेसोपोटामिया, ईरान में प्रवाहित होने वाली एक पवन है।
12. **काराबुरान** - यह मध्य एशिया के तारिम बेसिन या तकला मकान में प्रवाहित होती है।
13. **यामो** - जापान में प्रवाहित होती है।
14. **लू** - यह उत्तरी भारत के गंगा यमुना मैदान में ग्रीष्मकाल में प्रवाहित होने वाली गर्म स्थानीय पवन है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

15. **कोयम बैंग** – इंडोनेशिया में प्रवाहित होने वाली हवा है।
16. **सिमूम** – यह पवन सहारा तथा अरब में चलती है। मरुस्थल में बहने के कारण इसमें धूल, बालू की मात्रा अधिक होती है।
17. **हबूब** – यह उत्तरी सूडान में चलने वाली गर्म तथा धूल भरी पवन है।
18. **सिस्टन** – यह ईरान में गर्मियों में प्रवाहित होती है। यह अतितीव्र गति से बहती है।
19. **लेस्ट** – यह मदीरा एवं कनारी द्वीपों पर बहती है।
20. **ट्रैमोण्टेन** – यह मध्य यूरोप में प्रवाहित होने वाली पवन है।
21. **अयाला** – ये फ्रांस के सेंट्रल मैसिफ से प्रवाहित होने वाली गर्म पवन है।

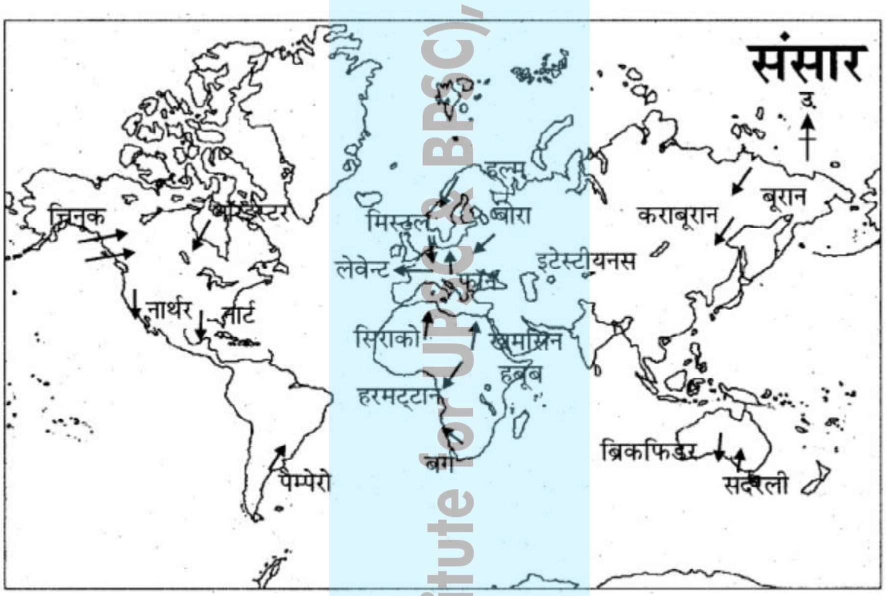

ठंडी स्थानीय हवाएं

1. **मिस्ट्रल** – दक्षिणी फ्रांस में रोन नदी घाटी के सहारे प्रवाहित होने वाली ठंडी पवन है।
2. **बोरा** – यह आल्प्स पर्वत के दक्षिणी ढाल पर तथा एड्रियाटिक के पूर्वी किनारे पर बहती है तथा कभी–कभी उत्तरी इटली में प्रवेश करती है।
3. **पैम्पेरो** – यह अर्जेंटीना तथा पराग्वे के शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान पंपास में बहने वाली ठंडी पवन है।
4. **नॉर्दर्स** – अति ठंडी पवन है जो कनाडा से लेकर अमेरिका तक प्रवाहित होती है।
5. **ब्लिजार्ड** – एक बर्फीली हवा होती है जो आर्कटिक क्षेत्र से उत्पन्न होकर उतरी साइबेरिया तथा उत्तरी यूरोपीय देशों को प्रभावित करती है।
6. **नोर्टी** – यह अमेरिका में प्रवाहित होती है।
7. **दक्षिणी बस्टर** – दक्षिणी ध्रुव से आने वाली बर्फीली हवाओं को दक्षिणी पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में दक्षिणी बस्टर कहते हैं।
8. **पुर्गा या बुरान** – यूरेशिया के आर्किटेक्ट अट पर उतरी रूप से आने वाली बर्फीली हवाओं को बुरान या पुर्गा कहा जाता है।
9. **पापगायो** – यह मैक्सिको तट पर प्रवाहित होने वाली ठंडी पवन है।
10. **बाइज** – फ्रांस में बहने वाली ठंडी हवा है।
11. **फ्राईजेम** – यह पवन ब्राजील के कंपोस तथा मध्य अमेजन क्षेत्र में प्रवाहित होती है।
12. **लेवेंटर** – यह दक्षिणी स्पेन तथा मोरक्को में प्रवाहित होती है।
13. **एलीशियन** – यह यूनान या ग्रीस में बहने वाली पवन है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

करेंट अफेयर्स वस्तुनिष्ठ अभ्यास प्रश्न

(5 अक्टूबर 2023 से 22 नवम्बर 2023 तक)

1. बिहार पुलिस द्वारा जारी एक रिर्पोट के अनुसार मानव तस्करी के संदर्भ में कौन सा कथन सही है?
   1. कुल 2570 लोगों को मानव तस्करों से मुक्त कराया गया।
   2. इसमें 1824 पुरूष तथा 750 महिलायें थी।
   3. बिहार में पुरूष अधिक मानव तस्करों का शिकार हो रहे हैं।

   कूट

   (A) केवल 1 तथा 2 (B) केवल 2 तथा 3

   (C) केवल 1 तथा 3 (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. पाक्सों एक्ट के तहत इस वर्ष अगस्त तक कितने मामले दर्ज किए गए?

   (A) 1132 (B) 490

   (C) 1824 (D) 1283

3. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र के बारे में निम्न में कौन-सा कथन सही है?

   (A) राष्ट्रीय सूचना केन्द्र का गठन 1970 में केन्द्र सरकार द्वारा किया गया।

   (B) यह केवल केन्द्र सरकार के विभागों के कार्यों में मदद करता है।

   (C) यह सेवाओं में सुधार, व्यापक पारदर्शिता, विकेन्द्रीकृत योजना और प्रबंधन को बढ़ावा देता है।

   (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. बिहार में बालू का अवैध खनन रोकने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से उपाय किये जा रहे हैं?

   (A) बालू घाटों की निगरानी ड्रोन द्वारा

   (B) गाड़ियों का निबंधन करवाकर उसमें जीपीएस लगवाना।

   (C) चेकपोस्ट पर सीसीटीवी कैमरा लगाना।

   (D) उपरोक्त में से सभी।

5. सीवान की बेबी कुमारी का संबंध किस खेल से है?

   (A) फुटबाल (B) क्रिकेट

   (C) सैंबो (D) भारोत्तोलन

6. हाल ही में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किस राज्य में उसका पहला मेडिकल साइंसेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया गया है?

   (A) मेघालय (B) नागालैंड

   (C) त्रिपुरा (D) असम

7. अप्रैल-सितंबर 2023 में वस्तुओं के आयात में कितने प्रतिशत की कमी देखी गई है?

   (A) 8.77% (B) 15%

   (C) 2.62% (D) 12.23%

8. प्रोडक्शन ललक्ड इंसेन्टिव योजना के संदर्भ में कौन सा कथन गलत है?

   (A) इसके तहत 16 सेक्टरों को सहायता प्रदान किया जाता है।

   (B) इसकी शुरूआत 2021 में हुआ था।

   (C) इस योजना के कारण आयात में कमी देखी जा रही है।

   (D) इस योजना के माध्यम से 1.97 लाख करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा।

9. न्यूजीलैंड के अगले प्रधानमंत्री किसे बनाया गया?

   (A) जार्जिया मेलोनी (B) क्रिस्टोफर वुड

   (C) क्रिस्टोफर लक्सन (D) क्रिस्टिना लेगार्ड

10. भारत व श्रीलंका के मध्य हाल ही में नौका सेवा शुरू किया गया है। निम्न में से कौन सा कथन सही है?
    1. दोनों देशो में मध्य 50 वर्ष बाद नौका सेवा शुरू हुआ।
    2. यह तमिलनाडु के नागपत्तनम से श्रीलंका के उत्तरी जाफना के काकोसंथुराई के मध्य चलेगा।
    3. पहली चलाई गई नौका का नाम 'चेरियापानी' है जिससे 50 यात्रियों ने यात्रा की।

    कूट

    (A) केवल 3

    (B) केवल 3 और 1

    (C) केवल 1 और 2

    (D) केवल 2 और 3

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

11. हाल ही में बिहार में कितने नगर निकायों का गठन किया गया है?

(A) 141 (B) 120

(C) 261 (D) 240

12. भारत में आने वाली एफडीआई के बारे में कौन सा कथन सही है?

(A) भारत में आने वाले कुल एफडीआई का 82% चार राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात व दिल्ली में आता है।

(B) बिहार में मात्र 0.10% ही कुल एफडीआई का आता है।

(C) सर्वाधिक एफडीआई क्रमश: मारीशस, सिंगापुर व अमेरिका से आता है।

(D) उपरोक्त में से सभी।

13. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की शुरूआत किस वर्ष हुआ?

(A) 2016 (B) 2014

(C) 2015 (D) 2018

14. नवीकरणीय ऊर्जा इंडिया एक्सपो 2023 का आयोजन कहाँ हुआ?

(A) दिल्ली (B) ग्रेटर नोएडा

(C) मुंबई (D) बंगलुरू

15. अपार (आटोमेटोड परमानेंट एकेडमिक आकउंट रजिस्ट्री) से संबंधित कौन-सा कथन सही नहीं है?

(A) यह स्कूल से लेकर कॉलेज तक आधार के तरह एक पहचान पत्र है।

(B) यह 14 अंकों का है।

(C) इसे बनाने से पहले संबंधित छात्र के अभिभावक से सहमति लेना होगा।

(D) इसे सेंट्रल यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट एंड इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस पोर्टल पर स्कूल द्वारा अपलोड किया जायेगा।

16. अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक संघ का कौन सा सत्र मुंबई में आयोजित किया गया?

(A) 141वाँ (B) 140वाँ

(C) 142वाँ (D) 151वाँ

17. हमास द्वारा 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया गया। हमास द्वारा इसे क्या नाम दिया गया?

(A) अल अक्स ऑपरेशन (B) अल अक्स फ्लड

(C) हरम अल शरीफ (D) अल अक्स माउंट

18. बिहार मद्यनिषेध अधिनियम, 2016 के संदर्भ में कौन सा कथन सही है?

(A) इस अधिनियम में अप्रैल 2021 में संशोधन किया गया।

(B) इसकी धारा-39 में संशोधन कर पहली बार शराब पीते हुए पकड़े जाने पर 2 से 5 हजार जुर्माना लेकर छोड़ने का प्रावधान किया गया।

(C) संशोधन के बाद अब तक लगभग 3.28 लाख लोग पकड़े गए जिनसे 70 लाख का जुर्माना वसूला गया।

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. बिहार के विश्वविद्यालयों में कितने दिनों तक छात्रों के अनुपस्थित रहने पर नामांकन को रद्द कर दिया जायेगा?

(A) 3 दिनों तक (B) 4 दिनों तक

(C) 8 दिनों तक (D) 7 दिनों तक

20. बिहार सरकार द्वारा प्रोन्नति के लिए सूची बनाते समय किस विभाग में सर्वाधिक कर्मचारियों व पदाधिकारियों को भ्रष्ट पाया गया?

(A) सामान्य प्रशासन विभाग (B) पंचायती राज

(C) शिक्षा (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

21. बिहार बाल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष कौन है जिन्हें भारतीय बाल बैडमिंटन संघ का अध्यक्ष बनाया गया है?

(A) गौरी शंकर (B) प्रो. नवल किशोर यादव

(C) अब्दुल बारी सिद्दीकी (D) डॉ. प्रेम कुमार

22. मिसेस यूनिवर्स क्रिएटिविटी का क्राउन किसने जीता?

(A) शिल्पा सिंह (B) शैलजा सिंह

(C) शिप्रा सिंह (D) शीला सिंह

23. वर्ष 2028 में लॉस एंजिलिस में आयोजित होने वाले ओलंपिक में निम्न में से किन खेलों को शामिल किया गया है?

1. क्रिकेट 2. लेक्रोश

3. फ्लैग 4. स्क्वाश

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कूट

(A) केवल 1 तथा 3 (B) केवल 2 तथा 4

(C) केवल 1 तथा 4 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. वर्ष 2024 में ओलंपिक का आयोजन कहाँ किया जाएगा?

(A) ब्रिस्बेन, आस्ट्रेलिया (B) पेरिस, फ्रांस

(C) लॉस एंजिल, अमेरिका (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने से संबंधित निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(A) 128 वर्षो बाद 2028 के ओलंपिक में क्रिकेट को वनडे फार्मेट में शामिल किया जाएगा।

(B) यह दूसरा मौका होगा जब क्रिकेट ओलंपिक में खेला जाएगा।

(C) 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था जिसमें दो टीम फ्रांस तथा ब्रिटेन ने भाग लिया।

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

26. संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थाई प्रतिनिधि किसे नियुक्त किया गया?

(A) रूचिरा कंबोज (B) टी. एन. मूर्ति

(C) स्वाति मानिवल (D) अरिंदम बागची

27. इजराइल के दक्षिण-पश्चिम सीमा से लगने वाले मिस्र के एशियाई भू-भाग को क्या कहा जाता है?

(A) सेनाई (B) सेंदाई

(C) सेनकाकू (D) सीसली

28. सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2018 में समलैंगिक यौन गतिविधियों को अपराध की श्रेणी से हटाते हुए कौन सा धारा समाप्त किया गया था?

(A) धारा 376 (B) धारा 377

(C) धारा 497 (D) धारा 375

29. जापान के ओसाका में आयोजित होने वाले पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन में बिहार का प्रतिनिधित्व किसके द्वारा किया गया?

(A) नीतिश कुमार (B) तेज प्रताप यादव

(C) तेजस्वी यादव (D) सुशील मोदी

30. बिहार पुलिस के आर्थिक अपराध इकाई के विश्लेषण से निम्न में से कौन सा कथन सही है?

(A) साइबर अपराधी क्रिप्टों करेंसी के जरिए इंटरनेट मीडिया पर लोगों को ब्लैकमेल कर फिरौती मांग रहे हैं।

(B) गांजा, चरस के तस्करी में भी क्रिप्टो करेंसी का उपयोग किया जा रहा है।

(C) डार्क नेट के माध्य से मादक द्रव्यों को खरीदा जा रहा है।

(D) उपरोक्त में से सभी

31. भारत द्वारा किस वर्ष तक अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना की बात कही गई है?

(A) वर्ष 2035 (B) वर्ष 2040

(C) वर्ष 2025 (D) वर्ष 2045

32. चंद्रमा पर भारत द्वारा किस वर्ष मानव भेजा जाएगा?

(A) वर्ष 2045 (B) वर्ष 2040

(C) वर्ष 2035 (D) वर्ष 2030

33. ग्लोबल मेरीटाइम इंडिया सम्मेलन का आयोजन कहाँ हुआ?

(A) मुंबई (B) बंगलुरू

(C) ग्रेटर नोएडा (D) कोच्चि

34. प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'मन की बात' से संबंधित कौन सा कथन सही है?

1. इसके 100 एपिसोड पूरा होने के उपलक्ष्य में नए किताब का संकलन किया गया है।

2. इस किताब का नाम इग्नाइटिंग कलेक्टिव गुडनेस मन की बात @100 है।

3. यह कार्यक्रम 2016 में विजया दशमी के दिन शुरू किया गया।

कूट

(A) 1 और 3 (B) 2 और 3

(C) 1, 2 और 3 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. 2023 में भारत में स्टील की मांग में कितने प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है?

(A) 1.8% (B) 8.1%

(C) 8.6% (D) 8.2%

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

36. 19वें एशियाई खेलों का आयोजन कहाँ किया गया?

(A) बीजिंग, चीन (B) सियोल, दक्षिण कोरिया

(C) हांगझोऊ, चीन (D) जकार्ता, इंडोनेशिया

37. भारत द्वारा 19वों ऐशियाई खेलों में कुल कितने पदक जीता गया और भारत का स्थान क्या रहा?

(A) 107वां चौथा (B) 107वां तीसरा

(C) 108वां चौथा (D) 108वां तीसरा

38. भारत द्वारा 19वें एशियाई खेलों में किस खेल से सर्वाधिक पदक जीता गया है?

(A) भरोत्तोलन (B) एथलेटिक्स

(C) कुश्ती (D) तीरंदाजी

39. 'किशोर जेना' द्वारा कितने मीटर का थ्रो करने पर जेवलिन का रजत पदक एशियाई खेल में दिया गया?

(A) 88.88 मीटर (B) 87.54 मीटर

(C) 88.54 मीटर (D) 87.88 मीटर

40. एशियाई खेल (19वीं) से संबंधित मिलान करें-

	सूची-1	सूची-2
(A)	पहला स्थान	1. भारत
(B)	दूसरा स्थान	2. दक्षिण कोरिया
(C)	तीसरा स्थान	3. चीन
(D)	चौथा स्थान	4. जापान

कूट

	A	B	C	D
(A)	1	4	3	2
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	2	1	3	4

41. IOC के 141वें सत्र में कितने नए सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति में शामिल किया गया?

(A) 8 (B) 12

(C) 10 (D) 6

42. UAE के रियाद में होने वाले विश्व कांबेट गेम्स (सेबो) के लिए पूरे एशिया का प्रतिनिधित्व किस खिलाड़ी द्वारा किया जाएगा जिनका संबंध बिहार से है?

(A) विनय कुमार सिंह (B) भोरिका यादव

(C) अभिलाषा कुमारी (D) पूनम कुमारी

43. भारत के सबसे कम आयु के फार्मूला-2 रेसर कौन है?

(A) जेहान दारूवाला (B) महावीर रघुनाथ

(C) ली केशव (D) नारायण कार्तिकेय

44. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समलैंगिक विवाह से संबंधित क्या निर्णय दिया गया?

1. समलैंगिक जोड़े बच्चा गोद नहीं लेंगे।
2. ऐसे जोड़े को कानूनी मान्यता नहीं दिया जाएगा।

कूट

(A) केवल 1 (B) 1 और 2 दोनों

(C) केवल 2 (D) इनमें से कोई नहीं

45. राष्ट्रीय फिल्म फेयर पुरस्कार से संबंधित कौन सा कथन सही है?

(A) राष्ट्रीय फिल्म फेयर पुरस्कार (69वां) वर्ष 2021 के फिल्म के लिए प्रदान किया गया।

(B) वहीदा रहमान को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिया गया।

(C) सर्वश्रेष्ट फिल्म का पुरस्कार राकेट्री: द नांबी इफेक्ट को मिला।

(D) उपरोक्त में से सभी

46. गोदावरी के निर्देशक निखिल महाजन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया। यह फिल्म किस भाषा में है?

(A) गुजराती (B) मराठी

(C) मैथिली (D) कोंकणी

47. उड़ीसा के राज्यपाल किसे बनाया गया?

(A) इंद्रसेना रेड्डी नल्लू (B) आर. एन. रवि

(C) रघुवर दास (D) अशोक सिंह

48. इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के AI को लेकर बनाये गए एक एक्सपर्ट कमेटी के रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में AI का बाजार मूल्य कितना है?

(A) 120 अरब डॉलर (B) 102 अरब डॉलर

(C) 111 अरब डॉलर (D) 132 अरब डॉलर

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

49. भारत का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) बाजार वर्तमान में कितने प्रतिशत बढ़ रहा है?

(A) 20% (B) 20.2%

(C) 20.4% (D) 20.6%

50. मैथिली साहित्यकार जिनका हाल ही में निधन हो गया?

(A) सिद्धार्थ चौधरी (B) ताबिश खैर

(C) रमेश चंद्र झा (D) गोविन्द्र झा

51. बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग का अध्यक्ष किसे बनाया गया?

(A) राज्यवर्धन आजाद (B) हीरालाल सामरिया

(C) विनोद कुमार तिवारी (D) डॉ. गिरीश कुमार चौधरी

52. किस संस्था के द्वारा पुरुषों के लिए गर्भनिरोधक दवा बनाया गया है?

(A) ICMR (B) SIPRI

(C) IMAC (D) IONS

53. यूरोपीय यूनियन के शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार किसे दिया गया?

(A) अरिंदम बागची (B) महसा अमीणी

(C) अलेक्सी नवाल्नी (D) अस्मा जहांगीर

54. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार कौन सा कथन सत्य नहीं है

1. देश में राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 132540 कि.मी. है
2. बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 5385 कि.मी. है
3. बिहार के राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई राजमार्ग का 5.4 है

कूट

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 1 और 3 (D) इनमें से कोई नहीं

55. अंतर्राष्ट्रीय गणित कॉन्फ्रेंस का आयोजन कहाँ किया गया?

(A) आर्यभट्ट विश्वविद्यालय

(B) नालंदा खुला विश्वविद्यालय

(C) दिल्ली विश्वविद्यालय

(D) इलाहाबाद विश्वविद्यालय

56. मार्च 2023 में भारत को जीडीपी का कुल कितना प्रतिशत विदेशी ऋण था?

(A) 18.1% (B) 18.5%

(C) 18. 8% (D) 20%

57. 'इंफाल' नामक युद्धपोत के बारे में क्या सत्य है?

(A) मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तय समय से 6 माह पूर्व इसे भारतीय नौसेना को सौंपा।

(B) 15वीं क्लास गाइडेड मिसाइल विध्वंसक श्रेणी का यह चौथा खुफिया युद्धपोत है

(C) नौसेना का पहला युद्धपोत है जिसे महिला अफसरों व नाविकों के रहने के लिए बनाया गया है।

(D) उपरोक्त में से सभी

58. हाल ही में कौन बैकस्ट्रोक की तीनों स्पर्धा में विश्व रिकार्ड बनाने वाली दुनिया की पहली महिला तैराक बनी हैं?

(A) कायली मैककेन

(B) जीनत ओटेसन

(C) फ्रेन हलसाल

(D) अलियकसांद्रा हरसेमनिया

59. हाल ही में इंग्लैंड के फुटबॉलर का निधन हो गया। उनका क्या नाम था?

(A) अली डेई (B) फेरेंक पुस्कास

(C) स्टर्न जॉन (D) बाबी चार्लटन

60. बिम्सटेक का नया महासचिव किन्हें नियुक्त किया गया?

(A) एस. एल. थाओसेन (B) ऑन्द्रे अवोले

(C) अजय बंगा (D) इनमें से कोई नहीं

61. अमेरिका के स्टेनफोड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में पटना आईआईटी की किन वैज्ञानिकों को शामिल किया गया?

(A) ऋध्या चौधरी

(B) डॉ. अपर्णा साहा

(C) मालती चौधरी

(D) उपरोक्त में से एक से अधिक

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

62. आरबीआई रिपोर्ट के अनुसार निम्न का मिलान करें?

A.	राष्ट्रीय बेरोजगारी दर	1. 6.2%
B.	शहरी बेरोजगारी दर	2. 7.1%
C.	ग्रामीण बेरोजगारी दर	3. 8.9%

कूट

	A	B	C
(A)	3	2	1
(B)	1	2	3
(C)	2	3	1
(D)	3	1	2

63. चौथे एशियाई खेलों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?

(A) भारतीय टीम की अगुआई अवनी लेखरा तथा सुमित अंतिल द्वारा किया गया।

(B) भारत 22 खेलों में से 19 में भाग लिया।

(C) इसमें पहली बार रोइंग, केनोइंग, ब्लाइंड फुटबॉल को शामिल किया गया।

(D) उपरोक्त में से सभी

64. भारत के किस खिलाड़ी द्वारा बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप जीता गया?

(A) बोर्निल आकाश चांगमाई

(B) नंदू नाटेकर

(C) परुपल्ली कश्यप

(D) सात्विक साई राज रंकीरेड्डी

65. पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किस खेल का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया गया?

(A) एशियन हॉकी चैंपियनशिप

(B) एशियाई खेल

(C) राष्ट्रीय खेल

(D) राष्ट्रीय जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

66. किस मंत्रालय द्वारा डार्क पैटर्न बस्टर हैकाथॉन का आयोजन नई दिल्ली में किया गया?

(A) आईटी मंत्रालय

(B) उपभोक्ता मंत्रालय

(C) महिला व बाल विकास मंत्रालय

(D) पेट्रोलियम मंत्रालय

67. फेराडे पदक से किसे सम्मानित किया गया है?

(A) कैथरीन रसेल (B) जे वेंकटरामू

(C) मुरली और नटराजन (D) आरोग्य स्वामी पालराज

68. 'कुनबी शाल' का संबंध किस राज्य से है?

(A) जम्मू कश्मीर (B) हिमाचल प्रदेश

(C) गोवा (D) असम

69. बिहार के जिलों में कैदियों द्वारा बनाए गए उत्पादों को किस नाम से बाजार में बेचा जाएगा?

(A) मुक्ति ब्रांड (B) भुक्ति ब्रांड

(C) मातृभूमि ब्रांड (D) इनमें से कोई नहीं

70. अवार्ड फॉर ग्लोबल लीडरशिप से किसे सम्मानित किया गया?

(A) शक्तिकांत दास (B) धनंजय यशवंत चंद्रचूड़

(C) जगदीप धनकड़ (D) अजीत डोवाल

71. पैरा एशियाई खेलों में भारत द्वारा कितना स्वर्ण पदक जीता गया?

(A) 51 (B) 30

(C) 29 (D) 44

72. 'कुफरी नीलकंड' किसकी किस्म है?

(A) बैंगन (B) आलू

(C) मक्का (D) कपास

73. 'हर घर नल का जल योजना' से संबंधित कौन सा कथन गलत नहीं है?

(A) इस योजना के क्रियान्वयन में बिहार 9वें स्थान पर है।

(B) सबसे ऊपर पश्चिम बंगाल को रखा गया है।

(C) इस योजना का नियंत्रण पंचायती राज विभाग करता है।

(D) इनमें से कोई नहीं।

74. किस देश द्वारा अक्टूबर 2023 में भारतीय पर्यटकों को 6 माह के लिए बिना वीजा के प्रवेश की अनुमति दी गयी है।

(A) श्रीलंका (B) जापान

(C) थाईलैंड (D) बैंकॉक

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

75. केंद्र सरकार द्वारा सड़क दुर्घटना संबंधित रिपोर्ट जारी किया गया निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?

(A) 2022 में 4,61,312 दुर्घटना हुई।

(B) 2021 के तुलना में 2022 के दुर्घटनाओं में 11.9% तथा मौतों में 9.4% की वृद्धि हुई है।

(C) प्रत्येक घंटे लगभग 53 हादसे हो रहे हैं और उनमें लगभग 25 लोगों की मृत्यु हो रही है।

(D) उपरोक्त में से सभी।

76. ''बेलोन डी'ओर'' पुरस्कार से संबंधित निम्नलिखित कथनों का सही मिलान करें।

A. सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर	1. लियानेल मेसी
B. साक्रेट्स पुरस्कार	2. एमिलियानो मार्टिनेज
C. याशिन ट्रॉफी	3. वीनीसियस जूनियर
D. सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर	4. एईटाना बोनाभाती

कूट

	A	B	C	D
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	3	1	4	2
(D)	1	2	4	3

77. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अपना कार्यालय कहाँ स्थापित करेगी?

(A) सऊदी अरब (B) तंजानिया

(C) अबूधाबी (D) श्रीलंका

78. यूनेस्को द्वारा किस शहर को सिटी ऑफ म्यूजिक का दर्जा दिया गया?

(A) ग्वालियर (B) वाराणसी

(C) चेन्नई (D) उपरोक्त में से सभी

79. WHO द्वारा किसे दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक नामित किया गया है?

(A) साइमा वाजेद (B) खालिदा जिया

(C) शेख हसीना (D) शिरीन मजारी

80. भारत किस देश के साथ अक्टूबर 2023 में पहली बार 2 + 2 वार्ता का आयोजन किया है?

(A) ऑस्ट्रेलिया (B) जापान

(C) ब्रिटेन (D) रूस

81. वीरधवल खाडे जिनका नाम राष्ट्रीय खेल से जुड़ा है, का संबंध किस खेल से प्रतियोगिता से है?

(A) तैराकी (B) डिस्कस थ्रो

(C) कबड्डी (D) कुश्ती

82. बाल श्रम से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. तमिलनाडु पूर्णत: जबकि बिहार आंशिक रूप से बालश्रम मुक्त राज्य है।
2. गुरुपाद स्वामी समिति का संबंध बालश्रम से नहीं है।
3. सातवीं पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय बालश्रम नीति बनाई गई।
4. परिश्रम समवर्ती सूची का विषय है।

उपरोक्त में से कथन सत्य है-

(A) केवल 2 व 3 (B) केवल 3 व 4

(C) केवल 2 व 4 (D) 2, 3 व 4

83. हाल ही में किसे दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र का निर्देशक चुना गया है?

(A) साइमा वाजेद (B) शंकर प्रसाद आजाद

(C) भगलोन थापा (D) सुंदर मीणा

84. बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के अनुसार बिहार में किस माह में सर्वाधिक पर्यटक आते हैं?

(A) जनवरी (B) फरवरी

(C) मार्च (D) उपर्युक्त में कोई नहीं

85. थर्मल इमेजर मापन करता है-

(A) फसलों के तापमान का

(B) प्रति हेक्टेयर पानी आवश्यकता

(C) खेतों में नाइट्रोजन स्तर

(D) ये सभी

86. नवंबर 2023 में विश्व हिंदू कांग्रेस का आयोजन कहाँ किया गया?

(A) दिल्ली (B) भूटान

(C) सिंगापुर (D) बैंकॉक

87. बिहार की श्रेया रानी का संबंध किस खेल से है?

(A) रग्बी (B) ऊंची कूद

(C) ताइवबाडो (D) धावक

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

88. 'हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न मैथिली लिटरेचर' किसकी पुस्तक है?
(A) शशिकांत झा (B) उदयकांत झा
(C) देवकांत झा (D) मुग्धामणि झा

89. वर्ल्ड फूड इंडिया का दूसरा संस्करण कहां आयोजित किया गया?
(A) पटना (B) पंजाब
(C) मुंबई (D) इनमें से कोई नहीं

90. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की शुरुआत कब की हुई?
(A) 2015 (B) 2016
(C) 2017 (D) 2018

91. राष्ट्रीय खेल 2023 में बिहार को कौन-सा पदक मिला है?
(A) रजत (B) कांस्य
(C) स्वर्ण (D) इनमें से कोई नहीं

92. बिहार के किस जिले में फूलों का सर्वाधिक उत्पादन होता है?
(A) नालंदा (B) भोजपुर
(C) मुजफ्फरपुर (D) पटना

93. निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए बिहार सरकार को शक्ति देता है?
(A) अनुच्छेद 15(1) (B) अनुच्छेद 15(2)
(C) अनुच्छेद 15(3) (D) अनुच्छेद 15(4)

94. 6 नवंबर 2023 को किन्हें भारत का मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया?
(A) हीरालाल समरिया (B) अधीर रंजन चौधरी
(C) गोपाल सक्सेना (D) इनमें से कोई नहीं

95. निम्नलिखित में से क्या/ कौन-सा मेटा द्वारा संचालित नहीं है?
(A) फेसबुक (B) व्हाट्सएप
(C) क्रोम (D) इंस्टाग्राम

96. राष्ट्रीय बाघ सुरक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष कौन है?
(A) रजत कुमार (B) संजय कुमार सिस्वल
(C) देवव्रत गांधी (D) इनमें से कोई नहीं

97. नवंबर 2023 में संस्कृतोत्सव का आयोजन कहाँ किया गया?
(A) मक्का (B) मदीना
(C) दमन (D) रियाद

98. गृह मामलों पर संसदीय स्थायी समिति का गठन किसके पुनरीक्षण हेतु किया गया है?
(A) भारतीय दंड संहिता (B) सीआरपीसी
(C) साक्ष्य अधिनियम (D) ये सभी

99. 'भारत आटा' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।
1. इसकी शुरुआत नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया।
2. प्रति किलो चावल को आटे का मूल्य 29.50 रूपये है।
3. इनकी बिक्री नाफेड द्वारा किया जा रहा है।
4. यह भुखमरी को कम करने में सहायक होगा।
सही कूट है-
(A) केवल 2 और 3 (B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3 और 4 (D) एक से अधिक

100. बिहार में हाथी, वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 (यथा संशोधित 2022) द्वारा किस श्रेणी को सूचीबद्ध है?
(A) विशेष श्रेणी का संरक्षित प्राणी
(B) विशेष संरक्षित प्राणी
(C) केवल संरक्षित प्राणी
(D) केवल वन्यप्राणी

उत्तरमाला				
1. (B)	2. (D)	3. (C)	4. (D)	5. (A)
6. (B)	7. (D)	8. (A)	9. (C)	10. (D)
11. (A)	12. (D)	13. (C)	14. (B)	15. (B)
16. (A)	17. (B)	18. (C)	19. (A)	20. (C)
21. (B)	22. (C)	23. (D)	24. (B)	25. (A)
26. (A)	27. (A)	28. (B)	29. (C)	30. (D)
31. (A)	32. (B)	33. (A)	34. (D)	35. (C)
36. (C)	37. (A)	38. (B)	39. (B)	40. (C)
41. (A)	42. (B)	43. (C)	44. (B)	45. (D)
46. (B)	47. (C)	48. (A)	49. (B)	50. (D)
51. (D)	52. (A)	53. (B)	54. (C)	55. (B)
56. (A)	57. (C)	58. (A)	59. (D)	60. (D)
61. (D)	62. (C)	63. (B)	64. (A)	65. (C)
66. (B)	67. (D)	68. (C)	69. (A)	70. (B)
71. (C)	72. (B)	73. (A)	74. (C)	75. (C)
76. (A)	77. (C)	78. (D)	79. (A)	80. (C)
81. (A)	82. (B)	83. (A)	84. (C)	85. (D)
86. (D)	87. (C)	88. (C)	89. (D)	90. (A)
91. (A)	92. (D)	93. (D)	94. (A)	95. (C)
96. (B)	97. (D)	98. (D)	99. (C)	100. (A)

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

पेपर-1

शॉर्ट्र्स कन्टेन्ट (पेपर-1 के लिए)

(a) **प्रश्नः उषा मेहता और गुप्त रेडियो**

उत्तरः महात्मा गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बंबई अधिवेशन में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की गई थी। उनकी रैली से प्रेरित होकर, विल्सन कॉलेज की बाईस वर्षीय छात्रा उषा मेहता को सरकार के मुखपत्र, ऑल इंडिया रेडियो के शाही शोर से बचने के लिए एक भूमिगत रेडियो स्टेशन शुरू करने का विचार आया। शिकागो रेडियो के मालिक नानिक मोटवाने, जो कांग्रेस की बैठकों में पीए प्रणाली प्रदान कर रहे थे, ने रेडियो स्टेशन स्थापित करने में मदद की।

उषाबेन के नाम से मशहूर डॉ. उषा मेहता कांग्रेस रेडियो के आयोजन के लिए जानी जाती हैं। 14 अगस्त 1942 को, उषा और उनके कुछ करीबी सहयोगियों ने सीक्रेट कांग्रेस रेडियो, एक गुप्त रेडियो स्टेशन शुरू किया, जो 27 अगस्त 1942 को प्रसारित हुआ। रेडियो ने गांधीजी के रिकॉर्ड किए गए संदेश, राष्ट्रवादी गीत और भारत भर के अन्य प्रतिष्ठित नेता क्रांतिकारियों के उत्तेजक भाषण प्रसारित किए। इसने अंग्रेजी और हिंदी में समाचार भी प्रसारित किए। कांग्रेस रेडियो के श्रेय के लिए, यह चटगांव बम छापे, जमशेदपुर हड़ताल, बलिया में समानांतर सरकार, नागपुर में अत्याचार, मुंगेर, अष्टी, चिमूर, कटक, ढेंकनाल, उत्तर पश्चिम में क्रूरता पर समाचारों को तोड़ने वाला पहला रेडियो था। इसके अलावा, इसने लोगों को कारखानों और रेलवे में काम करना बंद करने का आह्वान किया।

हमेशा यह "हिंदुस्तान हमारा" गीत के साथ शुरू होता था और "वंदे मातरम" के साथ समाप्त होता था। राष्ट्रवादी कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और विशेष संदेशवाहक पूरे भारत से समाचार एकत्र करेंगे और उन्हें राम मनोहर लोहिया और सुचेता कृपलानी जैसे नेताओं तक पहुंचाएंगे। रिकॉर्ड बिपिन इनामदार और रवींद्र मेहता द्वारा रिकॉर्डिंग स्टेशन से ले जाया गया। अधिकारियों द्वारा पता लगाए जाने से बचने के लिए आयोजक कम से कम 7-8 बार स्टेशन के स्थान को बदलते रहे।

यद्यपि भूमिगत रेडियो स्टेशन ने केवल ढाई महीने तक काम किया, लेकिन इसने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के बारे में बिना सेंसर वाली खबरें और ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा प्रतिबंधित अन्य सूचनाओं को फैलाकर जागरूकता बढ़ाई। लेकिन उषा मेहता की योजना के अनुसार चीजें नहीं हुई और पुलिस ने 12 नवंबर 1942 को उनका पता लग गया। उषा मेहता और नानिक मोटवाने सहित आयोजकों को सरकार ने गिरफ्तार कर लिया। भारतीय पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने उससे छह महीने तक लगातार पूछताछ की, उसने अपने मुकदमे के दौरान एक शब्द भी नहीं बोला, यहां तक कि खुद को बचाने के लिए भी नहीं। उन्हें चार साल की कैद की सजा सुनाई गई और पुणे की यरवदा जेल में रखा गया।

(b) **प्रश्नः राष्ट्रवाद पर टैगोर के विचार**

उत्तरः राष्ट्रवाद की संकल्पना एक सांस्कृतिक संकल्पना है। इसके अनुसार समान भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों के उस समूह को राष्ट्र कहते हैं जो समान सांस्कृतिक विरासत धारण करते हैं और इसके कारण एक-दूसरे के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करते हैंय जिन्हें लगता है कि वे एक ही नियति से बँधे हैं, जो एकसमान सामूहिक लक्ष्यों से प्रेरित होते हैं और उनकी प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। लेकिन, टैगोर ने राष्ट्रवाद को देशभक्ति से भिन्न माना।

टैगोर ने राष्ट्रवाद की संकल्पना को यूरोपीय देन मानते हुए इसे सांस्कृतिक की बजाय एक राजनीतिक-आर्थिक संकल्पना के रूप में देखा। सन् 1913 में नोबल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को विश्व-भ्रमण का अवसर मिला और इसी क्रम में सन् 1917 में राष्ट्रवाद के बुखार में तड़प रहे जापान की यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रवाद की तीखी आलोचना की थी जिसके कारण उन्हें जापान से बगैर भाषण दिए वापस आना पड़ा। इस यात्रा के दौरान जारी वक्तव्यों और भाषणों को सन् 2003 में संकलित करते हुए 'नेशनलिज्म' के नाम से प्रकाशित किया गया। सन् 1917 की जापान-यात्रा के दौरान 'नेशनलिज्म इन इंडिया' नामक निबंध में टैगोर ने राष्ट्र-राज्य (Nation-State) की आलोचना करते हुए लिखा कि "राष्ट्रवाद का राजनीतिक एवं आर्थिक संगठनात्मक आधार सिर्फ उत्पादन में वृद्धि तथा मानवीय श्रम की बचत कर अधिक संपन्नता हासिल प्राप्त करने का प्रयास है। राष्ट्रवाद की धारणा मूलतः राष्ट्र की समृद्धि एवं राजनीतिक शक्ति में अभिवृद्धि

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

करने में प्रयुक्त हुई हैं। शक्ति की वृद्धि की इस संकल्पना ने देशों में पारस्परिक द्वेष, घृणा तथा भय का वातावरण उत्पन्न कर मानव जीवन को अस्थिर एवं असुरक्षित बना दिया है। यह सीधे-सीधे जीवन के साथ खिलवाड़ है, क्योंकि राष्ट्रवाद की इस शक्ति का प्रयोग बाह्य संबंधों के साथ-साथ राष्ट्र की आंतरिक स्थिति को नियंत्रित करने में भी होता है। ऐसी परिस्थिति में समाज पर नियंत्रण बढ़ना स्वाभाविक है। फलस्वरूप, समाज तथा व्यक्ति के निजी जीवन पर राष्ट्र छा जाता है और एक भयावह नियंत्रणकारी स्वरूप प्राप्त कर लेता है। दुर्बल और असंगठित पड़ोसी राज्यों पर अधिकार करने की कोशिश राष्ट्रवाद का ही स्वाभाविक प्रतिफल है। इससे पैदा हुआ साम्राज्यवाद अंततः मानवता का संहारक बनता है।"

टैगोर ने एक राष्ट्र के रूप में भारत में अन्तर्निहित संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि "भारत की समस्या राजनीतिक नहीं, सामाजिक है। यहाँ राष्ट्रवाद नहीं के बराबर है।" उन्होंने भारत की सामाजिक रूढ़ियों को राष्ट्रवाद के विकास में बाधक मानते हुए यह कहा कि "भारत में पश्चिमी देशों जैसा राष्ट्रवाद पनप ही नहीं सकता, क्योंकि सामाजिक काम में अपनी रूढ़िवादिता का हवाला देने वाले लोग जब राष्ट्रवाद की बात करें, तो वह कैसे प्रसारित होगा?" इस सन्दर्भ में अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि "भारत में कभी सही मायने में देशभक्ति की भावना नहीं रही। बचपन से ही मुझे सिखाया गया था कि देश का सम्मान करना ईश्वर की पूजा और मानवता का आदर करने से ज्यादा जरूरी है। मैंने अब उस सबक को छोड़ दिया है और मेरा मानना है कि मेरे देशवासी अपने भारत को सही मायने में तभी आगे ला पायेंगे, जब वे अपने शिक्षकों की उस शिक्षा का विरोध करेंगे कि देश मानवता के आदर्शों से ज्यादा बड़ा है।"

(c) प्रश्नः उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो)

उत्तरः उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को 12 संस्थापक सदस्यों द्वारा अमेरिका के वाशिंगटन में एक अंतर-सरकारी सैन्य संगठन के रूप में की गयी थी। नाटो यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों के मध्य एक सैन्य गठबंधन है जिसका मुख्यालय बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में स्थित है। नाटो सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर काम करता है, जिसका तात्पर्य यह है की यदि नाटो के 'एक या अधिक सदस्यों पर आक्रमण किया जाता है तो यह आक्रमण सभी सदस्य देशों पर आक्रमण माना जाता है जिसका उल्लेख नाटो के अनुच्छेद 5 में किया गया है। नाटो की सहिंता में वर्णित अनुच्छेद को पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए आतंकवादी हमले के बाद 11 सितंबर, 2001 में लागू किया गया था। नाटो में प्रावधान किया गया है की नाटो से सम्बंधित कोई भी निर्णय सभी 30 सदस्यों के सामूहिक इच्छा के आधार पर ही लिया जा सकता है। नाटो के सदस्य देशों का कुल सैन्य खर्च विश्व के कुल सैन्य खर्च का 70ः से भी अधिक है, जिसमें अमेरिका, अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में सबसे अधिक खर्च करता है। नाटो की स्थापना के समय प्रमुख उद्देश्य पश्चिम यूरोप में सोवियत संघ की साम्यवादी विचारधारा को रोकना था।

राजनीतिक और सैन्य तरीकों से अपने सदस्य राष्ट्रों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करना नाटो का प्राथमिक उद्देश्य है। नाटो वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने के लिये नवाचार एवं अनुकूलन के साथ-साथ उपकरणों के निर्माण को प्रोत्साहित करता है। सदस्य देशों के बीच एकजुटता और सामंजस्य की भावना पैदा करना नाटो का प्रमुख लक्ष्य है। यूरोप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकारों एवं कानून के शासन के समान मूल्यों के आधार पर स्थायी शांति सुनिश्चित करना नाटो के उद्देश्यों में शामिल एक उद्देश्य है। नाटो अपने सदस्य देशों के क्षेत्र की रक्षा और जब संभव हो तो संकट को कम करने के लिये सदैव प्रयासरत रहता है। किसी भी सदस्य देश को राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में निर्धारित प्राथमिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिये मजबूर ना करना नाटो का अन्य एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है। नाटो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्पन्न होने वाले नए खतरों से निपटने हेतु न केवल सामूहिक रक्षा प्रदान करना बल्कि संकट की स्थितियों का प्रबंधन करने के साथ-साथ सहकारी सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। नाटो का प्राथमिक उद्देश्य आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार न करना है।

(d) प्रश्नः ई-कचरा नियम 2022

उत्तरः नवंबर 2022 में, पर्यावरण और वन मंत्रालय (भारत सरकार) ने ई-कचरा नियमों के एक नए नियम को अधिसूचित किया जो 1 अप्रैल, 2023 से प्रभावी हैं। ई-कचरा नियमों का पहला नियम 2011 में अधिसूचित किया गया था और यह 2012 में लागू हुआ था। ईपीआर अनुपालन के तहत, 'निर्माता' इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिक उत्पादों के सुरक्षित निपटान के लिए जिम्मेदार होते हैं, जब उपभोक्ता

Bihar Nandan GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

उन्हें छोड़ देते हैं। ई-कचरा नियम 2016ए जो 2018 में संशोधित किए गए थे, व्यापक थे और इसमें 'प्राधिकरण' और 'उत्पाद प्रबंधन' को बढ़ावा देने के प्रावधान शामिल थे। हितधारकों की अन्य श्रेणियों जैसे 'निर्माता उत्तरदायित्व संगठन (पीआरओ)' को भी इन नियमों में शामिल किया गया था।

(e) **प्रश्नः ई-कचरा नियमावली 2022 के प्रावधान**

उत्तरः यह ई-अपशिष्ट या इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण, बिक्री, हस्तांतरण, खरीद, नवीनीकरण, निराकरण, पुनर्चक्रण और प्रसंस्करण में शामिल प्रत्येक निर्माता, निर्माता, नवीनीकरणकर्ता, भंजक और पुनर्चक्रणकर्ता पर लागू होगा। यह नियम सभी विद्युत उपकरणों और रेडियोथेरेपी उपकरण, परमाणु चिकित्सा उपकरण और सहायक उपकरण, चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई), बिजली के खिलौने, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव, टैबलेट, वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और आईपैड आदि पर लागू होता है।

प्रतिबंधः

- सरकार ने रेडियोधर्मी सामग्री के संपर्क में आने के कारण होने वाली मौतों के बाद बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण में खतरनाक पदार्थों के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया है।
- यह इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण में सीसा, पारा, कैडमियम के उपयोग को कम करने का आदेश देता है।

पुनः उपयोग और पुनर्चक्रणः

- निर्माता प्रौद्योगिकी या विधियों का उपयोग करेंगे ताकि अंतिम उत्पाद को रिसाइकिल करने योग्य बनाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जाए कि विभिन्न निर्माताओं द्वारा बनाए गए पुर्जे या पुर्जे एक-दूसरे के अनुकूल हों ताकि ई-कचरे की मात्रा कम हो सके।

सख्त निगरानीः

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड खतरनाक पदार्थों के प्रावधानों में कमी के अनुपालन की निगरानी और सत्यापन के लिए बाजार में रखे बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का यादृच्छिक नमूनाकरण करेगा।
- यदि कोई उत्पाद ई-कचरा प्रबंधन नियमों का पालन नहीं करता है, तो निर्माता को बाजार से सभी नमूने वापस लेने होंगे।

विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व प्रमाणपत्रः

- मसौदा नियमों का उद्देश्य ईपीआर या विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व प्रमाणपत्र (जो 2016 के नियमों का हिस्सा नहीं था) को पेश करके पंजीकृत इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट पुनर्चक्रणकर्ताओं को प्रोत्साहित करना है।

ई-अपशिष्ट विनिमय सुविधाएंः

- ईपीआर में उत्पादकों को संग्रह और पुनर्चक्रण की सुविधा के लिए ई-अपशिष्ट विनिमय सुविधाएं स्थापित करने और सुरक्षित निपटान के लिए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के थोक उपभोक्ताओं को विशिष्ट जिम्मेदारी सौंपने की आवश्यकता है।
- **आयातः** नए इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात या बाजार में प्लेसमेंट की अनुमति केवल उन्हीं को दी जाएगी जो सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप हैं।

निपटानः

- निर्माण के दौरान उत्पन्न ई-अपशिष्ट को एकत्र करना और इसके पुनर्चक्रण या निपटान को सुनिश्चित करना निर्माता की जिम्मेदारी है। हालांकि, नियम अपशिष्ट बैटरी, पैकेजिंग प्लास्टिक, सूक्ष्म उद्यमों और रेडियो-सक्रिय कचरे पर लागू नहीं होता है, जैसा कि कानून के प्रावधानों के तहत कवर किया गया है।

प्रश्नः अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए)

उत्तरः आईएसए की कल्पना भारत और फ्रांस द्वारा सौर ऊर्जा समाधानों की तैनाती के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ प्रयासों को संगठित करने के संयुक्त प्रयास के रूप में की गई थी। यह 2015 में पेरिस में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पक्षकारों के 21वें सम्मेलन (सीओपी 21) की साइड-लाइन पर संकल्पित किया गया था।

Bihar Naman GS An Institute for UPSC & BPSC), Patna

उनकी जरूरतों के अनुरूप सौर ऊर्जा अनुप्रयोगों को बढ़ाने के लिए सामूहिक रूप से प्रमुख आम चुनौतियों का समाधान करना, इसका उद्देश्य हैं।

अन्य उद्देश्य

- 2030 तक 1000 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक का निवेश जुटाना।
- सौर वित्त, सौर प्रौद्योगिकियों, नवाचार, अनुसंधान एवं विकास, क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बेहतर सामंजस्य, मांग, जोखिम और संसाधनों के एकत्रीकरण के उद्देश्य से स्वैच्छिक आधार पर शुरू किए गए कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से समन्वित कार्रवाई करना।
- अभिनव वित्तीय तंत्र को बढ़ावा देकर और संस्थानों से वित्त जुटाकर सदस्य देशों में सौर ऊर्जा में निवेश बढ़ाने के लिए वित्त की लागत कम करें।
- सदस्य देशों में सौर प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोगों को बढ़ाना।
- सदस्य देशों के बीच सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में सहयोगी अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) गतिविधियों को सुगम बनाना।
- सदस्य देशों के बीच नेटवर्किंग, सहयोग और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक सामान्य साइबर मंच को बढ़ावा देना।

नोट: 1.आईएसए संगठन का छठा अधिवेशन 30 अक्टूबर, 02 नवंबर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

दक्षिण अमेरिकी देश चिली 6 नवम्बर 2023 को आईएसए का 95 वां सदस्य बना।

Bihar Hanuman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

खंड-I विशेष आलेख : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

उद्देश्य

(लेखन: श्री तरुण रंजन, अंचल अधिकारी, बिहार सरकार)

यह प्रमाणित सत्य है की 19 वीं सदी में आधुनिक विचारों की उत्पत्ति एवं प्रसार ने भारत में बौद्धिक जागरण में योगदान दिया। इस जागरण का मुख्य परिणाम था– 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' का गठन। कांग्रेस ने आधुनिक भारत के इतिहास घटनाक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस इकाई में इस बात की चर्चा की गई है कि इसके गठन की पृष्ठभूमि क्या थी और वे कौन से कारण थे जिनसे इसकी स्थापना हुई।

इस इकाई के अध्ययन के बाद आप–

- जान पायेंगे कि किस वातावरण में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई थी?
- यह जान सकेंगे कि शिक्षित भारतीयों ने इसके गठन में क्या भूमिका निभायी?
- कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे? तथा
- इसके गठन से संबंधित विवादों से परिचित हो पायेंगे।

प्रस्तावना/भूमिका

सोमवार, 28 दिसंबर 1885 को बंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय के सभा भवन में 72 व्यक्तियों की एक बैठक हुई। वे लोग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में भाग ले रहे थे। उस दिन से इस संस्था ने ब्रिटिश शासन से मुक्ति के लिए भारतीय संघर्ष में अहम् भूमिका निभायी। इस अध्याय के द्वारा इस बात की चर्चा भी की गई है कि भारत में फैले राष्ट्रीय जागरण के फलस्वरूप किस प्रकार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का राजनैतिक संगठन के रूप में गठन हुआ।

वातावरण, जिसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना को उत्प्रेरित किया:

जैसे–जैसे भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का प्रसार होता गया, आम लोगों के बीच असंतोष की भावना बढ़ती चली गयी। यह भावना इस बात पर आधारित थी कि नये शासकों की वजह से ही उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी महसूस किया कि उन्हें अपने देश में हीन भावना से देखा जा रहा है और उनकी संस्कृति पर भी हमला हो रहा है। उनकी प्रगति के लिए उपलब्ध अवसर भी अधिक नहीं थे। सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों ने छुट–पुट विद्रोह के जरिए अपना आक्रोश व्यक्त किया। यह बगावत मुख्य रूप से जमींदारों, सूदखोरों और टैक्स जमाकर्ताओं के विरुद्ध थी। लेकिन मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि ये विरोध अंग्रेजों द्वारा बनाई गई व्यवस्था के खिलाफ थे। इन बगावतों के जरिए विदेशी शासन के खिलाफ असंतोष की तीव्रता स्पष्ट हो गयी। देश के विभिन्न भागों में फैल जाने वाला 1857 का महान व्रिदोह जनता में व्याप्त असंतोष का ही परिणाम था।

नया नेतृत्त्व

1857 के विद्रोह की असफलता ने यह स्पष्ट कर दिया था कि विरोध की पारंपरिक विधि सक्षम नहीं थी। इसके द्वारा यह भी देखने को मिला कि पुराने सामन्ती वर्ग भारतीय समाज के संरक्षक नहीं हो सकते। अंग्रेजी शिक्षित मध्य वर्ग ही भविष्य की आशा के रूप में दिखाई दिया। इस वर्ग के द्वारा चलाया गया आंदोलन का स्वरूप पूरी तरह से भिन्न था। यह वर्ग इस बात से अवगत था कि अंग्रेजों के संपर्क से भारत को क्या–क्या लाभ प्राप्त हुए। यह यूरोपीय उदारवादी अवधारणाओं से भी पूरी तरह परिचित था। इसके साथ ही इन्हें देश के गौरवशाली इतिहास पर भी गर्व था और धीरे–धीरे यह अवधारणा विकसित होने लगी कि विदेशी प्रभुत्व भारतीय जनता की आशाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति में बाधक था। भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगों में स्वत्व या अपनी पहचान का ज्ञान बढ़ने लगा था। शिक्षित भारतीयों को कुछ समय के लिए यह विश्वास होने लगा कि अगर परोपकारी शासक अपना ध्यान उनकी ओर दें तो उनकी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। इसलिए, मध्य वर्ग का आंदोलन शुरू में सिर्फ कुछ विशिष्ट राजनैतिक और आर्थिक मुद्दों तक ही सीमित था। हालांकि यह रास्ता कुछ समय बाद छोड़ दिया गया।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कला एवं साहित्य

इस अवधि में **राष्ट्रीयता** और **देश भक्ति के आदर्शों को गीतों, कविताओं एवं नाटकों के माध्यम से लोकप्रिय स्वरूप** दिया गया। बहुत सारे गीतों को **हिंदू मेला** के लिए रचा गया जिनका आयोजन 1867 के कुछ सालों बाद तक बंगाली नेताओं के एक समूह द्वारा होता था। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय आदर्शों को फैलाना और स्वदेशी कला एवं शिल्पों को बढ़ावा देना था। इस क्रम में ब्रिटिश नीतियों को लोगों की आर्थिक विपन्नता के लिए जिम्मेवार ठहराया गया। स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल करने पर जोर डाला गया। इन विचारों को नाटकों के माध्यम से भी प्रदर्शित किया गया। 1860 के आसपास **'नील दर्पण'** नाम का नाटक जो काफी लोकप्रिय हुआ जिसमें नील की खेती करने वालों पर बागान मालिकों द्वारा हो रहे अत्याचारों को उभारा गया था। इस संदर्भ में **बंकिम चंद्र चटर्जी** का नाम काफी महत्वपूर्ण है जिन्होंने कई ऐतिहासिक नाटकों की रचना की जिसमें शासकों की निरंकुशता का विशेष रूप से उल्लेख है। उनका सबसे लोकप्रिय कार्य **'आनन्दमठ'** (1882) है, जिसमें उनका अविस्मरणीय गीत **'वंदेमातरम्'** भी है जो कि कुछ ही वर्ष पहले (1875) रचा गया था। इसी तरह के राष्ट्रीय भावनाओं से भरे साहित्य, अन्य भाषाओं में भी पाए जाते हैं। **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** ने जो आधुनिक हिन्दी के जन्मदाता माने जाते हैं, अपने नाटकों, कविताओं और पत्रिकाओं से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग करने का आग्रह किया। ऐसी ही प्रवृत्ति मराठी साहित्य में भी देखी जा सकती है जहाँ प्रकाशनों की संख्या काफी बढ़ी- 1818-1827 में मात्र तीन से बढ़कर 1885-1896 के बीच 3,284 हो गयी।

अखबार एवं पत्रिकाएँ

अखबारों एवं पत्रिकाओं ने भारतीय राष्ट्रीय हित में तथा औपनिवेशिक शासन की ज्यादतियों और असमानताओं के विरोध में लोकमत बनाने में एक विश्वसनीय भूमिका अदा की। इस अवधि के कुछ जाने-माने अंग्रेजी भाषा के अखबार **अमृत बाजार पत्रिका, हिन्दू पैट्रियाट** और **सोम प्रकाश** थे, जिनका प्रकाशन कलकत्ता में होता था। **इन्दु प्रकाश और नेटिव औपिनियन मुंबई से तथा हिन्दू का प्रकाशन मद्रास से होता था। हिन्दी भाषा में प्रकाशित होने वाले कुछ महत्वपूर्ण अखबार, हिन्दुस्तान, भारत मित्र और जगत मित्र** थे। **उर्दू भाषा के जाने-माने अखबार, जामे-जहाँनुमा और खुशदिल अखबार थे**। उस समय के ब्रिटिश पर्यवेक्षकों को राजनैतिक जागरूकता एवं एकता की भावना के चिह्न स्पष्ट रूप से दिखने लगे थे। उदाहरण के लिए, 1878 में डब्ल्यू. बी. जौन्स, बेरार के तत्कालीन कमीश्नर, ने भारत सरकार को गोपनीय रिपोर्ट में लिखा कि 20 वर्षों के मेरे अनुभव से यह स्पष्ट है कि राष्ट्रीयता की भावना पूर्ण रूप से जागृत हो गयी है जिसका पहले कहीं अस्तित्व नहीं था अथवा धुंधले रूप से महसूस किया गया था- अब हम लोगों को मात्र सूबों के लोगों से ही नहीं बल्कि 20 करोड़ लोगों की एकता, जो सहानुभूति एवं परस्पर व्यवहार पर आधारित है, तथा जिसे हम लोगों ने ही पैदा किया है, का सामना करना पड़ रहा है। यहाँ मुझे ऐसा लगता है कि इन दिनों का सबसे बड़ा राजनैतिक सच है।

1885 के पूर्व की राजनैतिक संस्थाएँ

भारत में स्थापित होने वाली संस्थाओं में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पहली नहीं थी। कई संस्थाएँ पहले भी स्थापित की गई थीं। भारत में संगठित रूप से राजनैतिक गतिविधियों की शुरुआत 1837 में **'लैण्डहोल्डर्स सोसाइटी'** संस्था की स्थापना से होती है। **यह संस्था बंगाल, बिहार और उड़ीसा के जमींदारों की थी और इसके मुख्य उद्देश्य उनके वर्ग के हितों की रक्षा थी**। 1843 में **बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी** नाम की एक और संस्था का प्रादुर्भाव हुआ। इसके उद्देश्य व्यापक थे, जैसे कि आम जनता के हितों की रक्षा करना तथा उन्हें बढ़ावा देना। लैण्डहोल्डर्स संस्था धन के अभिजात तंत्र का प्रतिनिधित्व करती थी जबकि दूसरी ओर बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी बुद्धि के अभिजात तंत्र का प्रतिनिधित्व करती थी। 1851 सी.ई. में दोनों संस्थाओं का विलय हो गया जिससे **नई ब्रिटिश इंडिया संस्था** का जन्म हुआ। इसी समय ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार-पत्र का नवीकरण भी होना था और इस बात की जरूरत महसूस की गयी कि लंदन के शासकों को संस्था के विचारों से अवगत कराया जाए। इसी समय बंबई तथा मद्रास में भी संस्थाएँ बनाई गयीं। इन संस्थाओं का नाम क्रमश: **बंबई एसोसिएशन** तथा **मद्रास नेटिव एसोसिएशन** रखा गया तथा इनकी स्थापना 1852 में हुई। इन सभी संस्थाओं पर धनी जमींदारों का प्रभुत्व था। इसी तरह की संस्थाएँ भारत के अन्य भागों में भी बनीं पर वे उतनी जानी मानी नहीं थीं। उनमें से एक **दक्कन एसोसिएशन** नाम की संस्था थी।

BharatMahanGS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

तीनों प्रेसीडेंसी संस्थाओं ने ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकार-पत्र में परिवर्तन के लिए सुझाव भेजे। ये सुझाव हमें उस समय की जनता के प्रति जागरूक वर्गों की मनोवृत्ति का अच्छा खासा आभास देते हैं। आवेदक यह चाहते थे कि भारतीयों को व्यावस्थापिका निकायों में नियुक्त किया जाए, नमक और नील पर कंपनी के एकाधिकार को समाप्त किया जाए और सरकार स्वदेशी उद्योगों को सहायता दे। इस बात की भी चर्चा की गयी थी कि स्थानीय सरकारों के पास अधिक शक्ति होनी चाहिए तथा भारतीयों को अपने देश के प्रशासन में बड़ी हिस्सेदारी मिले। जहाँ तक खेती से संबंधित मसलों के प्रश्न थे, इस बात की इच्छा जाहिर की गयी कि उनके जमीन के तत्कालीन हितों को सुरक्षित रखा जाए। प्रत्येक अर्जी में कृषकों की स्थिति में सुधार की चर्चा की गयी थी। *ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा भेजी गयी अर्जी में यह कहा गया था कि जबकि भारतीय इस उन्नत सरकार के अभिमन्त्रण को स्वीकार करते हैं पर वह इस बात को भी महसूस करते हैं कि जहाँ तक उनको ग्रेट ब्रिटेन के संपर्क से फायदा हो सकता था जो कि उनका अधिकार था, उतना फायदा नहीं हुआ। उनकी बहुत सारी माँगों को बाद में चलकर कांग्रेस ने अपने जिम्मे ले लिया।*

1860 और 1870 के दशकों में राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावनाएँ फैल गयी थीं। इस अवधि में देश के विभिन्न भागों में कई राजनैतिक संस्थाओं की स्थापना की गयी जिनका कार्य प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार तथा लोगों के बीच राजनैतिक चेतना जगाना था। इन संस्थाओं में **पूना सार्वजनिक** सभा सबसे महत्वपूर्ण थी जिनकी स्थापना **एम. जी. रानाडे, जी. पी. जोशी, एस. एच. चिपलुंकर** और उनके **सहयोगियों** ने 1870 में की थी। इस संस्था ने 1878 में एक पत्रिका निकाली जिसने राजनैतिक चेतना जगाने में काफी बड़ा योगदान दिया। इंग्लैंड में राजनैतिक प्रचार करने के लिए कुछ भारतीय छात्रों जैसे **फिरोजशाह मेहता, बदरुद्दीन तैयबजी, दादाभाई नौरोजी** और **मनमोहन घोष** ने **ईस्ट इंडिया एसोसिएशन** नाम की संस्था दिसंबर 1866 में स्थापित की।

1837 में लैण्डहोल्डर्स सोसाइटी की स्थापना के बाद के 50 वर्षों की अवधि मुख्य रूप से आकांक्षाओं की थी उपलब्धियों की नहीं। लेकिन इस अवधि के दौरान एक राष्ट्रीय स्तर के संगठन के विकास का ढाँचा तैयार हो गया था। एक राष्ट्रीय मंच की जरूरत आवश्यक रूप से महसूस की गयी। कलकत्ता में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के प्रति उदासीनता काफी बढ़ रही थी। इसकी सदस्यता शुल्क 50 रुपये प्रति वर्ष था जो कि मध्य वर्ग के लिए बहुत अधिक था। (लॉर्ड कर्जन के अनुमान से 1898 में ब्रिटिश भारत में प्रति व्यक्ति आय दर 30 रुपये प्रति वर्ष थी) इसलिए इसकी सदस्यता सिर्फ धनी वर्ग तक ही सीमित रह गयी थी। 1876 में कलकत्ता में **इंडियन एसोसिएशन** की स्थापना की गयी। इसका सदस्यता शुल्क 5 रुपये प्रति वर्ष था। यह शीघ्र ही शिक्षित लोगों के बीच लोकप्रिय हो गयी और बंगाल में तथा बाद में चलकर भारत की राजनीति में एक बहुत ही बड़ी ताकत बन गयी। मध्य वर्ग के एक नौजवान सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, जिन्हें अपर्याप्त कारणों पर भारतीय सिविल सेना से निकाल दिया गया था, इसकी स्थापना के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार थे। इंडियन एसोसिएशन के उद्देश्य थे- एक ताकतवर जनमत का विकास, हिन्दू-मुस्लिम जनसंपर्क की स्थापना तथा भारतीय लोगों के बीच व्यापक जागरण पैदा करना। सभी तत्व राष्ट्रीय आंदोलन के अवयव थे। **सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने कहा** कि *नई एसोसिएशन संयुक्त भारत की अवधारणा पर आधारित थी जिसका प्रेरणा स्रोत मैजिनी थे जो इटली एकीकरण के मुख्य निर्माता थे।*

कई अन्य राजनैतिक संगठनों की स्थापना भारत के अन्य भागों में की गयीं जैसे **मद्रास महाजन सभा, बंबई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन, इलाहाबाद पीपल्स एसोसिएशन, लाहौर की इंडियन एशोसिएशन** इत्यादि। इन सभी निकायों की शाखायें छोटे शहरों में भी थी। 1885 के बाद से ये सारी कांग्रेस की क्षेत्रीय इकाइयाँ हो गयीं।

सरकारी प्रतिक्रिया

वस्तुत : शिक्षित भारतीयों की ये सभी गतिविधियाँ व्यर्थ नहीं गई। ब्रिटिश सरकार ने बढ़ते हुए राजनैतिक असंतोष को गंभीरता से लिया और शीघ्र ही आक्रामक रवैया अपनाया। इसकी एक झलक लार्ड लिट्टन जो 1876 में भारत आए, की नीतियों में मिलती है।

लिट्टन

लिट्टन ने खुले रूप से प्रतिक्रियावादी और भारत विरोधी नीतियाँ अपनानी शुरू की। यह इंडियन एसोसिएशन के लिए सुनहरा अवसर था और इसने अखिल भारतीय स्तर पर कई राजनैतिक आंदोलन आयोजित किए। लिट्टन ने भारतीय राजस्व पर अफगानिस्तान के लिए एक खर्चीला अभियान भेजा। उसने ब्रिटिश कपड़ा उद्योग के लाभ के लिए सूती कपड़ों पर से आयात कर हटा दिए जिससे नवजात भारतीय टैक्सटाइल उद्योग की हानि हुई। इन

Bhar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कदमों पर राजनैतिक रूप से जागृत भारतीयों ने अपनी अप्रसन्नता जाहिर की। आंतरिक नीतियों के तहत वाइसराय ने शाही राजकुमारों और जमींदारों को जो ब्रिटिश शासन के महत्वपूर्ण स्तम्भ थे, संरक्षण दिया। वह शिक्षित भारतीयों की अभिलाषाओं को घृणा की दृष्टि से देखता था। इस अवधि में भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने की उम्र सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गयी। चूँकि परीक्षा लंदन में आयोजित होती थी, इसलिए भारतीयों के लिए इस परीक्षा में शामिल होना कष्टपूर्ण था। उम्र की सीमा घटा देने से भारतीयों को इस परीक्षा में शामिल न होने देने के एक नियोजित तरीके का पता चल गया। इंडियन एसोसिएशन ने इस मुद्दे को उठाया और सारे देश में आंदोलन शुरू कर दिया। सुरेन्द्रनाथ ने स्वयं ही 1877-78 में देश के विभिन्न भागों का दौरा किया और भारतीय स्तर पर लोकप्रियता हासिल की। एसोसिएशन ने एक जाने माने बंगाली बैरिस्टर लाल मोहन घोष को एक ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए इंग्लैंड भेजा।

वर्नाकुलर प्रेस एक्ट और आर्म्स एक्ट के लागू होने के विरोध में जन सभाएँ आयोजित की गयीं। पहले की तरह भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होने वाले अखबारों और पत्रिकाओं पर प्रतिबंध लगा दिए गए। भारतीय समाज में इस बात पर जोरदार रोष पैदा हो गया। अमृत बाजार पत्रिका, जो उस वक्त तक बंगाली भाषा में प्रकाशित होता था, रातों-रात इस एक्ट के प्रतिबंध से बचने के लिए अंग्रेजी माध्यम में प्रकाशित होने लगा। आर्म्स एक्ट के तहत भारतीयों को शस्त्र रखने के लिए लाइसेंस शुल्क अदा करने को कहा गया, जबकि यूरोपीयन लोगों को इससे मुक्त रखा गया। जमींदारों को विशेष रियायतें दी गई। आंदोलन के दौरान इन मुद्दों पर जिले के शहरों में काफी बड़ी जनसभाएँ आयोजित की गई जिसमें कई जगहों पर दस से बीस हजार के करीब लोग सम्मिलित हुए।

रिपन

1880 में लार्ड लिट्टन के हटने के बाद लार्ड रिपन आए। रिपन की नीति बिल्कुल भिन्न थी। उनका मत था कि शिक्षित भारतीयों का उनकी शिक्षा और ब्रिटिश संसद के द्वारा समय-समय पर दी शपथ को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा धारण किए जायज प्रेरणाओं का आदर करना चाहिए। उनका कहना था कि लिट्न के शासन ने सही अथवा गलत रूप से यह भावना भारतीयों में पैदा कर दी थी कि इंग्लैंड के हित में उनके सारे, हितों की कुर्बानी दी जाएगी। वे शिक्षित वर्ग की बुद्धिमत्ता ब्रिटिश शासन को मजबूत करने में लगाना चाहते थे। उन्होंने वर्नाकुलर प्रेस एक्ट को निरस्त कर दिया और स्थानीय स्वशासी संस्थाओं तथा शिक्षा के प्रचार को बढ़ावा दिया तथा अफगान युद्ध को समाप्त कर दिया। उनकी नीतियाँ हालांकि एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ सकीं क्योंकि भारत में ब्रिटिश शासन के स्वरूप ने कई व्यवधान लागू किए थे।

ऐंग्लो इंडियन्स (भारत में रह रहे अंग्रेज) ने जो रिपन से रुष्ट थे, एक जबरदस्त आंदोलन उनके और उनकी भारतीय समर्थक नीतियों के विरुद्ध, इलबर्ट बिल के मुद्दे पर छेड़ दिया। दण्डविधि संशोधन बिल अथवा इलबर्ट बिल जो कि वाइसराय काउंसिल के ला सदस्य के नाम पर रखा गया था ने बंगाल प्रेसीडेंसी के सभी मुकदमों में भारतीय जजों के अधिकारों को यूरोपीय जजों के अधिकारों के समान बना दिया। इसका उद्देश्य यह था कि योग्य भारतीय मुफस्सिल तहसीलों में यूरोपीय लोगों द्वारा किए अपराधों की सुनवाई कर सकें। (प्रेसीडेंसी शहरों में इन्हें पहले ही ये अधिकार मिल चुके थे)। यह बिल इसलिए लाया गया था क्योंकि न्यायिक सेवा में भारतीयों की संख्या बढ़ रही थी। इसमें इस बात की संभावना बढ़ गयी कि भारतीय न्यायाधीश बिना ज्यूरी के सभी अपराधी यूरोपीयों के केस की सुनवाई कर सकें। यूरोपीयों को असंतुष्टि की स्थिति में उच्च न्यायालय में अपील के अधिकार दिये गए। इस बात पर ऐंग्लों इंडियन्स के बीच जोरदार रोष भड़क उठा। रिपन ने देखा कि सिविल सेवा के अधिकारी भी विरोधियों से सहानुभूति रखते थे। अखबारों और जनसभाओं में भारतीय चरित्र और संस्कृति की तीव्र आलोचना हुई। अंतत: सरकार को विरोध मत के सामने झुकना पड़ा और बिल का संशोधन इस तरीके से किया गया कि इसका मुख्य उद्देश्य ही समाप्त हो गया।

समूचा विवाद, उस समय की रिथति में जबकि अखिल भारतीय स्तर पर एक संगठन का विकास हो रहा था, महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह अक्सर कहा जाता है कि भारतीयों ने राजनैतिक आंदोलन का पहला सबक इस अवसर पर ऐंग्लो इंडियन्स से सीखा। यह वास्तव में सच बात नहीं है। भारतीयों ने पहले ही इस तरीके के महत्व को महसूस किया था और सिविल सेवा परीक्षा के प्रश्न पर अखिल भारतीय स्तर पर आंदोलन भी आयोजित किया था। दरअसल वे अपने अनुभव से जान गए थे कि ऐंग्लों इंडियन कभी भी उनके अधिकारों और बेहतर सुविधाओं की माँगों में साथ नहीं दे सकते थे। सारे देश में बिल विरोधी आंदोलन के मुद्दे पर भारतीयों की प्रतिक्रिया समान ही थी। भारतीय प्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया कि शिक्षित भारतीय जनता बिल के मूल सिद्धांतों का आदर करती हैं और इसके परित्याग करने

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

पर तीव्र विरोध करेगी। जब बिल के मूल सिद्धान्तों का त्याग कर दिया गया तो भारतीय प्रेस ने राष्ट्रीय एकता, आत्मनिर्भरता और शक्तिशाली संगठन की तत्कालीन आवश्यकता पर चर्चा शुरू कर दी थी।

1880 के दशक के प्रारंभ में एक राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता का मुद्दा भारतीय प्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण विषय बन गया था। इलबर्ट बिल विवाद ने इस आवश्यकता को और भी आवश्यक बना दिया। जुलाई 1883 में इंडियन एसोसिएशन ने एक सभा आयोजित की जिसमें करीब 10,000 लोगों ने भाग लिया। इस सभा में यह तय किया गया कि एक राष्ट्रीय कोष की स्थापना इस उद्देश्य से की जाए कि भारत और इंग्लैंड में आंदोलनों के जरिए देश का राजनैतिक विकास किया जा सके। इस प्रस्ताव का हर जगह स्वागत किया गया। हालांकि कुछ क्षेत्रों में इसकी निंदा इस आधार पर की गयी कि इंडियन एसोसिएशन, देश के अन्य राजनैतिक संगठनों का सहयोग पाने में असफल रही थी। राष्ट्रीय कोष में मात्र 20,000 रुपए ही संग्रहित किए जा सके। लेकिन प्रेस में इस बात पर व्यापक रूप से चर्चा हुई। चर्चा के क्रम में संयुक्त राजनैतिक कदम की आवश्यकता पर बार-बार बल दिया गया और कहा गया कि विभिन्न राजनैतिक संगठनों के प्रतिनिधियों को देश के बड़े शहरों में वर्ष में एक बार मिलना चाहिए। दिसंबर 1883 में एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन कलकत्ता में होने वाला था। इंडियन एसोसिएशन ने इस अवसर का लाभ उठाने का निश्चय किया और देश के विभिन्न भागों के प्रमुख लोगों और संगठनों को मिलने का निमंत्रण दिया और सार्वजनिक हित के प्रश्नों पर विचार करने को कहा। यह सम्मेलन 28 से 31 दिसंबर तक चला और इसे राष्ट्रीय सम्मेलन कहा गया। इस सम्मेलन में न तो कोई विशेष प्रतिनिधि आए और न ही यह प्रभावशाली था। लेकिन यह एक महत्वपूर्ण बात है कि इसमें तय किए गए कार्यक्रम आगे चलकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा अपनाए कार्यक्रमों के समान थे। इसने 45 विभिन्न क्षेत्रों से आए शिक्षित भारतीयों को एक जगह बैठकर विचार-विमर्श करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। यह ठीक ही कहा गया है कि यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पूर्वगामी था।

स्वाभाविक रूप से यहाँ एक प्रश्न उठता है कि इस अवधि में समाज का कौन सा वर्ग राजनैतिक क्रियाकलापों में अग्रणी भूमिका निभा रहा था। अब हम इस प्रश्न पर विचार करेंगे।

इतिहासकारों के मतानुसार राजनैतिक क्रियाकलापों के आयोजन में 'शिक्षित मध्य वर्ग', 'शिक्षित अभिजात्य या बुद्धिजीवी वर्ग' और 'व्यावसायिक वर्ग' अग्रणी थे। भारतीयों के इस वर्ग की कुछ विशेषताओं का उल्लेख आवश्यक है जिन्होंने अंग्रेजी का ज्ञान हासिल किया था तथा ब्रिटिश शासन के मध्य बड़े हुए थे और जिन लोगों ने पेशे के रूप में कानून, शिक्षा तथा पत्रकारिता को अपनाया था अथवा सरकारी नौकरियाँ प्राप्त की थी। इन लोगों ने मूलतः कलकत्ता, मुंबई तथा मद्रास प्रेसीडेंसी शहरों में अपनी शुरुआत की थी पर बाद में देश के हर हिस्से में फैल गए थे।

राष्ट्रीय चेतना तथा अतीत के गौरव से प्रेरित होकर मध्य वर्ग ने राजनैतिक अधिकारों के लिए संवैधानिक आंदोलन शुरू कर दिया। इसकी गति इतनी धीमी थी कि शुरू की अवधि में इस पर ध्यान नहीं गया। इसकी सामाजिक तथा आर्थिक जड़ें उद्योग अथवा व्यापार से निहित नहीं थी बल्कि इस वर्ग की जड़ें खेतों से लगान, सरकारी सेवा अथवा व्यवसायों में थीं। इस क्षेत्र के लोग अपने को मध्य वर्ग कहलाने में गर्व महसूस करते थे जो कि जमींदारों के नीचे तथा मजदूरों के ऊपर थे। ये लोग उसी तरह की भूमिका निभाने का इंतजार कर रहे थे जैसी भूमिका पश्चिम के मध्य वर्ग ने निभायी थी अर्थात् पुनर्जागरण, धर्म सुधार, राजनैतिक संस्थाओं का जनतान्त्रीकरण तथा उद्योगीकरण के जरिए सामंतवादी समाज से आधुनिक समाज तक के परिवर्तन का प्रतिनिधित्व।

मध्य वर्ग के सदस्य समाज के उस वर्ग से आते थे जो गरीब नहीं कहे जा सकते थे और सामान्यतः उच्च जाति के थे। हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि उच्च जाति के सभी लोग समाज में आर्थिक रूप से संपन्न नहीं थे। उदाहरण के लिए, बंगाल तथा भारत के कई अन्य क्षेत्रों के संपन्न परिवारों में ब्राह्मण जाति के रसोईए रखने की प्रथा थी। इसी प्रकार बंबई में भी, 1864 में जमा किए आँकड़ों से पता चलता है कि करीब 10,000 भीख माँगने वाले या तो चितपावन ब्राह्मण थे अथवा सारस्वत ब्राह्मण। समाज के इस वर्ग को इस आधार पर अभिजात्य कहा जा सकता है कि समाज का यह एक चुना हुआ अथवा एक विशिष्ट भाग था। परन्तु इस वर्ग की विचारधारा अपनी सुविधाओं की रक्षा सामाजिक स्तर के आधार पर नहीं करती थी। उनकी सबसे बड़ी धरोहर अंग्रेजी शिक्षा थी। अंग्रेजी शिक्षा को उन्होंने अपने तक ही सीमित नहीं रखा परन्तु बहुत से शिक्षित भारतीयों ने इस तरह की शिक्षा को फैलाने में अपने आप को समर्पित भी किया। बाद में उन्होंने बड़ी दिलचस्पी से अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा को लागू करने की माँग भी की। इसी प्रकार उन्होंने बिना संकोच के ऐसे सामाजिक सुधारों की माँग की जिनका उनकी सुविधाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

भारतीय संदर्भ में **'शिक्षित मध्य वर्ग'** उस अवधि में उन समूहों को कहा जाता था जिन्होंने पश्चिमी शिक्षा पायी थी और जो किसी प्रकार के क्षेत्रीय अथवा राष्ट्रीय नेतृत्व देने की शुरुआत कर रहे थे। इन समूहों की सामाजिक रचना तथा दृष्टिकोण उन राजकुमारों, प्रधानों तथा जमींदारों से काफी भिन्न था जिन्होंने कि पहले अंग्रेजी शासन का विरोध किया था। 19वीं सदी में इस वर्ग ने धार्मिक तथा सामाजिक सुधारों द्वारा देशभक्ति के गीतों, नाटकों तथा साहित्य के लेखन द्वारा ब्रिटिश शासन की आर्थिक आलोचना द्वारा तथा राजनैतिक संगठनों की स्थापना के द्वारा भारतीय जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वाइसराय **लॉर्ड डफरिन** ने एक बार अपनी टिप्पणी में यह कहा कि यह एक **'सूक्ष्म अल्पसंख्यक संस्था है।'** इस टिप्पणी को विभिन्न इतिहासकारों ने समय-समय पर उद्धृत किया है। इसमें कोई शक नहीं कि यह एक अल्पसंख्यक समूह था। परंतु यह ऐसा अल्पसंख्यक था जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती थी जैसा कि डफरिन खुद भी जानते थे। यह एक ऐसा अल्पसंख्यक था जिसका आदर्श सामान्य था और जो एक ही तरह की बोली बोलते थे और जिनका दृष्टिकोण अखिल भारतीय स्तर का था। हमें यह भी याद करना चाहिए कि इतिहास में देश के स्वरूप निर्धारण में सक्रिय अल्पसंख्यक वर्ग की ही भूमिका अहम रही है। यहाँ एक दूसरी कहावत की चर्चा की जा सकती है जिसने कुछ हद तक लोकप्रियता हासिल की थी। *ब्रिटिश अफसरों का कहना था कि* **कांग्रेस आम जनता का प्रतिनिधित्व नहीं करती थी और जबकि अंग्रेज भारतीय जनता के हितों की देखभाल करते थे और उनके माँ-बाप के समान थे।** इस कहावत को विकसित किया गया था क्योंकि यह ब्रिटिश राज्य के स्थायीकरण से संबंधित साम्राज्यिक हितों में योगदान देती थी। कुछ हद तक सभी देशों के शिक्षित लोग आम जनता से अलग-थलग होते हैं। भारत में इस अलगाव को आधुनिक शिक्षा के विदेशी माध्यम ने और भी अधिक कर दिया। लेकिन अंग्रेजी का ज्ञान प्राप्त कर लेने का यह मतलब नहीं था कि लोग अपनी भाषा जानना छोड़ चुके थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि एक वर्ग के रूप में शिक्षित भारतीयों ने कभी भी अपने आप को सरकार के हाथों नहीं बेचा।

कांग्रेस की स्थापना

इस भाग में हम कांग्रेस की स्थापना से संबंधित कुछ मुद्दों की चर्चा करेंगे जैसे इसके प्रारंभिक कार्यक्षेत्र और गतिविधियाँ, पारित प्रस्ताव और विभिन्न वर्गों की सदस्यता इत्यादि।

पहली बैठक

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक के आयोजन का श्रेय **ए. ओ. ह्यूम** को जाता है। वे एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी थे जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद भारत में ही रहने का फैसला किया था। उनका लार्ड रिपन से बहुत ही अच्छा संबंध था और वह उनके इन विचारों से सहमत थे कि शिक्षित भारतीयों के उदय को राजनैतिक सच के रूप में स्वीकार करना चाहिए और समयानुसार ऐसा कदम उठाना चाहिए जिससे इस वर्ग की माँगों के लिए एक न्यायसंगत निकाय की व्यवस्था हो और इस बात का भी प्रयास होना चाहिए कि उनकी महत्वाकांक्षाएँ पूरी हो सकें। उन्होंने कठिन परिश्रम करके अपने सारे संपर्कों को संगठित किया। दिसंबर 1884 के शुरू में वे रिपन को विदा करने बंबई पहुँचे। वे वहाँ करीब तीन महीने ठहरे और इस अवधि में उन्होंने प्रेसीडेंसी के प्रभावशाली नेताओं से शिक्षित भारतीयों के द्वारा उठाये जाने वाले राजनैतिक कार्यक्रमों के बारे में विचार-विमर्श किया। मार्च 1885 में यह तय किया गया कि इंडियन नेशनल यूनियन (शुरू में यही नाम अपनाया गया) का एक सम्मेलन क्रिसमस सप्ताह के दौरान पूना में आयोजित किया जाएगा। शुरू में ह्यूम और उनके सहयोगियों ने कलकत्ता में सम्मेलन बुलाने पर विचार किया। लेकिन बाद में उन लोगों ने पूना में ही आयोजन करने का निश्चय किया क्योंकि यह जगह देश के केन्द्र में थी और पूना सार्वजनिक सभा की कार्यपालिका समिति ने सम्मेलन की सारी व्यवस्था और आवश्यक कोष के इंतजाम करने की जिम्मेवारी ले ली थी।

हालांकि दुर्भाग्य ने पूना को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अधिवेशन के आतिथ्य के अवसर से वंचित कर दिया। पूना में हैजा फैल जाने से स्थान को बंबई ले जाया गया। पहली सभा का आयोजन सोमवार, 28 दिसंबर, 1885 को गोकूलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय, मुंबई में किया गया। इसमें करीब 100 लोगों ने भाग लिया जिसमें से 72 लोगों को सदस्यों की मान्यता दी गयी। कांग्रेस का पहला अध्यक्ष बनने गौरव बंगाल के **डब्ल्यू. सी. बनर्जी** को मिला। वे पहले चार भारतीय बैरिस्टरों में से एक थे और उन दिनों के अग्रणी कानूनविद् भी थे। उनके चुनाव से एक स्वस्थ मिसाल की स्थापना हुई कि अध्यक्ष का चुनाव सम्मेलन के स्थान वाले प्रांत के बाहर से होना चाहिए।

अध्यक्षीय भाषण

पहले कांग्रेस अध्यक्ष का अध्यक्षीय भाषण कांग्रेस के चरित्र, उद्देश्यों और कार्यक्षेत्र की ओर स्पष्टत: केंद्रित था। अध्यक्षीय भाषण ने कांग्रेस के प्रति पैदा होने वाली गलत धारणाओं को भी दूर करने की कोशिश की। अध्यक्ष (डब्ल्यू. सी. बनर्जी) ने कांग्रेस के उद्देश्यों को साफतौर पर परिभाषित किया। उन्होंने उद्देश्यों का निम्नलिखित ढंग से उल्लेख किया :

- देश के लोगों के बीच मित्रता तथा आपसी मेल-मिलाप को बढ़ावा देना।
- प्रजाति, धर्ममत और प्रांतों के प्रति पैदा हुए सभी विद्वेषों को दूर करना।
- राष्ट्रीय एकता की भावनाओं को संघटित करना।
- शिक्षित वर्गों द्वारा तत्कालिक मुद्दों पर व्यक्त विचारों को दर्ज करना, और
- जनहित में उठाए जाने वाले कदमों का निर्धारण करना।

इन माँगों के अलावा अध्यक्ष ने ब्रिटिश शासन के द्वारा भारत को दिए कृपादानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि शिक्षित भारतीय, सरकार के प्रति पूरे निष्ठावान तथा शुभचिंतक है। उन्होंने इस बात को स्पष्ट उल्लेख किया कि कांग्रेस के इस आयोजन का उद्देश्य सिर्फ अपने विचारों को शासनाधिकारियों के पास पहुँचना है और इन लोगों को षड्यंत्रकारी और कृतघ्न कहना अनुचित है। उन्होंने ह्यूम के नेतृत्व को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि भारत में ब्रिटिश समुदाय के ज्यादातर सदस्यों को शिक्षित भारतीयों पर भरोसा नहीं था। अन्त में अध्यक्ष ने सावधानीपूर्वक कांग्रेस के उद्देश्यों की चर्चा की।

इनकी मुख्य इच्छा यह थी कि सरकार के आधार को फैलाया जाना चाहिए। इस तरह की नीति न सिर्फ सरकार के लिए बल्कि लोगों के हित में भी सहायक होगी। यह इस बात को दर्शाता है कि कांग्रेस अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार में भागीदारी नहीं चाहती थी बल्कि इस संदर्भ में सारे भारतीयों के हितों के बारे में सोच रही थी। दरअसल सबसे अधिक गहराई से राष्ट्रीय एकता की आकांक्षा को ही व्यक्त किया गया था।

ब्रिटिश शासन के न्यायपूर्ण रवैये में कांग्रेस के नेताओं को असीम विश्वास था। वे अंग्रेजों को बाहर निकालने के संदर्भ में नहीं सोचते थे। वे सिर्फ यही चाहते थे कि भारतीय सरकार द्वारा अपनायी नीतियों का उद्देश्य भारतीय जनता की भलाई होनी चाहिए और यही उनके हितों की तरक्की का मतलब था। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वे सरकार के संचालन में बड़ी भागीदारी चाहते थे। ऐसा प्रतिनिधित्व संस्थाओं के विकास और भारतीयों को उच्च पदों पर नियुक्ति देकर किया जा सकता था।

उपस्थिति

इस बात का जिक्र ही किया जाता है कि कांग्रेस में वकीलों का बोलबाला था। उदाहरण के लिए, इतिहासकार अनिल सील का कहना है कि कांग्रेस के पहले अधिवेशन में आधे से ज्यादा (72 में 39) लोग वकील थे और आने वाले दशकों में भी एक तिहाई से ज्यादा प्रतिनिधि वकालत के पेशे से ही थे। पुराने रईस वर्ग के लोग जैसे राजाओं, महाराजाओं, बड़े जमीदारों और धनी व्यापारियों की अनुपस्थिति सुस्पष्ट थी। कृषक और मजदूर भी उसकी ओर आकर्षित नहीं हुए। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वकीलों का प्रभुत्व था। लेकिन यह लगभग सभी राजनैतिक संगठनों और विधायिकाओं के बारे में कहा जा सकता है। भारत में शिक्षित भारतीयों के सामने भविष्य निर्माण के बहुत कम अवसर उपलब्ध होने के कारण ज्यादातर लोगों ने कानूनी पेशे को ही अपना लिया। पुराने सामन्ती वर्ग कांग्रेस की सभा में भाग नहीं लेते थे क्योंकि उनमें नए उदार और राष्ट्रीय विचारों के कारण असुरक्षा की भावना पैदा हो गई थी। हालांकि भारत के गरीबों की चर्चा काफी समय से कई नेताओं खासकर दादाभाई नौरोजी द्वारा की गयी थी परंतु आम जनता को आंदोलन के इस दौर में शामिल करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। जब कांग्रेस ने लोगों के हालात पर चर्चा शुरू की तब यह निश्चय किया गया कि पहला कदम प्रतिनिधि संस्थाओं के अधिकार की तरफ उठाना चाहिए। कांग्रेस द्वारा अपनाए तरीकों जैसे निवेदन पत्र देना, अपील करना तथा लेख चर्चा को देखा जाए तो ऐसा स्वाभाविक ही था।

Bharti Nimar GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कार्यवाही और प्रस्ताव

कांग्रेस की कार्यवाही काफी सुचारू और सफल ढंग से संचालित की जाती थी। प्रस्तावों को कड़ी संसदीय प्रक्रिया के तहत विचार-विमर्श के बाद पारित किया जाता था। प्रत्येक प्रस्ताव को एक प्रांत के सदस्य द्वारा रखा जाता था और तब किसी दूसरे प्रांत के सदस्य द्वारा उसका अनुमोदन होता था और अन्य प्रांतों के सदस्य उसका समर्थन किया करते थे। उनके द्वारा दिए भाषण काफी संयमित होते थे तथा ब्रिटिश सरकार के प्रति वफादारी प्रदर्शित करते थे।

पहले कांग्रेस अधिवेशन ने नौ प्रस्ताव पास किए। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :

- भारतीय मसलों की छानबीन के लिए रायल कमीशन, जिसमें की भारतीयों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो, की नियुक्ति की माँग की गयी।
- सेक्रेट्री ऑफ स्टेट की भारतीय परिषद की समाप्ति की माँग की गयी (कांग्रेस यह चाहती थी कि सक्रेट्री ऑफ स्टेट सीधे तौर पर ब्रिटिश संसद के प्रति जिम्मेवार हो। यह माँग इस भावना पर आधारित थी कि ब्रिटिश जनता न्यायी और निष्पक्ष है और अगर उसे सही तरीके से सूचना दी जाए तो वे अपने सही रास्ते से भ्रमित नहीं होंगे)।
- विदेश नीति से संबंधित प्रस्ताव में ऊपरी बर्मा के विलय की भर्त्सना की गयी।

अन्य प्रस्ताव संविधान और केंद्रीय तथा प्रांतीय विधायी परिषदों की कार्यवाही को उदारवादी बनाने, ब्रिटेन और भारत में एक ही साथ सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करने तथा सेना परीक्षा आयोजित करने तथा सेना के खर्चे को कम करने से संबंधित थे।

अधिवेशन समाप्ति से पहले कांग्रेस ने दो और निर्णय लिए :-

1. पहला यह था कि कांग्रेस द्वारा पारित प्रस्तावों का देश के अन्य राजनैतिक संगठनों द्वारा सहमति का प्रयास होना चाहिए।
2. दूसरा निर्णय अगले अधिवेशन 28 दिसंबर 1886 के कलकत्ता में आयोजित करने से संबंधित था।

यह निर्णय काफी महत्वपूर्ण हैं। ये इस बात को प्रदर्शित करते हैं कि नेताओं ने कांग्रेस को एक पृथक घटना के रूप में नहीं परंतु एक आंदोलन की शुरुआत के रूप में देखा। ऊपर की परिचर्चा में आपने देखा होगा कि सामाजिक सुधारों से संबंधित प्रश्न तक पूछे नहीं गए थे। कुछ सदस्यों ने इस प्रश्न पर विचार करने का दबाव भी डाला। लेकिन काफी बुनियादी मतभेदों के कारण ऐसा नहीं किया जा सकता। हालांकि कुछ सदस्यों ने कांग्रेस अधिवेशन की समाप्ति के तुरंत बाद उसी स्थान पर हुई जनसभा का फायदा उठाते हुए बाल-विवाह और जबरन वैधव्य जैसे कुछ मुद्दों पर विचार किया।

कांग्रेस की उत्पत्ति से संबंधित विवाद

चूँकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत के इतिहास में अहम भूमिका निभायी है इसलिए यह स्वाभाविक था कि तत्कालीन और बाद के इतिहासकार इसकी स्थापना के कारण पर अपने-अपने विचार व्यक्त करें। सच तो यह है कि कांग्रेस की स्थापना के समय से ही इस प्रश्न पर विचार किया जा रहा है। कई विद्वानों ने इस बात का पता लगाने की कोशिश की है कि यह किसी एक व्यक्ति अथवा कई लोगों अथवा कुछ विशेष परिस्थितियों को प्रतिफल था। लेकिन सारे प्राप्त प्रमाण परस्पर विरोधी हैं।

हम देखेंगे कि किस प्रकार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की व्याख्या निम्नलिखित वैकल्पिक सिद्धांतों द्वारा की जा सकती है:

''सरकारी षड्यन्त्र सिद्धांत, विशिष्ट वर्ग की प्रतिद्वन्द्विता तथा महत्व और अखिल भारतीय संस्था की आवश्यकता।''

सरकारी षड्यंत्र सिद्धांत

अगर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना किसी भारतीय द्वारा की गयी होती तो इसे एक स्वाभाविक तथा तार्किक रूप में स्वीकार कर लिया गया होता। परंतु, सच तो यह है कि अखिल भारतीय राजनैतिक संगठन की योजना को मूर्त और सुनिश्चित आकार एक अंग्रेज ए. ओ. ह्यूम नाम के व्यक्ति ने दिया जिसने कई विवादों को जन्म दिया है। ऐसा क्यों हुआ कि कांग्रेस की शुरुआत एक अंग्रेज द्वारा हुई? इसके अलावा, हयूम मात्र एक अंग्रेज ही नहीं बल्कि भारतीय सिविल सेवा में एक प्रशासनिक अधिकारी भी था। यह कहा जाता है कि नौकरी के उपरांत उसे कई ऐसे महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में पता चला जिनसे यह प्रमाणित होता था कि आम जनता के दु:खों और बुद्धिजीवी वर्ग के अलगाव ने काफी हद तक आक्रोश एकत्रित कर दिया था जो ब्रिटिश शासन के लिए खतरा पैदा कर सकता था। 1857 के महान्

Bhai Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

विद्रोह की यादें अभी भी ताजा थीं। इसके अलावा, ह्यूम ने खुद ही कहा था कि उसका उद्देश्य भारतीय आक्रोश को रोकने के लिए एक सुरक्षा कपाट (सेफ्टी वाल्व) का प्रबंध करना था जिससे अंग्रेजों के विरुद्ध किसी बड़े विद्रोह को रोका जा सके। बनर्जी के इस वक्तव्य ने कि हयूम डफरिन की सीधी सलाह से काम कर रहे थे इस बात को और भी मजबूती प्रदान की। इन दो तथ्यों को एक साथ अध्ययन करने से यह तथ्य पैदा हुआ कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म एक सुनियोजित ब्रिटिश चाल से हुआ जिसका उद्देश्य था कि शिक्षित भारतीयों के बीच पैदा हुए असंतोष को शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से निकास मिल सके और इस तरह ब्रिटिश राज के खतरे को टाला जा सके।

लेकिन इतिहासकारों ने अब इस विचार को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है और इसके लिए कई कारण प्रस्तुत किए गए हैं। सरकारी निर्णयों में हयूम के प्रभाव को काफी बढ़ा चढ़ा कर पेश किया गया है। गवर्नर जनरल लार्ड डफरिन को लिखे गुप्त पत्रों से जो अब उपलब्ध है, यह प्रकट होता है कि ब्रिटिश पदाधिकारियों के द्वारा हयूम के विचारों को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता था। इसके अतिरिक्त ह्यूम का उद्देश्य शिक्षित भारतीयों के असंतोष के निकास के लिए 'सुरक्षा कपाट' (सेफ्टी वाल्व) बनाने मात्र से कहीं अधिक तथा वास्तविक और निष्कपट था। उन्हें भारतीयों के प्रति एक मानवीय सहानुभूति भी थी और वह कई वर्षों तक कांग्रेस को एक मजबूत और सक्रिय संगठन बनाने के अथक प्रयास में लगे रहे। 1885 से 1906 तक वह कांग्रेस के महासचिव रहे और इसकी गतिविधियों के दिशा-निर्देशन, निश्चित आकार, सामंजस्यता तथा अभिलेखन में योगदान देते रहे। हयूम के लिए कहीं भी भारतीय जनता के पुनरुद्धार के लिए कार्य करने में तथा प्रबुद्ध साम्राज्यवादी विचारों में कोई असंगति नहीं थी और एक ही समय में वह यह विश्वास करते थे कि प्रबुद्ध दूरस्थ साम्राज्यवाद भारतीय जनता के सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए लाभदायी हो सकता था। अंततः अन्य घटनाओं के कारण, जिनकी चर्चा की जा चुकी है, एक अखिल भारतीय संगठन की स्थापना की आवश्यकता महसूस की गयी और इस दिशा में कुछ प्रयास किए भी जा चुके थे। ह्यूम किसी भी मायने में सामाजिक और राजनैतिक वातावरण में परिवर्तन लाने के लिए जिम्मेवार नहीं ठहराए जा सकते थे जो राष्ट्रीय संगठन की नींव और टिके रहने को वास्तविक रूप में यथार्थ बना सके। कांग्रेस के निर्माण को किसी एक व्यक्ति का ही प्रयास नहीं माना जा सकता है बल्कि इसके कई अन्य कारण थे जिनकी चर्चा पहले की जा चुकी है। ह्यूम सिर्फ एक व्यापक और सचेतन मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं की पूर्ति के माध्यम थे, जो देश के प्रशासन के संचालन में ब्रिटिश अधिकारियों के साथ हिस्सेदारी निभाने के लिए उत्सुक था।

इस संदर्भ में एक प्रश्न उठता है कि शिक्षित भारतीयों ने ह्यूम का नेतृत्व क्यों स्वीकार किया। यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब हम इस बात पर विचार करते हैं कि उनमें से कुछ लोग अपने क्षेत्र में करीब एक दशक से काफी सक्रिय थे। एक कारण यह भी हो सकता है कि वे अंग्रेज होने के नाते क्षेत्रीय पक्षपात से स्वतंत्र थे। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि ज्यादा महत्वपूर्ण कारण था कि भारतीय नेता सावधानीपूर्वक आगे बढ़ना चाहते थे ताकि उन्हें अधिकारियों के रोष का सामना न करना पड़े।

भूतपूर्व ब्रिटिश सिविल अधिकारी होने के कारण इस तरह के प्रयास का आधिकारिक क्षेत्रों में विद्वेष पैदा होने की कम संभावना थी। भारतीय नेता अच्छी तरह जानते थे कि तत्कालीन परिस्थितियों में क्या संभव था। ऐसी स्थिति में वे अपने विचारों को शासकों के दिमाग में बिना कोई संदेह पैदा किए संघटित और व्यक्त करना चाहते थे। अपने भाषण में **अध्यक्ष** ने इन बातों का साफ जिक्र किया। उन्होंने कहा **'कई अवसरों पर कई सज्जनों ने जो व्यक्तव्य दिए हैं उन्हें सोच-विचार कर कांग्रेस की भर्त्सना करनी चाहिए थी न कि सिर्फ ये समझ लेना चाहिए कि यह षड्यंत्रकारियों और गद्दारों का घोंसला है।'** अगर इसका संस्थापक एक अंग्रेज था तो द्वेष होने की संभावना कम थी। इसी संदर्भ में महान नेता **जी. के. गोखले** का वक्तव्य अक्सर उद्धत किया जाता है-

'कोई भी भारतीय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शुरुआत नहीं कर सकता था ... अगर कांग्रेस का संस्थापक एक महान अंग्रेज और विशिष्ठ पूर्व अधिकारी नहीं होता तो उन दिनों जिस नजर से राजनैतिक आंदोलनों को देखा जाता था, अधिकारी किसी न किसी आधार पर आंदोलन को दबा देते।'

भारतीय विशिष्ट वर्ग की प्रतिद्वन्द्विता और महत्वकांक्षाएँ

पिछले दो दशकों में कई इतिहासकारों खासकर कैम्ब्रिज के विद्वानों ने कहा है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कुछ मायनों में राष्ट्रीय नहीं थी बल्कि यह स्वार्थी व्यक्तियों द्वारा चलाया गया आंदोलन था और यह उनके आर्थिक हितों और संकीर्ण विवादों की पूर्ति के लिए साधन के रूप में कार्य करता था (इन विचारों को व्यक्त करने वाले सबसे ज्यादा प्रभावशाली इतिहासकार अनिल सील हैं)। लेकिन इस विचार

Bihar Naman GS An Institute for UPSC & BPSC, Patna

को भारत में चुनौती दी गई है। यह बात सही है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए हर कोई शक्ति पाना चाहता है। लेकिन कई अन्य व्यापक कारणों को नकारा नहीं जा सकता। इस तरह की विवेचना रंगभेद से ठेस लगी भावनाओं, देशवासियों की उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने की भावना और इस बात का बोध होना कि उनके देशवासियों के हितों की पूर्ति भारत और ब्रिटेन के संबंधों के पुनर्गठन से हो सकेगी की उपेक्षा करती है। इस तरह की भावना विकसित हो रही थी कि भारतीय समान संस्कृति और मौलिक, आर्थिक और राजनैतिक हित के साझेदार है। विदेशी शासन ने लोगों की समान आकांक्षाओं और कष्टों को और बढ़ा दिया था।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक और कई अन्य संगठन राष्ट्रवादी दृष्टि के आदर्शवाद से प्रेरित थे जिसके कारण भारतीय राष्ट्र के हित में स्वयं, परिवार, जाति तथा समुदाय के हितों का अधीनीकरण कर दिया गया। वे राष्ट्रीय दृष्टि को वास्तविकता में बदलने के प्रयास में नए रास्तों की खोज में लगे रहे। कांग्रेसी नेताओं की पहली पीढ़ी इस बात से हमेशा सचेत रही कि वे ब्रिटिश सरकार के द्वारा शासित किए जाते हैं जिसने भारत में कई उदार मूल्यों को लाया और उनसे पूरी तरह संबंध विच्छेद कर लेना देशवासियों के हित में नहीं हो सकता है। दूसरी तरफ वे ऐसी संरचना बनाने का रास्ता ढूँढ रहे थे जो उनके देशवासियों के हितों की पूर्ति कर सके।

अखिल भारतीय संस्था की आवश्यकता

व्यापक संदर्भ में देखने पर प्रतीत होता है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना विदेशी शासन की लंबी अवधि के परिणामस्वरूप पैदा हुई विद्यमान राजनैतिक और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों की ही प्रतिक्रिया थी। जैसा कि हमने देखा है कि 1880 दशक के दौरान एक राष्ट्रीय संगठन बनाने का विचार काफी हद तक रंग-रूप ले चुका था। दरअसल 1885 के अंतिम दस दिनों में करीब पाँच सम्मेलनों का आयोजन देश के विभिन्न भागों में किया गया था। मद्रास महाजन सभा ने अपना द्वितीय वार्षिक सम्मेलन 22 से 24 दिसंबर तक आयोजित किया। इसे ऐसे वक्त किया गया ताकि सभा के सदस्य पूना में होने वाली कांग्रेस में सम्मिलित हो सकें। इंडियन एसोसिएशन द्वारा द्वितीय भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन कलकत्ता में आयोजित किया गया। 1885 के दिसंबर के शुरू में जब पूना में सम्मेलन बुलाने की योजना की घोषणा की गयी तो सुरेन्द्रनाथ बनर्जी को अपना सम्मेलन स्थागित करने की राय दी गयी। लेकिन उन्होंने इस स्थिति में ऐसा करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। 1886 में इसका विलय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में हो गया। इसी अवधि में जबलपुर में यूरेशियन लोगों द्वारा तथा प्रयाग सेन्ट्रल हिन्दू समाज द्वारा इलाहाबाद में दो भिन्न सम्मेलन आयोजित किए गए। राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षित वर्ग के आविर्भाव, उनके द्वारा व्यक्त विचारों और संगठनात्मक विकासों के द्वारा राष्ट्रीय संस्था का निर्माण लगभग अवश्यम्भावी हो चुका था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस शिक्षित वर्ग के राजनैतिक उद्देश्यों के लिए साथ-साथ काम करने की आवश्यकता की जागरूकता के परिणाम का प्रतिनिधित्व करती थी। यह राजनैतिक विचारों के विकास की एक लंबी प्रक्रिया तथा 1830 के दशक से शुरू हुए संगठन की प्रक्रिया का ही परिणाम था।

यह ध्यान देने वाली दिलचस्प बात है कि तत्कालीन भाग लेने वाले और पर्यवेक्षकों ने दो बातों के प्रति अपनी जागरूकता दिखायी। एक बात यह है कि वे लोग इतिहास बना रहे थे और दूसरी कि कांग्रेस राष्ट्रत्व की भावना के विकास का प्रतीक बन गयी थी। इतिहास ने उनके विचारों की पुष्टि कर दी है।

निष्कर्ष

1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना से एक नए युग की शुरुआत हुई, जिसने मात्र 60 वर्षो की अवधि में राष्ट्र की स्वतंत्रता, संप्रभुता तथा आत्म-निर्भरता के सपनों को पूरा होते हुए देखा। यह भारतीय लोगों के बीच बन रही एकता की भावना का स्पष्ट सूचक था। यह सच है कि शुरू में कांग्रेस एक व्यवस्थित राजनैतिक संगठन नहीं था। उसकी न तो कोई नियमित सदस्यता थी और न ही कोई केन्द्रीय कार्यालय। इसके विचार भी काफी नर्म तथा संतुलित थे। लेकिन किसी ने सही ही कहा है कि महान संस्थाओं की हमेशा ही छोटी शुरुआत होती है।

*****

अभ्यास प्रश्न

प्रश्नः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में कितना सफल अथवा असफल रहा? अपने उत्तर तर्कपूर्ण उदाहरण के साथ लिखिए।

(अंक: 38, शब्द सीमा: 400 से 500)

Bhor Nanan GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

खंड-II प्रमुख आलेख : भारत-नेपाल संबंध : अतीत से वर्तमान

(लेखनः फिरोज आलम, Dy SP सिवान सदर, बिहार सरकार)

पूर्व-पश्चिम और दक्षिण में भारत तथा उत्तर में तिब्बत प्रांत (चीन) से घिरा हुआ नेपाल, हिमालय के दक्षिण की ओर अवस्थित एक स्थलबद्ध देश हैं जहाँ हाल ही में प्रजातंत्र की स्थापना हुई है। सन् 1768 में महाराजा पृथ्वी-नारायण साह ने नेपाल को एकीकृत कर राजतंत्र की स्थापना की थी। एक महत्वपूर्ण घटना सन् 1846 ई. में घटी जब राणा जंग बहादुर ने वास्तविक सत्ता अपने अधीन कर ली और राजा नाममात्र के राज्याध्यक्ष रह गए। तब से राणा नेपाल के वास्तविक शासक बन गए और सन् 1951 की शुरुआत तक यही स्थिति बनी रही। **आधुनिक नेपाल के जनक पृथ्वी नारायण साह** ने अपने देश की विदेश नीति के संदर्भ में एक सभा में यह कहा था कि **'नेपाल दो चट्टानों (भारत और चीन के संदर्भ में) के बीच एक सुगन्धित फुल के समान है।'**

नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच 19वीं शताब्दी के आरंभ में विवाद पैदा हो गया था। ब्रिटेन की साम्राज्यवादी विस्तार की नीति के अधीन नेपाल हार गया। सन् 1815 में दोनों के मध्य एक संधि हुई जिसके अनुसार नेपाल की कुछ भूमि पर कंपनी का स्वामित्व हो गया और नेपाल की राजधनी काठमांडु में एक अंग्रेज अधिकारी को अनिवार्यतः नियुक्त करने पर सहमति बनी। इस प्रकार नेपाल, ब्रिटेन के प्रभाव में आ गया। ब्रिटिश सेना के लिए नेपाल में गोरखा जवानों की भर्ती सन् 1947 तक जारी रही। चीन में सन् 1949 में साम्यवादी क्रांति की सफलता से यह स्पष्ट हो गया था कि वह तिब्बत पर अपना वर्चस्व स्थापित करेगा जिससे चीन, नेपाल की स्थलीय सीमा को स्पर्श करने लगा। चीन में साम्यवादियों के सत्ता में आ जाने के फलस्वरूप अमेरिका भी नेपाल के अंदरुनी मामलों में दिलचस्पी लेने लगा। उत्तर में भारत की सुरक्षा नेपाल की सुरक्षा से जुड़ी हुई थी। इस बीच नेपाल में एक संविधान निर्माण की मांग उठने लगी थी।

नेपाल में जिस संविधान का प्रारुप तैयार किया गया (1950 के दशक में) वह राजा परिवार के निहित स्वार्थो की पूर्ति नहीं कर पा रहा था। इसलिए उन्होंने इसे लागू नहीं होने दिया। नेपाली कांग्रेस पार्टी अपने देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम कराने के आंदोलन चला रही थी। भारत की कांग्रेस पार्टी की स्वाभाविक सहानुभूति नेपाल के लोकतांत्रिक आंदोलन के साथ थी। आपसी मन-मुटाव के कारण भारत और नेपाल के बीच प्रस्तावित **'मैत्री संधि'** पर 1949 तक हस्ताक्षर नहीं हो सके क्योंकि राणा परिवार ने भारत द्वारा सुझाई गई नेपाली सरकार की लोकतांत्रिक संरचना का विरोध किया था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री **जवाहर लाल नेहरु** ने 6 दिसंबर 1958 ई. को लोकसभा में कहा था कि *'नेपाल के प्रति हमारी सहानुभूति देश की सुरक्षा से जुड़ी है। हम नेपाल की स्वतंत्रता का पूरा सम्मान करते है लेकिन नेपाल में घटने वाली किसी अप्रिय घटना के कारण हम अपनी सुरक्षा को संकट में नहीं डाल सकते है।'*

Bharat Naman GS/An Institute for UPSC & BPSC, Patna

नेपाल का रणनीतिक महत्व

नेपाल, भारत का महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। भारत के साथ सदियों से चले आ रहे ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों के कारण इसकी विशेष सार्थकता है। नेपाल-भारत संबंध अपने अन्य किसी महत्व से ज्यादा भूगोल व इतिहास से अधिक निर्धारित हुए हैं। दोनों देश न केवल खुला बॉर्डर साझा करते हैं बल्कि लोगों का भी अबाधित आवागमन होता है। दोनों तरफ के लोग परिवार व शादी के द्वारा भावनात्मक रूप से भी जुड़े हैं जो एशिया में अपने आप में विशिष्ट है। भारत-नेपाल के मध्य खुली सीमा गहरे विश्वास व मित्रता को प्रदर्शित करती है।

भारत के नेपाल में रणनीतिक महत्व सुस्पष्ट हैं। **जवाहर लाल नेहरू** ने 1950 में कहा था कि **''हिमालय प्राचीन काल से विशाल सीमा के रूप में मुस्तैद है। हम इस प्राकृतिक बांध को भेदने को स्वीकार नहीं कर सकते''**। नेपाल के साथ साझा खुली सीमा होने के कारण नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता तथा प्रतिकूल सुरक्षा स्थितियाँ भारत के लिए गंभीर चिंता का मुद्दा हैं। भारत विरोधी तत्व नेपाल की दीर्घकालीन राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर प्रशासन का लाभ उठाते हैं।

हाल के वर्षों में तकनीकी, परमाणु हथियार एवं वैश्वीकरण के दौर में हिमालय की एक प्राकृतिक सीमा के रूप में कम प्रासंगिकता रह गई है। चीन ने किंगई-तिब्बत रेलवे लाइन का ल्हासा तक विस्तार कर हिमालय के प्राकृतिक बाँध के मिथक को ध्वस्त कर दिया है। चीन के इस रेलवे लाइन का विस्तार नेपाल तथा दक्षिण एशिया के पृष्ठ प्रदेशों तक करने की भविष्यगामी योजना है। उत्तर साम्राज्यवादी काल में अब नेपाल, भारत व चीन के मध्य संक्रमण क्षेत्र व बफर जोन न रहकर अपने आर्थिक विकास में पड़ोसियों की सहायता चाहता है। इसके अलावा नेपाल विभिन्न कारणों से भारत के लिए रणनीतिक महत्व रखता है।

नेपाल दक्षिण एशिया का एकमात्रा देश है जिसके नागरिकों को भारत में अपने नागरिकों की तरह देखा जाता है। यह भारत की उत्तरी सीमा से भौगोलिक समानता रखता है। इसलिए भारत का केन्द्रीय भाग चीन से विवाद के समय आ-मण के प्रति अधिक असुरक्षित होता है। चीनी सेना बिना किसी अधिक प्रतिरोध के नेपाल में हिमालयन बांध के लिए समझौता वार्ता कर सकती हैं तथा इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व के ऊँचें पर्वतीय क्षेत्रों को अर्जित कर उसका लाभ ले सकती है। भारत व चीन के मध्य रासुवागधी-काठमांडू-वीरगंज रोड सबसे नजदीकी सड़क है जिसके द्वारा भारतीय सीमा तक तीव्रता से पहुँचा जा सकता है। चीन अपनी सड़क अवसंरचना के विकास द्वारा नेपाल की आधरभूत सामग्री, गैस पेट्रोलियम प्रदान करने की स्थिति में होगा जो भारत की सुरक्षा चिंता को बढ़ाने वाला होगा।

भारत में बहने वाली अनेक नदियों का उद्गम स्रोत नेपाल में है जो समय समय पर भारत में बाढ़ की स्थिति को भयावह करती है। ऐसे में ऐसी नदियों के जल आंकड़ों का एक दूसरे को आदान प्रदान कर तथा जल विद्युत केन्द्रों की स्थापना कर विद्युत उत्पादन का लाभ दोनों देशों को हो सकता है।

द्विपक्षीय संबंध

भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंध को निम्नलिखित तीन भागों में देखा जा सकता है:-

1. भारत-नेपाल संबंधः सन् 1947 से 1962 तक

अंग्रेजी शासन काल के दौरान यद्यपि नेपाल औपचारिक रुप से एक स्वतंत्र देश था तथापि नेपाली सरकार तथा नेपाल की राजनीति में ब्रिटिश शासकों का हस्तक्षेप बहुत अधिक था। स्वतंत्र भारत की सरकार साम्राज्यवादी न होते हुए भी सामरिक महत्व के कारण नेपाल की अनदेखी नहीं कर सकती थी। इसके अतिरिक्त चीन की साम्यवादी सरकार तिब्बत पर अपने अधिकर तथा अमेरिका, नेपाल तथा चीन के मध्य संबंधों में रुचि लेने लगा। इस प्रकार नेपाल में बड़ी अंतर्राष्ट्रीय शक्तियों के बीच टकराव उत्पन्न होने की स्थिति उत्पन्न हो गई और ऐसा प्रतीत होने लगा कि नेपाल शीत युद्ध का ज्वलंत क्षेत्र बन जाएगा। अपनी सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारत सरकार ऐसी स्थिति में नेपाल की राजनीति से अलग नहीं रह सकती थी। अतएव शुरुआत से ही भारत सरकार ने नेपाल की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने की नीति अपनाई। परिणामस्वरुप **31 जुलाई 1950** को दोनों देशों (भारत-नेपाल) के मध्य **शांति और मैत्री संधि** हुई, परंतु इसी बीच नेपाल में घटित घटनाओं के कारण भारत सरकार और नेपाल की सरकार के संबंधों में विवाद उत्पन्न हो गया।

31 जुलाई, 1950 को नेपाल की राजधनी काठमाण्डू में नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर राणा तथा भारत के राजदूत चन्द्रशेखर नारायण सिंह ने दोनों देशों की सरकारों तथा नेपाल के महाराजा एवं सेनापति के अनुमोदन के बाद इस **दस अनुच्छेद वाले संधि पत्र** पर हस्ताक्षर किये थे।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

- **प्रथम अनुच्छेदः** भारत-नेपाल के प्राचीन सम्बंधें के आधर पर दोनों देशों में चिरकालीन शान्ति एवं मैत्री बनाए रखने तथा एक-दूसरे की संप्रभुता, अखण्डता एवं स्वतंत्रता को पूर्ण सम्मान देने की बात कही गई है।
- **दूसरे अनुच्छेदः** पड़ोसी राज्यों के कारण या किसी और कारण से कोई भी गहरे मतभेद उत्पन्न होने पर, जिससे आपसी सम्बंधें पर बुरा असर पड़ता हो, आपस में सूचित करने का प्रावधन है।
- **तीसरा अनुच्छेदः** आपसी कूटनीतिक संबंध स्थापित करने के बारे में है, जिनका उल्लेख अनुच्छेद-1 में किया गया है। इन कूटनीतिक संबंधों को जारी रखने के लिए दोनों देशों में मानव संसाधन (कार्य करने वाले व्यक्ति) की नियुक्ति की जाएगी। इन प्रतिनिधियों तथा उनके अधीनस्थों को पारस्परिक आधर पर अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार यही अधिकर, सुविधाएँ और छूट मिलेगी, जो ऐसे ही अन्य किसी देश के समान स्तर के दूतावास कर्मियों को मिलती है।
- **चौथा अनुच्छेदः** वाणिज्य दूतों की नियुक्ति से सम्बंधित है। ये दूत दोनों देशों की आपसी सहमति से शहरों, बंदरगाहों तथा अन्य स्थानों पर एक-दूसरे के क्षेत्रों में रह सकते हैं। इन दूतों के पास अपनी नियुक्ति का वैध प्रमाण होना चाहिए, आवश्यक होने पर सभी देश इसे वापस भी ले सकता है। जहां आवश्यक समझा जाएगा वहां इसके कारण का उल्लेख भी होगा। इन वाणिज्य दूतों को पारस्परिक रूप से वही अधिकार, सुविधएँ और छूट मिलेगी जो ऐसे ही अन्य किसी देश के समान स्तर के दूतों को मिलती हैं।
- **पांचवां अनुच्छेदः** नेपाल की सुरक्षा से सम्बंधित है। इसमें नेपाल अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक सैनिक, हथियार, गोला-बारूद, युद्ध सम्बन्धी साजो-सामान, भारत या भारतीय क्षेत्र से होते हुए निर्यात करने के लिए स्वतंत्रा है। परन्तु ऐसा करते समय उसे भारत से विचार-विमर्श करना होगा।
- **छठा अनुच्छेदः** दोनों देशों को पड़ोसी मित्रता के प्रतीक स्वरूप एक-दूसरे के नागरिकों को अपने सीमा क्षेत्र में उद्योग एवं आर्थिक विकास में समान नागरिक व्यवहार प्रदान करते हुए भागीदारी, कुछ छूट तथा अधिकर प्रदान करना है।
- **सातवां अनुच्छेदः** यह प्रावधन करता है कि दोनों देश अपने देश में एक-दूसरे के नागरिकों को रहने के अधिकार, सम्पत्ति का स्वामित्व, व्यापार-वाणिज्य में सहभागिता तथा एक-दूसरे देश में आने-जाने की समान सुविधा प्रदान करेंगे।
- **आठवां अनुच्छेदः** इसके अनुसार, इस संधि के लागू होते ही पुरानी संधि व समझौते स्वतः ही निरस्त हो जाएंगे जो भारत की ओर से तत्कालीन ब्रिटिश सरकार और नेपाल सरकार के बीच हुए थे।
- **नौवां अनुच्छेदः** इसके अनुसार हस्ताक्षर के दिन से यह संधि लागू मानी जाएगी।
- **दसवां अनुच्छेदः** यह प्रावधन है कि दोनों देशों में से कोई भी देश इस संधि से हट सकता है, लेकिन इसके लिए उसे एक वर्ष पूर्व इस विषय में सूचना देनी होगी।

इस संधि में **दो अन्य महत्त्वपूर्ण प्रावधन** भी थे। **यह व्यवस्था की गई कि किसी भी तीसरे देश से आयात की जाने वाली सभी वस्तुओं पर भारत और नेपाल दोनों में कर की दरें एक समान होंगी। दूसरा प्रावधन यह किया गया कि जिन वस्तुओं का उत्पादन नेपाल में होगा और जिन्हें भारत निर्यात किया जाएगा, उन पर नेपाल उतना निर्यात शुल्क वसूल करेगा जिससे भारत में 'बिक्री' के समय इन वस्तुओं का मूल्य भारत में उत्पादित वस्तुओं के मूल्य से कम न हो**। इस प्रकार भारत द्वारा नेपाल की आर्थिक सहायता करने के साथ भारत-नेपाल संबंध आगे बढ़े।

जवाहर लाल नेहरू का प्रयास था कि नेपाल को स्वतंत्रता और संप्रभुता के सभी अवयव उपलब्ध् हों। यहाँ तक कि नेपाल में राणा शासन के विरुद्ध चले लोकतांत्रिक आंदोलन के प्रति भी भारत ने सतर्कता की नीति अपनाई थी। 1953-54 में अनेक कारणों से भारत के प्रति नेपाली जनता का आक्रोश उभरकर सामने आया। वहाँ के लोगों को यह भ्रम हुआ कि भारत उसके आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है।

चीन, नेपाल में सन् 1955 से सक्रिय होने लगा। 1955 में नेपाल एवं चीन के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए। उसी वर्ष नेपाल-चीन शांति एवं मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किये गए। जनवरी 1957 में चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन-लाई नेपाल आए। अपने भाषणों में उन्होंने नेपाल की स्वतन्त्राता और सार्वभौमिकता को अक्षुण्ण रखने में यथाशक्ति सहायता का आश्वासन इस रूप में दिया जिससे प्रतीत हुआ कि नेपाल

BihariNaman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

की स्वतन्त्राता को भारत से खतरा है। नेपाल का चीन की ओर अत्यधिक झुकाव होना एवं भारत से दूर हटना स्वाभाविक था। 1959 में नेपाल के प्रधानमंत्री कोइराला ने चीन की यात्रा की और चाऊ एन–लाई को पुनः नेपाल आने के लिए आमन्त्रित किया। 28 अप्रैल, 1960 को चीन एवं नेपाल के मध्य एवरेस्ट पर्वत शिखर से सम्बंधित एक समझौता भी हुआ जिसकी भारत ने कड़ी आलोचना की।

कोइराला सरकार को कुछ ही समय बाद बर्खास्त कर दिया गया और नेपाली कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया किन्तु इनमें से कुछ व्यक्ति भागकर भारत चले आए और यहीं से नेपाल में जन–आंदोलन को संचालित तथा सपफल बनाने का प्रयास करने लगे। नेपाल में सामान्य तौर पर यह समझा गया कि भारत द्वारा नेपाल नरेश विरोधी कार्य को प्रश्रय दिया जा रहा है। इससे दोनों देशों के आपसी सम्बन्धें में कटुता आ गई जो 1961 तक देखने को मिली। भारत की अनेक चेतावनियों को अनसुनी करके महाराजा महेन्द्र ने काठमाण्डू–ल्हासा मार्ग बनाने के संबंध में चीन से समझौता करके भारत के लिए संकट उत्पन्न कर दिया।

2. भारत–नेपाल संबंधः सन् 1962 से 1977 तक

यद्यपि 1962 में नेपाल, भारत–चीन युद्ध में तटस्थ शरूर रहा किन्तु चीनी आक्रमण से वह चौकन्ना अवश्य हो गया। चीनी आक्रमण के बाद भारत के लिए नेपाल में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना और भी आवश्यक हो गया। तत्कालीन भारतीय गृहमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने नेपाल की यात्रा की और अपनी सरल सौम्य नीति से नेपाल के अनेक सन्देह भी दूर कर दिए। इसके बाद ही नेपाल नरेश 13 दिन की भारत यात्रा पर आए एवं भारतीय राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी नेपाल की यात्रा की। इस समय नेपाल सरकार ने आश्वस्त किया कि नेपाल के मार्ग से भारत पर कोई भी आक्रमण नहीं होगा।

अगस्त 1964 में भारत के विदेश मंत्री सरदार स्वर्ण सिंह ने नेपाल की यात्रा की। इस समय नेपाल और भारत के मध्य एक समझौता हुआ। इस समझौते के अनुसार भारत द्वारा नेपाल में सीमावर्ती कस्बे सुगौली और मध्यपूर्व नेपाल में अखोरा घाटी के बीच सड़क का निर्माण किया जाना था। काठमाण्डू से लेकर भारतीय सीमा में रक्सौल को जोड़ने वाली एक अन्य सड़क योजना भी बनी। साथ ही कोसी योजना भी बनी और कोसी योजना पूर्ण करने का निर्णय भी किया गया। कोसी योजना का उद्देश्य नेपाल को बाढ़ से बचाने के साथ ही बिजली आपूर्ति तथा सिंचाई सुविध प्राप्त करना था। नरेश ने स्वीकार किया कि भारत की सहायता से नेपाल में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति संतोषजनक है। भारतीय प्रधानमंत्री ने विश्वास दिलाया कि नेपाल की पंचवर्षीय योजना में भारत हर संभव तकनीकी और आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा।

अक्टूबर 1966 में श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने नेपाल की यात्रा की। उन्होंने नेपाल के विकास कार्य–मों हेतु सहायता देने में भारत की ओर से उदारता दिखाई। सिक्किम के भारत में विलय की घटना से भी नेपाल में प्रतिक्रिया हुई किन्तु भारत ने कहा कि नेपाल और सिक्किम की स्थिति भिन्न है। अक्टूबर 1975 में जब महाराजा वीरेन्द्र भारत आए तो भारत ने नेपाल को आश्वासन दिया कि वह नेपाल की पंचवर्षीय योजनाओं में भरपूर सहायता देगा।

नेपाल के विकास में सबसे अधिक धन भारत का ही लगा हुआ है। नेपाल को भारत से हर तरह का प्रशिक्षण भी मिलता है। कोलम्बो योजना के अन्तर्गत भी भारत ने अनेक नेपाली नागरिकों को प्रशिक्षित किया है। **भारत ने नेपाल की जिन परियोजनाओं के लिए सहायता दी है, उनमें प्रमुख हैं- करनाली, पंचेश्वर जल विद्युत परियोजनाएँ, त्रिभुवन गणपथ, काठमाण्डू–त्रिशूली मार्ग, त्रिभुवन हवाई अड्डा, रक्सौल टेलीपफोन संयंत्र, कोसी और गंडक परियोजना, बीरगंज–हितौदा रेल मार्ग और काठमाण्डू घाटी के पाटन में एक औद्योगिक बस्ती की स्थापना।**

3. भारत–नेपाल संबंधः 1977 के बाद

भारत के लोकसभा चुनावों में श्रीमती इन्दिरा गाँधी और उनकी पार्टी की पराजय के पश्चात् 1977 में श्री मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई। जनता सरकार ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण एवं मधुर संबंध विकसित करने पर बल दिया। विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पुराने मतभेदों को भुला कर मित्रता पर आधरित संबंधों का आह्वान किया। भारत अपने राष्ट्रीय हितों का बलिदान किये बिना पड़ोसी देशों के विकास में अपनी भागीदारी करना चाहता था। देसाई सरकार ने भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंधों पर बल दिया। प्रधानमंत्री देसाई के नेपाल यात्रा से तत्कालीन समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ। देसाई की यात्रा के अन्तिम चरण में दो व्यापार समझौते किये गए। अप्रैल 1978 में नेपाल के प्रधानमंत्री कीर्तिनिधि बिष्ट ने स्वीकार किया

Bhai Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कि भारत-नेपाल संबंध कभी उतने मधुर नहीं रहे जितने उस समय थे। जब नेपाल में लोकतान्त्रिक आन्दोलन ने जोर पकड़ा तब भारत ने न तो उस पर कोई टिप्पणी की न उससे सम्बंधित कोई कदम ही उठाया।

नेपाल के साथ संबंधों को 1980 में श्रीमती गांधी के पुन: सत्ता में आने पर और भी सुदृढ़ किया गया। नेपाल नरेश वीरेन्द्र 1981 में भारत की राजकीय यात्रा पर आए। उसके बाद राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी ने उसी वर्ष नेपाल की राजकीय यात्रा की। एक बार फिर महाराजा वीरेन्द्र ने नेपाल को **'शान्ति क्षेत्र'** घोषित करने की प्रार्थना की परन्तु भारत ने अपनी उस नीति पर बल दिया जिसके अनुसार पूरे भारतीय-उपमहाद्वीप को और यदि सम्भव हो तो सम्पूर्ण दक्षिण एशिया को शान्ति का क्षेत्र घोषित किया जाए। नेपाल का पड़ोसी और एक बड़ी शक्ति होने के नाते चीन, नेपाल के मामलों में गम्भीर रुचि लेता रहा है। जब कभी भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंधों में कोई तनाव उत्पन्न हुआ, चीन सदा ही उसको तूल देकर दोनों के बीच दूरी बढ़ाना चाहता था फिर भी भारत-नेपाल का प्रमुख व्यापारिक भागीदार बना रहा। सन् 1984-85 में नेपाल के कुल आयात-निर्यात का 52 प्रतिशत भारत के साथ था। भारत में बनी अधिकतर वे वस्तुएँ जिनकी नेपाल को आवश्यकता होती थी, बिना किसी कठिनाई के नेपाल को उपलब्ध करा दी जाती थी।

भारत और नेपाल दोनों ही 1985 में **दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क)** के संस्थापक सदस्यों के रूप में इसमें शामिल हुए। इससे व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्रों में भारत नेपाल सहयोग का विकास हुआ। सन् 1996 में सभी सदस्य देशों ने उन वस्तुओं की सूची सार्क को सौंप दी जिनको वे परस्पर व्यापार में सम्मिलित करवाना चाहते थे। 1997 के माले (मालदीव) सार्क शिखर सम्मेलन में दक्षिण एशिया को 2001 ई. तक मुक्त व्यापार क्षेत्र घोषित करने का निर्णय लिए जाने से क्षेत्र के सभी देशों में व्यापारिक अवसर बढ़ने की सम्भावना प्रबल हो गई।

1989 में व्यापार और पारगमन संधि की अवधि समाप्त होने से एक बार फिर द्विपक्षीय संबंधों में तनाव बढ़ता दिखाई दिया था। उस समय नेपाली कांग्रेस गम्भीर रूप से बहुदलीय लोकतान्त्रिक आन्दोलन में सक्रिय था। 1990 में आन्दोलन की सफलता के पश्चात नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की स्थापना हुई जिसे महाराजा वीरेन्द्र ने स्वीकार किया और राजतन्त्र का रूप बदलकर संवैधानिक राजतन्त्र हो गया, तो स्वाभाविक रूप से परिस्थिति में परिवर्तन आया। भारत नेपाल संबंध पुन: मधुर होने लगे।

दिसम्बर 1989 में भारत के प्रधानमंत्री का पद संभालते ही **श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह** ने भारत-नेपाल संबंधों को और भी दृढ़ बनाने की नीति अपनाई। दिसम्बर 1991 में नेपाली प्रधानमंत्री **जी. पी. कोइराला** ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री **नरसिंह राव** से वार्ता की। भारत को इस बात से चिन्ता होती थी कि नेपाल प्राय: चीन और भारत के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने का प्रयास करता रहा है। सामान्यतया नेपाल का झुकाव चीन के पक्ष में हो जाता था। प्रधानमंत्री कोइराला ने भारत को विश्वास दिलाया कि नेपाल अब अपनी सुरक्षा व्यवस्था के लिए चीन पर निर्भर नहीं रहेगा। सन् 1995 में नेपाली प्रधानमंत्री मनमोहन अधिकारी ने भारत की यात्रा की। अप्रैल 1995 में प्रधानमंत्री राव ने श्री अधिकरी को बताया कि भारत, कलकत्ता के अतिरिक्त मुम्बई और काण्डला में भी नेपाल को बन्दरगाह की सुविध प्रदान करेगा। इसी बीच नेपाल 1950 की मैत्री संधि में कुछ संशोधन करवाने की मांग कर रहा था। उदाहरण के लिए, नेपाल यह चाहता था कि दोनों देशों के **'नागरिक बसाव'** के विषय में पारस्परिकता के प्रावधान को समाप्त कर दिया जाए। नेपाल का तर्क है कि एक विशाल देश होने के कारण भारत में बसे नेपालियों को भारत सरलता से अपने में सम्मिलित कर सकता है। परन्तु नेपाल के लिए वहाँ बसे भारतवासियों को अपने में मिला पाना सम्भव नहीं है जिसे भारत नहीं मानता। 1989-90 में उत्पन्न अस्थायी तनाव 1991 तक समाप्त हो गया था और भारत नेपाल संबंध सामान्य हो गए थे।

फरवरी 1996 में नेपाली प्रधानमंत्री देउबा की भारत यात्रा के दौरान महाकाली नदी योजना के संबंध में एक संधि पर हस्ताक्षर किये गए। इस प्रकार नेपाल और भारत के बीच एक सुदृढ़ रूपरेखा तैयार की गई है जिससे दोनों देशों की जनता परस्पर लाभ के लिए मिलकर काम कर सके। 1990 के जन आंदोलन के फलस्वरूप नेपाल में बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र की स्थापना हुई फिर भी इससे शांति एवं स्थिरता की स्थापना नहीं हो सकी। 2006 के दूसरे जन आंदोलन को एक अद्वितीय घटना माना जा सकता है जिसने ऐसी शक्तियों को आगे बढ़ाया जो नेपाल में नई शुरूआत की इच्छुक थी। नेपाल के अंदर और बाहर के सभी लोगों की यह अपेक्षा थी कि 2008 के संविधान सभा चुनावों के पश्चात् देश में शांति एवं स्थिरता आएगी लेकिन इस आशा को हाल के समय में चोट पहुँची है। न केवल शांति प्रक्रिया और संविधान लेखन अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे है बल्कि भारत नेपाल संबंधों के लिए भी यह समय काफी चुनौतीपूर्ण है।

Bhanu Pratap GS Institute for UPSC & BPSC), Patna

नेपाल के निरंतर बदलते हुए हालात विशेष तौर पर 2008 के संविधान सभा चुनावों के बाद पर अपनी प्रतिक्रिया देना भारतीय विदेश नीति के लिए हमेशा ही एक चुनौती रहा है। दुर्भाग्यवश, नेपाल में जो अस्थिरता और अनिश्चितता थी वह आंतरिक एवं बाह्य दोनों कारणों से था जिससे 2006 के लोकतांत्रिक आंदोलन के लाभ निरर्थक हो गए थे।

संविधान सभा चुनावों के बाद नेपाल की घटनाओं ने जिस तरह का मोड़ लिया उसके परिणामस्वरूप भारतीय विदेश नीति के समक्ष निम्नलिखित महत्वपूर्ण चुनौतियों की चर्चा की जा सकती है:-

- विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच और उनके स्वयं के भीतर टकराव की राजनीति जिसके परिणामस्वरूप नेपाल में अस्थिरता का पैदा होना।
- नए राजनीतिक नेतृत्व की विदेश नीति से सम्बंधित नई सोच।
- विशेष तौर पर दक्षिण नेपाल में कानून एवं व्यवस्था की समस्या।
- नेपाल के आंतरिक मामलों में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की बढ़ती भूमिका।

संविधान सभा चुनाव के बाद निरंतर जारी अस्थिरता ने इन चिंताओं को और अधिक बढ़ा दिया है। हालांकि नेपाल यह कहता रहा है कि नेपाल के माओवादियों और भारत में मौजूद ऐसे ही तत्वों के बीच कोई संबंध नहीं है लेकिन भारत में जिस तरह के वापमंथी अतिवाद का खतरा बढ़ता जा रहा है और नेपाल में अस्थिरता जारी है उसे देखते हुए भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता है।

वर्तमान पहलू

भारत के प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** ने अगस्त 2014 में नेपाल की आधिकारिक यात्रा की। पिछले 17 वर्षों में नेपाल की आधिकारिक यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की संसद को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय नेपाल यात्रा में दोनों देशों ने **'भारत नेपाल 1950 की द्विपक्षीय शांति मैत्री की संधि'** की समीक्षा पर सहमति जताई। दोनों देश 1950 की भारत नेपाल शांति मैत्री संधि और अन्य द्विपक्षीय समझौतों की समीक्षा, समायोजन व उन्हें अद्यतन करने पर सहमत हुए। संधि की समीक्षा की मांग नेपाल की ओर से उठाई गई थी। इस संधि के दो पक्ष है एक में भारत के हित और उसकी सुरक्षा का ध्यान रखा गया है और दूसरा पहलू नेपाल के हितों का है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान नेपाल को यह आश्वासन दिया कि भारत 1950 की संधि के ऐसे किसी भी पहलू की समीक्षा करने को तैयार है जो नेपाल में चिंता उत्पन्न करता हो।

मैत्री संधि के वर्तमान प्रावधानों के तहत नेपाल के नागरिकों को भारत में ऐसी सुविधाएं प्राप्त है जो किसी अन्य देश के नागरिक को नहीं है। वे भारत में नागरिकों के सामान सुविधाएं और अवसर पाते है। **वर्तमान में भारत-नेपाल के मध्य द्विपक्षीय व्यापार लगभग 7 बिलियन अमेरिकी का डॉलर है। नेपाल के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में भारत का हिस्सा 33% से अधिक है। भारत में लगभग 7 मिलियन नेपाली नागरिक कार्यरत है तथा वार्षिक आधर पर 6200 नेपाली छात्रों को छात्रावृत्ति दी जा रही है। भारत ने नेपाल में गलगंड नामक बीमारी से निजात दिलाने के लिए गलगंड परियोजना शुरू किया था। नेपाल में 1985 में गलगंड की घटना 44% भी किंतु योजना के सुचारू संचालन से यह घटकर 0.2% रह गई है। नेपाल के सभी पर्यटकों में 28% पर्यटक भारत से हैं तथा लगभग 40% पर्यटक भारत से होते हुए नेपाल जाते हैं।**

2020 में नेपाल और दक्षिण एशिया में भारत की पारंपरिक बढ़त का मुकाबला करने के उद्देश्य से चीन ने आक्रमकता दिखाई थी। इसी के अंतर्गत चीन की भू-रणनीतिक, आर्थिक और बुनियादी ढांचों के निर्माण से संबंधित पहल में नेपाल के नाजुक लोकतंत्र को प्रलोभन दिया गया था। लेकिन भारत के गलत नक्शे को जारी करने से कुछ गलतफहमिया पैदा हो गई थी। अपनी घरेलू राजनीतिक कलह के बीच में ही नेपाल के विदेश मंत्री ने 2020 में भारत-नेपाल के संयुक्त आयोग की बैठक में भाग लिया था जिसमें दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को बढ़ावा देने की दिशा में निम्न प्रयास किये गए-

- कोविड-19 महामारी से संबंधित आपसी सहयोग के लिए अनेक द्विपक्षीय पहल की गई। भारत ने नेपाल को प्राथमिकता पर वैक्सीन उपलब्ध कराया था।

Bihar Nama GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- विकास के क्षेत्र में मोतीहारी–अमलेखगंज पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन का चितवन तक विस्तार करने और सिलगुड़ी से झापा के लिए नई पाइपलाइन के निर्माण पर चर्चा की गई। अब इसपर काम भी शुरू हो गया हैं।
- भारत और नेपाल के बीच पहली अपग्रेडेड पैसेंजर रेलवे लाइन शुरू हो गयी हैं।
- दोनों देशों के बीच लोगों और वस्तुओं के सीमापार आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में सहयोग हेतु तीसरे चौक पोस्ट जोगबनी को शुरू किया गया है। एक नए एकीकृत चेकपोस्ट का निर्माण कार्य जल्द ही प्रारंभ होने वाला है। चूंकि नेपाल अपने व्यापार–व्यवसाय के लिए भारत के बंदरगाहों पर भरोसा करता रहा है, अतः ये चेकपोस्ट बहुत महत्व रखते हैं।
- दोनों देशों के बीच संयुक्त हाइड्रोपावर परियोजना शुरू की जाएगी।
- भारत ने नेपाल की दो प्रमुख सांस्कृतिक विरासत के जीर्णोद्धार के लिए वित्त दिया है।

भारत–नेपाल सम्बन्ध में तनाव के मुख्य बिंदु

- नेपाल में एक वर्ग विशेषकर माओवादी यह भ्रांति रखते हैं कि 1950 की संधि के कुछ प्रावधन नेपाल की सम्प्रभुता कम करते हैं।
- नेपाल में भारत की चिंता माओवादियों के कारण है। उन्होंने भारतीय माओवादियों से संबंध बना रखे हैं। माओवादी समस्या को भारतीय प्रधानमंत्री ने भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। यद्यपि नेपाली माओवादी राजनीति की मुख्यधरा में शामिल हो गए हैं परन्तु उन्होंने हिंसा के रास्ते को पूरी तरह से नहीं छोड़ा है तथा अभी भी भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं। यंग कम्युनिस्ट लीग नामक संगठन ने कुछ दिनों पहले भारतीय वाहनों को नेपाल में जाने से रोक दिया था। इसके अलावा कुछ माओवादी समूहों ने भारतीय राजनयिकों पर भी हमला किया था।
- नेपाल के बहुत से लोगों में यह भावना व्याप्त थी कि भारत नेपाल के राजा का समर्थन कर रहा था और अपनी **'दो स्तम्भ'** की नीति का पालन कर रहा था जिसके तहत वह नेपाल में संवैधनिक राजा एवं लोकतंत्र दोनों चाहता था।
- नेपाल के कुछ समूहों द्वारा यह आरोप लगाया जा रहा है कि भारत के दक्षिणपंथी विचारधरा के लोग तराई क्षेत्र में विवाद पैदा कर रहे हैं।
- नेपाल में पाकिस्तानी गुप्तचर संस्था आईएसआई की बढ़ती गतिविधियों से भी भारत की चिंता बढ़ी है। आईएसआई जाली भारतीय नोटों का निर्माण, उसका प्रसार तथा अन्य अवैध गतिविधियों हेतु नेपाल का उपयोग करती रही है।
- नेपाल में किसी भी तरह का आंतरिक संकट उत्पन्न होने पर भारत में नेपालियों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है क्योंकि भारत–नेपाल सीमा आसानी से पार की जा सकती है।

अन्य साझा चुनौतियाँ

- **खुला सीमा का दुरुपयोगः** सशस्त्र बल और संगठित अपराधी सिंडीकेट सीमा क्षेत्रों में दोनों देशों की मुख्य सुरक्षा चिन्ताओं को बढ़ाता है। अनियन्त्रित सीमा की उपस्थिति इन समूहों को सीमा पार करने तथा इसके ईर्द–गिर्द बिना किसी भय के अपनी गतिविधियाँ बढ़ाने में सहायता करती है।
- **आतंकी घुसपैठ व विद्रोहः** हाल के वर्षो में नेपाल आतंकवादियों, मापिफयों तथा भारत विरोधी तत्वों (जो आई. एस. आई. द्वारा प्रायोजित होते हैं) के लिए एक स्वर्ग की तरह है। आई. एस. आई. एजेन्ट काठमांडू–दिल्ली बस सेवा का उपयोग भारत में प्रवेश करने के लिए करते हैं। नेपाली सीमा के निकट बड़ी मात्रा में मदरसों की उपस्थिति भारतीय सुरक्षा चिन्ताओं को बढ़ाती है।
- **गैर कानूनी व्यापारः** भारत नेपाल की सीमा जाली करेन्सी, छोटे हथियार, नशीली दवाओं तथा मानव दुर्व्यापार के लिए एक प्रमुख केन्द्र के रूप में चिन्हित हैं। भारत व नेपाल दोनों को खुली सीमा से होने वाले अवैध व्यापार के कारण राजस्व की हानि होती है। इसके अलावा नेपाली व्यापारियों द्वारा किसी तीसरे देश से वस्तुओं का भारतीय सीमा के द्वारा आयात किया जाता है। यह भारत के लिए एक अलग मुद्दा है जो उसके आर्थिक हितों को प्रभावित करता है। सोना, चीनी, चावल, मोटर पार्ट्स तथा उर्वरक भारत से स्मगलिंग के द्वारा नेपाल पहुँचाए जाते हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Darpan

- **कालापानी सीमा विवाद:** कालापानी वह स्थान है जो भारत, चीन और नेपाल के ट्राईसेक्शन के समीप है। मिलिट्री स्ट्रेरेजी के दृष्टिकोण से यह स्थान तीनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वर्ष 1992 में भारत-चीन युद्ध के समय इंडो-तिब्बत सीमा सुरक्षा बल ने कालापानी में एक मिलिट्री पोस्ट का निर्माण किया था इस पोस्ट पर चीनी सेवा ने हमले नहीं किए थे क्योंकि यहाँ पर भारतीय सेना अधिक ऊंचाई पर तैनात थी। इसी कारण यहाँ पर आज भी भारतीय सेना तैनात है किन्तु इसे एक विवादित स्थान के रूप में देखा जाता है।

भारत-नेपाल के बीच मधुर होते संबंध

- भारत सरकार के आयुष मंत्रीलय एवं नेपाल सरकार के स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय के बीच परंपरागत चिकित्सा प्रणाली सहयोग संबंधी समझौते में परम्परागत चिकित्सा प्रणालियों तथा औषधीय पौधें के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को समानता और आपसी लाभ के आधर पर मजबूत बनाने व बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है।
- भारत व नेपाल सरकार के मध्य पर्यटन के क्षेत्रों में भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ है। इस समझौते में पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के हितधरकों के बीच सहयोग और प्रत्यक्ष संप्रेषण को बढ़ावा देना, पर्यटन से सम्बंधित सूचना और डाटा का आदान प्रदान करना सम्मिलित है।
- युवा मामलों के लिए सहयोग के संबंध में भारत व नेपाल के मध्य समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच युवाओं जैसे-युवा राजनेताओं, उद्यमियों, डॉक्टर, पत्रकारों, शिक्षकों तथा युवा को सुसाध्य बनाना है।
- भारती सरकार द्वारा नेपाल सेना को एक उन्नत हल्का हेलीकॉप्टर **ध्रुव मार्क** उपलब्ध कराया गया है। नेपाल सेना की ओर से इसके लिए लंबे समय से अनुरोध किया गया था।
- मोटर वाहन करार संबंधी समझौता ज्ञापन तथा काठमांडू दिल्ली बस सेवा **'पशुपतिनाथ एक्सप्रेस'** की शुरूआत की गई है।
- भारत सरकार द्वारा नेपाल में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी का निर्माण किया गया है।
- काठमांडू-वाराणसी, जनकपुर-अयोध्या और लुम्बिनी बोधगया को सिस्टर सिटीज के रूप में जोड़ने की व्यवस्था संबंधी समझौता के तहत भारत-नेपाल **मैत्री बस** सेवा की शुरूआत हो चुकी है।
- नेपाल के सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण में भारत द्वारा दी सहायता दी जा रही हैं।
- वर्ष 2016 में स्थापित निगरानी तंत्र के कार्यान्वयन तथा द्विपक्षीय आर्थिक विकास सहयोग के अंतर्गत चल रही सभी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई गयी हैं।
- 3 नवम्बर 2023 को नेपाल में आए 6.4 तीव्रता के भूकंप से नेपाल में बहुत अधिक जान-माल की क्षति हुई है। भारत ने **'पड़ोसी पहले'** नीति पर कम करते हुए नेपाल को 160 मिलियन नेपाली रूपये की राहत सहायता उपलब्ध कराई है जिसमें दवाइयां तथा खाद्य सामग्री शामिल है।
- दोनों देशों के बीच नेपाल में सड़को तथा विद्युत अवसंरचना के विकास के लिए 100 मिलियन यू एस डॉलर तथा 250 मिलियन यू एस डॉलर के दो लाइन ऑफ क्रेडिट पर सहमति बनी हैं।
- नेपाल के हेतौदा में भारत द्वारा 'नेपाल-भारत मैत्री पॉलिटेक्निक' कॉलेज का निर्माण किया गया है।
- दोनों देशों के बीच काठमांडू-वाराणसी, महेन्द्र नगर-नई दिल्ली और पोखरा-नई दिल्ली के बीच बस सेवाएं प्रचालित की जा रही है। हाल ही में एक विशेष कार्यक्रम में भारत-नेपाल के मध्य निम्नलिखित दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया:
- 50,000 घरों के पुनर्निर्माण को सहायता प्रदान करने के लिए भारत के आवासीय अनुदान अवयव के उपयोग हेतु कार्य-रीतियों पर समझौता-ज्ञापन।
- नेपाल के शैक्षणिक क्षेत्रों में भारत के भूकंप-उपरांत पुननिर्माण पैकेज के अनुदान अवयव के क्रियान्वयन पर समझौता ज्ञापन।

BharNama GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- नेपाल के सांस्कृतिक विरासत क्षेत्रों में भारत के भूकंप-उपरांत पुनर्निर्माण पैकेज के अनुदान अवयव के क्रियान्वयन पर समझौता ज्ञापन।
- नेपाल के स्वास्थ्य क्षेत्रों में भारत के भूकंप-उपरांत पुनर्निर्माण के अनुदान अवयन के क्रियान्वयन पर समझौता ज्ञापन।
- भारत के चार्टर्ड एकांउटेंट इंस्टीट्यूट तथा नेपाल के चार्टर्ड एकाउंटेंड इंस्टीट्यूट के बीच समझौता ज्ञापन।
- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के बीच बौद्ध अध्ययन के लिए डॉ अंबेडकर पीठ की स्थापना पर समझौता ज्ञापन।
- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और सीएनएएस, त्रिभुवन विश्वविद्यालय के बीच भारतीय अध्ययन की आईसीसीआर पीठ की स्थापना पर समझौता ज्ञापन।
- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और काठमांडू विश्वविद्यालय के बीच भारतीय अध्ययन के आईसीसीआर चेयर की स्थापना पर समझौता ज्ञापन।
- काठमांडू विश्वविद्यालय नेपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (भारत) के बीच सहयोग से समझौता ज्ञापन।
- काठमांडू विश्वविद्यालय नेपाल और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के बीच संयुक्त डिग्री के कार्यक्रम हेतु समझौता ज्ञापन।
- अरुण 4 चल जल विद्युत परियोजना के विकास और कार्यान्वयन के लिए एसजेवीएन लिमिटेड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन।

निष्कर्ष

अंत में कहा जा सकता है कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति भारत को नेपाल का एक स्वाभाविक पड़ोसी बनाता है जिसके साथ भौगोलिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा गहरे आर्थिक संबंध है। दोनों देशों के बीच विद्यमान सीमा विवादों, ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं और भ्रम जटिलताओं ने हमेशा ही बातचीत और कूटनीतिक चालाकी की आवश्यकता को रेखांकित किया है। इसके अतिरिक्त वैश्विक दबाव, आर्थिक असंतुलन आदि ने दोनों देशों के बीच कई बार संबंधों को तनावपूर्ण भी कर दिया है। इस स्थिति में एक टेबल पर विचार-विमर्श करके ही आपसी सौहार्द को स्थापित किया जा सकता है जिसके लिए दोनों देश बराबर रूप से जवाबदेह है।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न : 'पड़ोसी फर्स्ट' नीति का पालन करते हुए नेपाल के आर्थिक विकास में भारत ने हर संभव सहायता किया है लेकिन कुछ बिंदुओं पर दोनों देशों के बीच मतभेद अभी भी यथावत है। इस दिशा में भारत सरकार को क्या करना चाहिए जिससे दोनों देशों के बीच मनमुटाव कम हो तथा सांस्कृतिक- आर्थिक सौहार्द बना रहे?

(अंक: 38, शब्द सीमा: 400 से 500)

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

खंड-III DI : पाई चार्ट के प्रश्न और उसके हल

(द्वारा: राजेश कुमार, सिविल सेवा साक्षात्कार में शामिल)

1. निम्नलिखित ग्राफ और तालिका का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें

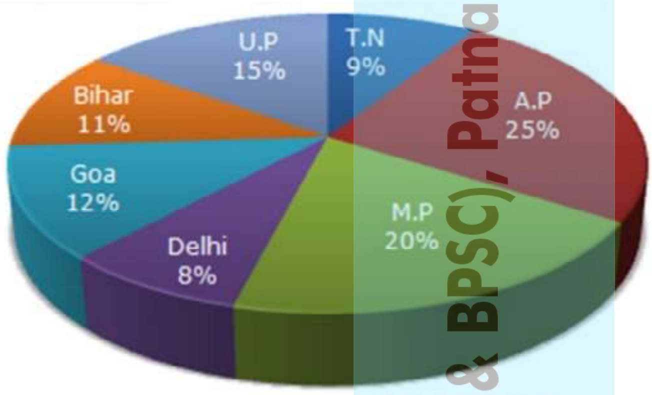

Total population of the given States = 3276000.

States	Sex and Literacy wise Population Ratio			
	Sex		Literacy	
	M	F	Literate	Illiterate
A.P	5	3	2	7
M.P	3	1	1	4
Delhi	2	3	2	1
Goa	3	5	3	2
Bihar	3	4	4	1
U.P.	3	2	7	2
T.N.	3	4	9	4

(i) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गोवा में पुरुषों की कुल संख्या का प्रतिशत एक साथ सभी दिए गए राज्यों की कुल जनसंख्या के लिए कितना होगा?

(ii) A. P. और M.P. में निरक्षर लोगों की कुल संख्या 1998 में कितनी थी?

(iii) तमिलनाडु में महिलाओं की संख्या का अनुपात दिल्ली में महिलाओं की संख्या की कितनी है?

(iv) वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश में पुरुषों की संख्या कितनी थी?

(v) यदि वर्ष 1998 में पिछले वर्ष की तुलना में, यूपी की जनसंख्या में 10% और म.प्र. की जनसंख्या में 12% की वृद्धि हुई थी तो 1997 में यू.पी. और एम.पी. की जनसंख्या का अनुपात क्या था?

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

उत्तर:-

(i) उत्तर प्रदेश में पुरूष संख्या $=\left[\frac{3}{5}\text{ of (15\% of N)}\right]=\frac{3}{5}\times\frac{15}{100}\times N=9\times\frac{N}{100}$

जहाँ N = 3276000

मध्य प्रदेश में पुरूष संख्या $=\left[\frac{3}{4}\text{ of (20\% of N)}\right]=\frac{3}{4}\times\frac{20}{100}\times N=15\times\frac{N}{100}$

गोवा में पुरूष संख्या $=\left[\frac{3}{8}\text{ of (12\% of N)}\right]=\frac{3}{8}\times\frac{12}{100}\times N=4.5\times\frac{N}{100}$

$\therefore$ इन तीनों राज्यों में कुल पुरूष संख्या $=(9+15+4.5)\times\frac{N}{100}$

$$=\left(28.5x\frac{N}{100}\right)$$

$\therefore$ अभीष्ट अनुपात $=\left[\frac{\left(28.5\times\frac{N}{100}\right)}{N}\times 100\right]\%=28.5\%$

(ii) आंध्र प्रदेश में निरक्षर पुरूष संख्या $=\left[\frac{7}{9}\text{ of (25\% of 3276000)}\right]=637000$

मध्य प्रदेश में निरक्षर पुरूष संख्या $=\left[\frac{4}{5}\text{ of (20\% of 3276000)}\right]=524160$

$\therefore$ दोनों राज्यों में कुल निरक्षरों पुरूष संख्या $=(637000+524160)=1161160$

(iii) अभीष्ट अनुपात $=\frac{\frac{4}{7}\text{ of (9\% of 3276000)}}{\frac{3}{5}\text{ of (8\% of 3276000)}}$

$$=\frac{\left(\frac{4}{7}\times 9\right)}{\left(\frac{3}{5}\times 8\right)}=\left(\frac{4}{7}\times 9\times\frac{5}{3}\times\frac{1}{8}\right)=\frac{15}{14}$$

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

(iv) वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश में पुरूष संख्या $= \left[\frac{3}{5} \text{ of } (15\% \text{ of } 3276000)\right] = \frac{3}{5} \times \frac{15}{100} \times 3276000 = 294840$

(v) माना कि वर्ष 1997 में उत्तर प्रदेश में पुरूष संख्या x थी तब,

वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश में पुरूष संख्या $= 110\% \text{ of } x = \frac{110}{100} \times x$

माना कि वर्ष 1997 में मध्य प्रदेश में पुरूष संख्या y थी तब,

वर्ष 1997 में मध्य प्रदेश में पुरूष संख्या $= 112\% \text{ of } y = \frac{112}{100} \times y$

वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की जनसंख्या का अनुपात $= \frac{\left(\frac{110}{100} \times x\right)}{\left(\frac{112}{100} \times y\right)} = \frac{110x}{112y}$

उपर्युक्त पाई चार्ट में, अनुपात $= \frac{15}{20}$

$\therefore \frac{110x}{112y} = \frac{15}{20} \Rightarrow \frac{x}{y} = \frac{15}{20} \times \frac{112}{110} = \frac{42}{55}$

इस प्रकार, वर्ष 1997 में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की जनसंख्या का अनुपात $= x : y = 42 : 55$

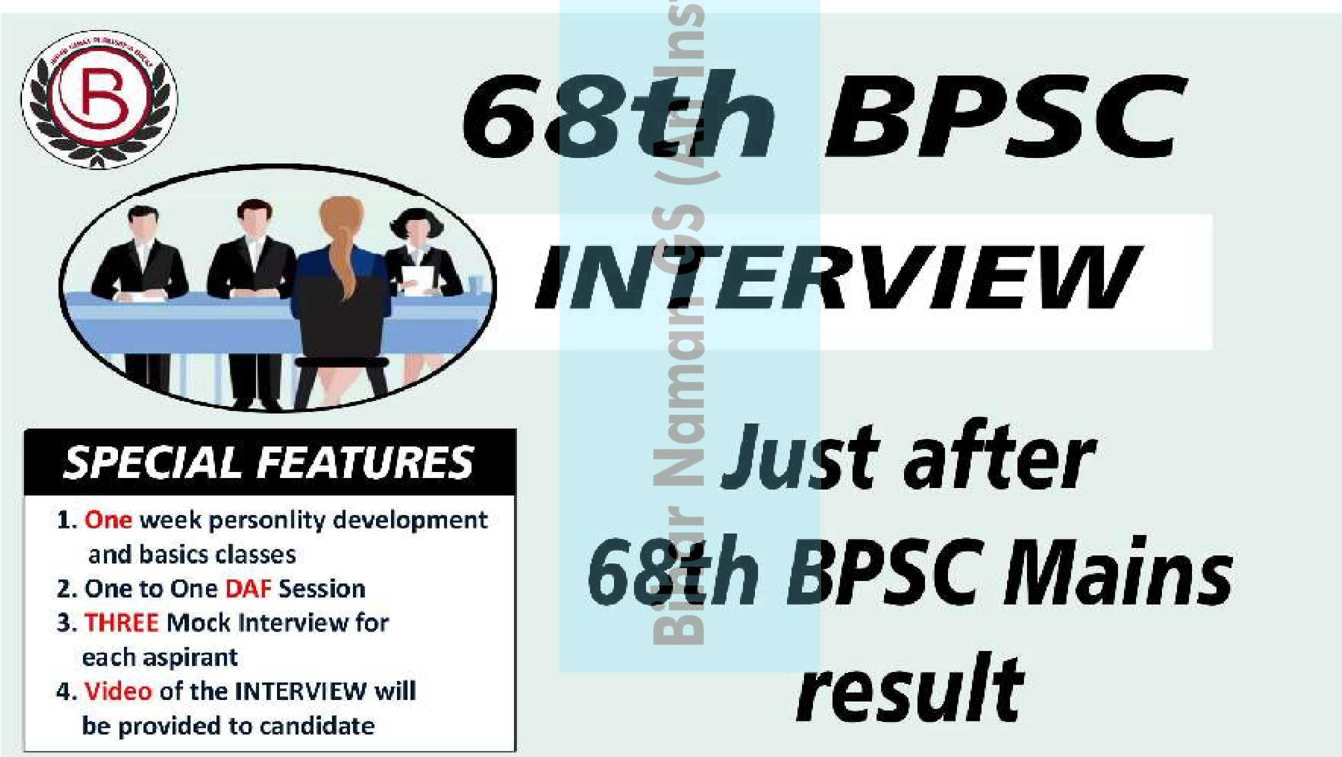

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

पेपर-2

शॉर्ट्स कन्टेन्ट (पेपर- 2 के लिए)

(a) प्रश्नः भारत में अधिक राजनीतिक दल अभिशाप हैं। समझाइए।

उत्तरः राजनीतिक दल एक ऐसा स्वतंत्र संगठन होता है जो सम्पूर्ण देश या समाज के व्यापक हित के सन्दर्भ में अपने सेवार्थियों के हितों को बढ़ावा देने के लिए निश्चित सिद्धान्तों, नीतियों और कार्यक्रम का समर्थन करता है और उन्हें कार्यान्वित करने के उद्देश्य से राजनीतिक शक्ति प्राप्त करना चाहता है। विविधता के कारण भारत में 258 से भी अधिक राजनीतिक दल है। भारत में अधिक राजनीतिक दल अभिशाप के समान हैं। क्योंकि-

- **संचालित करने के लिए महंगाः** भारत में बहुदलीय प्रणाली के अभिशापों में से एक यह है कि इसे चलाना बहुत महंगा है। राजनीतिक सत्ता के लिए होड़ करने वाले सभी दलों को लोगों को उन्हें वोट देने के लिए राजी करना चाहिए। उन्हें रैलियों का आयोजन करना चाहिए, मीडिया में विज्ञापन देना चाहिए और मतदाता का ध्यान आकर्षित करने के लिए रेडियो और टेलीविजन पर एयरटाइम और कई अन्य चीजें खरीदनी चाहिए।
- बहुदलीय प्रणाली का एक और अभिशाप यह है कि यह राष्ट्र में विभाजन का कारण बन सकती है। यह विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में है जहां जनजातीय, धार्मिक या जातीय आधार पर दलों का गठन किया जा सकता है। जितनी भी पार्टियां बन जाती हैं फिर किसी न किसी विचारधारा को लेकर प्रचार करती हैं। पार्टियों का बंटवारा विभाजन पैदा करने में मदद करता है।
- **बहुत अधिक विकल्प प्रदान करता हैः** एक बहुदलीय प्रणाली के तहत यह बहुत अधिक पार्टियों के गठन की अनुमति देता है, जिनमें से कुछ के पास सत्ता में आने का कोई मौका नहीं होता है। इस स्थिति का अभिशाप यह है कि मतदाताओं पर बहुत सारे विकल्पों की बमबारी की जाती है, जहां वे भ्रमित हो जाते हैं।
- **गठबंधन सरकारों में परिणामः** एक और अभिशाप यह है कि ज्यादातर मामलों में चुनाव के बाद किसी भी दल को सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाता है। नतीजा यह है कि सरकार बनने से पहले कुछ दलों को एक साथ आना पड़ता है। ये गठबंधन सरकारें ज्यादातर कमजोर और अस्थिर होती हैं।
- **निरंतरता को रोकता हैः** एक बहुदलीय प्रणाली में इतने सारे दलों की उपस्थिति गठबंधन सरकारों के बार-बार गठन की अनुमति देती है। गठबंधन सरकारें बार-बार टूटती हैं। इसलिए यह देश के सतत विकास के लिए किसी एक नीति में निरंतरता की अनुमति नहीं देती।
- **अनावश्यक प्रतिद्वंद्विता उत्पन्न करता हैः** देश पर शासन करने के अंतिम लक्ष्य के लिए कई दल होड़ कर रहे हैं, प्रत्येक दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। यह विभिन्न दलों के बीच अस्वास्थ्यकर प्रतिद्वंद्विता में बदल सकता है। यदि अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया जाता है, तो इसका परिणाम संघर्ष हो सकता है और देश के विकास को धीमा कर सकता है।

संक्षेप में-

- ज्यादातर मामलों में, एक ही पार्टी को अकेले सत्ता नहीं मिलती है और सरकार के गठन में कठिनाई होती है और कभी-कभी गठबंधन कमजोर और अस्थिर होता है।
- यह मतदाताओं के बीच भी भ्रम पैदा करता है क्योंकि उनके पास कई विकल्प होते हैं।
- कभी-कभी बहुदलीय प्रणाली सरकार में विभाजन का कारण बनती है।
- हर राजनीतिक दल का अंतिम लक्ष्य सत्ता हासिल करना और सत्ताधारी पार्टी बनना है और यह कभी-कभी गठबंधन दलों के बीच संघर्ष का कारण बनता है।
- बहुदलीय प्रणाली में परिषद मंत्री का आकार आम तौर पर बड़ा होता है।
- बहुदलीय प्रणाली के सदस्य प्रशासनिक विफलताओं और खामियों के लिए जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

(b) प्रश्नः संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्य

उत्तरः मौलिक कर्तव्य 1976 में स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर जोड़े गए थे, जिसका गठन इंदिरा गांधी द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के तुरंत बाद संविधान का अध्ययन और संशोधन करने के लिए किया गया था। 2002 में 86वें संशोधन द्वारा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 51(ए) भाग IV-A के तहत मूल 10 कर्तव्यों को तब बढ़ाकर 11 कर दिया गया था। 11 मौलिक कर्तव्य इस प्रकार हैं-

i. प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्र गान का आदर करें।

ii. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे।

iii. भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे।

iv. देश की रक्षा करे।

v. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे।

vi. हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका निर्माण करे।

vii. प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करे।

viii. वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करे।

ix. सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे।

x. व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे।

इस सूची में जोड़ा गया 11वाँ मौलिक कर्तव्य है:

xi. माता-पिता या संरक्षक द्वार 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना.

मौलिक कर्तव्य लोगों की स्वतंत्रता के लिए सुरक्षा के स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

(c) प्रश्नः क्लोनिंग के फायदे और नुकसान

उत्तरः वर्धी प्रजनन के अंतर्गत कोशिकाओं की गुणन क्रिया को क्लोनिंग कहते हैं।

क्लोनिंग के फायदे-

1. **कुछ प्रजातियों के विलुप्त होने को रोकता है:** क्लोनिंग आबादी को बहाल करने के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण प्रतीत होता है, क्योंकि दुनिया में कई जीव खतरे और विलुप्त होने के करीब हैं। क्लोनिंग पहले से ही मृत प्रजातियों की अनुवांशिक जानकारी का उपयोग करके अनुवांशिक लक्षणों की विविधता को बढ़ाने में भी मदद कर सकती है।
2. **समान-लिंग वाले जोड़ों को संतान पैदा करने में सक्षम बनाता है:** क्लोनिंग से समान-लिंग वाले जोड़े एक ऐसे बच्चे को गर्भ धारण करने में सक्षम होंगे जो कि वीर्य या अंडे के बैंकों का उपयोग करने के लिए एक भ्रूण का उत्पादन करने की तुलना में आनुवंशिक रूप से उनका था।
3. **यह अंगों के प्रतिस्थापन में बहुत सहायता करता है:** किसी भी कारण से, यदि अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है, तो क्लोनिंग को एक रक्षक प्रक्रिया के रूप में गिना जा सकता है, विशेषकर उन मामलों में जहां अंग उपलब्ध नहीं हैं।
4. **रोगों के लिए सहायता:** चिकित्सीय क्लोनिंग, जो वयस्क जेनेटिक क्लोनिंग के समान चरणों के साथ होती है, परिणामी रूण को स्टेम कोशिकाओं को हटाने से पहले कुछ दिनों तक विकसित करने की अनुमति देती है और शरीर के ऊतकों या पूरे मानव शरीर के अंगों में विकसित होने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्रत्यारोपण या विशिष्ट बीमारियों के उपचार के लिए उपयोग किया जाता है।
5. **बांझपन की समस्या का समाधान:** क्लोनिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जो किसी को भी ऐसे बच्चे को गर्भ धारण करने में सक्षम बनाती है जो आनुवंशिक रूप से अपने स्वयं के सक्षम नहीं हैं क्योंकि यह वयस्क दैहिक कोशिकाओं का उपयोग करता है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

6. **कृषि उत्पादन में वृद्धिः** क्लोनिंग में कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने की भी क्षमता है, विशेष रूप से पशुधन और ताजी सब्जियों का, जो एक महत्वपूर्ण लाभ है। अर्धसूत्रीविभाजन के दौरान जीनोम में आनुवंशिक और यादृच्छिक समूहों की कमी की गारंटी ब्याज की मौजूदा विशेषताओं के अंतर्निहित जैविक तंत्र को बदलकर दी जाती है।

क्लोनिंग के नुकसान

1. **विश्वसनीय नहीं:** कई वैज्ञानिकों के अनुसार, क्लोनिंग अभी तक उस बिंदु तक नहीं पहुंची है जहां प्रजातियों को संरक्षित करने में मदद के लिए इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। वास्तव में, कुछ वैज्ञानिक क्लोनिंग को भी स्वीकार नहीं करते हैं क्योंकि यह प्रारंभिक स्थान पर विलुप्त होने के प्राथमिक कारणों की उपेक्षा करता है, जो निवास स्थान का क्षरण और शिकार हैं।
2. **आनुवंशिक विविधता को समाप्त करता है:** मानव जीवन बहुत हद तक जीन की विविधता पर निर्भर करता है जो विभिन्न आनुवंशिक लक्षणों वाले माता-पिता होने के परिणामस्वरूप होता है।
3. **अनिश्चितता का उच्च स्तर:** प्रत्येक वैज्ञानिक प्रगति के कुछ सकारात्मक पहलू होते हैं और उतने ही नकारात्मक भी। क्लोनिंग के कई अनछुए परिणाम और प्रभाव हैं। संभावित मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और चिकित्सा प्रभावों की भविष्यवाणी करने का कोई विश्वसनीय तरीका नहीं है क्योंकि यह अध्ययन का एक नया क्षेत्र है जिसे अभी भी खोजा जा रहा है।
4. **बिल्कुल भी सुरक्षित प्रक्रिया नहीं:** दोनों क्लोनों में समान आनुवंशिक संरचना होने के बावजूद उनके व्यवहार संबंधी लक्षण समान नहीं होंगे। इसके अलावा, उनकी शारीरिक समानता की कोई गारंटी नहीं है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि ये लक्षण केवल आनुवंशिक संरचना द्वारा निर्धारित नहीं होते हैं।
5. **क्लोनिंग अनैतिक है:** क्लोनिंग के साथ नैतिक मुद्दे इसके खिलाफ सबसे प्रेरक तर्कों में से एक हैं। आलोचकों का दावा है कि जीवित जीवों को नियंत्रित करने के विचार के अलावा, क्लोन बनाने के सरल कार्य में भी जीवन का शोषण शामिल है।
6. **इसका आसानी से दुरुपयोग किया जा सकता है:** चूँकि क्लोनिंग तकनीक के दुरुपयोग की संभावना हमेशा बनी रहती है, इसलिए शोधकर्ताओं को इसे निरंतर निगरानी में रखने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।
7. **यह भेदभाव को बढ़ावा दे सकता है:** भेदभाव और पूर्वाग्रह आज की दुनिया में निश्चित रूप से मौजूद हैं, चाहे वह नस्लीय, भाषाई या सामाजिक मतभेदों के कारण हो। अंततः, क्लोन किए गए व्यक्ति कुछ अन्य मनुष्यों की तुलना में कम "मानव" महसूस करेंगे जो क्लोनिंग के उत्पाद नहीं हैं।

(d) प्रश्न : शहरी कचरे का निपटान की निपटान विधियाँ

उत्तर : शहरी कचरे में छोटे शहरों और नगरों के आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों से एकत्र किए गए कचरे शामिल होते हैं। यदि ठीक से इसका प्रबंधन या संग्रह न किया जाए तो वे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं।

कचरे निपटान की निम्नलिखित विधियाँ हैं-

- **खुले डम्पः** खुले डम्प से अभिप्राय बिना ढके क्षेत्रों से है जिनका उपयोग सभी प्रकार के ठोस कचरे को डंप करने के लिए किया जाता है। अपशिष्ट अनुपचारित, खुला और अलग नहीं किया जाता है। यह मक्खियों, चूहों और बीमारी फैलाने वाले अन्य कीड़ों के लिए प्रजनन स्थल है। इन ढेरों से बारिश का पानी बहकर आस-पास की जमीन और पानी को दूषित कर देता है जिससे बीमारी फैलती है। कुछ देशों में, खुले डंप को चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है।
- **लैंडफिल:** लैंडफिल आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में स्थित होते हैं जहां बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है और इसे एक सामान्य स्थान पर फेंक दिया जाता है। खुले डंप के विपरीत, यह एक गड्ढा है जिसे जमीन में खोदा जाता है। कचरे को फेंक दिया जाता है और गड्ढे को ढक दिया जाता है जिससे मक्खियों और चूहों के प्रजनन को रोका जा सके। प्रत्येक दिन के अंत में, इसके ऊपर मिट्टी की एक परत बिखेर दी जाती है और कुछ तंत्र, आमतौर पर एक पृथ्वी-चालित उपकरण का उपयोग कचरे को संपीड़ित करने के लिए किया जाता है, जो अब एक सेल बनाता है। इस प्रकार, हर दिन कचरा फेंक दिया जाता है और एक सेल बन जाता है। लैंडफिल भर जाने के बाद, क्षेत्र को मिट्टी की मोटी परत से ढक दिया जाता है और उसके बाद साइट को पार्किंग स्थल या पार्क के रूप में विकसित किया जा सकता है।

Bhanu Nandan GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

- **सैनेटरी लैंडफिल:** लैंडफिल का एक विकल्प जो कुछ हद तक लीचिंग की समस्या को हल करेगा, एक सैनिटरी लैंडफिल है जो अधिक स्वच्छ है और एक व्यवस्थित तरीके से बनाया गया है। ये प्लास्टिक और मिट्टी जैसे अभेद्य सामग्रियों से पंक्तिबद्ध हैं, और अभेद्य मिट्टी पर भी बनाए गए हैं। सैनिटरी लैंडफिल का निर्माण बहुत महंगा है और उनकी अपनी समस्याएं हैं। कुछ अधिकारियों का दावा है कि अक्सर प्लास्टिक लाइनर में दरारें पड़ जाती हैं क्योंकि यह कचरे में मौजूद विभिन्न रासायनिक सॉल्वैंट्स के साथ प्रतिक्रिया करता है।
- **भस्मीकरण संयंत्र:** बड़ी भट्टियों में कचरे को जलाने की इस प्रक्रिया को भस्मीकरण के रूप में जाना जाता है। इन संयंत्रों में पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग कर दिया जाता है और शेष सामग्री को जला दिया जाता है। प्रक्रिया के अंत में जो कुछ पीछे रह जाता है वह राख है। इस प्रक्रिया के दौरान कुछ राख गर्म हवा के साथ तैरकर बाहर आ जाती है। इसे फ्लाई ऐश कहा जाता है। जलने के बाद भट्टी में छोड़ी गई फ्लाई ऐश और राख दोनों में डाइआॅक्सिन और भारी धातुओं जैसे खतरनाक विषाक्त पदार्थों की उच्च मात्रा होती है। इस राख का निस्तारण एक समस्या है। लैंडफिल में जो राख दबाई जाती है, वह उस क्षेत्र में चली जाती है और गंभीर संदूषण का कारण बनती है।

(e) प्रश्न: ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत क्या हैं?

उत्तर: उर्जा के वैकल्पिक स्रोत निम्नलिखित हैं-

1. **पवन ऊर्जा:** ऊर्जा के इस स्रोत में गतिमान वायु द्वारा उत्पन्न गतिज ऊर्जा का उपयोग करके पवन का उपयोग विद्युत उत्पादन के लिए किया जाता है।
2. **सौर ऊर्जा:** ऊर्जा के इस स्रोत में सूर्य के विकिरण का उपयोग किया जाता है जो गर्मी पैदा करने, रासायनिक प्रतिक्रिया करने और बिजली पैदा करने में सक्षम होता है।
3. **भूतापीय ऊर्जा:** यह ऊर्जा का एक स्रोत है जो पृथ्वी के कोर से लिया जाता है। यह उस ऊष्मा से आता है जो ग्रह के मूल निर्माण के दौरान उत्पन्न होती है।
4. **बायोएनेर्जी:** ऊर्जा के इस स्रोत में बायोमास नामक कार्बनिक पदार्थ से बिजली और गैस उत्पन्न होती है। बायोएनेर्जी ऊर्जा की मांग को पूरा करने में मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों में से एक है, इसमें बिजली, गर्मी और परिवहन ईंधन शामिल हैं।
5. **जलविद्युत ऊर्जा:** यह ऊर्जा का एक स्रोत है जो पानी को उच्च क्षमता से कम क्षमता की ओर गिरने से प्राप्त होता है क्योंकि क्षमता को एक निश्चित ऊंचाई से नीचे प्रवाहित करने के लिए परिभाषित किया जाता है। यह ऊर्जा का एक रूप है जो गतिमान पानी की शक्ति का उपयोग करता है- जैसे पानी झरने के ऊपर से बहता है- बिजली उत्पन्न करने के लिए।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का महत्व

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के महत्व पर नीचे चर्चा की गई है:

- **पर्यावरण की रक्षा करता है:** ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत पर्यावरण की रक्षा करने में मदद करते हैं और इसे पुनर्जीवित करने का अवसर देते हैं।
- **सतत ईंधन प्रणाली प्रदान करने में मदद करता है:** ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत एक स्थायी ईंधन प्रणाली बनाने में मदद कर सकते हैं और एक क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।
- **आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद:** ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का एक अन्य उपयोग यह है कि यह आयातित ईंधन पर निर्भरता को कम करने में मदद करता है।
- **आय बढ़ाने में मदद करता है:** यह देश की आबादी के लिए अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करके देश की आय बढ़ाने में मदद करता है।
- **जीवाश्म ईंधन के संरक्षण में उपयोगी:** जब हम ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करते हैं तो यह हमें जीवाश्म ईंधन के संरक्षण में मदद करता है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- **जलवायु परिवर्तन को धीमा करने और उलटने में उपयोगी:** चूंकि ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों में कार्बन की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह जलवायु परिवर्तन को धीमा करने और उलटने में मदद करता है।
- **आर्थिक विकास में उपयोगी:** अधिक यूटिलिटी-स्केल ऊर्जा प्रणालियों का उत्पादन अधिक आर्थिक विकास करने में मदद कर सकता है।

69th BPSC

MAINS TEST SERIES 2023

SCHEDULE

DATE	9.30 AM - 12.30 PM	2 PM - 5 PM
26.11.2023	GS - I	GS - II
03.12.2023	----------	Essay
09.11.2023	GS - I	GS - II
10.11.2023	GS - I	ESSAY
16.11.2023	GS - II	ESSAY
17.11.2023	GS - I	GS – II

FEE: Rs. 3500/-
Model Answer: Yes
Mode: Offline & Online
Medium: Hindi & English

8368040065

Bihar Naman GS
An Institute for UPSC and BPSC

3rd floor, A.K. Pandey Building, Road No.-2, Rajendra Nagar, Patna - 800016

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

खंड-I प्रमुख आलेख :
बिहार के राज्यपाल के कार्य एवं शक्तियां और प्रतिनिधि के रूप में भूमिका

(लेखनः श्री अनूप कुमार सिन्हा, लोकप्रशासन)

भारत का संविधान संसदीय शासन व्यवस्था की बात करता हैं जिसके अंतर्गत भारत को राज्यों का एक संघ घोषित किया गया है। संघ के पास अपनी शक्तियां है और भारत के पृथक राज्यों के पास अपनी-अपनी शक्तियां है। संघ और राज्यों के बीच शक्तियों को लेकर कोई विवाद न हो इस संबंध में भारत के संविधान में स्पष्ट उपबंध किए गए हैं। शक्तियों के संबंध में सभी राज्य और संघ के बीच कोई विवाद होता है तो उसका निपटारा संघ की न्यायपालिका 'उच्चतम न्यायालय' द्वारा किया जाता है। जैसी प्रक्रिया संघ की कार्यपालिका के संबंध में भारत के संविधान में उल्लेखित की गई है ठीक उसी तरह की प्रक्रिया भारत के संविधान के अंतर्गत राज्यों के संबंध में राज्य की कार्यपालिका के लिए उल्लेखित की गई है। जिस प्रकार संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है ठीक इसी प्रकार राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है।

बिहार का **राज्यपाल कार्यपालिका शक्ति का प्रधान** होता है परंतु राज्यपाल उस शक्ति का प्रयोग बिहार राज्य की मंत्रिमंडल के परामर्श से करता है। भारत के राष्ट्रपति द्वारा बिहार के राज्यपाल की नियुक्ति की जाती है। उसकी नियुक्ति न तो प्रत्यक्ष मतदान से की जाती है और न ही विशेष रूप से राष्ट्रपति के लिए गठित निर्वाचक मंडल द्वारा जो अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रपति का चुनाव करता है। यह केंद्र सरकार द्वारा नामांकित व्यक्ति होते हैं। राज्यपाल का पद एक स्वतंत्र सांविधानिक पद है। **एनडीपीएस एक्ट** की **धारा 37** से संबंधित निर्णय में स्पष्ट रूप से कहा गया है की कोई भी भारत का नागरिक जो 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, वह बिहार का राज्यपाल हो सकता है। **अनुच्छेद 158** के अनुसार राज्यपाल न तो संसद के किसी सदन और न ही बिहार राज्य के विधान मंडल का ही सदस्य हो सकता है। यदि वह केंद्र या बिहार राज्य के किसी भी सदन का सदस्य है तो राज्यपाल के पद की शपथ लेने के पश्चात यह समझा जायेगा कि सदन में उसका स्थान खाली हो गया है। राज्यपाल लाभ के किसी पद पर नहीं रहता। राज्यपाल बिहार के पटना में बने शासकीय निवास (राज्यपाल निवास) के उपयोग का हकदार होता है। बिहार का राज्यपाल ऐसी उपलब्धियों मत और विशेष अधिकारों का जो संसद विधि द्वारा समय-समय पर अवधारित करें जब तक संसद इस संबंध में उपबंध नहीं करती है, तब तक ऐसी उपलब्धियों और विशेष अधिकारों का हकदार होगा।

संविधान के **अनुच्छेद 156** के अनुसार बिहार का राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है। समान रूप से राज्यपाल का कार्यकाल **5 वर्ष** का होता है। राष्ट्रपति किसी भी समय बिहार के राज्यपाल को उसके पद से हटा भी सकता है। इस मामले में राष्ट्रपति केंद्रीय मंत्रिमंडल के परामर्श के अनुसार कार्य करता है। राज्यपाल के पदावधि राष्ट्रपति पर निर्भर करती है। राज्यपाल लिखित रूप से चाहे तो अपना त्यागपत्र (भारत के राष्ट्रपति को) भी दे सकता है।

बी.पी. सिंघल बनाम भारत संघ (2010) के मामले में भारत के उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से यह कहा है कि राज्यपाल को पद से केवल इस आधार पर नहीं हटाया जा सकता कि वह केंद्र सरकार शासक दल की इच्छाओं की नीतियों से सहमत नहीं है या उनका विश्वास खो दिया हैं। इस मामले में अपने लोकहित वाद के रूप में मुकदमा दाखिल किया और निवेदन किया कि न्यायालय उचित निर्देश दें जिससे राज्यपाल जैसे सांविधानिक पद का सम्मान न घट जाए। इस मामले में न्यायालय ने तर्क दिया कि राज्यपाल राज्य का मुखिया है। वह केंद्र सरकार का कर्मचारी, सेवक या एजेंट नहीं है। उसने कहा कि साधारण तौर से उसे 5 वर्ष तक अपने पद पर बने रहना चाहिए। उसे विशेष परिस्थितियों में क्यों पद से हटा दिया जाता है, उसे मनमाने तरीके से पद से नहीं हटाया जाना चाहिए। प्रसादपर्यंत के सिद्धांत का न्यायिक समीक्षा की जानी चाहिए। सरकार की ओर से कहा गया कि राज्यपाल का पद से हटाया जाना कोई कारण से होना चाहिए।

संविधान द्वारा बिहार के राज्यपाल को प्राप्त शक्तियां

भारत के संविधान में जिस तरह राष्ट्रपति को शक्तियां दी है उसी प्रकार बिहार के राज्यपाल को भी शक्तियां दी है। राष्ट्रपति की शक्तियों की तरह ही बिहार के राज्यपाल की शक्तियों को भी विभिन्न भागों में बांटा जा सकता है। जैसे **कार्यपालिका शक्ति, विधायी शक्ति, न्यायिक शक्तियां, वित्तीय शक्तियां एवं अन्य शक्तियां।**

Bihar Namo GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

कार्यपालिका शक्ति

बिहार राज्य की कार्यपालिका शक्ति बिहार के राज्यपाल में निहित होता है जिसका प्रयोग वह स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा करता है। राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्यपाल के नाम पर ही किए जाते हैं। समस्त आज्ञा एवं लिखित आदेश राज्यपाल के नाम से विधिगत प्रमाणित किए जाते हैं जो उसके द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार संचालित होते हैं। किसी भी आदेश या अधिकार पत्र की जो इस प्रकार से प्रमाणीकरण थे विधि मान्यता पर इस आधार पर आपत्ति नहीं उठाई जाएगी कि व राज्यपाल द्वारा निर्मित नहीं किए गए हैं।

राज्यपाल की सिफारिश के बिना बिहार विधानसभा में कोई भी धन विधेयक पेश नहीं किया जा सकता। राज्यपाल की ही स्वीकृति पर अनुदान की मांग प्रस्तुत की जा सकती है। विधान मंडल के सदस्य दोनों सदनों के समक्ष राज्यपाल द्वारा ही वार्षिक विवरण पेश करते है जिसे बजट कहा जाता है। प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार के बारे में उस राज्य विधानमंडल को विधि बनाने की शक्ति है।

विधायी शक्ति

राज्यपाल बिहार विधायिका का अंग होता है। उसे अध्यादेश जारी करने का अधिकार है। इसके अलावा उसे Veto का अधिकार होता है। वह राज्य के विधेयक को राष्ट्रपति के विचार हेतु सुरक्षित रख सकता है। अनुच्छेद 167 के तहत वह मुख्यमंत्री से रिपोर्ट मांग सकता है। राज्यपाल विधान मंडल के सदस्यगणों को निश्चित समय एवं निश्चित स्थान पर अधिवेशन के लिए बुलाता है किंतु दोनों सत्रों के बीच 6 महीने की अधिक समय नहीं होना चाहिए। वह दोनों सदनों का सत्रावसान कर सकता है तथा विधानसभा को भंग कर सकता है। वह विधानमंडल को संबोधित करता है। राज्यपाल की अनुमति के बिना कोई भी विधेयक कानून नहीं बन सकता। वह कुछ विधेयकों को राष्ट्रपति के अनुमति के लिए अपने पास रखता है। वह विधान परिषद के एक 1/6 सदस्यों को मनोनीत करता है जो साहित्य, विज्ञान, कला और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विशेष ज्ञान व्यवहार का अनुभव रखते हैं।

राज्यपाल की सबसे महत्वपूर्ण विधायी शक्ति उसकी अध्यादेश जारी करने की शक्ति है। **अनुच्छेद 123** के अधीन राष्ट्रपति को जो अधिकार संसद क्षेत्र में प्राप्त हैं, **अनुच्छेद 213** के अधीन विधानमंडल के विषय में वही अधिकार बिहार के राज्यपाल को प्राप्त हैं। जब कभी बिहार विधानमंडल सत्र में न हो और बिहार के राज्यपाल को यह आवश्यक हो जाए कि किसी प्रकार की कार्रवाई करना आवश्यक है तो वह अध्यादेश जारी कर सकता है।

बिहार के राज्यपाल उन मामलों में अध्यादेश जारी नहीं कर सकता जिन मामलों में राष्ट्रपति की सिफारिश की आवश्यकता होती है।

न्यायिक शक्तियां

अनुच्छेद 61 के अनुसार किसी अपराध के लिए सिद्ध दोष व्यक्ति के दंड को क्षमा, विराम और परिहार करने अथवा लघु करण करने की शक्ति बिहार के राज्यपाल को न्यायिक / क्षमादान की शक्ति के रूप में प्राप्त है। बिहार के राज्यपाल की क्षमादान की शक्ति संभावित न्याय भूलों को सुधारने के उद्देश्य से प्रदान किया गया है। न्यायालयों में न्याय प्रशासन का कार्य संपादन मनुष्य द्वारा ही किया जाता है जिनसे भूल हो सकती है। अपराध विधायिका द्वारा पारित किसी विधि के विरुद्ध किया गया होना चाहिए।

भारत के राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियां में कुछ अंतर भी है। राष्ट्रपति को इन सभी मामलों में जिनमें की मृत्यु का दंडादेश भी शामिल है, को माफ करने की शक्ति प्राप्त है जबकि राज्यपाल को मृत्यु के आदेश के विरुद्ध क्षमादान की शक्ति नहीं प्राप्त है। राष्ट्रपति को सेना न्यायालय द्वारा दिए गए दंडादेश के मामले में समाधान की शक्ति प्राप्त है जबकि बिहार के राज्यपाल को ऐसी कोई शक्ति प्राप्त नहीं है।

अनुच्छेद 161 के अंतर्गत बिहार के राज्यपाल को प्राप्त किसी व्यक्ति की सजा को स्थगित करने की शक्ति अदालत द्वारा बनाए गए नियमों के अधीन होती हैं। जहां दंडित व्यक्ति के समर्पण का विषय है, उस सीमा तक राज्यपाल के आदेश होने के कारण है। राज्यपाल को इस विषय पर अधिकार है कि वह किसी भी समय जब तक न्यायालय में मामला लंबित नहीं है क्षमा दान प्रदान कर सकते हैं किन्तु लंबित मामलों में वह ऐसा नहीं कर सकते। राज्यपाल की न्यायिक शक्ति का उपयोग उच्चतम न्यायालय में विचारार्थ के लिए लागू नहीं किया जा सकता जब तक निर्णय न हो जाए।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

वित्तीय शक्तियॉ

- बिहार के राज्यपाल की पूर्व सिफारिश के बिना राज्य विधानमंडल में धन विधेयक पेश नहीं किया जा सकता है।
- बिहार राज्य की आकस्मिक निधि उनके निपटान में है। वह राज्य विधानमंडल द्वारा इनकी अनुमति के लंबित रहने तक एक अप्रत्याशित व्यय को पूरा करने के लिए इसमें से अग्रिम कर सकते हैं
- राज्यपाल विधायिका के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करवाते है।
- विधायिका के समक्ष राज्य के खातों से संबंधित भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट रखते हैं।

अन्य शक्तियां

बिहार के राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को बिहार का महाधिवक्ता नियुक्त करता हैं।

मंत्रिपरिषद की भूमिका: अनुच्छेद 163 (A) यह उपबंधित करता है कि जिन बातों में उससे संविधान के उपबंधों के अनुसार या अपने विवेक से कार्य करने की अपेक्षा की जाती है उसको छोड़ कर बिहार के राज्यपाल को अपने कृत्यों का निर्वहन करने में सहायता और मंत्रणा देने के लिए मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।

विवेकाधिकार: संविधान बिहार के राज्यपाल के विवेकाधिकार कि कहीं पर व्याख्या नहीं करता है। इससे एक प्रश्न यह उठता है कि क्या वास्तव में राष्ट्रपति की तरह राज्यपाल भी नाममात्र का संवैधानिक प्रधान है जिसे मंत्रिपरिषद के परामर्श पर ही सारे कार्य करने हैं और उसके पास कोई वास्तविक शक्ति नहीं है या वास्तविक कार्यपालिका शक्ति उसी में निहित है।

बिहार के राज्यपाल की मंत्रिमंडल को अपदस्थ करने की शक्ति: भारत के संविधान के **अनुच्छेद 164** के अनुसार मंत्रीगण राज्यपाल को प्रसादपर्यंत अपने पदों पर बने रहते हैं किंतु इसका यह अर्थ नहीं है कि राज्यपाल जब चाहे स्वेच्छा से मंत्री परिषद को अपदस्थ कर दे। राज्यपाल के प्रसाद का अर्थ संसदात्मक प्रणाली वाली सरकार के संदर्भ में विधानमंडल के बहुमत के विश्वास है। बिहार के राज्यपाल को अपने प्रसाद का प्रयोग मंत्रिमंडल के परामर्श पर करना पड़ता है। **अनुच्छेद 154 (2)** से यह स्पष्ट हो जाता है जिसके अनुसार मंत्रिमंडल अपने कार्यो के लिए विधानमंडल के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदाई है। जब तक मंत्रिमंडल को सदन के बहुमत का विश्वास प्राप्त है। राज्यपाल मंत्रिमंडल को बर्खास्त कर सकता है।

विधानसभा का विघटन: भारत के संविधान के **अनुच्छेद 174** के अंतर्गत बिहार के राज्यपाल विधानसभा को आहूत करता है तथा उसे भंग भी करता है। सामान्य परिस्थितियों में राज्यपाल विधानसभा को तब तक भंग नहीं करता जब तक कि उसकी सामान्य अवधि 5 वर्ष समाप्त न हो जाए। जहां एक मंत्रिमंडल सदन का विश्वास खो चुका है और वहां किसी स्थाई वैकल्पिक मंत्रिमंडल की स्थापना संभव नहीं है तो सदन को भंग कर दिया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में राज्यपाल अपने विवेक के अनुसार कार्य करने को स्वतंत्र है। वह चाहे तो सदन को भंग करें या अस्थाई सरकार की नियुक्ति करें।

एकमत यह है कि राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह मानने को बाध्य है और उसे राज्य विधानसभा को भंग करना ही पड़ेगा दूसरा मत है कि यदि वह चाहे तो विधानसभा को विघटित करें या ऐसे व्यक्ति की खोज करें जो प्रदेश में पराजित मंत्रीपरिषद के स्थान पर वैकल्पिक मंत्रिमंडल का गठन कर सकें। भारत में संविधान शास्त्रियों का समर्थन दूसरे मत के पक्ष में है।

भारतीय संविधान एक खास संघीय व्यवस्था का प्रावधान करता है। यह शुरुआत के लिए उपयुक्त होगा क्योंकि संसदीय प्रणाली का संघीय व्यवस्था से कुछ लेना देना नहीं है। राज्यपाल राज्य के कार्यपालिका का संवैधानिक प्रधान होता है और वह राज्य के मंत्री परिषद के परामर्श पर कार्यकारी शक्ति का प्रयोग करता है। इसके अलावा उसे कुछ स्वविवेकीय अधिकार प्राप्त होता है। इस मायने में वह **दोहरा ताज** पहनता है। परंपरा है राज्यपाल राज्य के बाहर का निवासी होता है। सामान्य तौर पर उसका कार्य काल 5 वर्ष होता है पर वह राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत पद पर बना रहता है। सेवा समाप्ति के बाद वह किसी लाभ के पद पर नियुक्त नही हो सकता। राज्यपाल अपनी दोहरी भूमिका के कारण दोनो के बीच संपर्क सूत्र है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

राज्य में केंद्र के प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल की भूमिका

(राज्यपाल एक गरिमामयी संवैधानिक पद है। इसलिए इसे केंद्र का एजेंट कहना कहीं से भी तर्कसंगत नहीं है)

भारतीय संविधान के अंतर्गत राज्यपाल की दोहरी भूमिका है। प्रथमता वह राज्य का प्रधान होता है। द्वितीय वह राज्य में संघीय सरकार का प्रतिनिधित्व करता है। राज्यपाल की नियुक्ति के लिए जिस पद्धति को अपनाया गया है, वह भी इस बात को स्पष्ट करती है कि राज्यपाल की नियुक्ति में केंद्रीय शासन के प्रतिनिधि के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्रीय सरकार के प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल निम्न कार्य करता है–

- भारतीय संविधान के अंतर्गत केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार के बीच सद्भावना संबंध स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है और **अनुच्छेद 256** तथा **257** में यह कहा गया है कि इस दृष्टि से केंद्रीय सरकार राज्यों की कार्यपालिका को आवश्यक निर्देश दे सकती है। केंद्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकारों को राष्ट्रीय महत्व की सड़कों तथा संचार साधनों की रक्षा का प्रभार सौंपा जा सकता है और **अनुच्छेद 258** के अंतर्गत केंद्र सरकार अपने कुछ प्रशासनिक कार्य भी राज्य सरकार को हस्तांतरित कर सकती है। केंद्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकारों को इस प्रकार का आदेश राज्यपाल के माध्यम से ही दिए जाते हैं और राज्यपाल का यह कर्तव्य होता है कि वह देखे कि राज्य सरकार इन निर्देशों का पालन करती है या नहीं।

- वह राज्य सरकार को राष्ट्रपति के निर्देश मानने के लिए बात कर सकता है। यदि राज्य मंत्रिमंडल केंद्रीय सरकार के निर्देश के अनुसार कार्य नहीं करता है तो राज्यपाल मंत्रिमंडल को चेतावनी दे सकता है तथा इसे संविधान के विरुद्ध मानकर **अनुच्छेद 356** के अंतर्गत राष्ट्रपति को संवैधानिक संकट की रिपोर्ट दे सकता है।

- केंद्रीय सरकार के प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल का एक महत्वपूर्ण कार्य राज्य प्रशासन के संबंध में समय-समय केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजना है। इस रिपोर्ट में राज्यपाल कोई महत्वपूर्ण सुझाव भी दे सकता हैं। यदि राज्य में संविधान के अनुसार कार्य नहीं हो रहा है तो राज्यपाल इस संबंध में राष्ट्रपति को रिपोर्ट देता है और इस प्रकार की रिपोर्ट के आधार पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है।

- **अनुच्छेद 200** के अंतर्गत राज्य विधान मंडल द्वारा पास किए गए किसी विधेयक को राज्यपाल, राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए सुरक्षित रख सकता है। उदाहरण के लिए संपत्ति का अनिवार्य अधिग्रहण, उच्च न्यायालय की शक्तियों को कम करने से संबंधित विध ेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए सुरक्षित रखे जा सकते हैं। राज्यपाल इस संबंध में स्वविवेक से ही कार्य करता है।

- **अनुच्छेद 213** के अनुसार राज्यपाल को अध्यादेश जारी करने का अधिकार दिया गया है किंतु ऐसे कुछ विषयों के संबंध में अध्यादेश जारी करने से पूर्व राष्ट्रपति से स्वीकृति लेनी पड़ती है। जैसे कि **व्यापार तथा वाणिज्य की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाना, राज्यों के व्यापारिक संबंधों को सीमित करना, राज्य द्वारा परम आवश्यक वस्तुओं की बिक्री कर अथवा खरीद कर लगाना** आदि। राष्ट्रपति शासन के दौरान राष्ट्रपति की शक्तियां राज्यपाल द्वारा किया जाता है।

- राज्यपाल राज्य के शासन तंत्र की सफलता के बारे में राष्ट्रपति को सूचना भेज सकता है। फलस्वरुप राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो जाता है। ऐसी स्थिति में कार्यकारी अधिकार राज्यपाल को सौंप दिया जाता हैं और ऐसे समय पर राज्य के लिए कानून तो संसद बनती है परंतु प्रशासन के सारे अधिकार राष्ट्रपति के आदेश पर राज्यपाल द्वारा प्रयोग किए जाते हैं।

- **इकबाल नारायण** के अनुसार राज्यपाल को राज्यों में विरोधी सरकार को गिराने के लिए केंद्र के कठिन षड्यंत्र के तंत्र के रूप में भी देखा गया है जिसके उदाहरण 1984, 1988, 1989, 1993, 1998, 1999 के घटनाक्रम इसके उदाहरण है।

- राज्यपाल के आचरण में समानता लाने के लिए यह सुझाव दिया गया है कि राज्यपालों के मार्गदर्शन के लिए कुछ सिद्धांत निश्चित किए जाने चाहिए। **प्रशासनिक सुधार आयोग 1969** का मत था कि राज्यपालों द्वारा सभी विवेक अधिकारों को किस रूप में इस्तेमाल किया जाए इसके संबंध में मार्ग निर्देशन अंतर राज्य परिषद द्वारा तैयार किए जाने चाहिए तथा केंद्र द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद राष्ट्रपति के नाम से जारी किया जाना चाहिए।

Bihar Namon GS An Institute for UPSC & BPSC, Patna

राज्यपाल से जुड़े. महत्वपूर्ण संवैधानिक उपबंध

- अनुच्छेद 153: प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा।
- अनुच्छेद 154: राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी और वह इसका प्रयोग भारत संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियो के द्वारा करेगा।
- अनुच्छेद 160: राष्ट्रपति ऐसी किसी आकस्मिकता में, जो संविधान के अध्याय II में उपबंधित नहीं है, राज्य के राज्यपाल के कृत्यों के निर्वहन के लिए ऐसा उपबंध कर सकेगा जो वह ठीक समझता है।
- अनुच्छेद 161: किसी राज्य के राज्यपाल को उस विषय, जिस विषय पर उस राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है, किसी विधि के विरूद्ध किसी अपराध के लिए सिद्ध दोष ठहराये गये व्यक्ति के दण्ड को क्षमा, उसका प्रविलंबन विराम या परिहार करने की अथवा दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की शक्ति होगी।
- अनुच्छेद 163: जिन बातों में इस संविधान द्वारा या इसके अधीन राज्यपाल से यह अपेक्षित है कि वह अपने कृत्यों या उनमें से किसी को अपने विवेकानुसार करें उन बातों को छोडकर राज्यपाल को अपने कृत्यों का प्रयोग करने में सहायता और सलाह देने के लिये एक मंत्रिपरिषद् होगी जिसका प्रधान, मुख्यमंत्री होगा।
- अनुच्छेद 164: राज्यपाल मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करते हैं।
- अनुच्छेद 165: राज्य के लिए महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल करते हैं।
- अनुच्छेद 166: किसी राज्य की सरकार की समस्त कार्यपालिका कार्रवाई राज्यपाल के नाम से की हुई कही जायेगी ।
- अनुच्छेद 167: प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री का यह कर्तव्य होगा कि वह:
  1. राज्य के कार्यो के प्रशासन संबंधी और विधान विषयक प्रस्थापनाओं संबंधी मंत्रि-परिषद के सभी विनिश्चय राज्यपाल को संसूचित करें,
  2. राज्य के कार्यो के प्रशासन संबंधी और विधान विषयक प्रस्थापनाओं संबंधी जो जानकारी राज्यपाल मांगे वह दे
  3. किसी विषय को जिस पर किसी मंत्री ने विनिश्चय कर दिया है किन्तु मंत्रिपरिषद् ने विचार नहीं किया है, राज्यपाल द्वारा अपेक्षा किये जाने पर परिषद के समक्ष विचार के लिए रखे।
- अनुच्छेद 168: प्रत्येक राज्य के लिए एक विधानमंडल होगा जो राज्यपाल से मिलकर बनेगा।
- अनुच्छेद 174: राज्यपाल समय-समय पर सदन को आहूत या सत्रावसान करेगा, और विधानसभा का विघटन करेगा।
- अनुच्छेद 175: राज्यपाल विधान सभा में अभिभाषण कर सकेगा, राज्यपाल सदन को संदेश भेज सकेगा ।
- अनुच्छेद 176: राज्यपाल द्वारा सदन के लिए विशेष अभिभाषण
- अनुच्छेद 188: राज्य की विधानसभा या विधान परिषद का प्रत्येक सदस्य अपना स्थ्थान ग्रहण करने से पहले, राज्यपाल या उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त व्यक्ति के समक्ष, तीसरी अनुसूची में इस प्रयोजन के लिए दिये गये प्रारूप के अनुसार शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा और उस पर अपना हस्ताक्षर करेगा ।
- अनुच्छेद 192: सदस्यों की निरर्हताओं से संबंधित प्रश्नों पर विनिश्चय।
- अनुच्छेद 200: विधानसभा द्वारा पारित विधेयक पर विचार करने के लिए राज्यपाल अनुमति देता है, अनुमति रोक लेता है या आरक्षित रखता है।
- अनुच्छेद 201: जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख लिया जाता है तब राष्ट्रपति घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है। परन्तु जहॉं विधेयक धन विधेयक नहीं है वहॉं राष्ट्रपति राज्यपाल को यह निर्देश दे सकेगा कि वह विधेयक को, यथास्थिति राज्य के विधनमंडल के सदन या सदनों को लौटा दे राष्ट्रपति के समक्ष उसके विचार के लिए फिर से प्रस्तुत किया जाएगा।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

- अनुच्छेद 151 (2): भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की राज्य से संबंधित लेखा रिपोर्ट विधानसभा के समक्ष रखने के पूर्व राज्यपाल को प्रस्तुत की जायेगी।
- अनुच्छेद 202: राज्यपाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में सदन के समक्ष प्राक्कलित प्राप्तियों और व्यय का विवरण रखवाएगा।
- अनुच्छेद 203: किसी अनुदान की मॉग राज्यपाल की सिफारिश पर ही की जायेगी, अन्यथा नही।
- अनुच्छेद 205: राज्यपाल, यथास्थिति, सदन के समक्ष व्यय की प्राक्कलित रकम को दर्शित करने वाला दूसरा विवरण रखवाएगा।
- अनुच्छेद 207: अनुच्छेद 199 के खंड (1) के उपखंड (क) से उपखंड (च) में विनिर्दिष्ट किसी विषय के लिए उपबंध करने वाला विधेयक या संशोधन राज्यपाल की सिफारिश से ही पुर: स्थापित या प्रस्तावित किया जायेगा अन्यथा नहीं और ऐसा उपबंध करने वाला विधेयक, किसी कर को घटाने या उत्सादन के लिए नहीं होगी।
- अनुच्छेद 217: भारत के मुख्य्य न्यायमूर्ति से, उस राज्य के राज्यपाल से और नियुक्ति की दशा में राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश की नियुक्ति करेगा जब तक वह बासठ वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता है।
- अनुच्छेद 219: उच्च न्यायालय का न्यायाधीश होने के लिए नियुक्त, प्रत्येक व्यक्ति अपना पद ग्रहण करने से पहले, उस राज्य के राज्यपाल या व्यक्ति के समक्ष तीसरी अनुसूची में इस प्रयोजन के लिए
- अनुच्छेद 233: किसी भी राज्य में जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति और पदोन्नति राज्य के राज्यपाल द्वारा ऐसे राज्य के संबंध में अधि कार क्षेत्र का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय के परामर्श से की जाएगी।
- अनुच्छेद 243(झ): राज्य का राज्यपाल, संविधान (तिहत्तरवां संशोधन) अधिनियम, 1992 के प्रारंभ से एक वर्ष के भीतर यथाशीघ्र, और तत्पश्चात प्रत्येक पांचवें वर्ष की समाप्ति पर, वित्त आयोग का गठन करेगा जो पंचायतों की वित्तीय स्थिति का पुनर्विलोकन के लिए सिफारिश करेगा।
- अनुच्छेद 243(झ)(4): राज्यपाल इस अनुच्छेद के अधीन आयोग द्वारा की गई प्रत्येक सिफारिश को, उस पर की गई कार्रवाई के स्पष्टीकारक ज्ञापन सहित, राज्य के विधानमंडल के समक्ष रखवाएगा।
- अनुच्छेद 267(2): राज्य का विधानमंडल, विधि द्वारा अग्रदाय के स्वरूप की एक आकस्मिकता निधि की स्थापना कर सकेगा जो '' राज्य की आकस्मिकता निधि '' के नाम से ज्ञात होगी जिसमें ऐसी विधि द्वारा अवधारित राशियॉ समय समय पर जाम की जाएंगी और अनवेक्षित व्यय का अनुच्छेद 205 या अनुच्छेद 206 के अधीन राज्य के विधानमंडल द्वारा, विधि द्वारा, प्राधिकृत किया जाना लंबित रहने तक ऐसी निधि में से ऐसे व्यय की पूर्ति के लिए अग्रिम धन देने के लिए राज्यपाल को समर्थ बनाने के लिए उक्त राजयपाल के व्ययनाधीन रखी जाएगी।
- अनुच्छेद 299: संघ या राज्य की कार्यपालिका शक्ति के प्रयोग में किए गए सभी संविदाओं को राष्ट्रपति या राज्य के राज्यपाल द्वारा, की गई कही जाएंगी और वे सभी संविदाएं और संपत्ति संबंधी हस्तांतरण-पत्र, जो उस शक्ति का प्रयोग करते हुए किए जाए, राष्ट्रपति या राज्यपाल की ओर से ऐसे व्यक्तियों द्वारा और रीति से निष्पादित किये जाएंगे जिसे वह निर्दिष्ट या प्राधिकृत करें।
- अनुच्छेद 316: लोक सेवा आयोग के अध्य्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति, यदि वह संघ आयोग या संयुक्त आयोग है तो, राष्ट्रपति द्वारा और, यदि वह राज्य आयोग है तो, राज्यपाल द्वारा की जायेगा।
- अनुच्छेद 317: आयोग के अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य को, जिसके संबंध में खंड (1) के अधीन उच्चतम न्यायालय को निर्देश किया गया है कि राज्य आयोग की दशा में राज्यपाल उसके पद से तब तक के लिए निलंबित कर सकेगा जब तक राष्ट्रपति ऐसे निर्देश पर उच्चतम न्यायालय का प्रतिवेदन मिलनेपर अपना आदेश पारित नहीं कर देता है।
- अनुच्छेद 318: संघ आयोग या संयुक्त आयोग की दशा में राष्ट्रपति और राज्य आयोग की दशा में उस राज्य का राज्यपाल विनियमों द्वारा आयोग के सदस्यों की संख्या और उनकी सेवा की शर्तो का अवधारण कर सकेगा और आयोग के कर्मचारिवृंद के सदस्यों की संख्या और उनकी सेवा की शर्तो के संबंध में उपबंध कर सकेगा।

Bhar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- अनुच्छेद 323 (2): राज्य आयोग का यह कर्त्तव्य होगा कि वह राज्य के राज्यपाल को आयोग द्वारा किये गये कार्य के बारे में प्रतिवर्ष प्रतिवेदन दे और संयुक्त आयोग का यह कर्त्तव्य होगा कि ऐसे राज्यों में से प्रत्येक के, जिनकी आवश्यकताओं की पूर्ति संयुक्त आयोग द्वारा की जाती है, राज्यपाल को उस राज्य के संबंध में आयोग द्वारा किये गये कार्य के बारे में प्रतिवर्ष प्रतिवेदन दे और दोनों में से प्रत्येक दशा में ऐसा प्रतिवेदन प्राप्त होने पर राज्यपाल उन मामलों के संबंध में, यदि कोई हों, जिनमें आयोग की सलाह स्वीकार नहीं की गई थी, ऐसी अस्वीकृति के कारणों को स्पष्ट करने वाले ज्ञापन सहित उस प्रतिवेदन की प्रति राज्य के विधान-मंडल के समक्ष रखवाएगा।
- अनुच्छेद 324(6): जब निर्वाचन आयोग ऐसा अनुरोध करे तब राज्यपाल निर्वाचन आयोग या प्रादेशिक आयुक्त को उतने कर्मचारिवृंद उपलब्ध्ध करायेगा जो निर्वाचन आयोग को सौंपे गये कार्यो के निर्वहन के लिए आवश्यक हो।
- अनुच्छेद 333: राज्यों की विधानसभाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व (अब चूँकि 104वें संविधान संशोधन के द्वारा जब अनुसूचित जाती तथा अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को भारत के संविधान के लागु होने के 70 साल से 80 साल तक के लिए बढ़ाया गया तब अनुच्छेद 331 तथा 333 के प्रावधानों को नहीं बढ़ाया गया। यानि की 25 जनवरी 2020 से अनुच्छेद 331 तथा 333 संविधान में रहते हुए भी उनका प्रभाव खत्म हो गया।)
- अनुच्छेद 338 (7): जहां ऐसी कोई रिपोर्ट या उसका कोई भाग किसी ऐसे मामले से संबंधित है, जिसका संबंध राज्य सरकार से है, वहां ऐसी रिपोर्ट की एक प्रति राज्य सरकार को भेजी जाएगी, जो उसे, राज्य से संबंधित सिफारिशों पर की गई या किये जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई को स्पष्ट करने वाले ज्ञापन और ऐसी किसी सिफारिश की अस्वीकृति के कारणों, यदि कोई हो, सहित राज्य के विधान मंडल के समक्ष रखवाएगा ।
- अनुच्छेद 341 (1): राष्ट्रपति राज्यपाल के परामर्श पश्चात् लोक अधिसूचना द्वारा, उन जातियों, मूलवंशों या जनजातियों अथवा जातियों, मूलवंशों या जनजातियों के भागों या उनमें के यूथों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिन्हें इस संविधान के प्रयोजनों के लिए उस राज्य के संबंध में अनुसूचित जातियॉ समझा जाएगा।
- अनुच्छेद 342 (1): राष्ट्रपति राज्यपाल के परामर्श पश्चात् लोक अधिसूचना द्वारा, उन जनजातियों या जनजाति समुदायों अथवा जनजातियों या जनजाति समुदायों के भागों या उनमें के यूथों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिन्हें इस संविधान के प्रयोजनों के लिए उस राज्य के संबंध में अनुसूचित जनजातियॉ समझा जाएगा।
- अनुच्छेद 355 एवं 356: राष्ट्रपति शासन
  1. केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक विकास के बारे में राष्ट्रपति को नियतकालिक प्रतिवेदन भेजकर जानकारी देगा।
  2. यदि राज्य के हित में राज्यपाल महसूस करता हो कि केन्द्र को हस्तक्षेप करना चाहिए तो ऐसा कहने के लिए वह कर्त्तव्य द्वारा आबद्ध है।
  3. राज्यपाल अनुच्छेद 356 के अधीन सुनिश्चित करता है कि राज्य का प्रशासन संविधान के उपबंधों के अनुसार चले और अथवा राष्ट्रपति शासन घोषित करने के लिए राष्ट्रपति को परामर्श देता है।
- अनुच्छेद 361: राष्ट्रपति और राज्यपालों और राजप्रमुखों का संरक्षण
  1. राष्ट्रपति अथवा राज्य का राज्यपाल या राजप्रमुख अपने पद की शक्तियों के प्रयोग और कर्त्तव्यों के पालन के लिए या उन शक्तियों का प्रयोग और कर्त्तव्यों का पालन करते हुए अपने द्वारा किये गये या किये जाने के लिए तात्पर्यित किसी कार्य के लिए किसी न्यायालय को उत्तरदायी नहीं होगा; परन्तु अनुच्छेद 61 के अधीन आरोप के अन्वेषण के लिए संसद के किसी सदन द्वारा नियुक्त या अभिहित किसी न्यायालय, अधिकरण या निकाय द्वारा राष्ट्रपति के आचरण का पुनर्विलोकन किया जा सकेगा; परन्तु यह और कि इस खंड की किसी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि वह भारत सरकार या किसी राज्य की सरकार के विरूद्ध समुचित कार्यवाहियॉ चलाने के किसी व्यक्ति के अधिकार को निर्बंधित करती है।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

2. राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के विरूद्ध उसकी पदावधि के दौरान किसी न्यायालय में किसी भी प्रकार की दांडिक कार्यवाही संस्थित नहीं की जाएगी या चालू नहीं रखी जाएगी।
3. राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के विरूद्ध उसकी पदावधि के दौरान उसकी गिरफ्तारी या कारावास के लिए किसी न्यायालय से कोई आदेशिका निकाली नहीं जाएगी।

निष्कर्ष

बिहार के स्वच्छ और सफल प्रशासन संचालन में राज्यपाल की अहम भूमिका हैं। वह राज्य के अभिवावक हैं। वह संवैधानिक भूमिका का एक वरिष्ठ राजनेता भी है जो इस उच्च पद पर गंभीरता की भावना लाता है और अपनी शपथ के द्वारा बिहार में संविधान और कानून का संरक्षण, सुरक्षा और बचाव करता हैं। वह बिहार राज्य का प्रथम नागरिक है। उनसे अपेक्षा होती है कि वह दलगत राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के विकास और संवृद्धि में महत्ती भूमिका निभाए।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

अभ्यास प्रश्न

प्रश्नः बिहार के राज्यपाल के कार्य एवं शक्तियों का आलोचनात्मक कीजिए।

(अंकः 38, शब्द सीमाः 400 से 500)

प्रश्नः राज्यपाल का केंद्र सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भूमिका का आलोचनात्मक परिक्षण कीजिए।

(अंकः 38, शब्द सीमाः 400 से 500)

खंड-II विशेष आलेख :
बिहार का आर्थिक पिछड़ापन और आर्थिक विकास हेतु बिहार में उपलब्ध संसाधन

(लेखनः संतोष कश्यप,
निदेशक,
बिहार नमन ग्रुप)

प्रायः हम बिहार के पिछड़ेपन का दोष झारखंड का अलग राज्य के रूप में स्थापित होना, को देते हैं जबकि हकीकत मात्र यह नहीं हैं। वास्तव में बिहार की भौगोलिक स्थिति उसके पिछड़ेपन पान का सबसे बड़ा कारण हैं। बात यदि आर्थिक पिछड़ेपन की हो तो इसका आंशिक दोष झारखंड के पृथक्करण को दे सकते हैं। यहाँ मैं **'आंशिक दोष'** शब्द का प्रयोग इसलिए कर रहा हूं क्योंकि वर्ष 2000 से पहले बिहार का विकास दर राष्ट्रीय स्तर के न तो मानक स्तर पर था ना ही दूसरे राज्य के प्रतिस्पर्धी। लेकिन झारखंड पृथक्करण के बाद बिहार में जिस प्रकार से राजनीतिक स्थिरता के साथ बिहार के चाणक्य कहे जाने वाले मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में सत्ता गतिमान हुई, समय के साथ-साथ राज्य में तकनीकी प्रवेश ने बिहार के विकास दर को सम्मानजनक स्थिति पर लाकर खड़ा कर दिया। यानी बिहार अब 'प्रगतिशील बिहार' के विशेषण से विश्व भर में प्रसिद्ध हो रहा हैं।

22 नवम्बर 2023 की स्थिति के अनुसार **'राष्ट्रीय सूचकांक संगठन'** द्वारा जारी आंकड़े, बिहार के विकास दर में 10.64 प्रतिशत की वृद्धि बताता हैं जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक हैं। यहां तक की बिहार ने अपने विकास दर में बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल (दूसरा स्थान) तथा उत्तर प्रदेश (तीसरा स्थान) को भी पीछे छोड़ दिया हैं। इसके पीछे का कारण बेहतर संसाधन प्रबंधन तथा राज्य नीति के निदेशक तत्वों में वर्णित लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए बिहार सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास हैं। यद्यपि बिहार विकास दर में आगे हैं और आर्थिक शब्दावली में इसे बेहतर राज्य कहा जा सकता हैं लेकिन हमारा राज्य अभी भी कई स्तरों पर बहुत पिछड़ा हुआ हैं। आप इसे ऐसे समझ सकते हैं कि ''किसी मकान को बाहर से रंग-पेंट करके एकदम चकाचक कर दिया गया हो जो दूर से देखने वालों को 'झकास' दिखेगा लेकिन यदि इस मकान के अंदर जाएंगे तो असल वास्तविकता पता चलेगी कि इसमें रहने वाले लोगों की स्थिति काफी दयनीय हैं। ठीक इसी प्रकार से बिहार की भी स्थिति हैं। आर्थिक आंकड़े राज्य को सबसे तेजी गति से विकास करने वाला बताता तो हैं किंतु यह कई मायनों में पिछड़ा हुआ हैं। सही कहा जाए तो हमारा राज्य बिहार पिछड़ापन का शिकार हैं।''

अब समझते हैं कि बिहार में किस प्रकार का पिछड़ापन हैं? इसे समझने के लिए हमें थोड़ा गहराई में जाकर गहन विश्लेषण करना होगा। तो चलिए हम लोग गहराई में गोता लगाते हैं और इसके पिछड़ेपन के प्रकार को देखते हैं। बिहार में निम्नलिखित प्रकार का पिछड़ापन हैं-

- सामाजिक पिछड़ापन
- आर्थिक पिछड़ापन
- राजनीतिक पिछड़ापन
- भौगोलिक पिछड़ापन
- कृषिगत पिछड़ापन
- शैक्षणिक पिछड़ापन

- **सामाजिक पिछड़ापनः** सामाजिक पिछड़ापन को प्रायः जाति और वर्ग के रूप में 'पिछड़ी हुई स्थिति के रूप में' वर्णित किया जाता हैं जिसका आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 (4) हैं। यह अनुच्छेद कहता हैं कि समुन्नत वर्गों (अगड़ी जातियां) की तुलना में जो जाति समूह या वर्ग समूह पिछड़े हुए हैं, वह सामाजिक रूप से पिछड़ा हुए हैं। बिहार सरकार द्वारा हाल ही में कराए गए 'जातिगत गिनती' के अनुसार कुछ अगड़ी जातियां भी सामाजिक रूप से पिछड़े हुए हैं।

अरचित्र लेखा बनाम मैसूर राज्य (1964) में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहा कि सामाजिक रूप से पिछड़े होने के लिए केवल जाति या कोई वर्ग विशेष होना ही पर्याप्त नहीं हैं बल्कि यह कई कारकों पर निर्भर करता हैं। कालेलकर आयोग के अनुसार देश और बिहार के सामाजिक पिछड़ेपन का निम्न कारण हो सकता हैं:

❖ हिंदू समाज की पारंपरिक जाति व्यवस्था में निम्न सामाजिक स्थिति विशेष कर बिहार में वास करने वाले सभी पिछड़ी जातियां, सभी अनुसूचित जातियां तथा सभी अनुसूचित जनजातियां।

❖ जाति अथवा समुदाय के बड़े हिस्सों तक सामान्य शैक्षणिक विकास की कमी।

❖ सरकारी सेवाओं में जाति की संख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व न होना।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- व्यापार वाणिज्य तथा उद्योग के क्षेत्र में और पर्याप्त प्रतिनिधित्व का न होना।
- हिंदू धर्म ग्रंथ की व्याख्या भी सामाजिक पिछड़ापन का प्रमुख कारण हैं। उदाहरण के तौर पर गोस्वामी तुलसीदास अपने रामायण में कहते हैं–

'पूजहि विप्र सकल गुण हीना।
शुद्र न पूजहु वेद प्रवीणा।।'

- **आर्थिक पिछड़ापन:** यह एक अस्थाई स्थिति हैं जो किसी भी वर्ग समुदाय या समूह में अंशकालिक होता हैं। यहां तक की किसी राज्य के लिए भी अस्थाई हो सकता हैं। जैसा पहले बताया जा चुका हैं कि बिहार विकास दर में भले ही आगे हो लेकिन 'यह राजस्व अधिशेष वाला राज्य नहीं हैं'। इसलिए बिहार आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ हैं। इसके लिए निम्न कारक भी जिम्मेदार हैं:
    - **बिहार की तेजी से बढ़ती जनसंख्या:** बिहार में जनसंख्या काफी तेजी से बढ़ रही हैं। इसके चलते विकास के लिए साधन कम हो रहे हैं। अधिकांश साधन जनसंख्या के भरण-पोषण में चला जाता हैं। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार बिहार की जनसंख्या लगभग 15 करोड़ हैं जो अति जनाधिक्य की श्रेणी में आता हैं।

    - **आधारिक संरचना का अभाव:** बिहार राज्य के लिए आधारिक संरचनाओं का होना जरूरी हैं। लेकिन यह इस मामले में काफी पीछे हैं। राज्य में सड़क, बिजली एवं सिंचाई का अभाव हैं। साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ भी कम हैं।
    - **कृषि पर निर्भरता:** बिहार की अर्थव्यवस्था पूरी तरह कृषि पर आधारित हैं। यहाँ की अधिकांश जनता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर ही निर्भर हैं। लेकिन हमारी कृषि की भी हालत ठीक नहीं हैं।
    - **पूंजी की कमी:** पूंजी की कमी बिहा में औद्योगिक पिछड़ेपन के प्राथमिक कारणों में से एक हैं। हमारे राज्य में निवेश की कमी हैं और बिहार सरकार उद्योगों को आवश्यक धन उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं। परिणामस्वरूप, उद्योग अपने परिचालन का आधुनिकीकरण और विस्तार नहीं कर पा रहे हैं।
    - **खराब बुनियादी ढाँचा:** बिहार में बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त और पुराना हैं जो राज्य के आर्थिक पिछड़ेपन का एक और कारण हैं। बुनियादी ढांचे में आधुनिक तकनीक की कमी बिहार के आर्थिक विकास में बाधा डालती हैं।
    - **पुरानी प्रौद्योगिकी:** पुरानी प्रौद्योगिकी का उपयोग बिहार में आर्थिक पिछड़ेपन का एक महत्वपूर्ण कारण हैं। राज्य में अधिकांश उद्योग अभी भी पारंपरिक तकनीकों का उपयोग करते हैं जो अप्रभावी और महंगी हैं। आधुनिक प्रौद्योगिकी की कमी के कारण उत्पादकता का स्तर निम्न हो गया हैं जिससे उद्योगों के विकास में बाधा उत्पन्न हुई हैं और यह स्थिति बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन को बनाए रखा हैं।
    - **कुशल श्रमिकों की कमी:** कुशल श्रमिकों की कमी बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन का एक और कारण हैं। बिहार की आबादी बहुत बड़ी हैं लेकिन कार्यबल को आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए शिक्षा प्रणाली पर्याप्त नहीं हैं। कुशल श्रमिकों की कमी के कारण उत्पादकता का स्तर निम्न हो गया हैं।
    - **लालफीताशाही और भ्रष्टाचार:** नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार भी बिहार में आर्थिक पिछड़ेपन का महत्वपूर्ण कारण हैं। सरकारी नियम प्राय: बोझिल और समय लेने वाले होते हैं जो आर्थिक विकास में बाधा डालते हैं।
    - **कमजोर औद्योगिक नीतियाँ:** यद्यपि बिहार में औद्योगिक नीतियां तो हैं लेकिन उनका सख्ती से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा हैं।
    - **अपर्याप्त अनुसंधान और विकास:** पर्याप्त अनुसंधान और विकास की कमी भी बिहार में आर्थिक पिछड़ेपन का एक महत्वपूर्ण कारण हैं। बिहार ने अनुसंधान और विकास में पर्याप्त निवेश नहीं किया हैं जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक क्षेत्र में नवाचार की कमी हुई हैं।

Bihar Naman GS An Institute for UPSC & BPSC, Patna

- **राजनीतिक पिछड़ापनः** राजनीतिक पिछड़ापन का संबंध बिहार की राजनीति में लिंग आधारित जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व से है। दुर्भाग्य से बिहार के पितृसत्तात्मक समाज ने राजनीतिक मोर्चों पर स्वयं को आगे रखा है। राजनीतिक भागीदारी में महिला तथा तीसरे लिंग के साथ नाइंसाफी हुई है। इसे आंकड़ों की सहायता से समझने का प्रयास करते हैं।

बिहार विधानसभा में कुल 243 प्रतिनिधियों में केवल 26 महिला विधायक है। यानी बिहार विधान मंडल में 9:1 का पुरुष:स्त्री प्रतिनिधित्व है। जरा सोचिए आधी आबादी को 50% सीटें मिलनी चाहिए थी। लेकिन मिला केवल 9.34%। यदि हम इससे नीचे के ढांचों पर जाएं तो स्थिति और भी खराब है। बिहार सरकार ने पंचायत से लेकर नगर निकायों तक पर्याप्त महिला राजनीतिक आरक्षण दिया है लेकिन यहां मुखिया पति, जिला परिषद पति आदि जैसे नवीनतम स्वघोषित पदों ने स्वच्छ राजनीति को प्रदूषित किया है। महिलाओं तथा अशिक्षित समूहों तक राजनीतिक जागरूकता का न पहुंच पाना भी बिहार में राजनीतिक पिछड़ा पर का एक महत्वपूर्ण कारण है।

- **भौगोलिक पिछड़ापनः** यद्यपि बिहार भौगोलिक रूप से काफी समृद्ध है जो उत्तर की ओर हिमालय, पश्चिम तथा पूर्व में मैदानी तथा दक्षिण में पठारी भागों से घिरा हुआ हैं। चूँकि उत्तर और दक्षिण के क्षेत्र कठोर हैं जो बिहार के मैदानी भाग पर दबाव डालते हैं जिस कारण से यह भाग बीच में धंसा हुआ तथा उत्तरी और दक्षिणी किनारो पर उभरे हुए भू-आकृति स्वरूप में स्थापित हुआ है। यानी भू-आकृतिक रूप से बिहार के मैदानी भाग **V** (अंग्रेजी वर्णमाला V के समान) आकार का है। यह क्षेत्र उत्तर तथा दक्षिण की ओर से बहने वाली सततवाहिनी नदियों के कारण गंभीर बाढ़ प्रवण क्षेत्र है। बंगाल की खाड़ी के समीप स्थित होने के कारण समूचा बिहार चक्रवात व तेज हवाओं के प्रभाव वाला क्षेत्र है जिससे यहां चक्रवतीय आपदा की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा यह सुखा, भूकंप, अगलगी, शीतलहरी, ठनका, ओलावृष्टि, लू आदि से भी प्रभावित क्षेत्र हैं जो बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार हैं। समुद्री व्यापार मार्ग का अभाव, मानसून का निरंतर बदलता पैटर्न, अंतरराज्यीय व्यापार गतिविधियों पर विविध प्रकार के राष्ट्रीय नीतियों का हावी होना, उत्तरी बिहार में मृदा का कोमलमल होना जो बड़े आधारभूत संरचना निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं है आदि बिहार में भौगोलिक पिछड़ेपन के प्रमुख कारण है।

- **कृषिगत पिछड़ापनः** बिहार की लगभग 88% जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है जिसमें से अधिकांश अपनी जीविका के लिए कृषि तथा सहवर्ती क्षेत्र पर निर्भर रहते हैं। भारत सरकार का **'राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन'** का **सावधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण** कहता है कि बिहार की 50% आबादी कृषि श्रमिक है लेकिन बिहार कृषि में भारत के अन्य राज्यों की तुलना में काफी पिछड़ा हुआ है। बिहार अपनी कुल भूमि का केवल 53.9% भाग ही कृषि के लिए उपयोग करता है जबकि 15.6% भूमि व्यर्थ खाली है। इसके लिए सरकार द्वारा कुछ विशेष योजना नहीं चलाया जा रहा है। अब बिहार की लगभग 15 करोड़ जनसंख्या का पेट मात्र 53.9% भूमि ही भरता है। आंकड़ों से आप कृषि पर दबाव की स्थिति को समझ सकते हैं। नीचे कुछ बिंदु दिए गए हैं जो बिहार में कृषिगत पिछड़ापन के कारण को विस्तार देता है-

  - ❖ कृषक आय में कमी तथा कृषक सुरक्षा नीति का न होना
  - ❖ जलवायु परिवर्तन व मानसून परिवर्तनियता
  - ❖ परंपरागत कृषि उत्पादन तरीका
  - ❖ अनार्थिक जोत या भू जोत क्षेत्र का छोटा होना
  - ❖ साख सुविधाओं का अभाव या काम होना
  - ❖ भू उपचार दृष्टिकोण का विकास ना होना
  - ❖ कृषि संबंधित तकनीक का अभाव
  - ❖ रासायनिक उर्वरकों का सर्वाधिक प्रयोग
  - ❖ भू स्वामित्व का दोषपूर्ण ढांचा
  - ❖ कृषकों को कृषि उपज का उचित मूल्य न मिलाना
  - ❖ विपणन व्यवस्था का त्रुटि पूर्ण होना
  - ❖ कृषि अनुसंधान हेतु आधारभूत संरचना का अभाव

- **शैक्षणिक पिछड़ापनः** किसी वर्ग, जाति, संप्रदाय, क्षेत्र या लिंग (स्त्री पुरुष या तीसरा जेंडर) को सामान गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध न होना ही शैक्षणिक पिछड़ापन हैं। भारत हो या हमारा बिहार, यहां की सामाजिक व्यवस्था में यह पांचो सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं। बिहार में विभिन्न आए समूह के लोग रहते हैं। सब अपनी हैंसियत के अनुसार शिक्षा ग्रहण भी करते हैं। अमीर समूह अच्छी और उच्च शिक्षा के लिए विदेश तक चले जाते हैं जबकि निर्धन समूह भारत या बिहार की इस पुरानी और जर्जर शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा होकर, कामचलाऊ शिक्षा पाकर ही संतोष कर लेते हैं। उच्च शिक्षा अधिक आय तथा निम्नतर शिक्षा कम आय वाले रोजगार को आकर्षित करती हैं। आय का प्रत्यक्ष संबंध आर्थिक प्रगति से होता हैं। इस प्रकार से शैक्षणिक पिछड़ापन आर्थिक पिछड़ेपन को जन्म

Bhar Naman GS (An Institute for UPSC& BPSC), Patna

देता हैं। 'कालेलकर आयोग' का मानना था कि शैक्षणिक पिछड़ापन का प्रमुख कारण सामाजिक पिछड़ापन हैं जो बिहार के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बिल्कुल सटीक बैठता हैं। गरीबी शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता की कमी सामाजिक एवं सांस्कृतिक बाधाएं, अपर्याप्त संसाधन और भौगोलिक दूरदर्शिता की कमी बिहार में शैक्षणिक पिछड़ेपन के अन्य कारक हैं।

अब बिहार के पिछड़ेपन के परिणाम को देखते हैं। बिहार के पिछड़ेपन के परिणाम निम्नलिखित हैं-

- **राज्य से उच्च पलायनः** बिहार में औद्योगिक पिछड़ेपन के कारण राज्य में आजीविका के अवसर कम हैं, जिसके परिणामस्वरूप लोग अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु और अन्य राज्यों में रोजगार की तलाश में जाते हैं। यह संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।
- **प्रतिभा पलायनः** जनसांख्यिकी परिवर्तन के कारण बिहार से युवा पुरुष अच्छी आयकी तलाश में पलायन करते हैं और गांव में महिलाएं, बच्चे और बूढ़े रहते हैं जो अर्थव्यस्था को ज्यादा गति नही दे सकते।
- **कम शहरीकरणः** उद्योग शहरीकरण को गति देने में मदद करते हैं। बिहार में शहरीकरण (शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग) लगभग 11.3% है और यह भारत के औसत (32%) से काफी कम है।
- **गरीबी का उच्च स्तरः** औद्योगीकरण के स्तर और गरीबी के बीच विपरीत संबंध है। अत्यधिक औद्योगिक क्षेत्रों में कम गरीबी है। राज्य में कम औद्योगीकरण के कारण, बिहार की लगभग 52% आबादी गरीबी रेखा से नीचे रह रही है और यह देश में सबसे अधिक है। यहाँ के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी देश में सबसे कम है।
- **निम्न स्तर का सामाजिक-आर्थिक विकासः** क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के औद्योगीकरण के स्तर के बीच विपरीत संबंध होता है। बिहार देश के सभी सामाजिक-आर्थिक मानकों में सबसे नीचे है।

उपरोक्त संकेतक से पता चलता है कि बिहार में सामाजिक-आर्थिक विकास कम है और यह मुख्य रूप से राज्य में औद्योगीकरण के निम्न स्तर के कारण है।

बिहार में आर्थिक विकास के लिए उपलब्ध संसाधन क्षमता की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के माध्यम से की जा सकती हैं-

- **कृषि आधारित और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगः** बिहार आम, अमरूद, लीची आदि फलों की किस्मों के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है, गुणवत्ता के मामले में भी वे प्रसिद्ध हैं। भारत का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक उभरता हुआ उद्योग है और बिहार कच्चे माल की गुणवत्ता और मात्रा प्रदान कर सकता है। कच्चा माल और सस्ता श्रम उपलब्ध कराने से उद्योग और राज्य दोनों फल-फूल सकते हैं।
- **चमड़ा उद्योगः** भारत चमड़ा आधारित कच्चे माल के अग्रणी उत्पादकों में से एक है और बिहार चमड़ा उद्योग की एक प्रमुख कड़ी हो सकता है। मवेशियों की आबादी अधिक है इसलिए चमड़ा उद्योग स्थायी रोजगार उत्पन्न कर सकता है।
- **हस्तकला और कपड़ा उद्योगः** ऐतिहासिक रूप से, बिहार कलाकारों और बुनकरों के लिए जाना जाता है जो इस उद्योग की सेवा कर सकते हैं।
- **चीनी उद्योगः** बिहार की जलवायु गन्ना उत्पादन के अनुकूल है। उचित सिंचाई से बिहार इस नकदी फसल का लाभ उठा सकता है और अपने गलियारे में इस उद्योग को बढ़ावा दे सकता है।
- **खनन उद्योगः** विभिन्न खनिजों जैसे अभ्रक, चूना पत्थर, बॉक्साइट आदि की उपस्थिति के कारण यह खनन उद्योग की सेवा कर सकता है।
- **वन आधारित उत्पाद उद्योगः** बिहार में विशिष्ट वृक्षों, जड़ी-बूटियों, झाड़ियों के साथ वन के अंतर्गत एक बड़ा क्षेत्र है, जिसका उपयोग कॉस्मेटिक और औषधीय प्रयोजनों के लिए जैविक उत्पाद के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। साथ ही, फर्नीचर उद्योग के लिए भी वन उत्पादों का उपयोग किया जा सकता है।
- **डेयरी फार्मिंगः** डेयरी उद्योग प्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। कृषि आधारित उद्योगों में विकास डेयरी उद्योगों को फलने-फूलने और रोजगार उत्पन्न करने में मदद करेगा।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

- **बागवानी:** बिहार में आम और लीची आदि तरह-तरह के फलों का उत्पादन होता है जो पूरे भारत में प्रसिद्ध हैं। इस क्षेत्र में सतत विकास उत्पादन देश की अर्थव्यवस्था में योगदान कर सकता है।
- **पर्यटन:** बिहार ऐतिहासिक रूप से समृद्ध है। यह सदियों से दुनिया के लिए जाना जाता है। शक्तिशाली प्राचीन महाजनपद मगध की राजधानी के रूप में सेवा की। ऐतिहासिक महत्व के स्थानों को पर्यटन मानचित्र पर विकसित किया जा सकता है और इन सभी स्थलों के बीच परिवहन और संचार के साधनों से एक बड़े उद्योग का विकास हो सकता है जो स्थायी रोजगार उत्पन्न कर सकता है।

  उचित ढांचागत विकास, सिंचाई, परिवहन सुविधा के साथ बिहार अपनी विशाल क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है और अपनी आबादी को रोजगार दे सकता है। वास्तव में बिहार में कई अन्य उद्योग भी स्थापित किए जा सकते हैं क्योंकि बिहार श्रम प्रधान राज्य है।

बिहार उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाएँ / किए जा रहे प्रयास:

- 7 निश्चय योजना- कौशल विकास, नल कनेक्शन, महिलाओं के रोजगार और सभी को बिजली देने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- कमजोर लोगों को भोजन का अधिकार प्रदान करने के लिए ई-पीडीएस योजना।
- कृषि क्षेत्र में बीज पर सब्सिडी
- कुछ क्षेत्रों जैसे एफपीआई, लकड़ी उद्योग, गन्ना और सब्जियों को प्राथमिकता देना।
- इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट- सड़क संपर्क और सुलभ शहरी परिवहन आदि।
- अगस्त 2021 में, बिहार सरकार द्वारा कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के तुरंत बाद, भारतीय रेलवे ने राज्य के महत्वपूर्ण शहरों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली 28 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने की योजना की घोषणा की। इससे माल ढुलाई में बिहार को फायदा होगा।

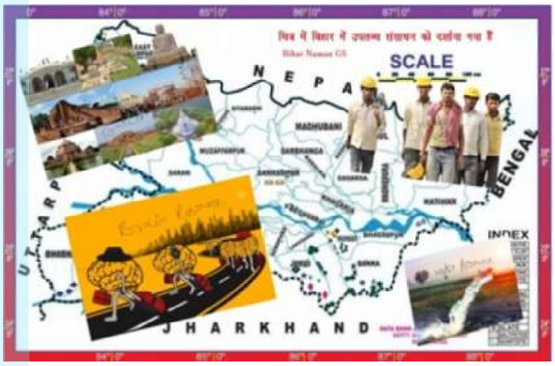

- सितंबर 2021 में, बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कारगिल चौक से एनआईटी तक 2.20 किलोमीटर लंबे डबल डेकर फ्लाईओवर की आधारशिला रखी। इस डबल-डेकर फ्लाईओवर के निर्माण में तीन साल लगेंगे, इस पर 422 करोड़ (57.60 मिलियन डॉलर) करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है।
- फरवरी 2022 में, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने सारण जिले के सोनपुर के पास कालूघाट में बिहार के पहले इंटरमॉडल अंतर्देशीय जलमार्ग कार्गो टर्मिनल की आधारशिला रखी जिससे बिहार को सस्ते परिवहन साधन उपलब्ध होंगे।
- फरवरी 2022 में, बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने संयुक्त रूप से मुंगेर रेल-सह-पुल के लिए 14.5 किलोमीटर लंबी पहुंच सड़क का उद्घाटन किया, जिसकी लागत रु. 696 करोड़ (90.94 मिलियन डॉलर) हैं।
- सितंबर 2022 में, बिहार कैबिनेट ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में लगभग 8,000 पदों को जोड़कर राज्य के चिकित्सा बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की योजना को मंजूरी दी थी जिसका निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा हैं।
- 2023 में बिहार के 31.78 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2.61 लाख करोड़ रुपये) के बजट में शिक्षा, ग्रामीण क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी हैं।
- बिहार में, सितम्बर 2023 तक, लगभग 210,000 से अधिक किसानों को जलवायु-लचीली कृषि विधियों के बारे में शिक्षित किया गया है, क्योंकि 2019 में आठ जिलों के 40 गांवों में इस उद्देश्य के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की गई थी।
- बिहार में सड़क निर्माण कार्य 20 करोड़ रु. 30,000 करोड़ (4.06 बिलियन डॉलर) का नुकसान हो रहा है। भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के लिए कुल रु. 4,600 करोड़ (621.81 मिलियन डॉलर) की घोषणा की गई है।
- 7 किलोमीटर का चार लेन का कोशी पुल, जिसकी लागत रु. 1478 करोड़ (199.79 मिलियन डॉलर) हैं, की शुरुआत की गयी हैं।
- सारण जिले में गंडक नदी के तट पर एक नदी या अंतर्देशीय बंदरगाह का निर्माण किया गया हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

- यातायात की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से सात निश्चय भाग-2 कार्यक्रम के तहत बिहार भर में 120 शहरी स्थानों पर बाईपास सड़कें बनाया गया हैं। इन सड़कों की कुल लंबाई 708 किलोमीटर है, जिसकी लागत अनुमानित लागत 4,154 करोड़ (559.99 मिलियन डॉलर) है।

बिहार के विकाश को बल देने वाली महत्वपूर्ण योजनाओं का विवरण:

- मुख्यमंत्री एससी-एसटी उद्यमी योजना 2023
- मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना
- बिहार राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (जीविका)
- वन स्टॉप सेंटर
- मुख्यमंत्री बालक/बालिका साइकिल योजना
- इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना
- बिहार निशक्तता पेंशन योजना
- मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना
- मुख्यमंत्री विकलांग सशक्तीकरण योजना (सम्बल)
- पूरक पोषाहार कार्यक्रम
- इंदिरा गाँधी मातृत्व सहयोग योजना
- परवरिश
- वृद्धा आश्रम निर्माण
- आसरा
- मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति मेधावृत्ति योजना
- मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना
- मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना
- महादलित विकास मिशन, आदि
- बिहार किसान सम्मान निधि योजना
- मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना
- मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना
- ग्रामीण अभिसरण एवं सुविधा केन्द्र
- मुख्यमंत्री शताब्दी बालिका पोशाक योजना
- लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना
- राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना
- मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना
- समेकित बाल विकास सेवा योजना
- राजीव गाँधी किशोरी सबलीकरण योजना (सबला)
- मिशन मानव विकास
- बिहार शताब्दी एड्स पीड़ित योजना
- बिहार समेकित सामाजिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण परियोजना (BISPS)
- मानव व्यापार एवं पीड़ितों के पुनर्वास हेतु कार्यक्रम अस्तित्व
- मुख्यमंत्री अत्यंत पिछड़ा वर्ग मेधावृत्ति योजना
- मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग मेधावृत्ति योजना
- मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष

निष्कर्ष

अपने नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने तथा आर्थिक विकास करना बिहार राज्य का दायित्व हैं और इसकी दिशा में राज्य बहुत उत्साह से आगे बढ़ रहा है। राजनीति को अधिक कुशल और समावेशी बनाकर तथा राज्य में उपलब्ध विकास के संसाधनों का समुचित उपयोग करके बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता हैं।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्नः बिहार किस रूप में आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ हैं? बताइए। बिहार सरकार द्वारा इसे दूर करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा कीजिए।

(अंकः 38, शब्द सीमाः 400 से 500)

Bihar NamanGS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

खंड-III विशेष आलेख : जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बिहार के बढ़ते कदम

(लेखनः श्री दयानंद कुमार, Dy SP, बिहार सरकार)

जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान तेजी से प्रगति कर रहा है। दैनिक जीवन में जैविक विज्ञान में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए जीवन विज्ञान, जैव रसायन, आणविक जीवविज्ञान, रसायन इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान को एकीकृत करके एक नया क्षेत्र उभरा है। जैव प्रौद्योगिकी कृषि, चिकित्सा एवं पशुपालन तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में गहरा प्रभाव डाल सकती है। पिछले कई वर्षो में कई क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों के कारण इस विज्ञान का आर्थिक लाभ में बड़ा रूपांतरण देखा गया है। जैव प्रौद्योगिकी का विज्ञान प्रयोगशालाओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि दुनिया भर में एक औद्योगिक क्रांति के रूप में उभर रहा है। औद्योगिक विकास की संभावनाओं के अलावा, जैव प्रौद्योगिकी समाज के लिए, विशेषकर विकासशील देशों में श्आशा के विज्ञानश के रूप में भी उभर रही है। कम लागत वाली दवाएं, पोषण से भरपूर भोजन, पर्यावरणीय गिरावट का निवारण, पशुधन की नस्ल और स्वास्थ्य में सुधार समेत कई अन्य क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता को भी मान्यता मिली है।

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बिहार की प्रतिष्ठित स्थिति बनाने के लिए बिहार सरकार कृतसंकल्पित हैं। इसके लिए निम्न क्षेत्रों में उद्देश्य के तहत काम किया जा रहा हैं।

उद्देश्य

1. जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राज्य का प्रतिष्ठित स्थान स्थापित करना।
2. जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए उद्यमशीलता और नौकरी के अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
3. जैव प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना और स्थायी व्यावसायिक उपयोग के लिए जैव संसाधन विकसित करना।
4. राज्य में औद्योगिक/वाणिज्यिक विकास के लिए नए और मौजूदा अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं का उपयोग करना और कॉर्पोरेट फंडिंग को बढ़ावा देना और ऐसे ज्ञान को विकसित करना जो इस हेतु सहायक हैं।
5. पूरे राज्य में जैव प्रौद्योगिकी के विकास, अधिग्रहण और प्रसार के लिए पर्याप्त संस्थागत और संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास करना।
6. अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना और जैव प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना।
7. अकादमिक, शिक्षा-उद्योग संपर्क को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विकसित करना।
8. बिहार सरकार ने बिहार जैव ईंधन उत्पादन प्रोत्साहन नीति, 2023 को मंजूरी दी हैं, जो राज्य में इथेनॉल के अलावा संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करेगी। सीबीजी का उत्पादन बायोमास और अपशिष्ट स्रोतों जैसे कृषि अवशेष, मवेशी गोबर, गन्ना प्रेस मिट्टी, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट और सीवेज उपचार संयंत्र अपशिष्ट से किया जाता है। केंद्र की सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवड्र्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (एसएटीएटी) योजना के अनुसार, सीबीजी में लगभग सीएनजी के समान गुण हैं। इसलिए, सीएनजी पर चलने वाले वाहन में बिना किसी संशोधन के सीबीजी भरा जा सकता है। राजधानी पटना में सीबीजी+सीएनजी इन्धन से वाहन चलाया जा रहा हैं।

बिहार में हो रहे प्रमुख गतिविधियाँः

- आओ बिहार पहल के माध्यम से राज्य में बायोटेक उद्योगों को आमंत्रित किया जा रहा हैं।
- इसके लिए कुशल मानव संसाधन उत्पन्न करने के लिए कई योज्नाए चलाई जा रही हैं।
- इस क्षेत्र के संबंध में ब्लाक स्तर पर मूल जागरूकता पैदा किया जा रहा हैं।
- तकनीकी पहल और शिक्षा से मजबूत शैक्षणिक आधार तैयार किया जा रहा हैं।
- बिहार में बायोटेक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को शुरू किया गया हैं।
- राज्य में प्रमुख जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाओं को सहायता राशि उपलब्ध कराया जा रहा हैं।
- राज्य में लघु जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाओं को भी सहायता राशि उपलब्ध कराया जा रहा हैं।

Bharat Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

क्या हैं जैव प्रौद्योगिकी?

जैव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जो विभिन्न उत्पादों को विकसित करने या बनाने के लिए जैविक प्रणालियों, जीवित जीवों या इसके कुछ हिस्सों का उपयोग करती है। जैव प्रौद्योगिकी आनुवंशिक रूप से संशोधित पौधों, जानवरों, रोगाणुओं और कवक का उपयोग करके उद्योगों और जैविकों के लिए किसी भी औषधीय दवा उत्पाद के निर्माण के लिए जिम्मेदार है।

जैव प्रौद्योगिकी की शुरुआत 6,000 साल पहले कृषि क्रांति के साथ हुई थी। इस प्रारंभिक युग की विशेषता जीवित जीवों का उनके प्राकृतिक रूपों में शोषण करना या चयनात्मक प्रजनन के माध्यम से उनकी आनुवंशिक संरचना को संशोधित करना था।

पिछले 100 सौ वर्षों में जैव प्रौद्योगिकी निम्नलिखित खोजों और प्रगति के साथ विकासरत हैं-

- 1919- हंगरी के वैज्ञानिक **कार्ल एरेकी** ने जैव प्रौद्योगिकी शब्द को गढ़ा था।
- 1928- **अलेक्जेंडर फ्लेमिंग** ने पहले सच्चे एंटीबायोटिक **पेनिसिलिन** की खोज की।
- 1943- **ओसवाल्ड एवरी** ने साबित किया कि **डीएनए आनुवंशिक जानकारी रखता** है।
- 1953- **जेम्स वॉटसन** और **फ्रांसिस क्रिक** ने **डीएनए की डबल हेलिक्स संरचना** की खोज की।
- 1960 का दशक- मधुमेह से लड़ने के लिए इंसुलिन का संश्लेषण किया गया और खसरा, कण्ठमाला और रूबेला के लिए टीके विकसित किए जाते हैं।
- 1969- इन विट्रो में या शरीर के बाहर किसी एंजाइम का पहला संश्लेषण किया गया।
- 1973- **हर्बर्ट बॉयर** और **स्टेनली कोहेन** ने एक बैक्टीरिया से दूसरे बैक्टीरिया में डीएनए के पहले सम्मिलन के साथ **आनुवंशिक इंजीनियरिंग** विकसित की।
- 1980 का दशक- कैंसर के इलाज के लिए पहली बायोटेक दवाएं विकसित की गईं।
- 1982- इंसुलिन का बायोटेक-विकसित रूप अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित पहला आनुवंशिक रूप से इंजीनियर उत्पाद बन गया।
- 1983- पहला आनुवंशिक रूप से संशोधित पौधा विकसित किया गया।
- 1993- गायों में अधिक दूध पैदा करने वाले वृद्धि हार्मोनों के एफडीए अनुमोदन के साथ जीएमओ को कृषि में प्रयोग किया गया।
- 1997- पहले स्तनपायी का क्लोन बनाया गया।
- 1998- मानव जीनोम परियोजना का पहला मसौदा तैयार किया गया, जिससे वैज्ञानिकों को 30,000 से अधिक मानव जीनों तक पहुंच प्राप्त हुई और कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के उपचार पर अनुसंधान की सुविधा मिली।
- 2010- पहला सिंथेटिक सेल बनाया गया।
- 2013- पहली बायोनिक आंख बनाई गई।
- 2020- **SARS-CoV-2** वायरस के इलाज के लिए डत्छ। वैक्सीन और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी तकनीक का उपयोग किया गया।

जैव प्रौद्योगिकी के कई **अनुप्रयोग** हैं, विशेष रूप से चिकित्सा और कृषि क्षेत्र में। जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों में चिकित्सीय, निदान, कृषि के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें, प्रसंस्कृत भोजन, बायोरेमेडिएशन, अपशिष्ट उपचार और ऊर्जा उत्पादन शामिल हैं।

जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

दवा क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

- विभिन्न रोगों के निदान और उपचार के लिए चिकित्सा में जैव प्रौद्योगिकी तकनीकों का उपयोग किया जाता है। **समस्तीपुर** और **हाजीपुर** जिला इस उन्नत तकनीक द्वारा दवा निर्माण में आगे बढ़ रहे हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, जेनेटिक इंजीनियरिंग ने जीन थेरेपी, पुन: संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी और पोलीमरेज चेन रिएक्शन जैसी तकनीकों की शुरुआत की है जो जीन और डीएनए अणुओं का उपयोग रोगों का निदान करने और शरीर में नए और स्वस्थ जीन डालने के लिए करते हैं जो क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जगह लेते हैं। **इस प्रकार का इलाज पटना मेडिकल कॉलेज और पटना एम्स में किया जा रहा है।**
- मच्छरों में अनुवांशिक संशोधन से डेंगू और मलेरिया जैसी महामारियों की समस्या का समाधान हो सकता है। बिहार के सभी नगर निगमों में फोगिंग हेतु इस नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जा रहा हैं।
- कृत्रिम गर्भाधान एक मादा जानवर के प्रजनन पथ में वीर्य का कृत्रिम समावेश है। यह भेड़ और मवेशियों जैसे प्रजनन पशुओं में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। **बिहार के समस्तीपुर, बेगुसराय और मुजफ्फरपुर जिले में इस विधि से 2 लाख से अधिक पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान किया गया हैं।**
- चिकित्सा शोधकर्ताओं का मानना है कि स्टेम सेल थेरेपी में मानव रोग के उपचार को नाटकीय रूप से बदलने की क्षमता है। कई वयस्क स्टेम सेल उपचार पहले से ही मौजूद हैं, विशेष रूप से अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण जिनका उपयोग ल्यूकेमिया के इलाज के लिए किया जाता है। **IGIMS पटना में ऐसे कई केस निस्तारित किय गए हैं।**
- रक्त विकारों के उपचार में पहली बार स्टेम सेल प्रत्यारोपण का उपयोग किया गया था और यह एक सफलता थी। पारंपरिक रूप से अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के रूप में जाना जाता है, रक्त कोशिकाओं के उत्पादन के लिए जिम्मेदार स्टेम कोशिकाएं अस्थि मज्जा में रहती है।

कृषि क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

- जैव-प्रौद्योगिकी ने खाद्य पदार्थों के बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने के लिए जीन में परिवर्तन, अध्ययन और विभिन्न फसलों की क्लोनिंग करके अंततः हमारे जीवन में सुधार करके कृषि में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।
- संकर बीज, कृत्रिम बीज, प्रकाश संश्लेषण सुधारक, तनाव प्रतिरोधी फसलें और पौधे, जैव उर्वरक, जैव कीटनाशक कुछ संभावित अनुप्रयोग हैं। **पूसा** द्वारा इस क्षेत्र में काम किया जा रहा हैं।
- संभावित लाभ जो जैव प्रौद्योगिकी कृषि अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रदान कर सकती है, जैसे कि पशुधन प्रबंधन, कृषि उत्पादों का भंडारण और वर्तमान फसल की पैदावार को बनाए रखना, जबकि उर्वरकों, शाकनाशियों और कीटनाशकों के उपयोग को कम करना।
- जैव प्रौद्योगिकी सिंथेटिक खाद्य पदार्थों के लिए एक बहुत ही आशाजनक विकल्प प्रदान करती है और पारंपरिक पौधे-प्रजनन तकनीकों में सुधार करती है। अन्य उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों के साथ संयुक्त, यह टिकाऊ कृषि के लिए उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए एक रोमांचक और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार तरीका प्रदान करता है।

पशुपालन क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

- इस क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग, शारीरिक प्रणालियों के हेरफेर और नियंत्रण के माध्यम से उत्पादन क्षमता बढ़ाने और पशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए बहुत महत्व रखता है। बिहार के पशुधन संवर्धन हेतु इसका प्रयोग किया जा रहा हैं। इस तकनीक से **गौवंशीय प्रजातियों** का विशेष रूप से संवर्धन किया गया है
- पशु स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार, प्रजनन में वृद्धि, और पशु-व्युत्पन्न खाद्य पदार्थों की बेहतर पोषण गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए नस्ल विकास में तेजी लाने के लिए **पशुधन उद्योग** के विभिन्न पहलुओं में जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है।
- जानवरों के प्रजनन स्टॉक में सुधार के लिए विभिन्न जैव प्रौद्योगिकी विधियों का उपयोग किया जाता है। इनमें **कृत्रिम गर्भाधान (एआई), भ्रूण स्थानांतरण (ईटी), इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ), सोमैटिक सेल न्यूक्लियर ट्रांसफर** और **सोमैटिक सेल न्यूक्लियर ट्रांसफर** पर उभरती तकनीक शामिल हैं।
- भ्रूण प्रत्यारोपण, मवेशियों, बकरियों, सूअरों और भेड़ों के साथ प्रयोग किया जाता है, इसका उद्देश्य एक गुणवत्ता वाली मादा से संतानों की संख्या में वृद्धि करना है।

Bihar Nirman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- कृत्रिम रूप से एक जानवर के अनुवांशिक डुप्लिकेट उत्पन्न करने के लिए क्लोनिंग भ्रूण भी संभव हो गया है।
- किसी जानवर की आनुवंशिक सामग्री - जेनेटिक इंजीनियरिंग - में प्रत्यक्ष हेरफेर और परिवर्तन से पशु प्रजनन में और भी अधिक कठोर परिवर्तन उत्पन्न करने की क्षमता होती है। ऐसा माना जाता है कि आनुवंशिक रूप से परिवर्तित सूअर एक दिन मनुष्यों में आपातकालीन प्रत्यारोपण (जेनोट्रांसप्लांटेशन) के लिए संगत अंग प्रदान करने में सक्षम हो सकते हैं।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

- आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी स्वाद, उपज, शैल जीवन और पोषक मूल्यों को बढ़ाने में सहायक है। यह खाद्य प्रसंस्करण (किण्वन और एंजाइम से जुड़ी प्रक्रियाओं) में भी उपयोगी है। बिहार में हो रहे खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में जितने भी नवोन्मेष हुए हैं उनमें जैव प्रौद्योगिकी का सहायता लिया जा रहा है।
- आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी उत्पाद व्यावसायिक रूप से उचित हैं। इसलिए यह कृषि के साथ-साथ खाद्य उद्योग में सुधार कर सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप गरीब किसानों की आय में वृद्धि होगी।
- रोटी, पनीर, शराब, बीयर, दही और सिरका सभी सूक्ष्मजीवों को संवर्धित करके बनाए जाते हैं और वास्तव में जैव प्रौद्योगिकी के सबसे पुराने उत्पाद हैं।
- यह भोजन की खाद्यता, बनावट और भंडारण में सुधार करने में मदद करता हैय बैक्टीरियोफेज जैसे वायरस द्वारा भोजन, मुख्य रूप से डेयरी, के हमले को रोकने में।
- बायोटेक्नोलॉजिस्ट ऐसे परीक्षण भी विकसित कर रहे हैं जो खाद्य-दूषित सूक्ष्मजीवों और उनके द्वारा उत्पादित विषाक्त पदार्थों का पता लगाने की अनुमति देंगे, जो कि कम मात्रा में ही मौजूद हो सकते हैं।
- जैव प्रौद्योगिकी में अलग-अलग खाद्य उत्पादों में म्यूटाजेन्स (पदार्थ जो आनुवंशिक परिवर्तन का कारण बनते हैं) का पता लगाने में भी अनुप्रयोग हैं।
- कुछ देशों में जिन जीएम फसलों को खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई है उनमें मक्का, मक्का, सोया, टमाटर, आलू और पपीता शामिल हैं।
- जैव प्रौद्योगिकी में नवीनतम नवाचार जो विटामिन ए, जिंक और आयरन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ प्रमुख संयोजन को मजबूत करते हैं, भारत में भूख की समस्या के लिए मददगार हो सकते हैं।

पर्यावरण क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

- वनों की कटाई और वायु प्रदूषण जैसे पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है।
- जैव प्रौद्योगिकी हवा में पार्टिकुलेट मैटर 2.5 के स्तर का पता लगाने में मदद कर सकती है।
- जैव प्रौद्योगिकी पहले से ही पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के लिए एक स्वच्छ और नवीकरणीय विकल्प प्रदान कर रही है, जिसके जलने से ग्लोबल वार्मिंग में योगदान होता है।
- पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी का लाभ हमें प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण को प्रभावित करने वाले खतरनाक प्रदूषकों और कचरे के उपयोग से बचने में मदद करता है।
- बायोसेंसर, जो एक विशेष प्रकार के रसायन का पता चलने पर एक सर्किट को ट्रिगर करने के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक घटकों के साथ एक जैविक घटक (जैसे एक एंजाइम) को जोड़ते हैं। बायोसेंसर प्रोटीन, हार्मोन, प्रदूषकों, गैसों और अन्य अणुओं के अत्यंत निम्न स्तर का पता लगाने में सक्षम हैं।
- बायोमार्कर: यह पर्यावरण में जैव प्रौद्योगिकी का एक अनुप्रयोग है जो प्रदूषण के प्रभाव को मापने के लिए रसायनों के प्रति प्रतिक्रिया करता है।
- जैव ईंधन: जैव ईंधन एक ऐसा ईंधन है जो जीवाश्म ईंधन के निर्माण में शामिल बहुत धीमी प्राकृतिक प्रक्रियाओं जैसे कि तेल के बजाय बायोमास से कम समय में उत्पन्न होता है। चूंकि बायोमास को सीधे ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इसलिए कुछ लोग बायोमास और बायोफ्यूल शब्दों का परस्पर उपयोग करते हैं।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

- बायोरेमेडिएशन: एक ऐसी प्रक्रिया है जो मुख्य रूप से सूक्ष्मजीवों, पौधों, या माइक्रोबियल या पौधों के एंजाइमों का उपयोग मिट्टी और अन्य वातावरण में दूषित पदार्थों को दूर करने के लिए करती है।

जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े नवीनतम प्रोजेक्ट (लोटस-एचआर प्रोजेक्ट)

- स्वस्थ पुन: उपयोग (लोटस-एचआर) परियोजना के लिए शहरी सीवेज धाराओं का स्थानीय उपचार जुलाई 2017 में शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य एक उपन्यास समग्र (अपशिष्ट) जल प्रबंधन दृष्टिकोण प्रदर्शित करना है जो स्वच्छ पानी का उत्पादन करता हैं जिसका विभिन्न उद्देश्यों के लिए पुन: उपयोग किया जा रहा है।
- पायलट-स्केल मॉड्यूलर संयंत्र चालू होने पर प्रति दिन 10,000 लीटर सीवेज पानी का उपचार (बड़े महानगरों में) हो रहा हैं।
- LOTUS-HR परियोजना संयुक्त रूप से जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और नीदरलैंड्स ऑर्गनाइजेशन फॉर साइंटिफिक रिसर्च/ STW नीदरलैंड्स सरकार द्वारा समर्थित है।

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुआ हालिया प्रगति

लघु आंखे: हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने प्रारंभिक अवस्था के भ्रूणों की विकासशील आंखों के समान लघु आंखों जैसे अंगों को सफलतापूर्वक विकसित किया है, इसलिए वे प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके उत्पादित किए जाते हैं जो कि स्टेम सेल के प्रकार हैं जो सीधे वयस्क त्वचा कोशिकाओं से उत्पन्न हो सकते हैं।

प्रयोगशाला में मानव एंटीबॉडी का विकास: वैज्ञानिकों ने पहली बार प्रयोगशाला में मानव एंटीबॉडी का उत्पादन किया है। इससे कई तरह की बीमारियों के लिए नए टीके विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे पता चलता है कि पिछले कुछ सालों में जैव प्रौद्योगिकी का कितना विकास हुआ है।

फ्लिंक (कार्यात्मक स्याही): जैव प्रौद्योगिकी की मदद से स्विट्जरलैंड में वैज्ञानिकों द्वारा विकसित कार्यात्मक जीवित स्याही एक नई मुद्रण सामग्री है। इसमें स्याही के रूप में विभिन्न बैक्टीरिया होते हैं, इसलिए जैव रासायनिक गुणों (3डी प्रिंटिंग) के साथ वस्तुओं को प्रिंट या विकसित करना संभव है। बैक्टीरिया की विभिन्न प्रजातियों का उपयोग अलग-अलग सांद्रता में किया जाता है, इसलिए यह विभिन्न स्याही का उपयोग करके मुद्रण की अनुमति देता है और कई गुणों वाली वस्तुओं का उत्पादन करता है।

पौधे जो चमकते हैं: वैज्ञानिकों ने जैव प्रौद्योगिकी की मदद से पौधों की पत्तियों में विशेष नैनोकणों को एम्बेड करने का एक तरीका सफलतापूर्वक खोज लिया है। **पटना स्थित संजय गाँधी जैविक उद्यान** (जिसे संजय गाँधी वनस्पति और प्राणि उद्यान या पटना चिड़ियाघर के नाम से भी जाना जाता है) में इस प्रकार के पौधे का प्रतिस्थापन वहां के प्राकृतिक वनस्पतियों और जीवों के जीवन को प्राकृतिक प्रकाश की अनुभूति कराएगा जिससे उनकी प्राकृतिक स्थिरता में मदद मिलेगी।

फैंटम-3डी (ह्यूमन फिंगर प्रिंटिंग का मॉडल): अनिल जैन के नेतृत्व में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों की एक टीम ने जैव प्रौद्योगिकी की मदद से फिंगरप्रिंट का पहला 3डी मॉडल बनाया हैं।

हीट शॉक प्रोटीन: वैज्ञानिकों ने संभावित साइलेंसिंग मैकेनिज्म एचएसपी-90 की खोज की है। सामान्य परिस्थितियों में, एचएसपी 90 आनुवंशिक परिवर्तन को नियंत्रण में रखता है। यह जैव प्रौद्योगिकी की मदद से संभव हुआ है।

निष्कर्ष

जैव प्रौद्योगिकी के लाभ ऐसे समय में विशेष रूप से सार्थक हैं जब हमारी वैश्विक आबादी बढ़ रही है और मुख्य रूप से विकासशील देशों में भोजन की मांग बढ़ रही है। हालांकि, यह ध्यान में रखा जाना चाहिए कि अनुवांशिक संशोधन के दीर्घकालिक परिणाम अभी भी अज्ञात हैं इसलिए प्रौद्योगिकी का सावधानी से उपयोग किया जाना चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: जैव प्रौद्योगिकी क्या हैं? विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों को लिखिए।

(अंक: 38, शब्द सीमा: 400 से 500)

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

निबंधः 'युवा, बिहार नहीं हैं, बल्कि बिहार युवा हैं'

बिहार के युवाजन बिहार के विकास के आधार हैं। वे राज्य के सबसे ऊर्जावान भाग हैं और इसलिए समाज को उनसे बहुत उम्मीदें भी हैं। सही मानसिकता और क्षमता के साथ बिहार का युवा वर्ग राज्य के विकास में योगदान कर सकते हैं और इसे आगे बढ़ा सकते हैं। युवा ऊर्जा से भरी नदी की तरह होते है, जिसके प्रवाह को एक सही दिशा की आवश्यकता होती है। आज का बिहारी युवा वर्ग प्रतिभा और क्षमता से लबरेज है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, गणित, वास्तुकला, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में बहुत प्रगति हुई है, जिसमें युवाओं का सर्वाधिक योगदान रहा है। युवाओं की सोच रचनात्मक होती है। वे नए प्रयोग करने से पीछे नहीं हटते। बिहार के युवाओं ने प्रत्येक क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया है। लगभग **58%** भारतीय जनसंख्या युवाओं (25 वर्ष से कम आयु वर्ग की) की है। हमारे राज्य बिहार में कई प्रतिभाशाली और मेहनतकश युवा हैं जिन्होंने देश को गर्व की अनुभूति कराई है। जैसे- गणित के शिक्षक आनंद कुमार , मैथिली गायिका मैथिली ठाकुर, फिल्म अभिनेता सुशांत सिंग राजपूत , मनोज बाजपेयी , पंकज त्रिपाठी आदि। किन्तु हमे अन्य युवाओं को भी इस स्तर पर तैयार करना है जिससे उनकी ऊर्जा का उपयोग चमकते बिहार के विकास में किया जा सके । इसके लिए निम्न उपाय किए जा सकते हैं–

(लेखनः संतोष कश्यप, निदेशक, बिहार नमन ग्रुप)

परिचय

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं का आह्वान करते हुए कठोपनिषद का एक मंत्र कहा था-**'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत'** अर्थात **उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक कि अपने लक्ष्य तक न पहुंच जाओ'**

जिम्मेदार युवा तैयार करने होंगे-

इस दुनिया में मुख्य रूप से दो प्रकार के लोग हैं। पहले वो जो जिम्मेदारी से काम करते हैं और निर्धारित मानदंडों का पालन करते हैं और दूसरे वो जो मानदंडों पर सवाल उठाते हैं और गैर जिम्मेदार रूप से काम करते हैं। हालांकि तर्क के आधार पर मानदंडों पर सवाल उठाने में कुछ भी गलत नहीं है लेकिन गैर जिम्मेदारियों से कार्य करना स्वीकार्य नहीं है। आज के युवाओं में बहुत सी क्षमताएं हैं और यह माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे सही दिशा में उनकी रचनात्मकता और क्षमता को निर्देशित करें। हाल ही बिहार सरकार द्वारा लाखों की संख्या में नियुक्त किये गए कुशल शिक्षक बहाली से इसकी उम्मीद जगी हैं।

प्रारंभिक शुरुआत करने होंगे-

यह बुजुर्गों की जिम्मेदारी है की वे अपने परिवार के युवाओं को यह सिखाएं कि कैसे सार्वजनिक रूप से व्यवहार करें, अलग-अलग कार्य और अन्य चीजों को एक शुरुआती उम्र से कैसे संभाले।

नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना होगा-

यह महत्वपूर्ण है कि हमे अपने युवा साथियों को यह समझाना होगा की क्या सही है और क्या गलत है? इसके बारे में उन्हें तर्क के साथ बताना और समझाना होगा। उनकी उम्र के आधार पर उन्हें समय-समय पर नैतिक शिक्षा देनी होगी। इसके साथ ही उन्हें बुरे व्यवहार या कार्यों के परिणाम के विषय में भी बताना होगा। इसके लिए पंचायत स्तर पर **'नैतिक युवा समूह'** का गठन किया जा सकता हैं ।

उन्हें स्वयं और दुसरों की मदद करने को प्रेरित करना होगा-

युवाओं को हर समय लाड़-प्यार करने की बजाए उन्हें स्वयं और आपकी सहायता करने दें। छोटे-छोटे कार्यो को उन्हें करने दें। जैसे- सामान्य घरेलु काम आदि। यह उनमें जिम्मेदारी की भावना को जन्म देता है और उन्हें जीवन में बड़ी जिम्मेदारियों को लेने के लिए तैयार करता है।

उनकी सराहना करनी होगी-

युवाओं के अच्छे काम की सराहना करें। यह उन्हें बार-बार अच्छे व्यवहार को करने के लिए प्रोत्साहित करने में मदद करेगा और यही अंततः उनके व्यवहार में शामिल हो जाएगा। हर बार उन्हें इनाम देने की कोशिश न करें।

उनके प्रति कठोर व्यवहार नही करना होगा-

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

जैसे-जैसे आप उन्हें बताएंगे कि सही और क्या गलत है, उन्हें नैतिक शिक्षा देंगे और कार्य सौंपगें तो उनके प्रति बहुत कठोर ना बनें। आपको यह समझने की जरूरत है कि ऐसा वक्ष्त भी हो सकता है जब वे आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे और इसमें कोई बुराई नहीं है।

समाज में युवाओं की भूमिका

अगर बिहार में युवाओं की मानसिकता सही है और उनके नवोदित प्रतिभाओं को प्रेरित किया गया तो वे निश्चित रूप से समाज के लिए अच्छा काम करेंगे। उचित ज्ञान और सही दृष्टिकोण के साथ वे प्रौद्योगिकी, विज्ञान, चिकित्सा, खेल और अन्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। यह न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से और पेशेवर रूप में विकसित करेगा बल्कि पूरे बिहार के विकास और प्रगति में भी योगदान देगा। दूसरी ओर यदि बिहार के युवा शिक्षित नहीं हैं या बेरोजगार हैं तो यह अपराध को जन्म देगा।

बिहार के युवाओं को क्यों सशक्त बनाया जाना चाहिए?

यहां कुछ कारण बताए हैं कि क्यों बिहार के युवाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता है:

- अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में उनकी सहायता करने के लिए।
- अपनी रूचियों का पता लगाने में उनकी सहायता करने के लिए।
- उनमें छिपी संभावितता को पहचानने के लिए।
- उन्हें समाज की समस्याओं के बारे में संवेदनशील बनाने और उन्हें यह शिक्षित करने के लिए कि वे कैसे इन समस्याओं के उन्मूलन के लिए योगदान कर सकते हैं।
- देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ विभिन्न देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए।

बिहार में युवाओं का सशक्तिकरण

बिहार सरकार का भी लक्ष्य युवाओं के नेतृत्व वाले विकास पर है। निष्क्रिय होकर बैठने की बजाए युवाओं को राज्य के विकास और प्रगति में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। युवा दिमाग को प्रोत्साहित और सशक्त बनाने के लिए की सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति शुरू की है। इसका उद्देश्य युवाओं की सही दिशा में राज्य संभावित रूप से निर्देशित करना है जो संपूर्ण रूप से बिहार को मजबूत करने में मदद करेगा। बिहार में हर बच्चे को शिक्षा मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए भी कई शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। बिहार सरकार लिंग भेदभाव नहीं करती है। युवा मामलों का विभाग युवाओं के सशक्तिकरण में भी सक्रिय रूप से शामिल है। इसने राज्य में युवाओं के नेतृत्व के गुण और अन्य कौशल को बढ़ाने के लिए कई पहले कीं हैं। जब बिहार के युवा अपने कौशल और क्षमता का पूरी तरह उपयोग करेंगे तो बिहार निश्चित रूप से विकास और उन्नति करेगा और इसे दुनिया भर में एक नई पहचान मिलेगी।

बिहार के आधुनिक युवकों की संस्कृति

मानसिकता और संस्कृति में परिवर्तन के लिए एक कारण पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव है और दूसरा तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती उन्नति है। पहले जमाने के लोग एक-दूसरे की जगह पर जाते थे और साथ में अच्छा वक्त बिताते थे। जब भी कोई जरूरत होती थी तो पड़ोसी भी एक-दूसरे की मदद के लिए इक्कठा होते थे। हालांकि आज के युवाओं को यह भी पता नहीं है कि बगल के घर में कौन रहता है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। वे सिर्फ उन्हीं लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं जिनसे वे सहज महसूस करते हैं और जरूरी नहीं कि वे केवल किसी के रिश्तेदार या पड़ोसी ही हो। तो मूल रूप से युवाओं ने आज समाज के निर्धारित मानदंडों पर संदेह जताना शुरू कर दिया है। आधुनिक युवक अपने बुजुर्गों द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं चलते हैं। वे अपने माता-पिता और अभिभावकों का साथ तो चाहते हैं लेकिन हर कदम पर उनका मार्गदर्शन नहीं चाहते।

आज की युवा पीढ़ी नई चीजें सीखना चाहती है और दुनिया में खुद को तलाश करना चाहती है। आज के युवा काफी बेसब्र और उतावले भी हैं। ये लोग तुरन्त सब कुछ करना चाहते हैं और अगर चीजें उनके हिसाब से नहीं चलती हैं तो वे जल्द नाराज हो जाते हैं। हालांकि आधुनिक युवाओं के बारे में सब कुछ नकारात्मक नहीं है। मनुष्य का मन भी समय के साथ विकसित हुआ है और युवा पीढ़ी काफी प्रतिभाशाली हुई है। आज के युवक उत्सुक और प्रेरित हैं। आज के युवाओं का समूह काफी होशियार है और अपने लक्ष्य को हासिल

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

करना अच्छी तरह से जानता है। वे परंपराओं और अंधविश्वासों से खुद को बांधे नहीं रखते हैं। कोई भी बाधा उन्हें उन चीजों को प्राप्त करने से नहीं रोक सकती जो वे चाहते हैं।

आज के बिहारी युवा और प्रौद्योगिकी

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति के साथ-साथ विभिन्न गैजेट्स के आगमन से जीवन शैली और जीवन के प्रति समग्र रवैया बदल गया है और आबादी का वह हिस्सा जो इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है वह युवा है। इन दिनों युवा अपने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया में इतने तल्लीन रहते हैं कि वे यह भूल गए हैं कि इसके बाहर भी एक जीवन है। आज के युवा स्वयं के बारे में बहुत चिंतित होते हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से वह सब कुछ दिखाना और बताना चाहते हैं जो उनके पास है। हर क्षण का आनंद लेने की बजाए वह यह दिखाना चाहते हैं कि उनका जीवन कैसा रहा है। ऐसा लगता है कि कोई भी वास्तव में खुश नहीं है लेकिन हर कोई दूसरे को यह बताना चाहता है कि उसका जीवन बेहद दूसरों की तुलना में अच्छा और मजेदार है।

मोबाइल फोन और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के अलावा जो आधुनिक युवाओं के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल रहे हैं वह है अन्य गैजेट्स और अन्य तकनीकी रूप से उन्नत उपकरण जिन्होंने लोगों की जीवन शैली में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। आज के युवा सुबह पार्क में घूमने की बजाए जिम में कसरत करना पसंद करते हैं। इसी प्रकार जहाँ पहले जमाने के लोग अपने स्कूल और कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए मीलों की दूरी चलकर पूरी करते थे वही आज का युवा कार का उपयोग करना पसंद करता है। भले ही उसे छोटी सी दूरी का रास्ता पूरा करना हो। सीढ़ियों के बजाए लिफ्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है, गैस स्टोव की बजाए माइक्रोवेव ओवन और एयर फ्रायर्स में खाना पकाया जा रहा है और स्थानीय हाट बाजार की जगह मॉल पसंद किये जा रहे हैं। सारी बातों का निचोड़ निकाले तो तकनीक युवाओं को प्रकृति से दूर-बहुत-दूर ले जा रही है।

बिहार में युवाओं की प्रमुख समस्याएं

बिहार में युवाओं की संख्या अन्य सभी राज्यों की अपेक्षा सबसे अधिक है। इसलिए उनके समुचित विकास और सफलता के लिए उचित योजना और निर्णय होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से, बिहार के युवा कई समस्याओं से जूझ रहे हैं :

- कई युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान नहीं की जाती है। यहां तक कि कई लोग गरीबी और बेरोजगारी तथा अनपढ़ अभिभावकों के वजह से स्कूल नहीं जा पाते हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक बच्चे को स्कूल जाने और उच्च शिक्षा हासिल करने का मौका मिले।
- बालिका शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि राज्य में कई ऐसे हिस्से हैं जहां लड़कियां स्कूल जाने और पढ़ाई से वंचित है। लेकिन युवा, लड़के और लड़कियों दोनों का गठन करते हैं। जब समाज का एक वर्ग उपेक्षित हो, तो हमारे बिहार का समग्र विकास कैसे हो सकता है?
- अधिकांश युवाओं को गलत दिशा ने खींच लिया है। जैसे- इन्स्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर, शॉर्ट्स आदि पर वे फूहड़ वीडियो अपलोड करके बिहारी और भारतीय संस्कृति को प्रदूषित कर रहें हैं। उन्हें इस तरह से अपने जीवन और करियर को नष्ट करने से रोका जाना चाहिए।
- कई युवाओं में कौशल की कमी देखी गयी है, और इसलिए सरकार को युवाओं के लिए कुछ कौशल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि वे आगे एक या उससे अधिक अवसरों से लाभान्वित हो सकें।
- बिहार में 90 प्रतिशत से अधिक लोग गांवों में रहते हैं। इसलिए शिक्षा और अवसरों की सभी सुविधाओं तक उनकी उचित पहुंच नहीं है।
- कुछ युवाओं द्वारा वित्तीय संकट और सामाजिक असमानता का भी सामना किया जाता है जिसमें जातिवाद सबसे प्रमुख हैं।
- ऐसे कई बच्चे हैं जो प्रतिभा के साथ पैदा हुए हैं लेकिन अपर्याप्त संसाधनों के चलते, वे अपनी प्रतिभा के साथ आगे नहीं बढ़ सके। उनमें से कई को पारिवारिक आवश्यकताओं के कारण पैसा कमाने के लिए अपनी प्रतिभा से हटकर अन्य काम करना पड़ता है लेकिन उन्हें उस काम से प्यार नहीं है जो वे कर रहे हैं।
- वर्तमान में, बेरोजगारी की समस्या बिहार के युवाओं की सबसे बड़ी समस्या है।

Bihar Nanaks (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

युवाओं के उचित मार्गदर्शन के लिए अति आवश्यक है कि उनकी क्षमता का सदुपयोग किया जाए। उनकी सेवाओं को प्रौढ़ शिक्षा तथा अन्य सराकारी योजनाओं के तहत चलाए जा रहे अभियानों में प्रयुक्त किया जा सकता है। वे सरकार द्वारा सुनिश्चित लक्ष्यों की प्राप्ति के दायित्व को वहन कर सकते हैं। तस्करी, काला बाजारी, जमाखोरी जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने में उनकी सेवाएं ली जा सकती हैं। युवाओं को बिहार निर्माण के कार्य में लगाया जाए बिहार निर्माण का कार्य सरल नहीं है। यह दुष्कर कार्य है। इसे एक साथ और एक ही समय में पूर्ण नहीं किया जा सकता। यह चरणबद्ध कार्य है। इसे चरणों में विभाजित किया जा सकता है। युवा इस श्रेष्ठ कार्य में अपनी क्षमता और योग्यता के अनुसार भाग ले सकते हैं। ऐसी असंख्य योजनाएं, परियोजनां और कार्यक्रम हैं, जिनमें युवाओं की सहभागिता सुनिश्चत की जा सकती है।

बिहार के युवा (स्त्री और पुरुष दोनों) समाज में समाजिक, आर्थिक और नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वे समाज में प्रचलित कुप्रथाओं और अंधविश्वास को समाप्त करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। देश में दहेज प्रथा के कारण न जाने कितनी ही महिलाओं पर अत्याचार किए जाते हैं, यहां तक कि उनकी हत्या तक कर दी जाती है। महिलाओं के प्रति यौन हिंसा से तो देश त्रस्त है। नब्बे साल की महिला से लेकर कुछ दिन की मासूम बच्चियों तक से दुष्कर्म कर उनकी हत्या कर दी जाती है। डायन प्रथा के नाम पर महिलाओं की हत्याएं होती रहती हैं। अंधविश्वास में जकड़े लोग नरबलि तक दे डालते हैं। बिहारी समाज में छुआछूत, ऊंच-नीच और जात-पांत की खाई भी बहुत गहरी है। दलितों विशेषकर महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार की घटनाएं भी आए दिन देखने और सुनने को मिलती रहती हैं जो सभ्य समाज के माथे पर कलंक हैं। आतंकवाद के प्रति भी युवाओं में जागृति पैदा करने की आवश्यकता है। भविष्य में देश की लगातार बढ़ती जनसंख्या का पेट भरने के लिए अधिक खाद्यान्न की आवश्यकता होगी। कृषि में उत्पादन के स्तर को उन्नत करने से संबंधित योजनाओं में युवाओं को लगाया जा सकता है। इससे जहां युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं देश. राज्य और समाज हित में उनका योगदान रहेगा। केवल राष्ट्रीय युवा दिवस मनाकर स्वामी विवेकानन्द जी के स्वप्न को साकार नहीं किया किया जा सकता और न ही युवाओं के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह किया जा सकता है।

उपसंहार

पश्चिमी चकाचौंध से अंधे हो चुके बिहार के युवाओं को यह एहसास नहीं है कि हमारी भारतीय संस्कृति और बिहार की क्षेत्रीय संस्कृति हमेशा से बहुत अच्छी थी। हालांकि अंधविश्वासों से अपने आप को बाँधना अच्छा नहीं है लेकिन हमें हमारी संस्कृति से अच्छे संस्कार लेने चाहिए। इसी तरह किसी के जीवन में विकास के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहिए। हमें प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनना चाहिए। नि:संदेह, युवा देश के विकास का एक महत्वपूर्ण अंग है। युवाओं को देश के विकास के लिए अपना सक्रिय योगदान प्रदान करना चाहिए। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में युवाओं को सम्मिलित करना अति महत्वपूर्ण है तथा इसे यथाशीघ्र एवं व्यापक स्तर पर किया जाना चाहिए। इससे एक ओर तो वे अपनी सेवाएं देश और राज्य को दे पाएंगे दूसरी ओर इससे उनका अपना भी उत्थान होगा।

अभ्यास प्रश्न

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए:

1. **युवा, बिहार नहीं हैं, बल्कि बिहार युवा हैं।**
2. **युवा बिहार के विकास का आधार हैं।**
3. **आधुनिक तकनीक ने बिहार के युवाओं को 'बिहारी समाज' से विलग कर दिया हैं।**
4. **बिहार की संस्कृति बनाम आधुनिक युवा की संस्कृति।**

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

67वीं BPSC टॉपर्स टॉक

सुश्री रानी कुमारी, प्रोबेशन ऑफिसर, रैंक- 273, 67वीं BPSC

बिहार नमन जीएसः 67वीं BPSC में शानदार सफलता के लिए बिहार नमन जीएस परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

रानी कुमारीः जी, धन्यवाद।

बिहार नमन जीएसः BPSC के प्रति रुझान कैसे आया? आप अपनी सफलता का श्रेय किसे देंगे?

रानी कुमारीः मैं प्रारंभ में डॉक्टर बनना चाहती थी। परंतु मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। फलतः मैं प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर उन्मुख हुई और बैंकिंग से संबंधित एग्जाम्स की तैयारी करने लगी। परंतु 2020 में जब मै स्नातक के तृतीय वर्ष में थी, उसी समय कोविड महामारी के कारण पूरे भारत में लॉकडाउन लग गया। इसी दौरान जब मैं घर पर थी तो कुछ यूट्यूब वीडियोज देखते हुए व अपने पिताजी की प्रेरणा से मेरा झुकाव सिविल सर्विसेज के एग्जाम्स की तरफ गया और मैंने इसके लिए तैयारी करने का निश्चय किया।

मैं अपनी सफलता का श्रेय भगवान जी, मेरे परिवारजन, मेरे गुरु जन (अजय सर व संतोष कश्यप सर) व मेरे मित्रों को देना चाहती हूं जिनके आशीर्वाद व सहयोग के कारण मैं आज यहां तक पहुंची हूं।

बिहार नमन जीएसः 67वीं BPSC की संपूर्ण तैयारी के लिए आपकी स्ट्रेटजी क्या रही?

रानी कुमारीः मैंने प्रीलिम्स व मुख्य परीक्षा की तैयारी साथ-साथ शुरू की। प्रीलिम्स के एक माह पूर्व मैंने इतिहास, राज्यव्यवस्था और ऑप्शनल विषय तैयार कर लिया था। फिर मैंने समर्पित भाव से एक महीना प्रीलिम्स के लिए पढ़ाई की।

बिहार नमन जीएसः 67वीं BPSC की तैयारी के समय अपने परीक्षा के सभी चरणों के लिए समय प्रबंधन कैसे किया?

रानी कुमारीः जब मैंने तैयारी प्रारंभ की तो, चुंकि मैं साथ-साथ च्ळ कर रही थी, तो मैं इसके लिए केवल चार से पांच घंटे पढ़ती थी। हालांकि सितंबर 2022 से मैं 14 से 15 घंटा पढ़ाई करना शुरू कर दिया जो 67वीं BPSC मुख्य परीक्षा तक जारी रहा।

बिहार नमन जीएसः आपके वैकल्पिक विषय क्या थे और आपने इसकी तैयारी कैसे की?

रानी कुमारीः मेरा वैकल्पिक विषय हिंदी भाषा व साहित्य था जिसकी तरफ मेरा रुझान बचपन से ही था। मैंने इसके लिए संस्थान द्वारा उपलब्ध करवाए गए नोट्स तथा दृष्टि आईएएस के हिंदी साहित्य के नोट्स की सहायता ली और प्रत्येक टॉपिक का एक शॉर्ट्स नोट्स व एक दीर्घ नोट्स तैयार किया तथा कम शब्दों में अपनी बातों को व्यक्त करने के लिए डायग्राम की मदद ली।

बिहार नमन जीएसः 67वीं बीएससी के लिए क्या आपने कहीं क्लास लिया था? आपने आंसर राइटिंग डेवलपमेंट के लिए विशेष क्या किया?

रानी कुमारीः जी। प्रारंभ में मैंने इसके लिए दरभंगा में विजन सिविल सर्विसेज सेंटर ज्वाइन किया था और इस एग्जाम के लिए आरंभिक ज्ञान मुझे वहीं प्राप्त हुआ था। मैंने अपनी मेंस आंसर राइटिंग डेवलपमेंट के लिए आंसर में डायग्राम का प्रयोग किया। साथ ही विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त डाटा का उपयोग किया तथा एक कंक्लुडेड आंसर लिखने का निरंतर प्रयत्न करती रहीं।

बिहार नमन जीएसः जो अभ्यर्थी 69 वीं BPSC की मुख्य परीक्षा देंगे और जो 70 वीं BPSC की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए आप क्या सुझाव देंगी?

रानी कुमारीः जो अभ्यर्थी 69 वीं BPSC मेंस की तैयारी कर रहे हैं उनसे मैं कहना चाहती हूं कि वह अपने आंसर राइटिंग में डाटा व डायग्राम का भरपूर इस्तेमाल करें। इसके लिए वे विजन आईएएस के मंथली नोट्स की सहायता ले सकते है। साथ ही नीति आयोग व अन्य सरकारी वेबसाइटों का भी उपयोग कर सकते हैं। संबंधित अभ्यर्थी को चाहिए कि कम शब्दों में कंक्लुजन बेस्ड आंसर लिखने का अभ्यास करें। वैसे अभ्यर्थी जो 70 वीं BPSC के लिए तैयारी कर रहे हैं, वे प्रीलिम्स व मेंस साथ-साथ में पढ़ सकते हैं। इस प्रकार अभ्यर्थी को अपने कांसेप्ट को क्लियर करने का प्रयत्न करते रहना चाहिए।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC) Patna

बिहार नमन जीएसः सफलता के लिए आंसर राइटिंग कितना जरूरी है?

रानी कुमारीः निश्चित रूप से सिविल सर्विस के एग्जाम में आंसर राइटिंग का महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए कहा भी जाता है कि- मेंस सिलेक्शन करवाता है और इंटरव्यू रैंक डिसाइड करता है। अतएव सिलेक्शन पाने के लिए अच्छी आंसर राइटिंग में दक्ष होना बहुत जरूरी है।

बिहार नमन जीएसः 67वीं BPSC के लिए आयोग में दिए आपके साक्षात्कार के अनुभव साझा करें।

रानी कुमारीः 67वीं BPSC के लिए साक्षात्कार के लिए मैं पटना स्थित बिहार नमन जीएस से जुड़ी थी जहां मैंने तीन मॉक इंटरव्यू का पूर्व अभ्यास किया था। वहां संतोष कश्यप सर व अन्य सम्मानित बोर्ड मेंबर्स के गाइडेंस के कारण मैं इंटरव्यू में अच्छे अंक प्राप्त करने में सफल रही और 67 वीं BPSC में मेरा प्रोबेशन ऑफिसर के पद पर चयन हुआ।

बिहार नमन जीएसः भविष्य के लिए आपको शुभकामनाएं।

रानी कुमारीः धन्यवाद.. धन्यवाद।

Bihar Naman GS (An Institute for UPSC & BPSC), Patna

Bihar Naman GS

An Institute for UPSC & BPSC

www.biharnaman.in

Final Results By Bihar Naman GS in BPSC AUDITOR PR

2 Rank Holders in Top 10 From Bihar Naman GS

A Big Congratulations to our Toppers for their incredible accomplishment in BPSC AUDITOR PR 2023

2 Rank
KHUSHBOO

8 Rank
VIKASH KUMAR

54 Rank
VISHAKHA PATEL

95 Rank
BISHESHWAR SHARMA

115 Rank
RANJIT TANTI

118 Rank
SAWAN KUMAR

137 Rank
MD ASFANDYAR

140 Rank
NIKHIL NANDAN

195 Rank
ROSHAN RAJ

244 Rank
BRAJMOHAN TANTI

252 Rank
ARPANA KUMARI

255 Rank
AKSHAY KUMAR

271 Rank
SURUCHI PRIYA

277 Rank
MURARI KUMAR JHA

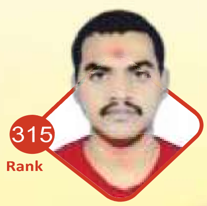
315 Rank
ABHISHEK KUMAR

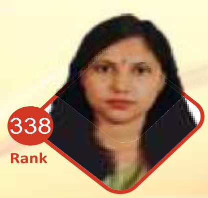
338 Rank
VINITA KUMARI

341 Rank
RAVINA SINGH

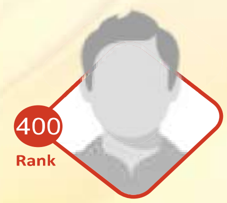
400 Rank
LAKHAN KUMAR TANTI

403 Rank
SURAJ SINGH RATHORE

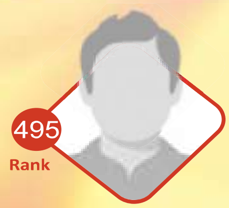
495 Rank
VIKRAM CHAUPAL

599 Rank
PRIYA KUMARI

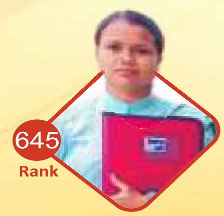
645 Rank
KUSUM KUMARI

At: 3rd floor, A.K. Pandey Building, Road No.-2, Rajendra Nagar, Patna - 800016 www.biharnaman.in

- 8368040065

/The BPSC House Bihar Naman GS(official)

Bihar Naman GS

An Institute for UPSC & BPSC

Our Toppers in 67th BPSC

32 Rank
CHANDRASHEKHAR YADAV
(Bihar Administrative Service)

48 Rank
ROSHAN RAJ
(Bihar Administrative Service)

138 Rank
GAUTAM KUMAR
(Excise Superintendent)

250 Rank
VIRENDRA KUMAR
(Rural Development Officer)

273 Rank
RANI KUMARI
(Probation Officer)

285 Rank
RAKESH KUMAR ROSHAN
(Rural Development Officer)

426 Rank
PRANAV KUMAR
(Subdivisional BC & EBC Welfare Officer)

483 Rank
RAJEEV RANJAN
(Block SC & ST Welfare Officer)

801 Rank
RIYA KUMARI
(Labour Enforcement Officer)

1280 Rank
BRAJMOHAN TANTI
(Labour Enforcement Officer)

NEXT YOU

Bihar Naman GS Offers Followings Courses For 70th BPSC

- BPSC Foundation Course (PT To Interview)
- BPSC Prelims Special Class
- BPSC Main Special Class
- ESSAY Special Class
- Test Series For Prelims, Mains & ESSAY
- Mentorship Program
- Commerce Optional (AFO)
- Study Material & Notes

Offline & Online Classes

Live & Recorded Classes

Hindi & English Medium

Bihar Naman GS

3rd Floor, A.K. Pandey Building Road No.-2 (Near Dinkar Golambar)
Rajendra Nagar, Patna - 800 016